ॐ
شری
پنچانگ
५०५८
सहायक :
ज्यो० टीका लाल दत्ता
मंत्री
ब्रा० महामण्डल कश्मीर
सम्पादक तथा प्रकाशक :
ब्राह्मण महामण्डल काश्मीर श्रीनगर

ॐ

राजा : बृहस्पति

मंत्री : मंगल

श्रीपञ्चांग

सप्तर्षि संवत् ५०५८

ईस्वी संवत् १९८२-८३

विक्रमी संवत् २०३९

सहायक :
ज्यो० टीका लाल दत्ता
मंत्री
ब्रा० महामण्डल कश्मीर

गणितकर्ता :
श्री ओंकारनाथ
ज्यो० रत्न

सम्पादक तथा प्रकाशक :
ब्राह्मण महामण्डल काश्मीर श्रीनगर

श्री गणेशाय नमः ।।

अचिन्त्या व्यक्तरूपाय निर्गुणाय गुणात्मने । समस्त जगदाधार मूर्तये ब्रह्मणे नमः ।। (2

ओं श्री शुभ सप्तर्षि संवत् ५०५८ विक्रमी संवत् २०३९ शाके १९०४ सन् ईस्वी १९८२-८३ श्री कृष्ण जन्म सम्वत् ५२१७ स्वतन्त्र भारत संवत् ३६ सृष्टि संवत् १९५५८८५०८३

वर्ष का राजा गुरु देवता, प्रधान मंत्री मंगल देवता वर्ष का शुभ नाम युवा, वर्ष का राष्ट्रपति शुक्र देवता वर्ष का वाहन नौका, वसन्त का वाहन यूनान के मतानुसार मुर्गा, शास्त्रानुसार चातक, धान्य का स्वामी शुक्र, रसों का स्वामी सूर्य, सूखे अनाजों का स्वामी शुक्र, सूर्य, समस्याधिपति गुरु, सेना का स्वामी भौम, मेघ का स्वामी चन्द्र, मंगल ।

वर्षा भगवती सूपकारी, शनि रोहिणी, आषाढ़ ९ मंगलवार शनि की दृष्टि दक्षणोत्तर ।

मेघ ७ धान्य १५ तृण १३, शीत १७ वायु ५ प्रकाश १३ वृद्धि १५ क्षयः १५ विग्रह ११ तृष्णा १३ क्षुधा १७ क्रोध १३ पाप १९ पुण्य १३ आचार १३ अनाचार १९ मृत्युः जन्म ७ देशोपद्रव ११ । शनि कन्या और तुला राशि में, ग्रहणों का प्रभाव संसार पर भयावह वर्ष विश्वा १८ ।

संवत् सर का निवास धोबी के घर में)

विक्रमी २०३९

काश्मीर के गणितानुसार लाभ व्यय चक्र संवत् २०३९ ईस्वी १९८२-८३

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृं	धं.	मं.	कु.	मी.	रा.
१४	८	१४	८	११	१४	८	१४	११	२	२	८	ला
२	११	८	५	२	८	११	२	८	१४	१४	११	व्यय
१	५	९	२	६	१०	२	७	४	८	११	१२	घा चं

देखने का तरीका—लाभ और खर्च के हिसों को जमा करके एक कम करें और ८ से भाग देवें । अगर शेष

१ बचें तो सुख और शान्ति, नौकरी तथा दरबार में लाभ उत्तम मिले। अगर शेष दो बचें तो इस वर्ष मनो कामना पूरी और सुख मिले। अगर तीन ३ बचें तो धन का खर्च, बीमारी का डर, शत्रुओं का भय बना रहे। अगर ४ बचें तो स्थान परिवर्तन एवं घरेलू झगड़ों में मन चंचल रहे। अगर ५ रहें तो व्यवसाय एवं दरबार में मान हानि, शरीर में पीड़ा एवं शत्रुता, वर्ष का प्रथम भाग मध्यम रहे। अगर छः ६ बचें तो मानसिक चंचलता दूर हो मित्रों और सम्बन्धी वर्ग द्वारा धन का लाभ मिले। अगर ७ सात बचें तो कारोबार में लाभ स्त्री एवं सन्तान पक्ष के द्वारा लाभ भाईयों का लाभ हो। यदि शेष कुछ न बचें तो यह वर्ष दौड़ धूप एवं अशान्ति का वर्ष बना रहे धन का खर्च भी रहे। इतिशम् ॥

विक्रमी संवत् २०३९ एवं १९८२-८३ ईस्वी में समय शुद्धि का विचार इस प्रकार से है :—

२६ मार्च सन् १९८२ से १३ अप्रैल तक मीनस्थ सूर्य विवाह में वर्जनीय।

३७ अगस्त से सिंह राशि में सूर्य (सिंगह)

१७ सितम्बर भानुमास का प्रवेश पहिला (संसर्प) मास, १७ अक्तूबर तक।

५ अक्तूबर से पूर्व में शुक्र अस्त १ दिसम्बर तक।

२ नवम्बर गुरू अस्त ३० माहि नवम्वर तक।

१८ नवम्बर से १८ दिसम्वर तक मल मास का प्रवेश।

२४ जनवरी से १२ फरवरी तक क्षय मास (पौष मास)।

१३ फरवरी से १४ मार्च तक दूसरा भानुमास (अहंस्पति)।

अतः यह समय शुभ कार्य विवाह यज्ञोपवीत आदि शुभ कार्यों के लिए निषेध है।

ज्योतिष शास्त्र के आधार पर भविष्यवाणी विक्रमी सम्वत् २०३६ (संसार)

इस वर्ष का जगत्लग्न मकर राशि का है । लग्न का स्वामी शनि मंगल के साथ वक्री बुध के घर में है । बुध सूर्य के साथ चतुर्थ पड़ा है । चन्द्रमा, केतु के साथ पीडित है ।

जगत् लग्न

वर्ष में ग्रहों के दस अधिकारियों में से ७ अधिकार शुभ ग्रहों को तथा अशुभ ग्रहों को तीन अधिकार प्राप्त हुए हैं। इस वर्ष राजा का अधिकार बृहस्पति देवता एवं मंत्री का अधिकार मंगल को मिला है । सुरक्षा एवं प्रतिरक्षा आदि के स्वामी मंगल है । वर्षारंभ में शनि और बृहस्पति वक्री हुए हैं और शनि देवता को इस वर्ष अधिकार से रहित किया गया है। इस वर्ष बृहस्पति मान से 'युवा' नामक संवत्सर है। जिस के चार मास १२ दिन शेष रह गए हैं । उस के बाद 'धाता' संवत्सर आरंभ होता है ।
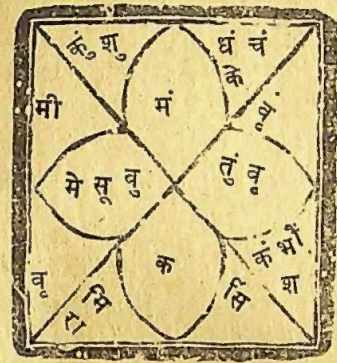
इस वर्ष शनि की दृष्टि दक्षिण उत्तर प्रारंभ में तथा ७ मास उपरान्त पश्चिम में पड़ेगी । वर्ष का वाहन 'नौका' एवं वर्षा भगवती 'सूपकारी' तथा वसन्त की सवारी मुर्गे पर है ।

जगत्लग्न तथा कर्म चक्र और ग्रहों की आपसी दृष्टि को देखकर इस वर्ष संसार में अप्रत्याशित अवांच्छनीय घटनाओं को लेकर आ रहा है । विश्व के रंग मंच पर अनेक घटनायें घटेंगीं । संसार का वातावरण विक्षुब्ध रहेगा । बड़े बड़े [illegible] देशों की स्थिर विदेश नीति संसार को पूर्ण रूप से शान्ति का सांस नहीं लेने देगी ।

दुर्भिक्ष, रोगभय, भूकम्प, गृहयुद्ध, जलप्रलय, अग्निकान्ड आदि उत्पातों के द्वारा संसार के कई प्रान्त विनाश की ओर अग्रसर होंगे । विश्व की महान शक्तियों के सामने नई नई विषम समस्याएं उत्पन्न होंगी ।

सेना का विभाग मंगल देवता ने संभाला है अतः विश्व के दक्षिण तथा पश्चिमी राष्ट्रों में बेचेनी रहेगी । विश्व के बड़े बड़े देश परमाणु युद्ध की तैयारी में लगेंगें । पश्चिमी देश आयुधों की तैयारी में लगेगें जिन पर वे अधिक धन व्यय करेंगे । तीसरे विश्व युद्ध की काली घटायें आकाश में मण्डराने लगेंगीं । परन्तु तीसरा विश्व युद्ध इस वर्ष आरंभ नहीं होगा परन्तु बड़ी ताकतों में आक्षेप प्रत्याक्षेप अवश्य होते रहेंगे यद्यपि शान्ति प्रिय गुरु देवता इस वर्ष वर्ष का राजा है और राष्ट्रपति शुक्र देवता है । इन की आपसी समता है । परन्तु मंगल वर्ष का प्रधान मंत्री तथा सेना का अधिपति क्रूर ग्रह है शनि वर्ष में हस्त तथा चित्रा नक्षत्र में भ्रमण कर रहा है इस के फल-स्वरूप इस वर्ष में विश्व के कुछ देशों में शासन तंत्र बदलेगें । फौजी हकूमत बनेंगीं । तथा बड़े शक्ति शाली देशों में युद्ध की प्रवृति बड़ेगी, आकाशी उत्पातों से भय बना रहेगा । मुस्लिम देशों में आतंक भूकम्प अग्निकाण्ड, तूफान तथा जलप्रवाह से भय व्याप्त होंगे कहीं कहीं आन्धी तूफान हवाई और प्राकृतिक प्रकोप से जन धन की हानि होगी । यह योग जून से लेकर सितम्बर दुर्घटनाओं के प्रथम सप्ताह तक रहेगा ।

जैसे शास्त्रों का कहना है—

वक्रं गतो रवि सुतोऽथ धरा सुतो वा हस्ते तत्रैव चित्रे दैवत रौद्र भेषु ।
छत्र भंग पतने भुवि सैनिकानां सर्वत्र लोक मरणं खलु शास्त्र संघैः ॥

इसलिए विश्व के अनेक मुस्लिम राष्ट्रों जैसे अरब, ईरान, इराक, पाकिस्तान, मिश्र पूर्वी टर्की चीन, फ्रांस जापान आदि देशों में आन्तरिक उपद्रव पैदा होंगे ।

यदा क्रूर ग्रहो वक्री शुभश्चैवाति चारगः । तदा भवति दुर्भिक्षं राज्ञां युद्धं परस्परम् ॥
कन्ये च यदा हौरि दुर्भिक्षं तत्र रौरवम् । पश्चिमेवारुणं युद्धं नृपाणां च महद्भयम् ॥

इस वर्ष विश्व युद्ध की सम्भावना नहीं है। आने वाले ३ वर्षों तक विश्व युद्ध की सम्भावना है। क्योंकि जब तक शनि और राहु आपसी युतिभेद नहीं करेंगे तब तक तीसरा विश्व युद्ध नहीं होगा। जोकि १९९० के लगभग होना सम्भव है। जैसे कहा है -

तुला वृश्चिक चापेषु यदा याति शनैश्चरः। त्रिभागशेष पृथ्वी मांस शोणित कर्दमैः॥

भारतवर्ष

स्वतन्त्र भारत की ३३वीं गणतंत्र कुण्डली का लग्न मिथुन लग्न है। लग्न का स्वामी बुध सूर्य चन्द्रमा तथा शुक्र के साथ ८ घर में बैठा है। मुंथा ९ भाव में है और मुंथा का स्वामी शनि भौम के साथ पीड़ित है। वर्ष का राष्ट्रपति शुक्र भी आठवें घर में है। चतुर्थ शनि और मंगल बृहस्पति के घर को सम्पूर्ण दृष्टि से देख रहा है। वर्ष लग्न का स्वामी बुध सूर्य के साथ अस्तंगत है। दूसरी ओर गुरु मुंथा को देखता है। वर्ष लग्न के आधार पर तथा ग्रहों की आपसी युतिभेद होने से भारत में वर्ष का पूर्वार्ध कल्याण दायक रहेगा तथा उत्तरार्ध में कुछ विषमता प्राप्त होगी। वर्ष के पूर्वार्ध में भारतीय शासन तन्त्र के लिए विशेष सुधारों एवं प्रगति कारक योजनाओं वाला सिद्ध होगा। परन्तु कुछ राजनैतिक परिस्थितियां इस प्रकार उलझेंगी जिनके सुधार करने के लिए कठोर पग उठाने होंगे।

स्वतंत्र भारत का वर्ष चक्रम्

इस वर्ष शनि भौम दो नक्षत्रों में समावेश करता है जो अप्रेल से जुलाई के अन्त तक रहेगा, जिसके फलस्वरूप सीमा भूमी विवाद फिर उलझेंगे सीमाओं पर कुछ हलचल मचेगी और शत्रुओं के आतंक से सतर्क रहना होगा।

गणतंत्र कुण्डली के जन्म लग्न पर शनि की दृष्टि है और सूर्य चन्द्रमा बुध की युति भेद है। इस कारण से (7 काले धन की समस्या और बढ़ेगी। आर्थिक संकट भी बढ़ेगा। इस वर्ष एक ही मास में दो ग्रहण होंगे। जिसके फलस्वरूप उग्रवादियों का आतंक बढ़ेगा, जातिवाद का प्रश्न फिर से उठने की संभावना है। कुछ प्रदेशों में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ेगा। अगस्त से मार्च तक का समय भारत के लिए अग्नि परीक्षा का समय होगा। इसी समय से राजनैतिक समस्याएं काफी जोर पकड़ेंगी। कहीं भूकम्प, जलप्लाव आधिभौतिक और आदिदैविक दुर्घटनाएं बनेंगी।

जैसे शास्त्र में लिखा है :

यदैक मासे ग्रहणं जायते शशि सूर्ययोः।
शस्त्र कोपैः क्षयं यन्ति तदा भय परस्परम्।

इस वर्ष वर्ष का वाहन 'नौका पर है यतः लोगों में कठोर विषमता, साम्प्रदायिकता झगड़े रेल यानादि दुर्घटनाएं किसी विशिष्ट नेता की आकस्मिक निधन अग्निकाण्ड बाढ़ः भूकम्पादि प्राकृतिक आपदाओं से हानि और दुखद समाचार मिलेंगे। काश्मीर, उड़ीसा, आसाम, गुजरात, कलकत्ता, पंजाब आदि पश्चिमी और उत्तरी भागों में हिंसक घटनाएं होंगी।

'क्षयमासो भवेद्यस्मिन तस्मिन वर्षेति विग्रहः।'

अतः आने वाले १९८२ से ८५ के अन्तर्गत क्षयमास की स्थिति युद्ध विभीषिका को जन्म देगी। प्राकृतिक प्रकोप दुर्भिक्ष-तूफान से जन धन की हानि होगी। रोग आदि से जनता को कष्ट होगा। सीमा विवाद के कारण सीमा प्रान्त अशान्त होते दिखाई देंगे। आपसी साम्प्रदायिक तत्व उभरेंगे। अतः भारत को पूरे तौर पर सतर्क रहना चाहिए तथा शत्रुओं की ओर कड़ी नजर रखनी आवश्यक है।

गुरु पांचवें भाव मुंथा में पड़ा है तथा मुंथा ९ भाव में है। इस कारण से भारत कला कौशल नवीन आविष्कार उद्योग धन्धे और उत्पादन में पर्याप्त प्रगति करेगी। भारत की आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी। संसार के औद्योगिक देशों में भारत की बनी वस्तुएं बिकेगी। खेती बाड़ी भूमि उत्पादन में एवं निर्माण कार्य में महत्त्व-पूर्ण प्रगति होगी। विद्या का सुधार होगा। नये २ कारखाने खोले जाएंगे।

आठवें भाव में चन्द्रमा होने से जनता हृदय रोग तथा शिरो रोग से पीड़ित रहेगी। वर्ष के मध्यम भाग किसी वयोवृद्ध नेता का निधन होगा। युवा वर्ग की उन्नति होगी। मज़दूरों की ओर प्रतिष्टा प्राप्त होगी।

मंगल संसार से व्यक्ति तत्व को समाप्त करके प्रजातन्त्र साम्यवाद मज़दूर एवं दौलत वर्ग के महत्त्व को बढ़ावा मिलेगा। कृषि वर्ग कुछ असन्तुष्ट रहेगी खड़ी फसलों को कुछ हानि पहुंचेगी।

पंच ग्रहयोग के कारण कुछ प्रान्तों में वर्षा तथा बाढ़ से हानि होगी या भयंकर सूखे की स्थिति बनेगी। इस वर्ष कुछ भागों में अकाल की स्थिति से राजशासन को चिन्तित रहना पड़े हिम पात से अनेक प्रान्तों में क्षति पहुंचेगी। भारत की विदेश नीति यथावत रहेगी। रूस के साथ सम्बन्ध अच्छे रहेंगे शेष देशों के साथ कुछ तनाव पैदा होगा।

संवत् १९९० के आगे उत्तरोत्तर भारत का भविष्य उज्जवल बनने लगेगा और भारतीय आर्य संस्कृति का का गौरव बढ़कर भारत पुनः विश्व गुरु का पद प्राप्त करेगा तथा भारत के किसी भाव दर्शी महापुरुष का नेतृत्व प्राप्त होगा।

कश्मीर

वर्ष का राजा गुरु प्रधान मन्त्री मंगल, वर्ष का राष्ट्रपति शुक्र वर्षा भगवती सूपकारी, वर्ष का वाहन 'नौका'

काश्मीर के गोचर चक्र तथा वर्ष चक्र में चन्द्रमा और शुक्र आपस में युतिवेध करते हैं गुरु छः भाव में है। आरम्भ में मंगल शनि वक्री हैं। आषाढ़ नवमी मंगलवार और सेना पति मंगल जोकि शनि के साथ साथ कर्तरी दोष करते हैं। इस प्रकार ग्रहों की स्थिति तथा एक ही मास में दो ग्रहणों के प्रभाव से यह ज्ञात होता है कि इस वर्ष का पूर्वार्ध ८ मास यहाँ की जनता के लिए शुभकारी और प्रगतिशील रहेगा। वर्ष का राजा गुरु होने से वर्ष के उत्तरार्ध में शासन प्रणाली में आवश्यक परिवर्धन परिवर्तन सुधार होंगे। शिक्षा की ओर उचित ध्यान दियाजाएगा। नए नए विकास योजनाओं को क्रियान्वित करने के प्रयास होंगे। उद्योगिक उत्पादनों को बढ़ावा मिलेगा। नए नए कारखानों का सुधार होगा। वर्ष का प्रधान मन्त्री मंगल होने से तथा वर्ष का वाहन नौका और आषाढ़ ९ मंगलवार होने के कारण सीमाओं पर कुछ गतिविरोध उत्पन्न होंगे, वर्ष के मध्य भाग से लेकर अन्त तक किसी प्रतिष्ठित नेता का देहावसान होने की सम्भावना है। व्यापार के क्षेत्र में विशेष उन्नति प्राप्त होगी एवं जनता को अनेक प्रकार की सुविधाएं प्राप्त होंगी। सरकार पीने के पानी की योजनाएं शिक्षा केन्द्रों तथा सड़कों का सुधार करने में काफी धन व्यय करेगी।

काश्मीर का गोचर चक्र

वर्ष का वाहन 'नौका'

जनाना भ्रमिता सर्वे चतुष्पदा प्रपीड़िता विफला सकला धात्री नौका वाहन वत्सरे।

जून से दिसम्बर के अन्त तक शासक वर्ग को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। शस्त्रभय व्यापे

दक्षिण उत्तर एवं पश्चिमी भागों में प्राकृतिक प्रकोप,भूकम्प,बाढ़ तथा बीमारी से लोगों को हानि पहुंचे। बृहस्पति (10)
के प्रभाव से इस वर्ष तोड़ फोड़ की घटनाएं कम होंगी। केन्द्र से धन विशेष रूप में लिया जायेगा।

वर्षा भगवती सूपकारी होने से बीमारी से लोगों की मृत्यु होने का भय रहेगा। वर्षा अधिक होने के कारण बाढ़ एवं फलों को हानि, धान्य में कमी होने की संभावना है। सूपकारी सदा प्रावृत्तुत्पातं मरणं ध्रुवम्। शालीनां चैव वृद्धिस्यात्सवात चैव वर्षणम्॥

वर्ष का राष्ट्रपति शुक्र एवं मंत्री होने के कारण चोर, रोग आदि का भय बना रहेगा। लोग पापकर्म में लगे रहेंगे आदि पशु दूध अधिक नहीं देंगे। गेहू तथा सरसों के भाव मन्दे पड़ जाएंगे। तैलादि पदार्थ महंगे होंगे, शासक वर्ग अपने सुख एवं स्वार्थ का अधिक ध्यान देंगे। धान्य का स्वामी गुरु होने के कारण धान्य की पैदावार मध्यम रहेगी। कुछ भागों में धान्य को नुकसान होगा। कुछ में धान्य की काफी वृद्धि होगी। कृषि वर्ग इस वर्ष कुछ कठियता प्राप्त क गे।

फलों का स्वामी चन्द्रमा वृक्षों मे फल अधिक होंगे। लोगों को फलों के व्यापार से लाभ मिलेगा। फलों का यातायात इस वर्ष अच्छा रहेगा। धन का स्वामी शुक्र होने के कारण व्यापारी लोग इस वर्ष व्यापार से अधिक लाभ उठायेंगे।

यदा क्रूर ग्रहो वक्री शुभश्चैवति चारणः। तदा भवति दुर्भिक्षं राज्ञां युद्ध परस्परम्॥

वर्ष का रक्षा मंत्री मंगल होने के कारण सीमाओं पर वाद विवाद बढ़ते रहेंगे। सैनिक बल को बढ़ावा मिलेगा। नए २ कारखानों को बढ़ावा मिलेगा सेना विभाग की ओर अधिक ध्यान दिया जाएगा। खड़ी फसलों

की हानि होगी। उत्तरी भाग में उपद्रव तथा संक्रामिक रोग उत्पन्न होंगे। नेताओं में आपसी तनाव उत्पन्न
होगा।

वर्ष के राष्ट्रपति शुक्र तथा आषाढ़ नवमी मंगलवार होने से इस वर्ष स्त्रियों का महत्त्व बढ़ेगा। इस वर्ष लड़कियां अधिक उत्पन्न होंगी। सरस खशबूदार चीजों, जवाहरात आदि की उपज अधिक उत्पन्न होगी श्रृंगारिक वस्तुओं के व्यापार से अधिक लाभ होगा।

मेघों का स्वामी मंगल, पृथ्वी पर घास फूस अधिक उपजें, कुछ भागों में सूखा तथा कुछ भागों में वर्षा अधिक होगी। ओले वगैरा से खेतों को हानि होगी। २१ सितम्बर से तुला राशि में शनि और गुरु इकट्ठे हो रहे हैं। इस कारण से वर्ष के अन्त तक यहां की जनता में कुछ अशान्ति बनी रहेगी तथा किसी प्रमुख व्यक्ति का निधन होने की संभावना है।

इस वर्ष गुरु के प्रभाव से विद्यार्थी वर्ग काफी सफलता प्राप्त करेंगे तथा यात्रियों को अच्छी सुविधाएं प्राप्त होंगी। वसन्त की सवारी मुर्गा होने के कारण लोग लड़ाई झगड़ों में अधिक समय व्यतीत करेंगे तथा बादाम, अखरोट की पैदावार सन्तोषजनक' गिलास रसदार फल अच्छी औद्योपन का प्रभाव अधिक पड़ेगा।

अंगे यस्य विभाति मंगलमयी ज्योतिष्मती कलिका कारुण्य प्रतिमाऽपि भीषणतमा यस्याष्टमूर्ति प्रभा सूर्यचन्द्रमसौ हुताशनयुतौ यन्नेत्रतामागतो, सोऽयं मन्मथमर्दकः पुरहरः पायाद पायाज्जगत्।

स्वस्ति प्रजाभ्यः परिपालयन्तां न्यायेन मर्गिण मही महीपाः। गोब्राह्मणेभ्यः शुभमस्तु नित्यं लोकास्समता सुखिनां भवन्तु ॥

मानव जीवन पर रत्नों का प्रभाव

रत्न अनेक प्रकार के होते हैं जिनका सम्बन्ध विशेष ग्रहों से होता है। उन रत्नों को जब मनुष्य धारता है तब वे ग्रहों को रश्मियों को मनुष्य शरीर में प्रविष्ट कर देते हैं जिसके फलस्वरूप रत्नधर्ता शुभ प्रभाव का पर्याप्त लाभ उठाता है। यह निम्नलिखित हैं

विभिन्न अंग्रेजी महीनों में जन्म लेने वाले व्यक्तियों के लिए धारण करने के रत्न

महीनों के नाम		महीनों के नाम	
१ जनवरी	मूंगा (प्रवाल)	७ जुलाई	माणिक
२ फरवरी	एमेथिष्ट	८ अगस्त	गोमेद
३ मार्च	एक्वामरीप्र	९ सितम्बर	नीलम
४ अप्रैल	हीरा	१० अक्तूबर	चन्द्रकामा
५ मई	पन्ना	११ नवम्बर	पुखराज
६ जून	सुलेमान	१२ दिसम्बर	वैदूर्य

विभिन्न ग्रहों के रत्न और धातुएं

ग्रह	रत्न	धातुएं	ग्रह	रत्न	धातुएं
१ सूर्य	माणिक्य	स्वर्ण	६ शुक्र	हीरा	चाँदी
२ चन्द्र	मोती	चांदी	७ शनि	नीलम	लोहा शीशा
३ मंगल	मूंगा	स्वर्ण	८ राहु	गोमेद	पंच धातु
४ बुध	पन्ना	स्वर्ण कांसी	९ केतु	वहसनियां	पंच धातु
[illegible]	पखर	चांदी			

बारह राशियों का मासिक तथा वार्षिक फलादेश

सन् ई० १९८२-८३ के लिए

मेष राशि वालों के लिए

अप्रैल :—राज दरबार में मान अच्छा, बिगड़े हुए काम का सुधर जाने का योग, बच्चों के द्वारा सुख तथा नवीन खुशखबरी मिले, मास के मध्य भाग में किसी से विरोध, यात्रा से हानि, ११, १६, २४, २९, ३१ दिन अशुभ हैं।

मई :—कारोबार में उन्नति, राज दरबार में मान, सम्बन्धि वर्ग के द्वारा प्रसन्नता, घरेलू चिन्ता, गुप्त रूप से शत्रुओं का भय. शरीर में कष्ट सफर से हानि।

जून :—कारोबार मध्यम, भूमि से धन लाभ, पक्ष के उत्तरार्ध में धन व्यय, शरीर में निर्बलता, शत्रुओं की ओर से आतंक, तबदीली का योग स्त्री के द्वारा कुछ अशान्ति यात्रा से लाभ।

जुलाई :—हर एक काम सुधर जाने की संभावना, परिवार में सुख, स्त्री का सुख मध्यम, शरीर में कष्ट, मान अच्छा।

अगस्त :—शरीर के किसी अंग में पीड़ा, धन की हानि, शत्रुओं का भय, मुकदमे का भय, राज दरबार में अपयश, भूमि की चिन्ता, यात्रा से मध्यम लाभ।

सितम्बर :—नेत्रों में कष्ट, आय कम होकर व्यय अधिक, गत मास की अपेक्षा दरबार कुछ अच्छा रहे। दौड़ धूप करने पर मन में शान्ति मिलेगी।

अक्तूबर :—धन का लाभ उत्तम मिले। कारोबार में लाभ, किसी सम्बन्धि की चिन्ता, सवारी का सुख, बिगड़े काम बनने का योग।

नवम्बर :—शत्रुओं का भय कम, सम्बन्धी वर्ग द्वारा नाराजगी, यात्रा से लाल, स्त्री एवं संतान का

सुख. धन का लाभ अच्छा, मास के अन्त में मन अशान्त।

दिसम्बर :—शरीर में कमजोरी, धन का खर्च अधिक, आय कम, किसी के साथ लड़ाई झगड़ा होने की सम्भावना, गुप्त रूप से शत्रुओं का भय, गुरु के प्रभाव से राज दरबार अच्छा रहे।

जनवरी १९८३ :—शत्रु से सतर्क रहें, सफर से हानि, स्त्री पक्ष अच्छा, दरबार उत्तम, नए काम में धन का खर्च, कारोबार में लाभ अच्छा मिले।

फरवरी :—सम्बन्धियों से बिगाड़, नया काम करने में सतर्क रहें, धन हानि होने की सम्भावना है। शनिवार के दिन तैल का दान करें।

मार्च : मित्रों से मेल मिलाप, धन का लाभ, कारोबार की नवीन योजना, शत्रुओं का भय, शरीर में कष्ट, यात्रा सोच विचार करके करें, बुद्धि के बल से काम करें।

मेष राशि वालों के लिए वार्षिक फलादेश

मेष राशि वालों के लिए यह वर्ष मध्यम फल-दायक है। वर्ष का प्रथम भाग अच्छा रहेगा तथा दूसरा भाग कुछ अशुभ सूचक रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में रोजगार में उन्नति, धन का व्यय शुभ कार्यों पर होगा, भूमि तथा धन का सुख एवं यात्रा से लाभ मिलेगा। अगर कोई नया भूमि सम्बन्धी काम करना हो तो वर्ष के पहिले भाग में करें। वर्ष के उत्तरार्ध में धन का खर्च रहेगा। स्त्री पक्ष कुछ निर्बल रहेगा। सन्तानों की चिन्ता भी रहेगी क्योंकि आपको इस वर्ष शनि और गुरुदेवता वक्री तथा अस्त होते हैं। इसलिए वर्ष के उत्तरार्ध में सतर्क रहें। किसी के धोखे में न आवें अन्यथा मुकदिमे का भय, किसी सम्बन्धी की शरीर की चिन्ता, स्त्री कष्ट तथा चोट का भय बना रहेगा। जून, जुलाई, नवम्बर तथा मार्च के मास कुछ अशुभ फलदायक होंगे। मेष राशि वालों को चाहिए कि शनिवार के दिन वैष्णव रहें और मीठा भोजन खावें शुभ फलदायक रहेगा।

वृष राशि वालों के लिए मासिक फलादेश

अप्रैल :—आय और व्यय सम, लाभ मध्यम, किसी मित्र से विरोध. स्त्री पक्ष निर्बल, धन हानि का योग, यात्रा से लाभ, शरीर निर्बल, नेत्र कष्ट।

सम्बन्धि वर्ग से सुख, धन का लाभ, शरीर कष्ट, किसी अजनबी से मिलन, परिवार का सुख ।

जून :—कारोबार अथवा नौकरी में कुछ परेशानी, स्थान परिवर्तन का योग, यात्रा में सुख, मान अच्छा, किसी प्रेमी से मेल, शत्रु नाश, शरीर सुख अच्छा ।

जुलाई :—किसी सम्बन्धी की चिन्ता अथवा घरेलू चिन्ता, धन का खर्च अधिक, मन में अशान्ति, यात्रा से मध्यम लाभ ।

अगस्त :—नवीन चिन्ता, यात्रा का विचार, धन का खर्च, सम्बन्धि वर्ग से अपयश तथा हानि, शत्रुओं का भय, मन में अशान्ति, शरीर निर्बल ।

सितम्बर :—शरीर में कमज़ोरी, धन का नुकसान, आशाओं में असफलता, मानसिक अशान्ति, मास के अन्त में धन का लाभ, स्वास्थ्य अच्छा, यात्रा से लाभ उत्तम मिले ।

अक्तूबर :—कारोबार मध्यम, अचानक हानि होने की सम्भावना, किसी नवीन काम में धन का खर्च, नौकरी अथवा व्यवसाय में उन्नति मिले । गुप्त रूप से शत्रुओं का भय ।

नवम्बर :—काम में लाभ अधिक, सम्बन्धी वर्ग से धन का लाभ, मित्रों से अनबन, यात्रा से लाभ बच्चों की ओर से खुशी, सवारी का सुख मध्यम ।

दिसम्बर :—नौकरी में राजयोग होने की सम्भावना, नवीन काम की योजना, धन का लाभ, रोज़गार में वृद्धि, शरीर अस्वस्थ, स्त्री पक्ष कमजोर ।

जनवरी :—नवीन कार्यों में रुकावट, शत्रुओं का भय शरीर निर्बल, यात्रा से लाभ, घरेलू कार्यों में सुख तथा सम्बन्धी वर्ग से मन में प्रसन्नता ।

फरवरी :—लाभ कम खर्च अधिक, स्त्री कष्ट बच्चों की ओर से सुख, सवारी का सुख अच्छा रहे ।

मार्च :—कारोबार की नवीन योजना, गुप्त रूप से शत्रु भय, धन की हानि, मन में चंचलता ।

वृष राशि वालों का वार्षिक फलादेश

वृष राशि वालों को वर्ष के पूर्वार्ध में पाँचवां मंगल है । इस कारण से उनकी बुद्धि में कुछ तेज़ी तथा क्रोधी स्वभाव, लड़ाई झगड़े होने की सम्भावना

है। जून से लेकर अगस्त तक शुक्र का प्रभाव अच्छा रहेगा। इस कारण से बिगड़े हुए कामों में सुधार तथा धन का लाभ मिलेगा। घरेलू सुख शांति, दरबार में मान तथा सवारी का सुख अच्छा रहेगा। इसके उपरान्त शनि और गुरु जो इकट्ठे होकर इस राशि पर अपना प्रभाव डालेंगे। इसके होग से भाईयों के साथ मध्यम लाभ, किसी अच्छे काम में धन का लाभ एवं खर्च रहे। विद्या से लाभ उत्तम मिले। शरीर में खून की खराबी तथा कमी के कारण मानसिक अशांति रहे। शत्रुओं की ओर से चिन्ता लगी रहे। वृष राशि वालों के लिए आषाढ़, श्रावण, कार्तिक एवं फागण के मास कुछ अशुभ फलदायक हैं। इन मासों में धन हानि तथा शरीर में कष्ट रहे। इसलिए वृष राशि वालों को चाहिए कि मंगलवार के दिन हनुमान जी का पूजन करना और मीठा भोजन खाना चाहिए तथा अष्टमी का व्रत धारण करना चाहिए।

मिथुन राशि वालों के लिए मासिक फलादेश

अप्रैल :—इस मास में कारोबार की दशा कुछ

मन में चंचलता रहे, निकट वर्ती सम्बन्धी के द्वारा धन हानि मास के अन्त में धन का लाभ तथा बिगड़े कामों में सुधार ७-१३-१९-२५-२७ दिनांक अशुभ हैं।

मई :—निकटवर्ती सम्बन्धी की चिन्ता, धन का व्यय, कारोबार अच्छा, स्त्री एवं सन्तान की ओर से प्रसन्नन्ता, यात्रा से लाभ, बुद्धि का विकास।

जून :—कारोबार मध्यम, शत्रुओं का भय, धन की चिन्ता शरीर में कमजोरी, यात्रा से लाभ, गृहस्थ पक्ष शुभ, धन लाभ मध्यम, प्रेमी लोगों से सम्पर्क, परिवार में शान्ति।

जुलाई :—गत मास की अपेक्षा कारोबार में लाभ, परिवार में सुख अच्छा, दरबार में उन्नति, बिगड़े काम सुधर जाने की सम्भावना, मकान की चिन्ता, शरीर निर्बल।

अगस्त :—धन का लाभ मध्यम, स्त्री कष्ट, यात्रा से लाभ मध्यम, परिवार की चिन्ता, किसी से धोखा, लाभ व्यय सम।

सितम्बर :—बिगड़े काम बनें, दरबार अच्छा,

घरेलू झगड़ों से बचें, उदर विकार, शनिवार के दिन कुत्तों को रोटी डालें।

अक्तूबर :—अचानक धन हानि, शत्रु भय, मन अशान्त, नेत्रों में कष्ट, कारोबार मध्यम, दरबार अच्छा, सवारी का सुख अच्छा।

नवम्बर :—यात्रा से लाभ, परिवार में सुख अच्छा, नए कामों में ध्यान अधिक लगे। मास के अन्त में स्त्री कष्ट शरीर में पीड़ा।

दिसम्बर :—अचानक यात्रा, सम्बन्धी वर्ग की चिन्ता, मित्रों से मेल मिलाप, कारोबार अच्छा, दरबार अच्छा।

जनवरी :—नए काम का विचार, सवारी सुख शरीर में निर्बलता, गृहस्थ सुख मध्यम, सफर से लाभ कारोबार अच्छा।

फरवरी :—परिवार की चिन्ता, कारोबार अच्छा, दरबार में उत्तम मान, नए कामों का विचार।

मार्च :—यात्रा में हानि, परिवार में झगड़ा, शरीर में कष्ट, मित्रों से मान अच्छा, सम्बन्धी वर्ग सुख।

मिथुन राशि वालों के लिए वार्षिक फलादेश

मिथुन राशि वालों को इस वर्ष शनि देवता का प्रभाव मध्यम रहेगा। सितम्बर के अन्त तक शरीर में कमजोरी पेट तथा नेत्रों में कष्ट एवं दौड़ धूप अधिक करनी पड़ेगी। जिसके कारण उनके मन में कुछ अशान्ति बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त शत्रुओं का आतंक भी रहेगा। परिवार की चिन्ता तथा धन का लाभ सामान्य रहेगा। सितम्बर तक ऐसा योग चलता रहेगा उस के उपरान्त लाभ तथा मन में शांति मिलेगी। मिथुन राशि वालों को ज्येष्ट आश्विन तथा तथा माघ के मास कुछ अनिष्ट हैं। अक्तूवर से धन एवं भूमि का लाभ, परिवार में सुख, बिगड़े कार्यों में सुधार होगा। मिथुन राशि वालों को चाहिए कि वे भगवान शंकर को हर दिन जल चढ़ावें तथा अमावसी का व्रत रखा करें तथा अष्टमी के दिन भवानी सहस्र नाम का पाठ करें शुभदायक रहेगा। शुभम्।

कर्कट राशि वालों के लिए मासिक फलादेश

अप्रैल :—धय का लाभ मन्यम, किसी मित्र

से विश्वास घात, कारोबार मध्यम, शत्रु भय, लड़ाई झगड़ों में मन अशान्त, मास का प्रथम भाग अशुभ।

मई :—बच्चों की चिन्ता, स्त्री पक्ष अशुभ, धन का लाभ सामान्य, यात्रा से मध्यम लाभ, शरीर में पीड़ा, मासान्त में लाभ।

जून :- मित्र जनों से लाभ, यात्रा से लाभ, कारोबार अच्छा, भाग्य उत्तम, निजी सम्बन्धी से लाभ; धन का लाभ उत्तम, शरीर में कष्ट घरेलु झगड़ों से हानि।

जुलाई :– सफर से सामान्य लाभ, नये कार्य का विचार, शरीर में पीड़ा, शत्रुओं का भय, आय मध्यम।

अगस्त :—शरीर में कष्ट, प्रेमीसे मेल मिलाप घरेलू परेशानियां सफर से लाभ।

सितम्बर :- कुछ समस्याएं बनी रहेंगी, राज दरबार में उन्नति का योग, परिवार में सुख, मास में मनोकामना पूर्ण होने की सम्भावना है।

अक्तूबर :—शत्रुओं का भय, शरीर में पीड़ा धन की हानि, यात्रा से लाभ कम. जमीन जायदाद की चिन्ता, दरबार उत्तम।

नवम्बर :—कारोबार में कुछ चिन्ता, यात्रा से कष्ट, विगड़े काम का सुधर जाने का योग, किसी सम्बन्धी की चिन्ता, गुप्त रूप से शत्रु भय।

दिसम्बर : विगड़े काम बने, शत्रु नाश, धन का लाभ मध्यम, शरीर में गर्मी तथा उदर में कष्ट, मास का अन्तिम सप्ताह शुभदायक।

जनवरी :—कारोबार अच्छा, सम्बन्धियों का सुख, मित्रों से मेल मिलाप, यात्रा से लाभ अधिक, स्त्री पक्ष अशुभ, धन का व्यय सामान्य।

फरवरी :—यात्रा का विचार, गुप्त शत्रु भय चिन्ता, नवीन व्यक्ति से मेल मिलाप, कारोबार मध्यम।

मार्च :—नये काम में धन का लाभ, कारोबार अच्छा, शरीर में कष्ट, स्त्री पक्ष अच्छा, मित्रों से विजय, सवारी का सुख, अच्छे कार्यों पर धन का खर्च।

कर्कट राशि वालों के लिए वार्षिक फलादेश

यह वर्ष कर्कट राशि वालों के लिए मध्यम फलदायक है। स्त्री पक्ष कुछ कमज़ोर रहेगा। वर्ष का पूर्वार्ध अच्छा रहेगा। उत्तरार्ध में धन की हानि, गुप्त रूप से शत्रुओं का भय सम्बन्धी वर्ग की चिन्ता तथा धन का लाभ सम्भवता सामान्य रहेगा। शरीर में कष्ट तथा मानसिक अशान्ति बनी रहेगी। इस कारण से दरबार में लड़ाई झगड़े तथा मानसिक चंचलता, बनी रहेगी। कठिन परिश्रम करने पर भी लाभ कम प्राप्त रहेगा। कारोबार में भी कुछ परिवर्तन होने की सम्भावना है। सम्भवता जनवरी के उपरान्त आपका कारोबार एवं सम्बन्धी वर्ग से उत्तम लाभ मिलेगा। परिवार में सुख शान्ति बनी रहेगी। यात्रा से लाभ मिलेगा। वैसाख, भादोन तथा पौष मास कुछ अशुभ फलदायक हैं। कर्कट राशि वालों को चाहिए कि शनिवार के दिन मीठा भोजन खावें तथा प्रतिदिन भवानी सहस्र नाम का पाठ करें तथा हर दिन कुत्तों को रोटी डालें शुभकारी रहेगा तथा मनोकामना पूर्ण होगी।

अप्रैल :—कारोबार में अचानक हानि, स्त्री पक्ष द्वारा धन का खर्च, सन्तान पक्ष द्वारा शुभ, यात्रा से लाभ मध्यम, मानसिक अशान्ति बनी रहेगी।

मई :—गत मास की अपेक्षा कारोबार मध्यम, शत्रुओं का भय, भ्रातृवर्ग सुख, सम्बन्धियों से मेल, नए योजनाओं से धन का लाभ, शरीर सुख मध्यम।

जून :—शरीर में कष्ट, चोट लगने का भय, घरेलू झगड़ों से दूर रहें, स्त्री की ओर से चिन्ता, मित्रों से सुख कारोबार अच्छा।

जुलाई :—आय व्यय मध्यम, मित्रों के द्वारा प्राप्ति, भाग्य में उन्नति, शुभ कार्यों पर धन का खर्च, शत्रु नाश राज दरबार में मान अच्छा मिले।

अगस्त :—कारोबार अच्छा, नवीन काम में धन का खर्च, भूमि से धन का लाभ, राज दरबार में मान अच्छा, धार्मिक कार्यों में लाभ मिले।

सितम्बर :—स्वास्थ्य में खून की खराबी, बीमारी का डर, कारोबार अच्छा, धन का खर्च, सम्बन्धियों की ओर से चिन्ता, जायदाद की चिन्ता,

किसी से विरोध, मन में चंचलता रहे।

अक्तूबर :—दरबार में उत्तम लाभ, बिगड़ी दशा सुधरने का योग, अच्छे पुरुषों से मेल मिलाप, स्त्री पक्ष द्वारा शुभ, मित्रों से मेल मिलाप तथा आदर!

नवम्बर :—कारोबार में अचानक परिवर्तन, यात्रा से लाभ, शरीर में कष्ट, सन्तानों की चिन्ता, मास के अन्त में कारोबार में वृद्धि, गुप्त चिन्ता भी रहे।

दिसम्बर :—मन में अशान्ति, सम्बन्धी वर्ग की चिन्ता, कारोबार अच्छा, मास के आरम्भ में कष्ट, यात्रा से लाभ, धन का लाभ भाग्य में उन्नति।

जनवरी :—राज दरबार में मान अच्छा, अच्छे कामों में धन का खर्च, सम्बन्धियों तथा मित्रों से लाभ, स्त्री पक्ष द्वारा शुभ।

फरवरी :—सन्तानों की चिन्ता, धन का लाभ उत्तम, जमीन जायदाद की चिन्ता, मंगलवार के दिन कुत्तों को रोटी डालें।

मार्च :—स्त्री पक्ष निर्बल, यात्रा से लाभ, कारोबार अच्छा, धन का लाभ अच्छा, सम्बन्धियों से मान अच्छा, कोई नई खुशखबरी मिलने की संभावना

सिंह राशि वालों के लिए वार्षिक फलादेश

सिंह राशि वालों के लिए इस वर्ष शनि का प्रभाव अच्छा रहेगा। परन्तु गुरु का प्रभाव कुछ मध्यम रहेगा। इस कारण से कारोबार में लाभ उत्तम प्राप्त होगा, परन्तु किसी सम्बन्धी की चिन्ता आपको इस वर्ष परेशान करेगी। धन का लाभ वर्ष के आरंभ में अच्छा रहेगा। इस वर्ष मनोकामना पूर्ण होने की सम्भावना है। मित्रों तथा सम्बन्धियों से जय और सौख्य मिलेगा। वर्ष के मध्यभाग में धन की कमी रहेगी जिससे मानसिक अशान्ति रहेगी। गुरु के प्रभाव से किसी सम्बन्धी की चिन्ता लगी रहेगी। श्रावण, मघर तथा चैत्र के मास में कुछ कठिनता प्राप्त होगी इन मासों में सोच विचार करके काम करें अपितु हानि होने की सम्भावना है। आन्तरिक रूप से शत्रुओं का भय बना रहेगा। स्त्रियों के लिए यह वर्ष मध्यम फलदायक है। शरीर में गर्मी तथा चोट का भय बना रहेगा। सिंह राशि वालों को चाहिए कि वे अपने

इष्टदेव का पूजन करें और संक्रांति का व्रत धारण करें। इसके अतिरिक्त शनिवार के दिन पीला चावल कुत्तों को डाल दें।

कन्या राशि वालों के लिए मासिक फलादेश

अप्रैल :—व्यवसाय में अचानक लाभ, मित्रों से प्रसन्नता, घरेलू चिन्ता, यात्रा से लाभ, आय अधिक।

मई :—किसी अच्छे काम का विचार, कारोबार में उन्नति, दरबार मे मान, भ्रातृवर्ग से सन्तोष, धन का खर्च शुभ कार्यों पर होगा।

जून :—कारोबार सामान्य, सन्तान की ओर से लाभ, स्त्री पक्ष निर्बल, मित्रों से जय प्राप्ति, चोट लगने का भय बना रहे।

जुलाई :—कारोबार अच्छा, गुप्त रूप से शत्रु भय, धन का खर्च, भाग्य अच्छा, यात्रा से लाभ, नया काम करने का विचार।

अगस्त :—यात्रा से नुकसान, धर्म के कार्यों में लाभ, धन का खर्च शुभ कामों पर, निजी सम्बन्धी की चिंता, मन में चंचलता, मास के अन्त में लाभ।

सितम्बर :—शरीर कष्ट, धन का खर्च, स्त्री पक्ष निर्बल, राज दरबार में मान आय मध्यम।

अक्तूबर :—कारोबार मध्यम, सम्बन्धियों तथा मित्रों से मेल मिलाप, राज दरबार में शुभ, यात्रा से लाभ मध्यम।

नवम्बर :—कारोबार सामान्य, सवारी का सुख, नवीन व्यक्ति से सम्पर्क, धन का लाभ, स्त्री एवं सन्तान सुख मध्यम।

दिसम्बर :—दरबार में लाभ, धन की हानि, शरीर में कष्ट, मित्रों से मेल मिलाप, लेन देन के कार्यों में धन का खर्च।

जनवरी :—शरीर कष्ट अधिक, रोग भय, मन अशान्त, बच्चों की ओर से प्रसन्नता, धन का खर्च।

फरवरी :—किसी सम्बन्धी तथा मित्र की चिंता, दौड़ धूप, मन में बेचैनी, गुप्त रूप से शत्रु भय, कारोबार मध्यम, सोच समझ कर काम करें।

मार्च :—यात्रा से लाभ अच्छा, सवारी का सुख, धन का उत्तम लाभ, परिवार की चिंता, शरीर निर्बल, कारोबार अच्छा।

कन्या राशि वालों के लिए वार्षिक फलादेश

कन्या राशि वालों के लिए, यह वर्ष दौड़-धूप का वर्ष होगा। शरीर में अचानक कमज़ोरी तथा गुप्त रूप से शत्रुओं का भय बना रहेगा। किसी सम्बन्धी की चिंता एवं स्त्री की चिंता बनी रहेगी। भ्रातृवर्ग की भी चिंता रहेगी। वर्ष का पूर्वार्ध कुछ सामान्य है। वर्ष के उत्तरार्ध मध्यम फलदायक है। कन्या राशि वालों को इस वर्ष शनि लोहे के पाए पर ठहरा है। इस कारण से धन का खर्च अधिक रहेगा। कोई गुप्त चिंता लगी रहेगी। आषाढ़, कार्तिक तथा फागण मास नेष्ट हैं किसी मित्र से विरोध या विश्वास घात होने की सम्भावना है। कन्या राशि वालों को चाहिए कि शनिवार के दिन पीला चावल कुत्तों को डालें तथा अष्टमी का व्रत रखा करें अथवा हर दिन भवानी सहस्र नाम का पाठ अवश्य किया करें। सफलता मिलेगी।

अप्रैल :—किसी मित्र से धोखा, कारोबार मध्यम, शरीर में दुर्बलता, धन की हानि, राज दरबार अच्छा, मन में चंचलता।

मई :—गत मास की अपेक्षा लाभ अच्छा, सवारी का सुख, स्त्री पक्ष निर्बल, शरीर कष्ट, परिवार की चिन्ता, २० दिनों के उपरान्त लाभ उत्तम।

जून :—कारोबार अच्छा, बिगड़ा काम ठीक होने की आशा, किसी सम्बन्धी से वैरता, मन अशान्त।

जुलाई :—शरीर अच्छा, दरबार में सुख अच्छा, धन का लाभ उत्तम, स्त्री एवं सन्तान की चिन्ता, यात्रा से धन हानि का भय बना रहे।

अगस्त :—गुप्त रूप से शत्रुओं का भय, शरीर में पीड़ा मन में चंचलता, कारोबार मध्यम, मित्रों से लाभ उत्तम मिले :

सितम्बर :—कारोबार अच्छा, मनोकामना पूर्ण, यात्रा से लाभ, स्त्री की ओर से सुख, प्रेमी से

मेल, गृहस्थ पक्ष शुभ।

अक्तूबर :—यात्रा से लाभ, मित्र से लाभ, कारोबार अच्छा, धन का उत्तम लाभ, अपने परिवार में विरोध एवं झगड़ा होने की सम्भावना।

नवम्बर :—कारोबार में लाभ, शत्रु नाश, यात्रा से लाभ, चोट का भय शरीर में कष्ट।

दिसम्बर :—कारोबार मध्यम, धन का खर्च स्त्री पक्ष की चिन्ता, शरीर निर्बल, रोग भय, लाभ व्यय मध्यम।

जनवरी :—परिश्रम से लाभ मध्यम, बच्चों की ओर से प्रसन्नता, गुप्त चिन्ता, मन में अशान्ति, घरेलू चिन्ता।

फरवरी :—मन व्याकुल, यात्रा से लाभ, विद्या के द्वारा लाभ, सम्बन्धियों का सुख, शरीर में कष्ट।

मार्च :—सन्तान की प्रसन्नता, कारोबार अच्छा, दरबार में मान, परिवार में सुख, धन का लाभ, यात्रा से सुख, शरीर कष्ट।

तुला राशि वालों के लिए यह वर्ष संघर्ष का वर्ष होगा। धन की हानि, आय में कमी तथा शरीर अस्वस्थ रहेगा। गृहस्थ पक्ष भी कुछ अशुभ कारी रहेगा। विषम समस्याएं उत्पन्न होंगी। स्थान परिवर्तन होने की सम्भावना है। सितम्बर के उपरान्त कारोबार अथवा नौकरी मे लाभ मिलेगा। बच्चों की चिन्ता भी इस वर्ष सितम्बर तक रहेगी। अगर कोई नया काम आरम्भ करना है तो सितम्बर के बाद किया करें। क्योंकि शनि एवं राहू कुछ अनिष्ट हैं। इस वर्ष में आपको किसी सम्बन्धी की चिन्ता भी लगी रहे। विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष मध्यम फलदायक है। आलस्य का वातावरण बना रहेगा। ज्येष्ट, आश्विन तथा माघ के मास कुछ नेष्ट हैं। इन मासों में सोच विचार करके काम सम्पन्न करें। सितम्बर के उपरान्त हर प्रकार से सुख एवं धन का लाभ मिलता रहेगा। तुला राशि वालों को चाहिए कि हर दिन भगवान शंकर को जल चढ़ावें तथा शनिवार के दिन वैष्णव रहें।

वृश्चिक राशि वालों के लिए मासिक फलादेश

अप्रैल :—धन का लाभ उत्तम, मान अच्छा, दरबार में इज्जत, स्त्री पक्ष अच्छा, बिगड़ा हुआ काम सुधर जाने का योग, मित्रों से मेल मिलाप।

मई :—धन लाभ यथा३न, मन में अशान्ति, सवारी का सुख, मध्यम रहेगा, घरेलू चिन्ता, सम्बन्धी वर्ग से विरोध, गुप्त रूप से शत्रु भय रहे।

जून : सवारी सुख अच्छा, लेन देन से धन का लाभ, नवीन कार्यों पर धन का व्यय, मित्र या सम्बन्धी से प्रसन्नता, यात्रा से लाभ अधिक।

जुलाई : मकानादि सम्बन्ध कार्यों में धन व्यय, परिवार में प्रसन्नता, यात्रा से लाभ, आलस्य तथा मन कुछ अशान्त।

अगस्त :—कारोबार में उन्नति, नवीन कार्य करने का योग, सफर से लाभ, मन में शान्ति शरीर एवं उदर में विकार।

सितम्बर :—धन लाभ मध्यम, प्रेमी की चिंता कष्ट अधिक, बच्चों की ओर से लाभ, सवारी सुख मास के अन्त में धन का लाभ उत्तम।

अक्तूबर :- आय कम, धन की हानि, मन में चंचलता, गुप्त रूप से शत्रुओं का भय, शरीर में कष्ट, स्त्री सुख मध्यम, परिवार में अशान्ति।

नवम्बर :—कारोबार में हानि, दरबार में अपयश, सोच विचार करके काम करें अपितु हानि होगी, गुप्त रूप से शत्रुओं का भय, सम्बन्धियों से अनबन, मंगलवार के दिन मीठा भोजन खावें।

दिसम्बर :—सम्बन्धियों से वैमनस्य, आराम कम, कारोवार मध्यम, धन की हानि, अपयश, यात्रा से हानि।

जनवरी :—निजी व्यक्ति की चिन्ता, बच्चों चिन्ता, मानसिक अशान्ति, धन का व्यर्थ व्यय, निष्फल यात्रा, चोट का भय, मित्रों से विरोध।

फरवरी :—धन का लाभ. उत्तम, स्त्री का कष्ट दरबार में मान अच्छा, कारोबार की दशा मध्यम, शरीर में अचानक कमजोरी।

मार्च :- भूमि आदि की चिन्ता, निष्फल झगड़ें, कारोबार मध्यम, शरीर कष्ट यात्रा से लाभ।

वृश्चिक राशि वालों के लिए वार्षिक फलादेश

वृश्चिक राशि वालों के लिए वर्ष के आरम्भ में धन का योग अच्छा है। हर एक आरम्भ किए काम में सफलता मिलेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों से मेल मिलाप अच्छा रहे। यात्रा से लाभ मध्यम फलदायक रहे। परन्तु यात्रा में कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वर्ष के अन्तिम तीन मास कुछ अशुभ दायक हैं। इन तीन मासों में सोच समझ कर काम करें। अगर कोई काम करना है तो बिना सोच विचार करके काम न करें। अपितु हानि होने की सम्भावना है। वृश्चिक राशि वालों को इस वर्ष के मध्य में शरीर में रोग, आमाशय में कष्ट तथा टाँगों में पीडा रहेगी। श्रावण, मघर तथा चैत्र का महीना अनिष्ट हैं। इन में उनको मानसिक चिन्ता रहेगी। वृश्चिक राशि वालों को चाहिए कि वे हर संक्रान्ति का व्रत रखें। उस दिन मीठा भोजन खावें। नमक का सेवन न करें। शुभ-दायक रहेगा।

धनु राशि वालों के लिए मासिक फलादेश

अप्रैल :—धन का लाभ मध्यम, सम्बन्धी की चिन्ता, कारोबार की दशा मध्यम, यात्रा से लाभ, राज दरबार में उलझनें सोच विचार करके काम करें

मई :– नवीन कार्यों पर धन का खर्च, यात्रा से मध्यम लाभ, शत्रुओं का भय, सोच समझ कर काम करें यदि यात्रा करनी हो तो सतर्क से करें, मास के अन्त में लाभ।

जून : आय एवं लाभ मध्यम, निजी व्यक्ति से लाभ, सवारी का सुख, स्त्री पक्ष निर्बल, मुकदिमे का भय, शरीर में कष्ट।

जुलाई :– यात्रा से परेशानी, स्त्री पक्ष निर्बल धन का व्यर्थ खर्च, आय कम, शरीर में गड़बड़, शत्रुओं का भय, मास के अन्त में लाभ।

अगस्त :—कारोबार अच्छा, सम्बन्धियों की चिन्ता, धन का योग अच्छा, शरीर में कष्ट, उदर विकार, घरेलू झगड़ों में परेशानी।

सितम्बर :—मन में चंचलता, कारोबार मध्यम, शरीर में कष्ट, यात्रा से लाभ, सन्तान पक्ष शुभ, स्त्री पक्ष मध्यम।

अक्तूबर :—धन का अचानक लाभ, लेन देन

में झगड़ा, स्त्री पक्ष निर्बल, धन का खर्च शरीर में कष्ट ।

नवम्बर :—अचानक झगड़ा, दरबार अच्छा, सवारी का सुख, मनोकामना पूर्ण गुप्त रूप से शत्रुओं का भय ।

दिसम्बर :—लाभ की आशा, मित्रों से मेल मिलाप, कारोबार अच्छा, गुप्त रूप से शत्रु भय, बुरे विचारों से दूर रहें ।

जनवरी :—भातृवर्ग से मेल मिलाप, स्त्री सुख अच्छा, धन का फायदा उत्तम, मास के अन्त में परेशानी, कारोबार अच्छा, शरीर मध्यम ।

फरवरी :—कारोबार में परिवर्तन, दौड़ धूप करनी पड़े, बच्चों की ओर सुख, सम्बन्धियों की चिंता शरीर सुख ।

मार्च :—निष्कारण वैरता, वृद्धि में तेज़ी, यात्रा से मध्यम लाभ, कारोबार मध्यम, सोच समझ कर काम करें ।

धन राशि वालों के लिए वार्षिक फलादेश

धन राशि वालों को इस वर्ष सातवें घर में राहु तथा नवें घर में गुरु एवं शनि का योग चलता है । इस कारण यह वर्ष मध्यम फलदायक है । शरीर में कष्ट स्त्री की चिन्ता, रोज़गार में अचानक परिवर्तन, सम्बन्धिवर्ग से वैमनस्य वर्ष के मध्य भाग में मुकदमे का भय तथा चोट का भय रहेगा । भ्रातृवर्ग से भी परेशानी रहेगी । गुप्त रूप से शत्रुओं का आतंक रहेगा । स्त्री पक्ष के लिए मध्यम रहे । वर्ष के तीसरे भाग से भाग्य में कुछ सुधार रहेगा । नौकरी में उनति तथा नवीन काम में दिलचस्पी रहेगी । रोज़गार में वृद्धि मिलेगी । किसी मित्र की सहायता से धन का पूर्ण लाभ मिलेगा । धर्म के क्षेत्र में भी वृद्धि रहेगी । श्रावण, मघर तथा चैत्र के मास नेष्ट हैं । इन मासों में सोच विचार करके काम करें । धन राशि वालों को चाहिए कि इस वर्ष शुक्ल पक्ष की अष्टमी का व्रत रखें तथा हर दिन इन्द्राक्षी का पाठ करें । इसके अतिरिक्त गुरुवार के दिन कुत्तों को रोटी डालें । शुभ दायक रहे ।

मकर राशि वालों के लिए मासिक फलादेश

अप्रैल :—धन का लाभ मध्यम, शरीर में

गर्मी, दरबार की हालत मध्यम फलदायक, मास के अन्त में धन की हानि, शत्रु भय अधिक।

मई :—सम्बन्धी वर्ग से उत्तम लाभ, मुकदमे का भय, झगड़ों से दूर रहें, मास के अन्त में लाभ, घरेलू परेशानी कम।

जून :—कारोबार में वृद्धि, धर्म के कामों में धन का खर्च, सवारी का सुख, यात्रा से लाभ, बच्चों की चिन्ता।

जुलाई :—स्त्री और बच्चों की चिन्ता, निष्कारण वैर, कारोबार मध्यम, सफर से हानि, शत्रु भय आयात-निर्यात से लाभ, मास के अन्त में लाभ।

अगस्त :—कारोबार अच्छा, मनोकामना पुर्ण, मध्यमास में लाभ अच्छा, नवीन प्रसन्नता, मान अच्छा।

सितम्बर : शत्रु भय, सम्बन्धियों से मेल मिलाप, कारोबार अच्छा, सफर से मध्यम लाभ, स्त्री कष्ट, घरेलू चिन्ता।

अक्तूबर :—शरीर में निर्बलता, यात्रा में हानि, कारोबार अच्छा, शत्रु भय कम, विगड़ा काम सुधर जाने का योग।

नवम्बर :—कारोबार मध्यम, धन का खर्च अधिक, नवीन समाचार से मन प्रसन्न, राज दरबार से सुख, सवारी का सुख।

दिसम्बर : - कारोबार में लाभ अधिक दरबार अच्छा, सवारी का सुख, स्त्री पक्ष शुभ, यात्रा से लाभ मित्रों की ओर जय।

जनवरी :—यात्रा में अचानक रुकावट, शत्रु भय, धन का लाभ, राज दरबार अच्छा, मानसिक चिन्ता।

फरवरी :—कारोबार मध्यम, लड़ाई का भय, स्त्री पक्ष निर्बल, यात्रा से लाभ उत्तम।

मार्च :—स्त्री की दशा खराब, शरीर में कष्ट यात्रा से लाभ, नौकरी में उन्नति सम्बन्धियों से मेल।

मकर राशि वालों के लिए वार्षिक फलादेश

मकर राशि वालों के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। धन का लाभ अच्छा रहे। शत्रुओं का नाश होगा। शरीर में गर्मी तथा आमाशय में पीड़ा रहे।

भूमि आदि निर्माण के क्षेत्र में उन्नति तथा धन का खर्च गुप्त रूप से शत्रु भय बना रहेगा। परन्तु वे परास्त होंगे। धार्मिक कार्यों में भी कुछ कष्ट रहेगा। परन्तु वे परास्त होंगे। धार्मिक कार्यों में भी कुछ कष्ट रहेगा। वर्ष के मध्यम भाग , कुछ परिवर्तन तथा घरेलू चिन्ता लगी रहेगी। जिसके द्वारा मन में कुछ अशान्ति रहेगी। धन का लाभ अच्छा रहेगा। भाग्य में भी उन्नति मिलेगी। आषाढ़, कतक, तथा फगण के मास कुछ नेष्ट हैं। अष्टमी का व्रत रखें तथा शनिवार के दिन पीला चावल कुत्तों को डालें। शुभदायक रहेगा।

कुंभ राशि वालों के लिए मासिक फलादेश

अप्रैल :—कारोबार में सुधार, धन का लाभ उत्तम मित्रों से मेल मिलाप, घरेलू चिन्ता, यात्रा से लाभ कम।

मई :—यात्रा से लाभ, सवारी का सुख, राज्य दरबार में मान अच्छा, मास के मध्य भाग में कुछ रुकावट(परिवार की चिन्ता, शत्रु भय।

जून :—सम्बन्धियों का मेल मिलाप, किसी अन्य पुरुष से विरोध, धन की हानि,मन में चंचलता, यात्रा से हानि का योग।

जुलाई :— कारोबार की दशा मध्यम, शरीर में निर्बलता, दरबार में गुप्त रूप से शत्रु भय, नये कार्य से लाभ, धन का व्यय।

अगस्त :—परिश्रम अधिक, यात्रा से हानि, शरीर में गड़बड़, चोट का भय, धन का अवव्यय, लड़ाई का भय।

सितम्बर :—किसी स्थान से अकस्मात धत लाभ शरीर की निर्बलता, उदरपीड़ा सम्बन्धियों से अप्रसन्नता आय मध्यम, गुप्त शत्रु भय।

अक्तूबर :—चोट का भय, शरीर में गर्मी, नेत्र रोग गृहस्थी चिन्ता, आय मध्यम विचार से कार्य करना।

नवम्बर :—गत मास की अपेक्षा, कारोबार में लाभ, सम्बन्धियों से मेल मिलाप, स्त्री पक्ष अच्छा।

दिसम्बर :—नवीन काम करने का विचार, मित्रों की ओर से धन लाभ, कारोबार की वृद्धि का योग, गुप्त रूप से शत्रु भय।

जनवरी :—सम्बन्धियों की ओर से सहायता, यात्रा सुख, कारोबार अच्छा, ररवार में मान, किसी अनभिज्ञ से मेल मिलाप और दरवार से लाभ।

फरवरी :—जमीन आदि का सुख, कारोबार अच्छा, स्वास्थ्य में कमज़ोरी, मास के अन्त में कुछ चिन्ता और कुछ कष्ट।

मार्च :—धन का लाभ और हानि, स्वास्थ्य में गड़वड़, राज्य दरवार में आदर, किसी से मेल मिलाप स्त्री पक्ष अच्छा।

कुंभ राशि वालों के लिए वार्षिक फलादेश

कुम्भ राशि वालों के लिए यह वर्ष मध्यम फलदायक होगा। वर्ष का प्रथम भाग मध्यम फलदायक होगा जिसके कारण स्वास्थ्य में कमज़ोरी, अमाशय में कष्ट, पिशाव में गर्मी और वरादरी से कुछ विरोध शुभ काम अगस्त मास तक न करें हानि का होना संभव है। तामीरी कार्य में विलम्ब, चोट का भय वना रहेगा। दौड़ धूप अधिक, साल के दूसरे भाग में प्रत्येक कामना पूरी होगी, बच्चों से उत्तम लाभ, परिवार में सुख शान्ति, कारोबार की दशा वर्ष के मध्य भाग से ही लाभदायक रहेगी। यदि यात्रा करनी हो, विचार कर करें। जेठ असूज तथा माघ का मास अनिष्ट है। कुँभ राशि वालों के लिए अष्टमी व्रत आवश्यक है तथा मंगलवार के दिन वैष्णव रहें। इसी में शुभ है।

मीन राशि वालों के लिए मासिक फलादेश

अप्रैल :—कारोबार में लाभ, धार्मिक काम में रूचि, ज़मीन आदि का सुख, सन्तान सुख का योग, सम्बन्धियों से झगड़ा।

मई :—शरीर की निर्वलता, धन का लाभ कम, किसी प्रेमी से मिलाप, राज दरवार में मान, लड़ाई झगड़े से दूर।

जून :—कारोबार की दशा शोचनीय, ज़मीन आदि की चिन्ता, शत्रु भय, यात्रा में विघ्न।

जुलाई :—भाग्य अच्छा, शरीर रुग्न, अच्छे कार्य में धन का व्यय, स्त्री पक्ष अशुभ धन का लाभ, यात्रा से लाभ।

अगस्त :—कारोबार की दशा अच्छी, दरवार

में मान, सवारी का सुख, कोई शुभ समाचार, शरीर में कष्ट।

सितम्बर :—शत्रु भय, कारोबार अच्छा, आशा सफलता चोट का भय, यात्रा से लाभ।

अक्तूबर :—शुभ काम से लाभ, किसी से मेल मिलाप, यात्रा से लाभ, वरादरी से सुख।

नवम्बर :—यात्रा से लाभ, बिगड़े कार्य का सुधार, कारोबार अच्छा, सम्बन्धियों से झगड़ा, धन की कमी, स्वास्थ्य की दशा सामान्य।

दिसम्बर :—स्वास्थ्य में गर्मी, दौड़ धूप अधिक कारोबार अच्छा, सम्बन्धियों से अनबन।

जनवरी :—भूमि की चिन्ता, किसी से अपमान, मानसिक अशांति, कारोबार अच्छा, यात्रा में सुख।

फरवरी :—यात्रा से लाभ, स्त्री कष्ट, कारोबार अच्छा, शुभ कार्यों में अधिक ध्यान।

मार्च :—नये काम का विचार, कारोबार(30 अच्छा, वरादरी से लाभ, घरेलू सुख, स्वास्थ्य सामान्य।

मीन राशि वालों के लिए वार्षिक फलादेश

मीन राशि वालों के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा दरबार में मान, कारोबार की दशा गतवर्ष से अच्छी, नये काम में लाभ, गृहस्थ पक्ष में पूर्ण सफलता परन्तु स्त्री पक्ष निर्बल रहेगा, स्त्री को गुप्त रोगों की संभावना, वर्ष का दूसरा भाग कुछ सोचनीय है। चोरों का भय, बैशाख भाद्रोन तथा पौष मास कुछ अनिष्ट सूचक में इस वर्ष का अन्तिक भाग मीन राशि वालों के लिए कुछ सामान्य है। अतः सितम्बर के वाद प्रत्येक कार्य सोच विचार कर करें और संक्रांति का व्रत रखें तथा शंकर को प्रत्येक दिन प्रातः या सायं जल चढ़ायें।

ओं श्री गणेशाय नमः

मुहूर्त प्रकरण संवत् विक्रमी २०३६

अथ विवाह मुहूर्तः

★वैशाख कृष्ण पक्ष★

१६ अप्रैल शुक्रवार अष्टमी प्रात ७-३० से ९-१५ तक ल. रात ९-१६ से ११-२६ तक वृ लग्न समः

२१ अप्रैल बुधवार त्रयो. दिन ११-२०से १-३० कर्कट ल समः रात८-५६से ११-१० तक वृं ल रात १-२० से २-५४ तक मं ल

★वैशाख शुक्ल पक्ष★

२६ अप्रैल चन्द्रवार तृतीया१०-५९ दिन से १-१९ दिन तक कर्कट रात १२-५९ से २-३३ तक मकर लग्न

१ मई शनिवार अष्टमी रात १२-४० से २-१३ रात तक मं ल समः

७मई शुक्रवार पूर्णिमा, १०-१६ दिन से २-३६ दिन तक कर्कट लं रात ७-५० से ११-५८ तक मकर लग्न समः

★ज्येष्ट कृष्ण पक्ष★

१२ मई बुधवार चतुर्थी प्रातः ५-५० से ७-४१ दिन तक वृष लग्न सम चन्द्रदान

१३ मई गुरु पंचमी १२-१६ दिन से २ ३७ तक मि लग्न

१९ मई बुधवार एका. ६-२६ दिन से ११-४७ तक कर्कट ल

★ज्येष्ट शुदि★

२४ मई सोमवार प्रतिपदि प्रातः ९-६ से ११-२६ तक कर्कट ल ११ २६ मि दिन से १-५४ दिन तक सि लं रात ११-१५ से १२-४६ दिन तक मं लग्न समः

२ जून गुरु द्वादशी, ८-२० दिन से १०-५० तक कर्कट लं समः १०-५६ दिन से १-८ तक सि ल समः रात ११-२६ से १२-० तक मं ल सम भोम पूजा

४ जून शुक्रवार त्रयो. प्रातः ५-२८ से ६-४ तक वृष ल समः राहु पूजा

६ जून रविवार पूर्णमा ८-१५ दिन से १०-३० दिन तक कर्कट लग्न समः

★आषाढ़ कृष्ण पक्ष★

७ जून सोमवार प्रतिपदि, रात १०-१० से११-४४तक मं ल समः

★ आशुदि ★

२५जुलाई रविवार पंचमी, रात ११-१६ से१२-४२ तक मेष लं सम चन्द्र पूजन

२६ जुलाई सोमवार षष्टी, प्रातः७-१५से९-४०तकसि ल

२८ जुलाई बुधवार अष्टमी प्रातः ५-४० से ७-१८ तक कर्कक लं प्रातः७-५ से९-४० तक सि लग्न

३० जुलाई शुक्रवार दशमी, प्रातः५-४० से६-५६तक कर्क लं प्रातः७-०से ९-३०तक सि. लं समः प्रातः९-३९से११-४० तक कं लं रात८-२०से ९-३३

तक कुंभ लग्न सम
१ अग. रविवार द्वा. प्रात: ६-५० से ९-१० तक सि लं सम:
४ अग. बुधवार पूर्ण. प्रात: ९-२ से ११-२२ तक कर्क ल.

★भाद्र कृष्ण पक्ष★

९ अग. सोमवार पंचमी दिने ६-२० से ८-३६ तक सि ल सम.
१४ अग. शनिवार दशम्यां प्रात: ६-१ से ८-१९ तक सि लग्न सम:
१५ अग. रविवार एका. प्रात: ६-१ से ८-१५ तक सि ल. ८ १९ दिन से १०-३४ दिन तक कन्या लग्न सम:

अथ यज्ञोपवीत मुहूर्त

★वैशाख शुक्ल पक्ष★

२९ अप्रैल गुरु षष्टी प्रात: ५-५० से ६-३० तक मेष लग्न दिन २०-४६ से २-२ तक कर्क. लग्न सम:

★ज्येष्ट कृष्ण पक्ष★

१० मई सोमवार द्वितीया प्रात: ७-५६ से ९-२० तक मिलं गुरु पूजा दिन ९-२९ से १२-२० तक कर्क लग्न सम:

★ज्येष्ट शुक्ल पक्ष★

२४मई सोमवार प्रतिपदि दिने ११-३२ से १ ५६ तक मिलं सम:
२७ मई गुरु पंचमी दिन ८-२० से ११-१७ तक कर्कट लग्न
३ जून गुरु द्वादश्यां दिन ८-२० से १०-४६ तक कर्कट लं. दिन १०-५० से १-१० तक सि लं. राहू पूजन

★आषाढ़ शुक्ल पक्ष★

२३ जून बुधवार द्वितीया दिन ७-२० से ९-२८ तक कर्क लं दिन ९-३१ से ११-२० तक सिंह लग्न सम:
१ जुलाई गुरु एकादश्यां प्रात: ६-३२ से ८-५० तक क. लं. दिन ८-५९ से ११-१० तक सिंह लग्न सम:
४जुलाई रविवार त्रयो. प्रात: ६-२४ से८-४० तक कर्कट लं.

★श्रा शुदि★

९जुलाई शुक्रवार द्विती. प्रात: ६-२से८-१६ तक कं लं. प्रात: ८-२६ से १०-४० तक सि लं
११ जुलाई रविवार पंचमी प्रात: ५-५० से ८-८ तक कर्कट लग्न सम:

(काह नेथर)

जातकर्म मुहूर्त

★चैत्र शुदि★

२६मार्च शुक्रवार प्रतिपदि ३-१० दिन से ३१ मार्च बुधवार सप्तमी,

★वैशाख शुक्ल पक्ष★

२६ अप्रैल सोम. तृतीया. २९ अप्रैल गुरु षष्टी, ३० अप्रैल शुक्रवार सप्तमी, ५ मई बुधवार त्रयोदशी।

★ज्येष्ट कृष्ण पक्ष★

१३ मई गुरु पंचमी दिन ११-२० से

★ज्येष्ट शुक्ल पक्ष★

२४ मई सोमवार प्रतिपति, १२-० दिन से। २७ मई गुरुवार पंचमी। २ जून बुधवार एका. ३ जून गुरुवार द्वादशी आषाढ़ वदि ११ जून शुक्रवार पंचमी।

★आषाढ़ शुक्ल पक्ष★

२३ जून बुधवार द्वितीया, २४ जून गुरुवार तृती. ११-० तक २८ जून सोमवार अष्टमी, ३० जून बुधवार दशम्यां १ जुलाई गुरुवार एकादशी ।

★श्रावण कृष्ण पक्ष★

८ जुलाई गुरुवार द्वितीया, ९ जुलाई शुक्रवार तृतीया ।

★श्रा शुदि★

२६ जुलाई शुक्रवार षष्टी २८ जुलाई बुधवार अष्टमी ।
३० जुलाई शुक्रवार दशम्यां

शंकु प्रतिष्ठा (बुनियाद मकान) द. उ. मुख

★वैशाख शुक्ल पक्ष★

२६ अप्रैल सोम. तृतीया प्रात: ५-५६ से ६-५४ तन मेष ल. ११-१ दिन से १-१५ दिन तक कर्कट लग्न

२९ अप्रैल गुरुवार षष्टी दिन १०-५० से १-३ दिन तक कर्कट लग्न
५ मई बुधवार त्रयो. दिन १२-२० से ३-४ दिन तक सिं ल. ७मई शुक्रवार पूर्णमा, १२-४० दिन से २-४० दिन तक सिं लग्न सम:

★ज्येष्ट शुक्ल पक्ष★

२७ मई गुरुवार पंचमी, प्रात: ८-५० से ११-१६ तक कर्कट ल. दिन ११-२० से १-४० दिन तक सिं लग्न
३ जून गुरुवार द्वाद. १०-५० दिन से १-१० दिन एक सिं लं

पूर्व पश्चिम मुख

★श्रावण शुक्ल पक्ष★

२६ जुलाई सोमवार षष्टी, १२-२ दिन से २-२० दिन तक तु लग्न सम:
२८ जुलाई बुधवार अष्टमी १२-५६ दिन २-१७ दिन तक तु लग्न सम:
३०जुलाई शुक्रवार दशमी १०-५० दिन से २-६ दिन तक तु लग्न सम:

★भाद्र शुक्ल पक्ष★

२१ अगस्त शनिवार तृतीया प्रात: ५-५९ से ७-५९ तक सिं ल. १०-२६ दिन से १२-२० दिन तक तु लग्न
२३ अगस्त चन्द्रवार पंचमी १०-२० दिन से १२-४० दिन तक तु लग्न सम:
२६ अगस्त गुरुवार अष्टमी दिन १०-१० से १२-२९ दिन तक तुला लग्न ।

चूढ़ा कर्म (जर कासय) मुहूर्त

★वैशाख शुक्ल पक्ष★

२९ अप्रैल गुरुवार षष्टी दिन ११-१० से १-६ दिन तक कर्कट ल. १-१० दिन से ३-२० दिन तक सिं लग्न
५ मई बुधबार यत्रोदशी १०-२० दिन से १२-४० दिन तक कर्क लग्न सम:

★ज्येष्ट कृष्ण पक्ष★

१० मई सोमवार द्वितीया प्रात: ७-५९ से ९-५० तक वृ लं सम: १२-३० दिन से २-४० दिन तक सिं लग्न

★ज्येष्ट शुक्ल पक्ष★

२७ मई गुरुवार पंचमी प्रात: ८-५० से ११-१६ तक क ल. दिन ११-२० से १-४० तक सिं ल
४ जून शुक्रवार त्रयो. प्रात: ६-१० से ८-१५ तक मि. लं सम:

★आषाढ़ कृष्ण पक्ष★

११ जून शुक्रवार पंचमी प्रातः ७-५९ से १०-१० तक क लं

★आषाढ़ शुक्ल पक्ष★

२३ जून बुधवार द्विती. प्रातः ७-१० से ९-२८ तक कर्कट ल २-२० दिन से ४-४० दिन तक तुं लग्न

३० जून बुधवार दशमी ९-२ दिन से ११-२० सिं लग्न

१ जुलाई गुरुवार एका. दिन ९-१० से ११-१० तक सिं ल

★श्रावण कृष्ण पक्ष★

९ जुलाई शुक्रवार तृतीया गि ८-३० से १०-४० तक सिं ल सम:

विद्यारम्भ मुहूर्त

★चैत्र शुदि★

२६ मार्च शुक्रवार प्रतिपदि १२-३० दिन से। ३१ मार्च बुधवार सप्तमी, २ अप्रैल शुक्रवार नवमी, ४ अप्रैल रविवार एकादश्यां, ८ अप्रैल गुरुवार पूर्णमा।

★वै वदि★

९ अप्रैल शुक्रवार प्रतिपदि,

★वै शुदि★

२८ अप्रैल बुधवार पंचमी, २९ अप्रैल गुरुवार षष्ठी ३० अप्रैल शुक्रवार सप्तम्यां। ५ मई बुधवार त्रयोदश्यां ७ मई शुक्रवार पूर्णिमा।

★ज्येष्ट कृष्ण पक्ष★

९ मई रविवार प्रतिपदि १२ मई बुधवार चतुर्थी २-२० दिन से।

★ज्येष्ट शुदि★

२७ मई गुरुवार पंचमी २८ मई शुक्रवार षष्ठी, २ जून बुधवार एकादशी, ४ जून शुक्रवार त्रयो.

★आषाढ़ वदि★

११ जून शुक्रवार पंचमी।

★आषाढ़ शुदि★

२३ जून बुधवार द्वितीया २४ जून गुरुवार तृतीया १०-० तक

३० जून बुधवार दशमी। १ जुलाई गुरुवार एकादशी

★श्रा वदि★

८ जुलाई गुरुवार द्वितीया ९ जुलाई शुक्रवार तृतीया

★श्रावण शुक्ल पक्ष★

२१ जुलाई बुधवार प्रतिपदि, २५ जुलाई रविवार पंचम ३० जुला. शुक्र. दशमी १ अगस्त रवि. द्वादश

★भाद्र कृष्ण पक्ष★

५ अगस्त गुरु. प्रतिपदि

दूध देने के मुहूर्त

सीमान्तो नयनम्

★वैशाख शुक्ल पक्ष★

२७ अप्रैल भौमबार ४-१० दिन से

२९ अप्रैल गुरु. षष्टयां ११-२० दिन से

★ज्येष्ट कृष्ण पक्ष★

९ मई रवि. प्रतिपदि

११ मई भौमवार तृतीया ७-१० से १-१० तक

★ज्येष्ट शुक्ल पक्ष★

२५ मई मंगल. तृतीया

२७ मई गुरु. पंचमी दिन के

१०-० तक
१ जून मंगल. दशमी

आषाढ़ वदि

४ जून मंगल. द्वितीया

आषाढ़ शुदि

२४ जून गुरु.तृतीया १०-२० दिन तक

★श्रावण कृष्ण पक्ष★

८ जुलाई गुरु. तृतीया

★श्रावण शुक्ल पक्ष★

१ अगस्त रविवार द्वा.

★भाद्र कृष्ण पक्ष★

५ अगस्त गुरु. प्रतिपदि

अन्नदान मुहूर्त

भाद्र शुक्ल पक्ष

२२ अगस्त रवि. चतुर्थी
२३ अगस्त सोम. पंचमी
२७ अगस्त शुक्र अष्टमी
२९ अगस्त रवि. दशमी
१ सितम्बर बुध. त्रयो.

दीपदान मुहूर्त

मल कार्तिक शुक्ल पक्ष★

१ नव.सोम, पूर्णमा

★भानो माघ शुदि★

२१ जन. शुक्र. सप्तमी
२४ जन. सोम. दशमी २-३० दिन से
२६ जन. बुधवार द्वादशी
२८ जन. शुक्र. पूर्णमा गि. १०-२० से

★मल माघ कृष्ण पक्षः★

३१ जन. सोम. तृतीयस्यां
२ फरवरी बुध. पंचमी
४ फरवरी शुक्र. सप्तमी
७ फरवरी सोम. दशमी

★मल माघशुदिः★

१८ फर. शुक्र. पंचमी
२५ फर. शुक्र. त्रयोदश्यां

वाग्दान (गण्डुन) मुहूर्त

★ वैशाख कृष्ण पक्षः ★

१६ अप्रैल शुक्र. अष्टमी
२१ अप्रैल बुध. त्रयो.

★ वैशाख शुक्ल पक्षः ★

२६ अप्रैल सोम. तृतीया ४ बजे तक
५ मई बुध. त्रयोदश्यां
७ मई शुक्र. पूर्णमा

★ज्येष्ट कृष्ण पक्षः★

९ मई रवि. प्रतिपदि ११-५२ दिन से
१२ मई बुध. चतुर्थी ११-० तक
१९ मई बुध. एका.
२० मई गुरु. द्वादशी

★ ज्येष्ट शुक्ल पक्षः ★

२४ मई सोमवार प्रतिपदि १०-५० से।
३१ मई सोमवार नवमी १२-० से
३ जून गुरुवार द्वादशी
४ जून शुक्र. ७-३० तक

★आषाढ़ वदिः★

१० जून गुरुवार चतुर्थी

★श्राशुदिः★

२३ जुलाई शुक्र. तृतीया
२५ जुलाई रवि. षष्टी
१ अगस्त रवि. द्वा.
२ अगस्त सोम. त्रयो. ९-१० तक

★भाद्र कृष्ण पक्षः★

९ अगस्त सोम. पंचमी
१५ अगस्त रवि. एकादश्यां

दहन वास्तु चूल्हा बनाने के मुहूर्त

★चैत्र शुक्ल पक्ष:★

२१ मार्च बुध. सप्तमी
८ अप्रैल गुरुवार पुर्णमा १२-५६ दिन तक

★वैशाख कृष्ण पक्ष★

९ अप्रैल शुक्र. प्रतिपदि २-५६ दिन से
११ अप्रैल रवि. तृतीया
१२ अप्रैल सोम चतुर्थी

★वैशाख शुक्ल पक्ष★

२९ अप्रैल गुरु. षष्टी
३० अप्रैल शुक्र. सप्तमी
३ मई बुधवार त्रयोदशी

★ज्येष्ट कृष्ण पक्ष★

९ मई रवि. प्रतिपदि१०-२० दिन से
११ मई सोम. द्वितीया

★ज्येष्ट शुक्ल पक्ष:★

२७ मई गुरु. पंचमी
३० मई रवि. अष्टमी ४ बजे दिन से
३ जून गुरु. द्वादशी

★आषाढ़ कृष्ण पक्ष★

११ जून शुक्र. पंचमी

★आषाढ़ शुक्ल पक्ष★

२३ जून बुध द्वितीयस्यां
२४ जून गुरु. तृतीया
२८ जून सोम. अष्टमी
१ जुलाई गुरु. एकादश्यां
२ जुलाई शुक्र. एकादश्यां
४ जुलाई रवि. त्रयो.

★श्रावण कृष्ण पक्ष★

७ जुलाई बुध. प्रतिपदि २-२० दिन से
८ जुलाई गुरु. द्वितीया
९ जुलाई शुक्र. तृतीयस्यां

★श्रावण शुक्ल पक्ष★

२१ जुलाई बुध. प्रतिपदि
२६ जुलाई सोम. षष्टी
२८ जुलाई बुध. अष्टमी
४ अगस्त बुध. पूर्णमा

★भाद्र कृष्ण पक्ष★

५ अगस्त गुरु. प्रतिपदि

प्रवेश मुहूर्त

★ वैशाख कृष्ण पक्ष: ★

१६ अप्रैल शुक्र. अष्टमी प्रात: ६-२ से ७-२०तक मेष लग्न

★ वैशाख शुक्ल पक्ष ★

२६ अप्रैल सोम. तृतीया१०-५९ दिन से १-१६ दिन तक कर्कट लग्न
७मई शुक्र. पूर्णमा, १०-१५ दिन से१२-२९दिन तक कर्कठ लग्न

★ज्येष्ट शुक्ल पक्ष★

२४ मई सोमवार प्रतिपदि प्रात: ९-२ से ११-२० तक कर्कट लग्न
२७ मई गुरुवार पंचमी ११-२० दिन से १-३९ दिन तक सिंह लग्न

★ आषाढ़ शुक्ल पक्ष ★

२८ जून सोमवार अष्टमी प्रात:९-१० से ११-३० तक सिंह लग्न
१ जुलाई गुरुवार एका.प्रात; ८।५९ से ११-२० तक सिंह लग्न सम:
३ जुलाई शनि. द्वादशी,प्रात: ७-५० से ११-२० तक सिंह लग्न सम:
११-३० दिन से १-५० दिन तक कन्या लग्न

सप्तर्षि संवत् ५०५८ विक्रमी सं. २०३९ चैत्रशुदि ३०-३४ मीन में सूर्य बुध, कन्या में भी हीन, शनि मकर में शुक्र तुला में गुरु मि. राहु धनु में केतु शाक: १९०४ ई.१९८२

राष्ट्र	चैत्र	मार्च	वार	नक्षत्र		घटी	पल	तिथि		घटी	पल	सू उ ६	सू अ ६	ग्रह संचार बजे मिनटों में (२५ मार्च से ८ अप्रेल तक)
१४ ४६	१२	२५	गु	उभा	शो	११	७	अं	दि	२१	५८	२४	३६	विचार नाग यात्रा, श्री भट्ट दिवस, थाल वरुन छत्रम् ।
४३	१३	२६	शु	रे	श	१२	११	प्र	दि	२८	३५	२३	३७	श्री नवदुर्गारम्भ:, नया वर्ष भी १०-३दिन से चन्द्रमा उदयF
४०	१४	२७	श	अ	शे	१४	१५	द्वि	दि	१४	२५	२२	३८	६-२३ प्रात: गंडांत समाप्त,सौम्य: । F चन्द्रदर्शन ११-२४E
३८	१५	२८	र	भ	प्र	८	५०	तृ	दि	९	३०	२१	३९	३-४८ रात वृष में चंद्रमा कालदंड: । Eदिन से मीन में वुधB
३५	१६	२९	सो	कृ	प्र	४	५३	च	दि	४	६	२०	४०	त्र्यह:, दिन कम, स्थिर: । B६।५ प्रात:गंडांतआरंभ १२-१C
३३	१७	१०	भौ	रो	प्र	०	४७	प	शे	१	४२	१९	४१	कुमार ६ वृतं,मातंग: । Cरात में चंन्.पं.समाप्त श्री वत्स: ।
३०	१८	३१	बृ	मृ	दि	२७	३७	स	शे	७	३८	१८	४२	६-१० प्रात: मि. में चंद्रमा,५-१२ रिन कुंभ में शुक्र अमृतं
२७	१९	अप्रै	गु	आ	दि	२३	४८	अ	शे	१३	३३	१७	४३	श्री दुर्गा अष्टमी, बृहस्पति मास, काण्ड: ।
२५	२०	२	शु	पुं	दि	२०	१७	न	प्र	४	३३	१६	४४	श्री राम ९,८-४२ प्रात: कर्क में चंद्रमा, श्री शिव: भगवतीT
२२	२१	३	श	ति	दि	१७	२४	द	दि	३१	१२	१५	४५	मैत्रम् । Tजयन्ती, अलापक: ।
१९	२२	४	र	आ	दि	१४	४४	ए	दि	२७	२६	१४	४६	कामदा ११, ६-३० प्रात: से ६-९ सायं तक गंडांत, १२-७H
१७	२३	५	सों	मं	दि	१४	१	द्वा	दि	२४	३९	१३	४७	ध्वांक्ष: । H दिन से सिंह में चन्द्रमा वज्रम् ।
१४	२४	६	मं	पू	दि	१३	५१	त्र	दि	२३	०	१२	४८	श्री महावीर जयन्ती, ४-४८ दिन कं. में चंद्रमा, धौम्य: ।
१२	२५	७	बृ	उ	दि	१४	५३	चं	दि	२२	३२	११	४९	प्रवर्धा: ।
९	१६	८	गु	ह	दि	१७	११	पूं	दि	२३	२६	१०	५०	श्री हनुमज्जयन्ती, १-३८ रात तुला में चन्द्रमा, क्षय: ।

श्राद्ध :—अमावसी से पं. तक तथा एका. से पूर्ण. तक पहिले दिन शेष अपने २ दिनों पर ।

मध्यान्ह :—तृ. चतु. पं. का पहिले ही शेष अपने २ दिनों पर ।

सप्तर्षि सं. ५०५८ विक्रमी २०३९ वैशाख कृष्ण पक्षः ३१-४८ मीन में सूर्य बुध. कन्या में भौ.हीन शनि तुला में गुरु कुंभ में शुक्र मि. में राहु धनु में केतु शाक:१९०४ई.१९८२

	राशि	चैत्र	अप्रैल	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ६	सू अ ६	ग्रह संचार बजे मिनटों में (९ अप्रैल से १३ अप्रैल तक)
१४	६	२७	९	शु	चि	दि	२०	४२	प्र	दि	२५	३३	८	५२	गजः । Aरात गंडांत आ भ वैसाखी श्री पंचमी मुदगरम् ।
	३	२८	१०	श	स्वा	दि	२५	२०	द्वि	दि	२८	४७	७	५३	सिद्धः । Bमेष में बुध, उन्मूलम् १।संकट ४ व्रत ।
	१	२९	११	र	वि	दि	२६	२	तृ	प्र	०	५८	७	५३	११-५३ दिन वृश्चिक में चन्द्रमा. ११-५६ दिनB
	५८	३०	१२	सो	अं	प्र	५	२	च	प्र	५	४३	६	५४	२-१९ रात सं. मेष राशि में सूर्य मु. ३० तट पर,११-११A
१३	५६	वैश	१३	मं	ज्ये	प्र	११	२५	पं	प्र	१०	४६	५	५५	६-३० प्रातः से गं. समाप्त, सं. व्रत,वैताल ६,श्री ऋषिC
	५३	२	१४	बु	भू	शे	१६	२८	ष	शे	१७	५	४	५६	ध्रौभ्यः ।Cपीर श्राद्ध,श्री मंगलेश्वर भैरव जयंती २-१ रातD
	५०	३	१५	बृ	पूषा	शे	१०	०	स	शे	१२	१	२	५८	१०-५० दिन मकर में चंद्रमा,आनन्दः।Dसे मू. समा.,ध्वजः
	४८	४	१६	शु	उषा	शे	४	१०	अ	शे	७	३३	6 0	7 0	मातंगः । Eयज्ञ लबुबुललंकर, शूलम् ।
	४५	५	१७	श	उ	दि	०	५०	न	शे	३	५३	6 0	7 0	दिन अधिक त्रिस्तृक,८।३४ सायं कुं में चं.पं.आरंभ मसुलम् ।
	४३	६	१८	र	श्र	दि	४	४७	द	शे	१	१९	६ 5 9	7 1	२-३७ दिन पश्चिम में बुध उदय, श्री लक्ष्मी नारायणE
	४०	७	१९	सो	धं	दि	७	३९	इ	दि	०	४	5 5 8	7 2	त्र्यहः, दिन कम,वर्थिनी ११, स्वामी लक्ष्मणजी जन्मोत्सवF
	३८	८	२०	मं	श	दि	९	११	ए	दि	०	६	५७	३	काभ्यः । Fनिशात् ३-४६ रात से मीन में चंद्रमा,मृत्युः ।
	३६	९	२१	बु	पूभा	दि	९	३१	त्र	शे	१	६	५७	३	३-५४ दिन चं. अस्त, २-५४ रात गंडांत प्रारंभ, छत्रम् ।
	३४	१०	२२	बृ	उभा	दि	८	३९	चं	शे	३	२८	५६	४	८-४० प्रातः मेष में चंद्रमा, पंचक समाप्त, २-२४ दिनP
	३१	११	२३	शु	रे	दि	६	३५	अं	शे	६	५४	५४	६	Pगंडांत समाप्त, श्री वल्लभाचार्य जयंती श्री वत्सः ।

श्राद्धः, प्रति, द्विं. एका. द्वा. तिथि का पहिले ही शेष अपने २ दिनों पर।
मध्याह्न :—एका. द्वा. का मध्याह्न पहिले ही शेष अपने दिनों पर।

सप्तर्षि सं.५०५८ वि. २०३९ वैशाख शुक्ल पक्षे: ३३।२ मेष में सूर्य बुध,कन्या में मंगल हीन शनि,तुला में गुरु कु. में शुक्र मि. राहु धनु में केतु ।शाक: १९०४ इ. १९८२

	राधे	वैशाख	अप्रैल	वार	नक्षत्र	घड़ी	पल	तिथि	घड़ी	पल	सू उ ५	सू अ ७	ग्रह संचार मिनटों में (२४ अप्रेल से ८ मई तक)
१३	२८	१२	२४	श	अश दि	४	१६	प्र शे	११	५	५३	$\frac{7}{4\,7}$	सायं उदय चन्द्रमा, सौम्य: ।
	२७	१३	२५	र	भ दि	०	५९	द्वि प्र	५	१३	५३	७	७-५५ प्रात: वृष में चन्द्रमा, चन्द्रदर्शन, कालदण्ड: ।
	२५	१४	२६	चं	रो शे	२	४२	तृ दि	३२	२५	५२	८	अक्षया ३ अच्छन्न ३ श्री परशुराम जयन्ती प्रवर्ध: ।
	२३	१५	२७	मं	मृ शे	६	४७	त्र दि	२६	४०	५१	९	२-२० दिन मिथुन राशि में चं., सूरदास जयन्मी, क्षय: ।
	२१	१६	२८	बु	आ शे	१०	५०	पं दि	२०	२९	५०	१०	११-२ दिन अगस्त्य मुनि अस्त ९।१७ सायं वृष में बुधG
	१९	१७	२९	बृ	पु प्र	८	१४	ष दि	१४	४८	४९	११	४-४९ दिन कर्क में चंद्रमा,सिद्ध: ।G२-४०दिन मीनमें शुक्रH
	१६	१८	३०	शु	ति प्र	५	४	स दि	९	३२	४८	१२	उन्मूलं ।Hकुमार६व्रत शंकरा.जयं१०-१५दि.मार्गी मंगल गज:
	१४	१९	मई	श	आ प्र	२	३९	अ दि	४	५३	४७	१३	२-२८दिन से१-५०दिन तक गं,१०-१६ रात सि. में चं.मईQ
	१२	२०	२	र	मं प्र	१	६	न दि	१	२	४७	१३	त्र्यह:, दिन कम, मुद्गरम् । Qदिवस शनि मास, मानसं
	१०	२१	३	चं	पू प्र	०	३८	ए शे	१	५१	४६	१४	माधवी ११ नारद ११, डुमटबल यात्रा, १-२७ रात O
	९	२२	४	मं	उ प्र	१	१८	द्वा शे	३	३९	४५	१५	प्रजापत्य: । Oकन्या में चन्द्रमा, ध्वज: ।
	६	२३	५	बु	ह प्र	३	१३	त्र शे	४	१३	४४	१६	आनन्द: ।
	४	२४	६	बृ	चि प्र	६	२४	चं शे	३	२७	४३	१७	९-९ प्रात: तु. में चं., श्री गणेश १४ नृसिह १४ चर: ।
१·३	२	२५	७	शु	स्वा प्र	१०	३९	पूं शे	१	२७	४२	१८	त्रिस्पृक, दिन अधिक, बुद्ध जयन्ती, मसुलम् ।
१३	५९	२६	८	श	वि शे	१५	२७	पूं दि	१	४४	४१	१९	७-७ सायं वृश्चिक में चन्द्रमा, शूलम् ।

श्राद्ध : चतु. से लेकर दशमी तक पहिले ही शेष अपने दिनों पर।

मध्याह्न : सप्तमी से लेकर दशमी तक पहिले ही शेष अपने २ दिनों पर।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. सं २०३९ ज्ये. कृष्ण पक्षः ३४।६ मेष में सूर्य कन्या में भी. हीन शनि, वृष में बुध, तुला में गुरु मीन में शुक्र मि. राहु धनु में केतु। शाकः १९०४ ई.१९८२

	राशि	वैशाख	मई	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ५	सू अ ७	(ग्रह संचार बजे मिनटों में) (९ मई से ११ मई तक)
१२	५७	२७	९	र	अनू	शे	१०	१	प	दि	५	४४	४०	२०	७-१७ प्रातः हीन चन्द्रमा, नारद जयन्ती, मृत्युः ।
	५५	२८	१०	सो	ज्ये	शे	३	५५	द्वि	दि	१०	२९	४०	२०	१२-५० रात गंडांत प्रारंभ, काभ्यः।Pसंकट वृत मुद्गरम् ।
	५३	२९	११	मं	ज्ये	दि	२	३४	तृ	दि	१५	३१	३९	२१	१-१९ दिन से गं.समा.६-४०प्रातः धनु में चं. मूल आरंभ,P
	५१	३०	१२	बु	मू	दि	८	५९	च	दि	२०	२९	३८	२२	९-१२ दिन से मूल समाप्त, ध्वजः । Cआरंभ, प्रजापत्यः ।
	४९	३१	१३	बृ	पू	दि	१४	५७	पं	दि	२४	५३	३७	२३	५-५९ दिन मकर में चन्द्रमा, १२-३० रात मासांतC
	४७	ज्ये	१४	शु	उ	दि	२०	१२	ष	दि	२८	२९	३६	२४	१२-३० रात से सं. वृष में सू. मु. ३० नदी में सं. वृत्B
	४५	२	१५	श	श्र	दि	२४	२५	स	दि	३१	०	३६	२४	स्थिरः।B४-३ रात कुंभ में चं. पं. आ. आनन्दः ।
	४२	३	१६	र	धं	दि	२७	३३	अ	दि	३२	१९	३४	२६	मातंगः ।
	४०	४	१७	सो	श	दि	२९	२३	न	दि	३२	२२	३४	२६	अमृतम् K१०-२८ रात तक गंडांत मंत्रं ।
	३८	५	१८	मं	पू	दि	३०	०	द	दि	३१	८	३३	२७	११-३१ दिन मीन में चन्द्रमा, काण्डः ।
	३६	६	१९	बु	उ	दि	२९	२४	ए	दि	२८	४१	३२	२८	रथा ११ भद्रकाली जयन्ती, अलापकः ।
	३४	७	२०	बृ	रे	दि	२७	४८	द्वा	दि	२५	१५	३२	२८	४-३९ दिन मेष में चन्द्रमा, पंचक समाप्त १०-५० दिन सेK
	३३	८	२१	शु	अ	दि	२५	२०	त्र	दि	२०	५१	३१	२९	शविमेहराज वज्रम् । Nब्रह्मयज्ञ जयन्ती ध्वांक्षः
	३३	९	२२	श	भ	दि	२२	७	चं	दि	१५	४५	३१	२९	८-२ सायं बृष में चन्द्रमा, ८।२० सायं चन्द्रमा अस्तN
	३२	१०	२३	र	कृ	दि	१८	३०	अं	दि	१०	१३	३०	३०	३-२८ रात से उदय चन्द्रमा, वट सावित्री वृत नन्दकेश्वरX
															Xसुम्बलयात्रा हरेश्वर यात्रा धौम्यः ।

श्राद्धः प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक श्राद्ध तिथि पहले ही आएगी ।

मध्याह्न : प्रति, द्वि. और अमावसी का पहले ही शेष अपने दिनों पर ।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. २०३९ ज्ये. शुक्ल पक्षे: ३४।५८ वृष में सूर्य बुध. कन्या में भौ. हीन शनि, तुला में गुरु मेष में शुक्र मि. रा धं केतु ई. १९८२शाक: १९०४

	राष्ट्र	ज्येष्ठ	मई	वार	नक्षत्र		घ०	पल	तिथि		घ०	पल	सू उ ५	सू अ ७	ग्रह संचार घजे मिनटों में (२४ मई से ९ जून तक)
१२	३१	११	२४	सो	रो	दि	१४	३१	प्र	दि	४	१९	३०	३०	१०-३० रात मि. में चं., ९।३८ सायं मेष राशि में शुक्र A
	३०	१२	२५	मं	मृ	दि	१०	२५	तृ	शे	१	४६	३०	३०	क्षय: । Aत्र्यह: दिन कम, चन्द्रदर्शन प्रवर्ध: ।
	२९	१३	२६	बु	आ	दि	६	२४	च	शे	७	५०	२९	३१	१२-५४ रात कर्क में चन्द्रमा गज: ।
	२८	१४	२७	वृ	पुं	दि	२	४२	पं	प्र	५	५८	२९	३१	सिद्ध: ।
	२८	१५	२८	शु	आ	शे	०	३२	ष	प्र	१	१४	२९	३१	कुमार ६ व्रत १०-२५ रात गण्डांत प्रारंभ, कांड: ।
	२७	१६	२९	श	मं	शे	३	४	स	दि	३२	२०	२९	३१	४-१६प्रात: से सि में चंद्रमा १०-१दिन गं.समाप्त काम्य: ।
	२६	१७	३०	र	पूफा	शे	४	५१	अ	दि	२९	१९	२८	३२	ज्येष्ठ अष्टमी, मेला क्षीर भवानी तुल मूल यात्रा, मंजगामB
	२५	१८	३१	चं	उ	शे	५	३१	न	दि	२७	१५	२८	३२	चन्द्रमा मास,१-१७ दिन कन्या में चन्द्रमा, श्री वत्स: ।
	२४	१९	जून	मं	ह	शे	५	६	द	दि	२६	४४	२८	३२	गंगा जन्म सौम्य: । Bयात्रा, खनबरन यात्रा छत्रं ।
	२३	२०	२	बु	चि	शे	३	२७	ए	दि	२७	१८	२७	३३	निर्जला ११, ४-४० दिन तुला में चन्द्रमा,कालदण्ड: ।
	२३	२१	३	गु	स्वा	शे	०	२८	द्वा	दि	२९	९	२७	३३	स्थिर: ।
	२२	२२	४	शु	स्वा	दि	३	४४	त्र	दि	३२	६	२७	३३	२-२४ रात वृश्चिक में चन्द्रमा, मसुलम् ।
	२१	२३	५	श	वि	दि	९	४९	चं	प्र	०	४५	२६	३४	१२-८ रात पूर्णिमाशी चन्द्रमा, शूलम् ।
	२०	२४	६	र	अं	दि	१४	४५	पूं	प्र	५	२१	२६	३४	माता रूपभवानी जयन्ती,सावर्णिक मनु: जन्म मृत्यु: ।

श्राद्ध : प्रतिपदा, द्वि. और अष्टमी से लेकर त्रयो. तक पहिले ही शेष अपने २ दिनों पर।

मध्याह्न : प्रति, द्वि. का मध्याह्न पहले ही शेष अपने दिनों पर।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. स. २०३९ आषाढ़ कृष्ण पक्षे: ३५।२२ वृ. में सू. बु. कं. में भौम हीन शनि तुला में गुरु मेष में शुक्र मि. में राहु धनु केतु ई. १९८२ शाक: १९०४

	राष्ट्री	ज्येष्ठ	जून	वार	नक्षत्र	घड़ी	पल	तिथि	घड़ी	पल	सू. उ. ५	सू. अ. ७	ग्रह संचार बजे मिनटों में (७ जून से २१ जून तक)
१२	१९	२५	७	सो	ज्ये दि	२१	८	प्र प्र	१०	१४	२५	३५	१-५२ दिन धनु में चं., मूलारंभ,७-२३ प्रात: से ८।३१C
	१८	२६	८	मं	मू दि	२७	३३	द्वि शे	१४	२६	२५	३५	४-२७दिन से मुल समाप्त,छत्रम् ।Cसायं तक गं गुरुगोविदD
	१८	२७	९	बु	पू दि	३३	४१	तृ शे	९	३१	२५	३५	१-२२रात मकर में चं. श्री वत्स:।Dजन्म शवे बरात काम्य:
	१७	२८	१०	बृ	उषा प्र	३	४०	च शे	५	९	२४	३६	संकट ४ वृत सौम्य: ।
	१६	२९	११	शु	श्र प्र	९	१४	पं शे	१	३८	२४	३६	त्रिस्पृक, दिन अधिक धौम्य: ।
	१५	३०	१२	श	घं प्र	११	१९	पं दि	०	५५	२४	३६	११-३१ दिन कुंभ में चन्द्रमा, पंचक आरंभ प्रवर्ध: ।
	१४	३१	१३	र	श शे	१३	१	ष दि	२	१४	२३	३७	क्षय: । Eमें सूर्य मुहू. ४५ नदी संक्रान्ति वृत सिद्ध: ।
	१३	३२	१४	सो	पू शे	१०	५५	स दि	२	१७	२३	३७	७-१३सायं मीन में चं. १०-२७ दिन से मासांतारंभ गज:
	१२	अ.	१५	मं	उ शे	१०	२	अ दि	१	५	२२	३८	त्र्यह: दिन कम् । १०।२७ दिन से संक्रांति मिथु-E
	११	२	१६	बु	रे शे	१०	२१	द शे	१	१७	२२	३८	१२-४०रात मेष में चं. पंचक समाप्त,६-४८ दिन से गंडांतG
	१०	३	१७	बृ	अश शे	११	४६	ए शे	५	३	२२	३८	योगिनी ११, ६-२७ प्रात: गंडात आरम्भ, मानसं ।
	९	४	१८	शु	भ प्र	९	११	द्वा दि	९	२	२२	३८	३-१८ रात वृष राशि में शुक्र मुद्गरम् । Gआरंभ उन्मूलम्
	९	५	१९	श	कृ प्र	३	३५	त्र प्र	४	३४	२२	३८	४-९ प्रात: से वृष में चन्द्रमा, ध्वज: ।
	८	६	२०	र	रो दि	३५	१९	चं दि	२४	१८	२१	३९	७-५ सायं चन्द्रमा अस्त प्रजापत्य: ।
	८	७	२१	सो	मृ दि	३१	१२	अं दि	२८	११	२१	३९	६-४० प्रात: मि. में चं. ९-३८ दिन दक्षिणायण में सूर्य काZ
													Zप्रवेश सोमा अमावसी, सोमवार यात्रा आनन्द: ।

श्राद्ध : षष्ठी से लेकर नवमी तक का श्राद्ध: पहिले ही शेष अपने अपने दिनों पर ।

मध्याह्न : षष्ठी से लेकर नवमी तक का पहिले ही शेष अपने दिनों पर ।

ग्रह संचार बजे मिनटों में
(२२ जून से ६ जुलाई तक)

	तारीख	आषाढ़	जून	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घं०	मि	सू उ ५	सू अ ७	
१२	९	८	२२	मं	आ	दि	२७	८	प्र	दि	२२	४	२२	३८	११-१ दिन से आर्द्रा नक्षत्र में सूर्य, १०-३६ दिन उदय चं.M
	१०	९	२३	बु	पुं	दि	२३	१९	द्वि	दि	१६	१२	२२	३८	९-४ प्रात: कर्क में च.मसुलं,शूलम् का रोज़ारमजान आरंभ।
	११	१०	२४	बृ	ति	दि	१९	५६	तृ	दि	१०	४६	२२	३८	मूलम्। Mचन्द्रदर्शन चर:।
	१२	११	२५	शु	अ	दि	१७	११	च	दि	५	५१	२२	३८	१२-१४ दिन सिंह मे चं. ९-२८ प्रात: से ९-१ सायं तक O
	१३	१२	२६	श	मं	दि	१५	१४	पं	दि	१	४५	२३	३७	त्र्यह:, दिन कम कुमार ६ वृत काम्य:। Oगंडांत मृत्यु:।
	१४	१३	२७	र	पू	दि	१४	१४	स	शे	१	२२	२३	३७	आषाढ़ सप्तमी, ५-३० सायं कर्क में चन्द्रमा, छत्रम्।
	१४	१४	२८	सो	उ	दि	१४	२६	अ	शे	३	२९	२३	३७	आषाढ़ अष्टमी, श्री व्रतस:। Kतुला में चन्द्रमा सौम्य:।
	१५	१५	२९	मं	ह	दि	१५	४७	न	शे	४	१९	२४	३६	आषाढ़ नवमी, श्री शारिका भगवती जयन्ती, १२-२७K
	१६	१६	३०	बु	चि	दि	१८	२५	द	शे	३	५३	२४	३६	बुधमास:, कालदण्ड:।
	१७	१७	जु	बृ	स्वा	दि	२२	१४	ए	शे	२	११	२४	३६	त्रिस्पृक दिन अधिक स्थिर:।Hदेवशयनी मत्स्य ११ मातंग:
	१८	१८	२	शु	वि	दि	२७	५	ए	दि	०	३९	२५	३५	९-४३ दिन वृश्चिक में चं., ६-४० प्रात: मिथुन में बुधH
	१९	१९	३	श	अनूं	दि	३२	४७	द्वा	दि	४	३०	२६	३४	हरि स्वाप, अमृतम्। भगवान गोपीनाथ जयंती
	२०	२०	४	र	ज्ये	प्र	३	४५	त्र	दि	८	५९	२६	३४	९-४ रात धनु में चन्द्रमा मूलारंभ, २-२६ दिन सेP
	२०	२१	५	सो	मू	प्र	१०	१३	चं	दि	१३	५५	२६	३४	श्री ज्वाला १४ खव यात्रा, ११-४० रात से मूल समाप्त,X
	२१	२२	६	मं	पूषा	शे	१४	३०	पू	दि	१८	४५	२६	३४	आषाढ़ पूर्णिमा, व्यास पूजन,सूर्य मनु:जन्म मंत्रं। Xअलापक
															P३-४३ रात तक गं. कांड:।

श्राद्ध : प्रतिपदा से लेकर षष्टी तक तथा द्वादशी से लेकर पूर्णिमा तक पहले ही शेष अपने २ दिनों पर।
मध्याह्न : तृतीया से षष्टी तक तथा द्वा. से लेकर पूर्णमा तक पहले ही शेष अपने २ दिनों पर आएगा।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. सं. २०३९ श्रावण कृष्ण पक्षे: ३५।१६ मि. में सू. बु. राहु कन्या में औ शनि तुला में गुरु वृष मे शुक्र धनु में केतु ई. १९८२ शाक: १९०४

ग्रह संचार बजे मिनटों में
(७ जुलाई से २० जुलाई तक)

	राष्ट्र	आषाढ़	जुलाई	वार	नक्षत्र		घ०	पल	तिथि		घ०	पल	सू उ ५	सू अ ७.	
१२	२२	२३	७	बु	उषा	शे	८	१९	प्र	दि	२३	५	२७	३३	८-४२ प्रातः मकर में चन्द्रमा, वज्रम ।
	२३	२४	८	बृ	श्र	शे	२	४३	द्वि	दि	२६	३९	२७	३३	ध्वजः ।
	२४	२५	९	शु	श्र	दि	१	५७	तृ	दि	२९	१६	७७	३३	७-१ सायं कुंभ में चं.पंचकारंभ, संकट चतुर्थी वृत धौम्यः ।
	२५	२६	१०	श	धं	दि	५	३०	च	दि	३०	३८	२८	३२	प्रवर्धाः ।
	२६	२७	११	र	श	दि	७	५०	पं	दि	३०	४५	२८	३२	३-२ रात मीन में चन्द्रमा क्षयः ।
	२६	२८	१२	सो	पू	दि	९	०	ष	दि	२९	३३	२८	३२	गजः ।Yगंडांत समाप्त १०-२ दिन से मिथुन में शुक्र उन्मूलं
	२७	२९	१३	मं	उ	दि	८	५५	स	दि	२७	१४	२९	३१	५-३० दिन बुधअस्त २-४से रात गंडांत आरम्भ, सिद्धः ।
	२८	३०	१४	बु	रे	दि	७	४३	अ	दि	२३	४७	२९	३१	८-३४ प्रातः मेष में चन्द्रमा पंचक समाप्त २-४३ दिन Y
	२९	३१	१५	बृ	अ	दि	५	३४	न	दि	१९	२८	२९	३१	१-३९ रात मासान्त आरम्भ मानसं । Rसे वृष में चं.मुदगरं ।
	३०	श्रा	१६	शु	भ	दि	२	४१	द	दि	१४	२८	३०	३०	१-३९ रात से संक्रां. कर्क में सूर्य मु. ३०सागर:१२-१४दिनR
	३१	२	१७	श.	रो	शे	०	४८	ए	दि	९	५२	३०	३०	कमला ११ संक्राति वृत ताल यात्रा श्री वत्सः ।
	३२	३	१८	र	मृ	शे	४	४१	द्वा	दि	२	५८	३०	३०	त्र्यहः दिन कम,२-४९ दिन से मि.में चं.शवेकदर सौभ्यः ।
	३३	४	१३	सो	आ	शे	८	५०	चं	शे	३	११	३१	२९	कालदण्डः । B७-३२ सायं कर्कट राशि में बुध स्थिरः ।
	३३	५	२०	मं	पुं	प्र	८	१९	अं	शे	९	२१	३१	२६	५-१० दिन कर्कट में चन्द्रमा ५-२२ प्रातः चन्द्रमा अस्त,B

श्राद्ध : प्रतिपदा से लेकर त्रयोदशी तक पहिले ही शेष अपने दिनों पर ।

सप्तर्षि स. ५०५८ वि. स. २०३९ श्रावण शुक्ल पक्षः २४।५२ कर्कट में सू. बु., क. में भौम शनि, तुला में गुरु मि. में शुक्र राहु धनु में केतु शाके १९०४ ई. १९८२

	राशि	श्रावण	जुलाई	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ५	सू अ ७	ग्रह संचार वजे मिनटों में (२१ जुलाई से ४ अगस्त तक)
१३	३४	६	२१	बु	ति	प्र	४	५०	प्र	प्र	४	२६	३१	२९	९-१५ रात उदय चं. मातंगः । Cगंडांत अमृतं चन्द्र दर्शन
	३५	७	२२	गु	आ	प्र	१	५९	द्वि	दि	३४	२५	३२	२८	८-१६ सायं सिंह में चन्द्रमा २-३३ दिन से १-५६ रात तकC
	३७	८	२३	शु	मं	दि	३४	२९	तृ	दि	३०	१८	३२	२८	११-१४ दिन से तुला में मंगल कांडः ईद् ।
	३९	९	२४	श	पू	दि	३३	२३	च	दि	२७	३	३३	२७	१२-४८ रात कन्या में चन्द्रमा अलापकः ।
	४१	१०	२५	र	उ	दि	३३	१५	पं	दि	२४	५४	३४	२६	नाग ५ कुमार ६ वृत मैत्रम् ।
	४३	११	२६	सो	ह	दि	३४	१७	ष	दि	२३	५८	३५	२५	वज्रम् ।
	४५	१२	२७	मं	चि	प्र	२	९	स	दि	२४	१९	३६	२४	७-४२ प्रातः तुला में चं. तुलसी दास जयन्ती ध्वांक्षः ।
	४७	१३	२८	बु	स्वा	प्र	४	६	अ	दि	२५	५४	३६	२४	४-२ दिन तक बुधाष्टमी धौम्यः ।
	४९	१४	२९	गु	वि	प्र	९	५४	न	दि	२८	५८	३७	२३	५-१ दिन से वृश्चिक में चन्द्रमा प्रवर्धः ।
	५१	१५	३०	शु	अनूं	शे	१५	२०	द	दि	३२	२४	३८	२२	शुक्रमास क्षयः । Eशुपियन यात्रा कृ.पं.अन्तर्ध्यान दिवस सिद्धः
	५३	१६	३१	श	ज्ये	शे	९	४४	ए	प्र	२	३९	४०	२०	९-३७ सायं गंडांत आरंभ पवित्रा ११ गजः ।
	५६	१७	अग	र	मू	शे	३	३२	द्वा	प्र	७	३५	४०	२०	४-१६प्रातः धनु में चं.मूलारंभ १०-५४ दि.गं.स.श्रावण१२E
	५८	१८	२	सो	मू	दि	२	५३	त्र	प्र	१२	३५	४१	१९	६-५१ प्रातः से मूल समाप्त अलापकः ।
	०	१९	३	मं	पू	दि	९	१०	चं	शे	१३	२२	४२	१८	३-५८ दिन से मकर में चं. मैत्रं । Pथजिवोर यात्रा वज्रम्
	२	२०	४	बु	उ	दि	१४	५१	पूं	शे	८	५९	४२	१८	श्रावण पूर्णिमासी रक्षाबंधन श्री अमरनाथ दर्शन,P
१३															

श्राद्धः : तृतीया से लेकर दशमी तक पहिले ही शेष अपने दिनों पर ।

मध्याह्न : अपने २ दिनों पर ।

मप्तर्षि सं. ५०५८ वि. सं. २०३९ भाद्र कृष्ण पक्षे: ३३।५२ कर्कट में सू. सि. मे बु. तु. में मं. गुरु मि.में शुक्र राहु

कन्या में शनि धनु मे केतु ई. १९८२ शाके १९०४ ग्रह संचार बजे मिनटों में ५ अगस्त से १९ अगस्त तक) (46

	राष्ट्र	श्रावण	अगस्त	वार	नक्षत्र		घं०	पल	तिथि		घं०	पल	सू उ ५	सू अ ७	
१३	४	२१	५	गु	श्र	दि	१९	४५	प्र	शे	५	२१	४३	१७	२-२७ रात कुंभ मे चं.पंचकारंभ,१२-३१रातहीन चं.ध्वजः
	६	२२	६	शु	धं	दि	२३	२२	द्वि	शे	२	४४	४४	१६	५-१३ प्रातः सिंह में बुध प्राजापत्यः।
	८	२२	७	श	श	दि	२६	१३	तृ	शे	१	१६	४५	१५	कूर्म ३ आनन्दः। D१२-४८ दिन कर्कट में शुक्र चरः।
	१०	२४	८	र	पू	दि	२७	३५	च	शे	१	२	४६	१४	संकट ४ वृत नवदल यात्रा, १०-४२ दिन मीन में चन्द्रमा,D
	१२	२५	९	सो	उ	दि	२७	४६	पं	शे	२	४	४६	१४	मुसलम् ।G११।३६,१०-३७ दिन से १०-२३रात तक गं.शूलं
	१४	२६	१०	मं	रे	दि	२६	४७	ष	शे	४	२१	४७	१३	४-२९ दिन मेष चं.पं.समाप्त चंदनं षष्टी वृत चंद्रोदयरातG
	१७	२७	११	बु	अ	दि	२४	४९	स	शे	१	४१	४८	१२	शीतला ७ मृत्युः। Hउदय रात १२।५९ काम्यः।
	१९	२८	१२	गु	भ	दि	२२	४	अ	शे	११	५०	४९	११	८-२१ सायं वृष में चंद्रमा श्री कृ. जन्मा. ८ एक चंद्रमाH
	२१	२९	१३	शु	कृ	दि	१८	४०	न	प्र	४	२०	५०	१०	छत्रम।
	२३	३०	१४	श	रो	दि	१४	५१	द	दि	३१	४०	५१	९	१२-५७ रात मि. में चन्द्रमा,१-०रात बुधउदय श्री वत्सः।
	२५	३१	१५	र	मृ	दि	१०	४४	ए	दि	२५	३४	५२	८	अजा ११ भारत स्वतंत्र दिवस सौम्यः।Kचं. कालदंडः।
	२७	३२	१६	सो	आ	दि	६	३८	द्वा	दि	१९	२७	५३	७	१-२६ दिन मासांत प्रारंभ गौवत्स पू १-२२ रात कर्कट मेंK
	२९	भा	१७	मं	पुं	दि	२	३५	त्र	दि	१३	३४	५३	७	१-२६दिन सं,सिंह में सूर्य मुहू.३० नदी, सि.ग्रह आरंभ सं.O
	३१	२	१८	बु	आ	शे	१	२	चं	दि	८	४	५४	६	१०-३४ रात गं.प्रा.,१२-४७दिन.चं.अस्त क्षयः।Oवृत स्थिरः
	३३	३	१९	गु	मं	शे	४	५	अं	दि	३	६	५४	५	४-२७ प्रातः सि.में चं.,त्र्यहः, दिन कम,१०-३ दि.गं. मद्याM
															Mअमावसी मादरी अमावस गंडकी यात्रा गजः कुशामावसी।

सप्तर्षि स. ५०५८ वि. सं. २०३९ भाद्र शुक्ल पक्षे: ३२।५० सिं. में सू, बु. तु. मे मं. गुरु, कर्कट मे शुक्र कं.में शनि मि. म राहु,धनु म केतु, शाके १९०४ ई. १९८२

	राष्ट्र	दिन	अगस्त	वार	नक्षत्र	घ०	पल	तिथि	घ०	पल	सू उ ६	सू अ ६	ग्रह संचार बजे मिनटों में (२० अगस्त से ३ सितम्बर तक)
१३	३५	४	२०	शु	पूफा शे	६	२९	द्वि शे	१	४	५६	४	चंद्र दशा,११-२७दिन उदय च. सिद्धः । Aमनुजन्म उन्मूलं ।
	३७	५	२१	श	उ शे	७	५९	तृ शे	४	२४	५७	३	८-४२ दिन कंन्या में चं. हरतालिका ३, तामसिक A
	४०	६	२२	र	ह शे	८	२७	च शे	६	३२	५८	२	चंद्रदर्शन निषेध, विनायक चतुर्थी मानसं । Bमें चं. मुद्गरं ,
	४२	७	२३	सो	चि शे	७	३	पं शे	७	३४	५८	२	वराह ५ ऋषि पंचमी, करंक तीर्थ श्राद्ध ३-२० दिन तुलाB
	४४	८	२४	मं	स्वा शे	५	३७	ष शे	७	१५	५९	१	कुमार ६, व्रत ५-१९ प्रातः कन्या में बुध ध्वजः ।
	४७	९	२५	बु	वि शे	२	१९	स शे	५	४२	6 0	7 0	१२-२२ रात वृश्चिक में चं., ब्रह्मसरोवर श्राद्ध प्रजापत्यः ।
	५०	१०	२६	गु	वि दि	२	५	अ शे	२	५७	6 2	5 8	त्रिस्पृक, दिन अधिक, प्रवर्धा: । Cतथा मूलआरंभ गजः ।
	५२	११	२७	शु	अं दि	७	२६	अ दि	०	५२	३	५७	श्री गंगा अष्टमी ४-५० रात से गंडान्त प्रारंभ, क्षयः ।
	५५	१२	२८	ग	ज्ये दि	१३	३०	न दि	५	२२	४	५६	६-६ दिन तक गं., ११-२८ दिन धनु में चन्द्रमा C
	५७	१३	२९	र	मू दि	१९	५३	द दि	१०	१८	५	५५	२-३ दिन से मूल समाप्त, सूर्य मास स्थिरः ।
१४	००	१४	३०	सो	पू दि	२७	०	ए दि	१५	१०	६	५४	११-१२ रात मकर में चन्द्रमा, नारायणी ११ गौतम नागD
	२	१५	३१	मं	उ प्र	०	१०	द्वा दि	१९	५३	६	५४	इन्द्र १२ मानसं । Dयात्रा उन्मूलम् ।
	५	१६	१	बु	श्र प्र	५	२२	त्र दि	२३	३१	८	५२	विनस्ता १३ विथ्वत्री यात्रा, वेरीनाग छत्रम् ।
	८	१७	२	गु	धं प्र	९	३३	चं दि	२६	१७	९	५१	अनन्त १४ अनन्त नागयात्रा ९-५१ दिन से कुंभ में चं.पं.E
	१०	१८	३	शु	श प्र	१२	३७	पूं दि	२७	५५	१०	५०	पितृ पक्ष आरम्भ, सौभ्यः ।
													Eआरंभ ६-५०दि.सिं. में शुक्र अनर्क १४ श्री वत्सः ।

श्राद्ध : नवमी से पूर्णमा तक पहिले ही शेष अपने अपने दिनों पर ।

मध्याह्न : नवमी, दशमी एका. का मध्याह्न पहले शेष अपने दिन ।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. सं.२०३९ आश्विन् कृष्ण पक्षः ३१।३४ सि. में सू. शु. कं. बु. शनि तु. में मं. गुरु मि. में राहु धनु मे केतु, ई. १९८२ शाके १९०४

ग्रह संचार वजे मिनटों में
(४ सित. से १७ सित. तक)

	राशि	प्रविष्ट	सितम्बर	वार	नक्षत्र		घ०	पल	तिथि		घ०	पल	सू उ ६	सू अ ६	
१४	१३	१९	४	श	पूभा	शे	१५	४५	प्र	दि	२८	१३	११	४९	६-२३ दिन से मीन में च.,१-२९ दिन से हीन चं.कालदंडः ।
	१५	२०	५	र	उ	शे	१४	७	द्वि	दि	२७	१८	१२	४८	स्थिरः । O६-२३ दिन गंडांत आरंभ मातंगः ।
	१८	२१	६	सो	रे	शे	१३	४३	तृ	दि	२५	६	१३	४७	संकट ४ व्रत १२-३९ रात मेष में चंद्रमा पंचक समाप्तO
	२१	२२	७	मं	अ	प्र	१२	३०	च	दि	२१	५२	१४	४६	६-१५ प्रातः से गं. समाप्त अमृतम् ।
	२३	२३	८	बु	भ	प्र	९	५८	पं	दि	१७	४६	१५	४५	२-३ दि.वृश्चिक राशि में भी ४-२५रात से वृष में चं.कांडः
	२६	२४	९	गु	कृ	प्र	६	४६	ष	दि	१२	५२	१६	४४	साहिब सप्तमी अलापकः। Bमें चन्द्रमा वज्रम् ।
	२८	२५	१०	शु	रो	प्र	३	६	स	दि	७	२६	१७	४३	मैत्रम् ।
	३१	२६	११	श	मृ	दि	३०	४	अ	दि	१	३२	१८	४२	त्र्यहः दिन कम, श्री महालक्ष्मी ८,७-१० प्रातः मिथुनB
	३४	२७	१२	र	आ	दि	२५	५५	द	शे	४	३२	१९	४१	ध्वांक्ष । Cपितृ अमावसी, पितृतर्पण गजः ।
	३६	२८	१३	सो	पुं	दि	२१	५२	ए	शे	१०	३२	२०	४०	इन्द्रा ११ सैंन्यासियों का श्राद्ध ९-२८ प्रातः कर्कट मेंD
	३९	२९	१४	मं	ति	दि	१८	८	द्वा	प्र	७	२६	२१	३९	प्रवर्धः । Dचं. धौम्यः ।
	४१	३०	१५	बु	आ	दि	१४	५७	त्र	प्र	२	३७	२२	३८	१२-२२दि.सिंह में चं.६-३७प्रातः से ६-२सायं तक गं.क्षयः ।
	४४	३१	१६	गु	मं	दि	१२	२१	चं	दि	२९	८	२३	३७	६-२ सायं चन्द्रमा अस्त, १-५३ दिन से मासांत आरंभ C
	४७	अ१	१७	शु	पू	दि	१०	३८	अं	दि	२५	५४	२४	३६	१-५३दि.सं.कं.राशि में सू.मु.४५कितारी,तटे सं. व्रत, व्रताE
															Eअमावसी ४-४५ मि.दिन से भानुमास का प्रवेश सिद्धः ।

श्राद्ध : प्रतिपदा से नवमी तक तथा अमावसी का पहिले ही शेष अपने २ दिनों पर आएगा ।

मध्याह्न : षष्टी से नवमी तक पहिले ही शेष अपने दिन ।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. २०३९ मलगासियों का अश्विन शुक्ल पक्षे: भानो द्वि आश्विन शुद्धि ३०।२२ क. में सू.वु.श.

तु. में गुरु वृं.में भौम सिं.में शुक्र मि.में रा.धनु में के.ई१९८२ (49

ग्रह संचार वजे मिनटों में

(१९ सित. से २ अक्तू. तक)

	राशि	असुज	सित.	वार	नक्षत्र	घड़ी	पल	तिथि	घड़ी	पल	सू उ ६	सू अ ६	
१४	४९	२	१८	श	उफा दि	९	५८	प्र दि	२३	३४	२५	३५	नवदुर्गारंभ, चंद्र दर्शन, ३-३७ रात से उदय चं. उन्मूलं ।
	५२	३	१९	र	ह दि	१०	२७	द्वि दि	२२	४८	२६	३४	१०-५४ रात तुला में चंद्रमा मानसं ।
	५४	४	२०	सो	चि दि	१२	१४	तृ दि	२३	१०	२७	३३	मुद्गरम् । Gराशि में शनि ध्वजः ।
	५७	५	२१	मं	स्वा दि	१५	१३	च दि	२४	४५	२८	३२	७-३४ सायं अगस्त मुनि उदय ४-४० रात से तुलाG
१५	००	६	२२	बु	वि दि	१९	२२	पं दि	२७	३५	३०	३०	७-४७प्रात: वृं. में चं.दिन रात सम,कुमार६ व्रत प्रजापत्यः ।
	१	७	२३	गु	अं दि	२४	३०	ष प्र	१	२८	३०	३०	कुमार जन्म आनन्द: । Mरात तक गं. चरः ।
	४	८	२४	शु	ज्ये प्र	०	३०	स प्र	६	७	३१	२९	६-४१सायं धनु में चन्द्रमा मूलारभ, १२-३ दिन से १-१८M
	६	९	२५	श	मू प्र	६	५७	अ प्र	११	११	३२	२८	श्री दुर्गा अष्टमी,९-१४ रात से मूल समाप्त मसुलम् ।
	९	१०	२६	र	पू प्र	१३	२९	न शे	१९	६	३३	२७	महानवमी, ६-५ दिन से कन्या में शुक्र शूलम् ।
	१२	११	२७	सो	उ शे	१६	५६	द शे	१४	२	३४	२६	विजय दशमी, ६-२५ प्रातः मकर में चन्द्रमा मृत्युः ।
	१४	१२	२८	मं	श्र शे	१०	५५	ए शे	९	३४	३५	२५	भौम मास जया ११, पापाकुंषा ११. अलापक: ईद ।
	१७	१३	२९	बु	धं शे	५	४०	द्वा शे	५	३४	३६	२४	५-१५ दिन कुंभ में चन्द्रमा पंचकारंभ, मैत्रम् ।
	२०	१४	३०	गु	श शे	१	२२	त्र शे	२	४१	३८	२२	वज्रम् ।
	२२	१५	अक	शु	श दि	१	५०	चं शे	००	५९	३८	२२	२-३ रात मीन में चं. ११-२२ दिन से शनि अस्त सौम्यः ।
	२५	१६	२	श	पू दि	३	४७	पूं शे	००	३३	४०	२०	जन्मदिन महात्मा गांधी तथा लाल बहादुरशास्त्री, वाल्मीकी जयन्ती लवंगपूर्णिमा, शरद् पूर्णिमा कांड: ।

श्राद्ध : प्रतिपद से पंचमी तक पहिले ही दिन शेष अपने अपने दिनों पर ।

मध्याह्न : अपने २ दिनों पर आएगा ।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. २०३९ मलमासियों का कातिक कृ. पक्ष, भानुमासियों का दू. असूज कृ. पक्षः २९-६ कं. में

सूर्य बु.शु.तु.में गु.शनि वृ में भौ मि.में रा.ध.में के.ई.१९८२

ग्रह संचार बजे मिनटों में (50

(३ अक्तू. से १६ अक्तू. तक)

	राशि	असूज	अक्तू.	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ६	सू अ ६	
१५	२७	१७	३	र	उभा	दि	४	२७	प्र	शो	१	२४	४०	२०	२-२६ गण्डांत प्रारंभ, ३-३२ रात ही चंद्रमा, स्थिरः।
	३०	१८	४	सो	रे	दि	४	१	द्वि	शो	३	२५	४२	१८	८-१८प्रातः मेष में चं.पंचक समा.२-११ दिन तक गं.मातंगः
	३३	१९	५	मं	अश्व	दि	२	२८	तृ	शो	६	३६	३	१७	१०-३१ दिन पूर्व में शक्र अस्त अमृतम्।
	३५	२०	६	बु	भ	दि	०	९	च	शो	१०	४१	४४	१६	संकट ४ व्रत,१२-२७ दिन वृष में चं. कांडः।
	३८	२१	७	ग	रो	शो	३	२	पं	शो	१५	२३	४५	१५	उन्मूलं।
	४१	२२	८	शु	मृ.	शो	६	४३	ष	प्र	४	४५	४६	१४	३-१७ दिन मिथुन में चं. मानसं।
	४३	२३	९	श	आ	शो	१[illegible]	४५	स	दि	२७	२४	४७	१३	मुद्गरम्।
	४६	२४	१०	र	पुं	शो	१४	५३	अ	दि	२१	२५	४८	१२	५-३६ दिन कर्कट में चन्द्रमा ध्वजः।
	४९	२५	११	सो	ति	प्र	८	५०	न	दि	१५	३०	४९	११	प्रजापत्यः।
	५१	२६	१२	मं.	आश	प्र	५	३४	द	दि	१०	१६	५०	१०	८-२३ सायं सिंह में चं. २-४१ दिन से २-१ रात तकV
	५४	२७	१३	बु	मं	प्र	२	५७	ए	दि	५	२५	५१	९	रमा ११ चरः। Vगन्डांत आनन्दः।
	५६	२८	१४	गु	पू	प्र	१	६	द्वा	दि	१	२२	५२	८	त्र्यहः, दिन कम, १२-२२ रात कन्या मे चं. मसुलम्।
	५९	२९	१५	शु	उ	प्र	०	१६	चं	शो	१	५१	५३	७	महावीर १४ अनर्क १४ झूलम्।
१५	२	३०	१६	श	ह	प्र	०	३४	अं	शो	३	५९	५४	६	दीपमाला महालक्ष्मी पूजन,२१-४९ रात से मासांत आरंभB B२-१ रात से भानुमास समाप्त मृत्युः।

श्राद्ध : अष्टमी से त्रयो. तक पहिले ही शेष अपने दिनों पर।

महालय : दशमी से लेकर त्रयो. तक पहिले ही दिन शेष अपने दिनों पर।

वृ. मे मंगल कन्या मे बु.शु.मि. मे राहु धं में केतु १९८२
ग्रह संचार वजे मिनटों में
(१७ अक्तू. से १ नव. तक)

	राशि	कार्तिक	अक्तूबर	वार	नक्षत्र	घड़ी	पल	तिथि	घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५	
१६	४	१	१७	र	चि प्र	२	५	प्र शे	४	४६	५५	५	.... Cमे सूर्य मुहू. ९५ नदी काम्य:।
	७	२	१८	पो	स्वा प्र	४	५३	द्वि शे	४	२०	५६	४	६-३३ प्रात: तुला में चं., १२-४८ रात से संक्रां. तुल।C
	१०	३	१९	मं	वि प्र	८	५०	तृ शे	२	३६	५८	२	संक्रांति वृम ५-३० दिन उदय चन्द्रमा, छत्रम्।
	१२	४	२०	बु	अं प्र	१३	४९	तृ दि	०	१९	५८	२	त्रिस्पृक, दिन अधिक,३-८दिन वृश्चिक में चं. श्री वत्स:।
	१५	५	२१	बृ	ज्ये शे	१८	४१	च दि	४	१४	7/0	6/0	६-३०सायं से तुला में शुक्र ८-२प्रात: धनु में मंगल सौम्य:।
	१८	६	२२	शु	मू शे	१२	५३	पं दि	८	५५	7/1	6/59	७-१८ सायं से गं.आरंभ,१-५० रात धनु में चं. मूलआरंभD
	२०	७	२३	श	पू शे	६	३१	ष दि	१४	३	२	५८	८-२१प्रात:से गं.स कुमार ६,४-२६रात मूल समा.स्थिर:।
	२३	८	२४	र	उ शे	०	८	स दि	१९	९	३	५७	मातंग:। Dकालदंड:।
	२५	९	२५	सो	उ दि	६	०	अ दि	२३	५६	४	५६	१-१५ दिन मकर में चन्द्रमा अमृतं।
	२७	१०	२६	मं	श्र दि	११	२७	न प्र	०	४७	४	५६	......गोपाल अष्टमी, मृत्यु:।
	२९	११	२७	बु	धं दि	१६	१	द प्र	३	४९	५	५५	१२-४० रात कुंभ में चं. पंचकारंभ,......अलापक:।
	३१	१२	२८	गु	श दि	१९	३१	ए प्र	५	४१	६	५४	......मैत्रम्।
	३५	१३	२९	शु	पू दि	२१	४३	द्वा प्र	६	१६	७	५३	गुरुमास, हरिवोधनी ११, जया ११ वज्रम्।
	३६	१४	३०	श	उ दि	२२	४५	त्र प्र	५	३२	८	५२	९-३८ प्रात: से मीन में चं. ध्वांक्ष:। शिवस्वाप
	३८	१५	३१	र	रे दि	२२	३१	चं प्र	३	३३	९	५१	३-३३ रात तुला में बुध, धौम्य:।
	४०	१६	१	पो	अ दि	२१	१४	पूं प्र	०	३२	१०	५०	४-१० दिन मेष में चं. पं. समान्त, १०-१३ दिन से १०-७E
													......क्षय:। Eरात तक गण्डांत प्रवर्ध:।

श्राद्ध : चतुर्थी से अष्टमी तक का पहिले ही दिन शेष अपने २ दिनों पर।

मध्याह्न : चतुर्थी पं. षष्ठी का मध्याह्न पहिले ही दिन शेष अपने दिनों पर।

सू.बु.गुरु शुक्र शनि धनु में मंगल के.मि.में रा.ई. १९८२

ग्रह संचार बजे मिनटों में

(२ नव. से १५ नव. तक)

	राघं	कार्तिक	नवम्बर	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५	
१६	४२	१७	२	मं	भ	दि	१९	०	प्र	दि	२३	२०	१०	५०	८-३३ सायं वृष में चं.,१२-४४दिन हीन चं., ७-२६ सायंF
	४४	१८	३	बु	कृ	दि	१६	४	द्वि	दि	१८	१०	११	४९	सिद्धः। Fपश्छिम में गुरु अस्त गजः।
	४७	१९	४	गु	रो	दि	१२	३२	तृ	दि	१३	७	१२	४८	संकट ४ व्रत करवा चतर्थी ११-२९ रात मि. में चं.उन्मूलं।
	४९	२०	५	शु	मृ	दि	८	३५	च	दि	७	२३	१३	४७	७-५५ रात पूर्व में शनि उदय मानसं।
	५१	२१	६	श	आ	दि	४	२६	पं	दि	१	२७	१४	४६	त्रयहः, दिन कम १-४६ रात कर्कट में चन्द्रमा मुद्गरम्।
	५४	२२	७	र	पुं	दि	०	१९	स	शे	४	२७	१५	४५	ध्वजः। G४-२० रात से सिंह में चन्द्रमा सौम्यः।
	५६	२३	८	सो	आ	शे	३	३५	अ	शे	१०	१४	१५	४५	महाकाल भैरव ८, १०-४७ रात से गण्डांत आरभ,G
	५८	२४	९	मं	मं	शे	७	५	न	शे	१५	३२	१६	४६	१०-८ दिन से गंडांत समाप्त कालदण्डः।
१७	०	२५	१०	बु	पू	शे	९	५७	द	प्र	९	५२	१८	४२	स्थिरः।
	२	२६	११	गु	उ	शे	१२	९	ए	प्र	६	५४	१८	४२	८-१९ प्रातः कन्या में चन्द्रमा मातंगः।
	५	२७	१२	शु	ह	शे	१३	१८	द्वा	प्र	५	३	२०	४०	अमृतम्। Hमें शुक्र कांडः।
	७	२८	१३	श	चि	शे	१३	२२	त्र	प्र	४	२५	२०	४०	२-१२ दिन तुला में च. ८-१७ सायं वृश्चिकH
	९	२९	१४	र	स्वा	शे	१२	१३	चं	प्र	५	६	२१	३९	नेहरू जन्म बाल दिवस महावीर१४ अनर्क१४ अलापकः।
	११	३०	१५	सो	वि	शे	९	४४	अं	प्र	७	१	२२	३८	१०-२३रात वृ.में चं.,१०-४० रात मासान्त प्रारंभ, सोमाK
															Kअमा. सुमरी अमा.सोमवार यात्रा३-२७रात वृ.मेंगु....मैत्रं

श्राद्ध : प्रतिपदा से लेकर षष्टी तक पहिले ही दिन शेष अपने दिनों पर।

मध्याह्न : चतुर्थी पंचमी षष्ठी का मध्याह्न पहले ही दिन शेष अपने दिन।

सप्तर्षि सं. ५०५८ मलद्वि मार्ग शु.पक्ष, भानु मा. का शुद्ध कार्तिक शु. पक्षः २५-३२ वृ. में सू. गुरु, शुक्र धनु में भी

	राशि	मघर	नवंबर	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५	केतु तुला में बुध शनि, मि. में राहु ई. १९८२ ग्रह संचार वजे मिनटों में (१६ नव. से ३० नव. तक)
१७	१४	१	१६	मं	अं	शा	५	५०	प्र	प्र	१०	१८	२३	३७	Aवृत ४-२ रात से उदय चन्द्रमा गौवत्सा पूजन...वज्रम् ।
	१६	२	१७	बु	ज्ये	शे	१	२२	द्वि	प्र	१४	१६	२४	३६	१०-४० रात से सं. वृ. में सूर्य मुहू. ३० समुन्दरी सं A
	१८	३	१८	गु	ज्ये	दि	४	१३	तृ	शे	२०	२२	२२	२५	२-३० रात से गं. ध्वांक्षः ।
	२०	४	१९	शु	मू	दि	१०	२७	च	शे	१५	३२	२६	३४	९-६प्रातः से धनु में चं.मूल आरंभ,४-४२दि.तक गं.९-३४B
	२२	५	२०	श	पू	दि	१६	५३	पं	शे	१०	१५	२६	३४	११-१६ दि.से मूल समा.स्थिरः । Bदि.में बुध७-२७सायं सेC
	२५	६	२१	र	उ	दि	२३	३	ष	शे	५	२	२८	३२	८-५१सायं मकर में चं.मातंगः ।Cमलमास का प्रवेशकालदंडः
	२७	७	२२	सो	श्र	प्र	३	३७	स	शे	०	१७	२८	३२	कुमार ६ वृत अमृतं ।
	२८	८	२३	मं	धं	प्र	८	३१	स	दि	३	४५	२९	३१	त्रिस्पृक दिन अधिक, सिद्धः ।
	२८	९	२४	बु	श	प्र	१२	२१	अ	दि	६	४५	२९	३१	८-२ प्रातः से कुंभ में चं. पंचक आरम्भ, उन्मलं ।
	२९	१०	२५	गु	पूभा	प्र	१४	५७	न	दि	८	३२	३०	३१	गोपाल ८ मानसं ।
	३०	११	२६	शु	उ	प्र	१६	१७	द	दि	९	४	३०	३०	५-१३ दिन मीन में चन्द्रमा, मुद्गरम् ।
	३१	१२	२७	श	रे	प्र	१६	२५	ए	दि	८	१५	३०	३०	ध्वजः । D६-३ सायं से६-५प्रातःतक गं.शनिमास प्रजापत्यः ।
	३१	१३	२८	र	अ	‵	१५	२१	द्वा	दि	६	२०	३०	३०	हरबोधिनी ११,१२-४ रात से मेष में चं. पंचक समाप्त, D
	३२	१४	२९	सो	भ	प्र	१३	२१	त्र	दि	३	१५	३०	३०	आनन्दः । Eरात वृष में चं. चरः ।
	३३	१५	३०	मं	कृ	प्र	१०	३४	पूं	शे	०	४३	३१	२९	त्र्यहः, दिन कम,५-३३ सायं से मकर में मंगल, ४-२३E
															गुरु नानक जयंती,२-१९रात शुक्र उदय,१३-३१दिन ते पूर्वF
															F में गुरु उदय कार्तिक पूर्णिमा मसुलं ।

श्राद्ध : अष्टमी से चतुर्दशी तक पहिले ही दिन शेप अपने दिनों ।

मध्याह्न : अष्टमी से चतुर्दशी तक पहिले ही शेष अपने दिनों पर ।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. २०३९ मलमासियों का दूसरा मार्ग कृ. पक्ष, भानो शुद्ध मार्ग कृ. पक्षः २४।५२ वृश्चि. में सू.

	राष्ट्रं	मघर	दिस.	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५	बु. गु.शु.म.में मं.तु.में श.मि.में रा.मं.में केतु ई.१९८२ ग्रह संचार बजे मिनटों में (१ दिसं. से १५ दिसं. तक) (54
१७	३४	१६	१	बु	रो	प्र	७	१२	प्र	शे	५	२७	३१	२९	१२-१७ दिन हीन चन्द्रमा, शूलम् ।
	३५	१७	२	गु	मृ	प्र	३	२१	द्वि	शे	१०	४५	३२	२८	७-३६ दिन मिथुन में चन्द्रमा मृत्युः ।
	३६	१८	३	शु	आ	दि	२४	७	तृ	शे	१६	२१	३२	२८	काम्यः ।
	३७	१९	४	श	पुं	दि	१९	५८	च	प्र	७	७	३२	२८	संकट ४ व्रत १०-४ मि.दिन से कर्कट में चन्द्रमा छत्रम् ।
	३८	२०	५	र	ति	दि	१६	२	पं	प्र	१	३३	३२	२८	७-४ सायं धनु राशि में बुध श्री वत्सः ।
	३९	२१	६	सो	आ	दि	१२	२९	ष	दि	२१	९	३४	२६	१२-३३ दि. सि. में चं.६-५३ प्रातः से ६-८ सायं तकG
	४०	२२	७	मं	मं	दि	९	२९	स	दि	१६	३२	३४	२६	७-०प्रातःसे उदय बुध,८।५०सायं ध.राशि में शुक्र कालदंडः ।
	४१	२३	८	बु	पू	दि	७	१३	अ	दि	१२	४४	३४	२६	भानो महाकाल भैरव ८,४-१२ दिन कन्या में चं. स्थिरः ।
	४२	२४	९	गु	उ	दि	५	५१	न	दि	९	४९	३४	२६	मातंगः । Gगं. सौम्यः ।
	४२	२५	१०	शु	ह	दि	५	३२	द	दि	८	३	३४	२६	९-५३ रात तुला में चं. अमृतं ।
	४३	२६	११	श	चि	दि	६	२५	ए	दि	७	३०	३५	२५	भानो उत्पन्ना ११ कांडः ।
	४४	२७	१२	र	स्वा	दि	८	३६	द्वा	दि	८	१५	३५	२५	५-५९ रात से वृश्चिक में चन्द्रमा अलापकः ।
	४५	६८	१३	सो	वि	दि	११	५९	त्र	दि	१०	१७	३६	२४	मैत्रम् ।
	४६	२९	१४	मं	अं	दि	१६	२७	चं	दि	१३	३०	३६	२४	५-१० दिन चन्द्रमा अस्त वज्रम् ।
	४७	३०	१५	बु	ज्ये	दि	२१	५४	अं	दि	१७	४१	३६	२४	४-२२ दिन धनु में चन्द्रमा मूलारम्भ ९-४६ प्रात से १०-५८ रात तक गंडांत, १०-३० प्रातः से मासान्त आरंभ ध्वांक्षः ।

श्राद्ध : सप्तमी से लेकर अमा. तक पहिले ही दिन शेष अपने २ दिनों पर ।

मध्याह्न : नवमी, दशमी, एका. त्रयो. चतु. का पहिले ही दिन शेष अपने २ दिनों पर ।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. २०३९ मलमासियों का शुद्ध मार्ग शुदि भानुमासियों का शुद्ध मार्ग शुदि २४।२४ धनु में सू.

राष्ट्र	पौष	दिस.	वार	नक्षत्र	घड़ी	पल	तिथि	घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५	बु.शु. केतु मकर मे मं.वृ में गुरु तु.में शनि मि.रा.ई०१९८२ ग्रह संचार बजे मिनटों में (55 (१६ दिस. से ३० दिस. तक)
१७ ४८	१	१६	गु	मू प्र	३	३६	प्र दि	२२	३७	३७	२३	६-४९सायं तक मूल,१०-३०दि.से सं.धनु मे सू.मुहू.३०तटेH
४९	२	१७	शु	पू प्र	१०	२	द्वि प्र	३	३४	३७	२३	४-१ रात मकर में चन्द्रमा प्रवर्धः।
५१	३	१८	श	उ प्र	१६	२९	तृ प्र	८	५५	३८	२२	८-२२ प्रातः से मलमास समाप्त क्षयः।
५२	४	१९	र	श्र शे	१९	१७	व्र प्र	१३	४५	३९	२१	मसुलम्। Hसिगह आरंभ सं. व्रत चंद्रदर्शन धौम्यः।
५२	५	२०	सो	ध्रं शे	१३	२६	पं प्र	१७	४८	३९	२१	३-१६ दिन कुंभ में चं. पंचक आरंभ शूलं।
५२	६	२१	मं	श शे	८	२२	ष शे	१७	५६	३९	२१	कुमार ६ व्रत,११-२१ रात उत्तरायण में सूर्य प्रवेश मृत्युः।
५१	७	२२	बु	पू शे	४	२८	स शे	१५	०	३८	२२	१२-५० रात मीन में चंद्रमा काम्यः।
५०	८	२३	गु	उ शे	१	२९	अ शे	१३	१४	३८	२२	छत्रम्। Kपंचक समाप्त प्रजापत्यः।
४९	९	२४	शु	उ दि	०	१०	न शे	१२	४३	३७	२३	१-५३ रात गंडांत प्रारंभ ध्वजः।
४८	१०	२५	श	रे दि	०	३२	द शे	१३	३६	३७	२३	१-४७ दिन गं. समाप्त,७-४६ प्रातः मेष में चन्द्रमाK
४७	११	२६	र	म शे	०	१६	ए शे	१५	३६	३७	२३	मोक्षदा११गीता जयंती १२-२२ रात मकर में बुध कालदंडः।
४६	१२	२७	सो	कृ शे	२	०	द्वा प्र	१२	५९	३६	२४	१२-३१ दिन वृष में चंद्रमा, चंद्रमा मास स्थिरः।
४५	१३	२८	मं	रो शे	४	३६	त्र प्र	८	१३	३६	२४	मातंगः।
४४	१४	२९	बु	मृ शे	७	५१	चं प्र	२	४२	३५	२५	३-४३ दिन मिथुन में चन्द्रमा अमृतम्।
४४	१५	३०	गु	आ शे	११	३२	पूं दि	२१	२३	३५	२५	कांडः।

श्राद्ध और मध्याह्न अपने २ दिनों पर केवल प्रतिपदा का श्राद्ध पहिले ही दिन।

सप्त ५०५८ वि. २०३९ मलमासियों का पोष कृ. पक्ष भानुमासियों का शुद्ध पोष कृ. पक्षः २४-३४ धनु में सू. केतु

मकर मे मं.वु.शु.वृं. मे गु.तु.में श.मि. में रा.ई.१९८२-८३

ग्रह संचार वजे मिनटों में

(३१ दिस. से १४ जन. तक)

[illegible]	राघ	पौष	दिसं	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	स उ ७	सू अ ५	
१७	४३	१६	३१	शु	मु	शे	१५	३८	प्र	दि	१५	४४	३२	२५	५५-५ सायंकर्कट में चं. १०-१५ दिन हीन चं.,२-४०दि.M
	४२	१७	जन	श	ति	प्र	११	४१	द्वि	दि	९	५९	३४	२६	अंग्रेज़ी नव वर्ष सन्१९८३ प्रारंभ मैत्रम् ।Mम.में शु.अलापक
	४२	१८	२	र	अ	प्र	९	६	तृ	दि	४	२५	३४	२६	त्र्यहः, दिन कम, ८-३९ रात सिं.में चं.,२-५९ दिन सेN
	४१	१९	३	सो	मं	प्र	४	५३	च	शे	०	४०	३४	२६	ध्वांक्षः । N२-१८ रात तक गं. संकट ४ व्रत वर्जम् ।
	४०	२०	४	मं	पू	प्र	२	५६	ष	शे	५	२०	३४	२६	८-३९ रात कन्या में चन्द्रमा धौम्यः ।
	३९	२१	५	बु	उ	प्र	०	५१	स	शे	८	५६	३४	२६	प्रवर्धः ।
	३८	२२	६	गु	ह	प्र	०	१७	अ	शे	११	४२	३३	२७	श्री महाकाली जन्म, १-५० रात तुला में चं. क्षयः ।
	३७	२३	७	शु	चि	प्र	०	५४	न	शे	१३	२२	३२	२८	गजः । O६-११ प्रातः तक गण्डांत मुद्गरम् ।
	३६	२४	८	श	स्वा	प्र	२	२५	द	शे	१३	४१	३२	२८	श्री आनन्देश्वर भैरव जन्म ६-२६ प्रातः कुंभ में मं. सिद्धः ।
	३५	२५	९	र	वि	प्र	४	१५	ए	शे	१२	४९	३२	२८	१-२७ दिन वृं. में चन्द्रमा सफला ११ उन्मूलं ।
	३४	२६	१०	सो	अं	प्र	१०	४	द्वा	शे	१०	३२	३१	२९	मानसं S Sलावस१४ यक्षा अमावसी प्रजापत्यः ।
	३३	२७	११	मं	ज्ये	प्र	१५	१७	त्र	शे	७	९	३१	२९	११-३५ रात धनु में चन्द्रमा मूल आरम्भ ५-३ दिन से O
	३३	२८	१२	बु	मू	शे	१९	५१	चं	शे	२	५३	३१	२९	त्रिस्पृक, दिन अधिक, २-० रात तक मूल ध्वजः ।
	३२	२९	१३	गु	पूषा	शे	१३	४७	चं	दि	२	१६	३०	३०	१२-४५ रिन चं. अस्त, ६-२७ सायं मासांत आरंभS
	३१	मा	१४	शु	उ	शे	७	१९	अं	दि	७	३८	३०	३०	११-१३ दिन मकर में चं., ६-२७ सायं मकर में सू. मुहू. P
															P४५ पहाड़ी सं.व्रत ६-२० सायं से क्षयमास आरंभ आनंदः ।

श्राद्ध : प्रतिपदा से चतुर्थी तक तथा अमावसी का पहिले ही दिन शेष अपने दिनों पर ।

मध्याह्न : तृ. चतुर्थी एवं अमावसी का पहिले ही दिन ।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. २०२९ मलमासियों का पोष शु. पक्ष,भानु मा. का माघ शु. पक्षः २५।० मकर में सू.शु.बु.

(पौष शुक्ल पक्ष क्षय पक्षः) कुं में मं. वृं.में गुरु सुता में शनि मि.राहु धनु में केतु ई. १९८३ (57

ग्रह संचार बजे मिनटों में (१५ जन.से २८ जन. तक)

	राष्ट्रीय	माघ	जनवरी	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५	
१७	३०	२	१५	श	श्र	शे	०	५४	प्र	दि	१२	५०	३०	३०	८-१८ प्रातः से उदय चं. चन्द्र दर्शन स्थिरः।
	२९	३	१६	र	श्र	दि	४	५	द्वि	दि	१७	३९	२९	३१	१४-४० रात कुभ में चं.पं.आरंभ,१-२०दिन धनु में हीनJ
	२८	४	१७	सो	धं	दि	१०	२६	तृ	दि	२१	३२	२९	३१	शूलं। गौरी तृ. भानुमासियों की। Jचारी बुध मसुलं।
	२८	५	१८	मं	श	दि	१४	३७	च	दि	२४	२४	२९	३१	मृत्युः। त्रिपुरा चौथ।
	२६	६	१९	बु	पु	दि	१७	५१	पं	प्र	०	५६	२८	३२	८-२१ दिन मीन में चन्द्रमा, बसन्त ५ काम्यः।
	२३	७	२०	गु	उ	दि	१९	४४	ष	प्र	१	१२	२७	३३	कुयार ६ व्रत छत्रम्।
	२१	८	२१	शु	रे	दि	२०	२६	स	प्र	०	१२	२६	३४	३-३६ दिन मेष में चं. पं. समाप्त,९-३६ प्रातः से ९-३८A
	१९	९	२२	श	अ	दि	१९	५८	अ	दि	२३	२१	२५	३५	सौम्यः। Aरात तक गंडांत श्रीवत्सः।
	१७	१०	२३	र	भ	दि	१८	२४	न	दि	२०	८	२४	३६	१०-२४ दिन वृप में चन्द्रमा, कालदण्डः।
	१५	११	२४	सो	कृ	दि	१६	०	द.	दि	१६	६	२४	३६	११-१२ दिन कुंभ राशि में शुक्र स्थिरः।
	१२	१२	२५	मं	रो	दि	१२	५६	ए	दि	११	२१	२३	३७	११-५२ रात से मि. में चं. पुत्रदा ११ मातंगः।
	१०	१३	२६	बु	मृ	दि	९	१९	द्वा	दि	५	३	२२	३८	बुध मास, भारत का गणतंत्र दिवस, अमृतं।
	८	१४	२७	गु	आ	दि	५	२३	त्र	दि	०	२२	२१	३९	त्र्यहः दिन कम २-२७ रात कर्कट में चन्द्रमा, काण्डः।
	६	१५	२८	शु	पुं	दि	१	१७	पूं	शे	५	२८	२०	४०	माघ पूर्णिमा, अलापकः।

श्राद्ध : प्रतिपदा से चतुर्थी तक और नवमी से लेकर चतुर्दशी तक पहिले ही दिन।

मध्याह्न : द्वा. त्रयो. चतुर्दशी का मध्याह्न पहिले ही दिन।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. २०३९ मल मा. का माघ कृ. पक्ष, भानु म. का फाल्गुण कृ. पक्षः २५-५२ मकर में (माघ कृ.पक्षे क्षयः) स.धनु में हीन बुध के.कुं.में शु. भौम तु. शनि वृ. गुरु मि. राहु ई. १९८३

	राघं	माघ	जनवरी	वार	नक्षत्र	घड़ी	पल	तिथि	घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५	ग्रह संचार बजे मिनटों में (१९ जन. से १२ फर. तक)
१७	४	१६	२९	श	अ शो	२	४५	प्र शो	११	१४	१९	४१	१०-४१ रात गं. प्रारंभ, ४-४४ रात सिं में चं. १२-३७ B
	१	१७	३०	र	मं शो	६	२७	द्वि शो	१६	४४	१८	४२	१०-२३ दि. गं. समाप्त, मसुलं । Bरातहीन चं. मानसं ।
१६	५९	१८	३१	सो	पू शो	९	४०	तृ प्र	७	५५	१७	४३	ध्वजः ।
	५७	१९	फर	मं	उ शो	१२	१७	च प्र	४	५	१७	४३	८-२६ प्रातः कन्या में चं., संकट ४ व्रत प्रजापत्यः ।
	५३	२०	२	बु	ह शो	१४	६	पं प्र	१	२२	१७	४३	आनन्दः ।
	५१	२१	३	बृ	चि शो	१४	५४	ष दि	२६	२	१६	४४	१-२३ दिन से तुला में चंद्रमा साहिब सप्तमी चरः ।
	५१	२२	४	शु	स्वा शो	१४	२९	प दि	२५	४४	१४	४६	मसुलं ।
	४६	२३	५	श	वि शो	१२	५३	अ प्र	००	२४	१३	४७	८-५६ सायं वृश्चिक में चन्द्रमा शूलम् ।
	४६	२४	६	र	अं शो	९	५५	न प्र	२	३५	१२	४८	मृत्युः । Dगं. समाप्त, षट्तिला ११ छत्रम् ।
	४४	२५	७	सो	ज्ये शो	५	५२	द प्र	५	५८	११	४९	१२-२० रात से गं. आरंभ, काम्यः ।
	४१	२६	८	मं	मू शो	०	४३	ए प्र	१०	१५	१०	५०	६-५३ प्रातः से धनु में चन्द्रमा मूल आरंभ,१-२० दिनD
	३९	२७	९	बु	मू दि	५	९	द्वा प्र	१५	१४	९	५१	७-३८ प्रातः मकर में सुचारी बुध ९-१३ दिन से मूल समाC
	३७	२८	१०	गु	पू दि	११	४४	त्र शो	१८	२	८	५२	शिवरात्रि,६-२६सायंमकर में चं.प्रजापत्यः।Cशिवरात्री२ध्वज
	३५	२९	११	शु	उ दि	१२	८	चं शो	१२	४३	८	५२	शिव १४ एक,५-१४ रात मासान्त आरंभ, आनन्दः ।
	३२	फा	१२	श	श्र दि	२४	१२	अं शो	७	२९	६	५४	५-१४ रात से संक्रान्ति कुंभ में सूर्य मुहू.३५ सागरे, ५-१४ रात से क्षय मास समाप्त स्थिरः ।

श्राद्ध : सप्तमी का श्राद्ध षष्ठी को शेष अपने दिनों पर ।

मध्याह्न : अपने २ दिनों पर ।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. २०३९ मल मा. का माघ शु. पक्ष. भानु मा. का दू. फाल्गुन शु. पक्ष २७।० कुंभ मे सू.भो.

शु.मकर में स्वचारी बु.वृं.में गुरु तु.में शनि,मि.में रा. धनु में केतु ई.१९८३

	राष्ट्र	फागन	फरवरी	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ६	सू अ ६	ग्रह संचार बजे मिनटों में (१३ फर से २७ फर तक)
१६	३०	२	१३	र	धं	प्र	२	४३	प्र	शे	२	४६	४	५६	E५ ५८प्रातः से भानुमास दू.आरंभ,सं.व्रत चं. दर्शन मातंगः
	२७	३	१४	सो	श	प्र	७	१३	प्र	दि	१	५०	४	५६	त्रिस्पृक दिन अधिक, ५-५३ प्रातः से कुंभ में चं.पं. आरंभ,E
	२५	४	१५	मं	पू	प्र	१०	३६	द्वि	दि	४	४७	४	५६	६-२८ प्रातः वक्री शनि अमृतं ।
	२३	५	१६	बु	उ	प्र	१२	४७	तृ	दि	५	१६	३	५७	३-५० दिन मीन में चंद्रमा कांड; ।
	२१	६	१७	बृ	रे	प्र	१३	४१	च	दि	५	२९	२	५८	१-८ दि.मी.में मंगल, मलमासियों की गौरी तृ. अलापकः ।
	१८	७	१८	शु	अ	प्र	१३	२१	पं	दि	४	२६	१	५९	मल त्रिपुरा ४,११-१६ रात मेष में चं.पं.समा.,५-२०दि.सेS
	१५	८	१९	श	भ	प्र	११	५७	ष	दि	२	११	7/0	6/0	कुमार ६ व्रत वज्रम् । S५-२५रात तक गं.२-३२दि.मी.मेंG
	१३	९	२०	र	कृ	प्र	९	३९	अ	शे	१	६	2/59	6/1	त्र्यहः दिन कम,४-३४रात वृष में चं.ध्वांक्षः । Gशुक्र मैत्रं ।
	१०	१०	२१	सो	रो	प्र	६	३७	न	शे	५	१५	५८	२	मल, भीष्माष्टमी धौम्यः ।
	७	११	२२	मं	मृ	प्र	३	०	द	शे	१०	३	५६	४	प्रवर्धः ।
	५	१२	२३	बु	आ	दि	२६	५१	ए	शे	१५	२४	५६	४	७-५५ प्रातः से मिथुन में चंद्रमा क्षयः ।
	३	१३	२४	बृ	पुं	दि	२२	४७	द्वा	प्र	५	२	५५	५	मल भीम सेन ११ गजः ।
	१	१४	२५	शु	ति	दि	१८	४४	त्र	दि	२७	०७	५४	६	१०-२७ दिन कर्कट में चन्द्रमा सिद्धः ।
१५	५७	१५	२६	श	अे	दि	१४	५८	चं	दि	२१	३८	५२	८	मलयक्षणी १४ शुक्रमास और वर्ष भी, उन्मूलम् ।
	५५	१६	२७	र	मं	दि	११	३६	पूं	दि	१६	३५	५२	८	१२-५१ दि. सि. में चं. ७-१३ प्रातः से ६-३० सायं तक H मुद्गरम् । Hगंडांत मानसं ।

श्राद्ध : द्वि. से लेकर सप्तमी तक चतुर्दशी और पूर्णमा का पहिले ही दिन आयेगा ।

मध्याह्न : प्रतिपदा से सप्तमी तक का मध्याह्न श्राद्ध पहिले ही दिन आएगा ।

सप्तर्षि सं. ५०५८ वि. २०३९ मल मा. का फाल्गुण कृ. पक्ष भानु मा. का दू. फाल्गुण कृ. पक्ष २३।१६ कृ. में सू.

मीन में म.शु.म.बु.वृ में गु.तु.में श.मि.रा.ध.मेंकेतुई१९८३

ग्रह संचार बजे मिनटों में (60

(२८ फर. से १४ मार्च तक)

राष्ट्र	फागुन	फरवरी	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ७	सू अ ५	ग्रह संचार
१५ ५२	१७	२८	चं	पू	दि	८	५२	प्र	दि	१२	१२	५०	१०	४-८ दिन कन्या में चं.१०-२७दिन पूर्व में बुध अस्त ध्वजः।
४९	१८	मा	मं	उ	दि	६	५५	द्वि	दि	८	३६	४९	११	३-२२ रात कुंभ राशि में बुध प्रजापत्यः।
४७	१९	२	बु	ह	दि	५	५३	तृ	दि	४	५५	४८	१२	संकट ४ व्रत ९-७ रात तुला में चन्द्रमा आनन्दः।
४४	२०	३	गु	चि	दि	६	३	च	दि	४	२७	४७	१३	वरः।Kतक गं.मलहोरा८सीता जयंती चक्रेश्वर यात्रा काम्यः
४१	२१	४	शु	स्वा	दि	७	२३	पं	दि	४	१३	४६	१४	४-२५ रात वृ. में चं. मसुलं।
३९	२२	५	श	वि	दि	९	५९	ष	दि	६	१६	४५	१५	शूलं।Mमुह.१५सागरे, सोंथ मुर्गा पर, सं.व्रत ११-१६N
३६	२३	६	र	अनूं	दि	१३	४८	स	दि	७	३६	४४	१६	मृत्युः। Nरात से भानुमास समाप्त सोमामावसी गजः।
३३	२४	७	सो	ज्ये	दि	१८	३८	अ	दि	११	०	४३	१७	२-१० दि.ध.में चं. मूलआरंभ७-३८ प्रातः से ८-४० सायं K
३१	२५	८	मं	म	दि	२४	२०	न	दि	१५	२०	४२	१८	४-२६ दिन मूल समाप्त छत्रम्।
२८	२६	९	बु	पूषा	प्र	१	३७	दं	दि	२०	२१	४१	१९	१-३७ रात मकर में चं. श्री वत्सः।
२५	२७	१०	वृ	उ	प्र	८	२	ए	दि	२५	३९	४०	२०	मलविजया ११ सौम्यः।
२३	२८	११	शु	श्र	प्र	१४	१८	द्वा	प्र	१	३१	३९	२१	मलमासियों की शिवरात्रि दो धौम्यः
२०	२९	१२	श	धं	शे	१६	३०	त्र	प्र	६	१	३८	२२	१-३९ दि.कुं.में चं.पं.आरं,मल शिव चतुर्दशी २ प्रवर्धः।
१७	३०	१३	र	श	शे	१०	४७	चं	प्र	९	४१	३७	२३	३-५४ दिन चं.अस्त, १२-२७ रात से मासांत आरंभ, थालQ
१५	चैत्र	१४	सो	पूभा	शे	६	१	अं	प्र	१२	१३	३६	२४	१२-५८रात मीन में चं. १२-२७ रात से सं. मीन में सूर्य M Qबरुन,४-५६ रात से मेष में शुक्र क्षयः।

श्राद्ध : प्रतिपदा से एकदशी तक पहिले ही दिन शेष अपने ही दिन।

प्रतिपदा से नवमी तक का [illegible] पहिले ही दिन शेष अपने २ दिनों [illegible]

ग्रह संचार बजे मिनटों में
(१५ मार्च से २८ मार्च तक)

	गते	तिथि	मार्च	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	योग		घड़ी	पल	सू उ ६	सू अ ६	
१५	१२	२	१५	मं	उ	शे	२	१७	प्र	प्र	१३	१२	३४	२६	७-४५ सायं उदय चं., सिद्धः।
	९	३	१६	बु	उ	दि	०	१६	द्वि	प्र	१३	३०	३३	२७	चन्द्रदर्शन १-६ रात से गं. आरंभ, अलापकः।
	७	४	१७	गु	रे	द्वि	१	२९	मृ	प्र	१२	१३	३२	२८	७-१० प्रातः से मेष में चं.पं.समा.१-१४ दि.तक गं.मैत्रम्।
	४	५	१८	शु	अ	दि	१	३२	च	प्र	९	४१	३१	२९	वज्रम्।
	१	६	१९	श	भ	दि	०	२९	पं	प्र	६	८	३०	३०	१२-३१ दिन से वृष में चंद्रमा छ्वांक्षः।
१५	०	७	२०	र	रो	शे	१	३६	ब	प्र	१	४७	३०	३०	दिन रात सम, कुमार ६ व्रत प्रजापत्यः।
१४	५७	८	२१	सो	मृ	शे	४	२२	स	दि	२६	४९	२९	३२	४-३२ दिन से मिथुन में चन्द्रमा, नवरोज़ तैला ८ होला ८P
	५५	९	२२	मं	आ	शे	७	४७	अ	दि	२१	२२	२८	३२	चरः। Pआनन्दः।
	५२	१०	२३	बु	पुं	शे	११	२३	न	दि	१५	३६	२६	३४	६-३८ सायं कर्कट में चन्द्रमा मुसलं।
	४९	११	२४	गु	ति	प्र	९	१४	द	दि	९	३८	२५	३५	शूलम्। Oसे २-३६ रात तक गं. अमला ११ मृत्युः।
	४७	१२	२५	शु	अ	प्र	६	०	ए	दि	३	५३	२४	३६	त्र्यहः दिन कम ६-१ सायं सिंह में चं., ३-२० दिनO
	४४	१३	२६	श	मं	प्र	२	२६	त्र	शे	१	४०	२३	३७	काम्यः।
	४१	१४	२७	र	पू	दि	३०	६	चं	शे	६	४८	२२	३८	सूर्य मास,१२-८ रात कं.में चं.६-१०सायं मेष में मं.छत्रम्।
	३८	१५	२८	सो	उ	दि	२७	५७	पूं	शे	११	१६	२१	३९	होली पूर्णमासी धर्ममनुर्जन्म श्री वत्सः।

श्राद्ध : अष्टमी से द्वा. तक श्राद्ध पहिले ही दिन शेष अपने दिनों पर।

मध्याह्न : दशमी, एका. द्वा. का मध्याह्न पहिले ही दिन शेष अपने २ दिनों पर।

सप्तर्षि सं. ५५५८ वि. २०३९ चैत्र कृ पक्षः ३०-४८ मीन में सू. बु. मेष. में मं. शु.वृ. में गुरु तु. में शनि मि. में राहु धनु में केतुई. १९८३ शाके १९०४

	रा.	चैत्र	मार्च	वार	नक्षत्र		घड़ी	पल	तिथि		घड़ी	पल	सू उ ५	सू अ ७	ग्रह संचार बजे मिनटों में (२९ मार्च से १३ अप्रेल तक)
१४	३६	१६	२९	मं	ह	दि	२६	४३	प्र	प्र	११	३०	२०	४०	४-५४ रात तुला में चन्द्रमा, सौम्यः।
	३३	१७	३०	बु	चि	दि	२६	३४	द्वि	प्र	९	५३	१९	४१	१०।५५ दिन से हीन चन्द्रमा कालदंडः।
	३१	१८	३१	गु	स्वा	दि	२७	३५	तृ	प्र	९	३२	१८	४२	स्थिरः। Bबुध उदय मातंगः।
	२८	१९	अप्रै	शु	वि	दि	२९	५५	च	प्र	१०	२८	१७	४३	संकट ४ व्रत ११-५८ दिन से वृश्चिक में चं. ११-४५ रातB
	२६	२०	२	श	अं	प्र	२	१६	पं	प्र	१२	३९	१६	४४	अमृतम्। Cरात तक गण्डात कांड :
	२३	२१	३	र	ज्ये	प्र	६	५०	ष	शे	१६	१३	१५	४५	९-३० रात धनु में चं. मूलारंभ, ३-० दिन से ३-५८C
	२०	२२	४	सो	मू	प्र	१२	४४	स	शे	१२	५१	१४	४६	११-५१ रातमूल समा.७-४०प्रातः मेष राशि में बुध काम्यः
	१८	२३	५	मं	पू	शे	१६	२५	अ	शे	८	२८	१३	४७	मैत्रम्।
	१५	२४	६	बु	उ	शे	१०	८	न	शे	३	३२	१२	४८	त्रिस्पृक, दिन अधिक, ८-५२ प्रातः मकर मेंचं. वज्रम्।
	१२	२५	७	गु	श्र	शे	३	३८	न	दि	१	३९	१०	५०	ध्वजः।
	१०	२६	८	शु	श्र	दि	२	४५	द	दि	६	४०	१०	५०	८-२८ सायं कुंभ में चंद्रमा पं. आरंभ,११-१० दिन वृष मेंD
	७	२७	९	श	धं	दि	८	३८	ए	दि	११	४	८	५२	पाप मोचनी ११ प्रबधंः। Dशुक्र धौम्यः।
	४	२८	१०	र	श	दि	१३	३४	द्वा	दि	१४	३८	७	५३	क्षयः।
१४	२	२९	११	सो	पू	दि	१७	३२	त्र	दि	१७	९	७	५३	६-४८ प्रातः मीन में चन्द्रमा गजः।
१२	५९	३०	१२	मं	उभा	दि	२०	२४	चं	दि	१८	२३	५	५५	सिद्धः। M२०३९ विक्रमी समा. उन्मूलम्।
	५६	३१	१३	बु	रे	दि	२१	५७	अं	दि	१९	३	४	५६	२-५१दि.से मेष में चं.पं.समा.८-२१दि.से८।५८सायं तक गंJ
															Jश्री भट दिवस चंद्र संवत्सर समा.विचार नागयात्रा संवत्M

श्राद्ध : दशमी से अमावसी तक पहिले ही दिन शेष अपने २ दिनों पर।

मध्याह्न : दशमी-एका-द्वा- का मध्याह्न पहले ही दिन शेष अपने २ दिनों पर।

ग्रहण विवरण २०३९ विक्रमी के लिए (ई० १९८२-८३)

इस वर्ष भारत में दो ग्रहण दिखाई देंगे।

(१) १५ दिसम्बर १९८२ अर्थात् मार्ग कृष्ण पक्ष अमावसी बुधवार मूल नक्षत्र तथा धनु राशि पर खण्ड ग्रास सूर्य ग्रहण।

(२) ३० दिसम्बर १९८२ मार्ग शुक्ल पक्ष पूर्णमासी गुरुवार आद्रा नक्षत्र एवं मिथुन राशि पर खग्रास चन्द्रमा ग्रहण।

(१) १५ दिसम्बर १९८२ अर्थात् मार्ग कृष्ण पक्ष अमावसी बुधवार एवं मूला नक्षत्र तथा धनु राशि पर खण्ड ग्रास सूर्य ग्रहण होगा यह ग्रहण काश्मीर में दिन के दो बजे ४४ मिनट पर आरम्भ होगा तथा ५ बजकर ११ मिनट शाम को समाप्त होगा। इस ग्रहण का पर्वकाल २ घंटे २७ मिनट तक रहेगा।

यह ग्रहण मूल नत्रक्ष और धनु राशि पर हो रहा है इस कारण मूल नक्षत्र और धनु राशि वालों के लिए हानिकारक होगा। इसके अतिरिक्त मेष, वृष, मिथुन, सिंह और मकर राशि वालों के लिए मध्यम फल-दायक होगा।

(२) ३० दिसम्बर १९८२ मार्ग शुक्ल पक्ष पूर्णिमा वीरवार आर्द्रा नक्षत्र एवं मिथुन राशि पर खग्रास चन्द्रमा ग्रहण होगा। यह ग्रहण ग्रस्त उदय होगा। यह ग्रहण सायं ३ बजकर २६ मिनट पर आरम्भ हो कर ६ बजे ३८ मिनट तक लगेगा। यह ग्रहण काश्मीर के अतिरिक्त भारत के अनेक प्रदेशों में दिखाई देगा। इस ग्रहण का पर्वकाल ३ घंटा १६ मिनट तक रहेगा।

यह ग्रहण मिथुन, कर्कट, वृष, वृश्चिक, धन एवं कुंभ राशि वालों के लिए हानिकारक होगा।

यह दोनों ग्रहण एक ही मास में प्रकट होंगे इसलिए यह ग्रहण चीन, नेपाल, बंगला देश तथा भारत के पूर्व भाग और काश्मीर में दिखाई देंगे। इसलिए इन देशों और प्रदेशों में राजनैतिक अशान्ति, प्राकृतिक उपद्रव तथा बीमारी से हानि हो सकती है। इसके अतिरिक्त इन जगहों में अधिक वर्षा या सूखा पड़ने से खेती में हानि होने की संभावना हो सकती है।

श्राद्धसंकल्प

शुक्लाम्वरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम् । प्रसन्न वदन ध्यायेत् सर्वविघ्नोपशान्तये अभिप्रेतार्थं सिद्धयर्थं पूजितो यः सुरैरपि सर्वविघ्नच्छिदे तस्मै श्री गणाधिपतये नमः ॥

गुरुः ब्रह्मा गुरुः विष्णुः गुरुः साक्षात् महेश्वरः
गुरुः एव जगत् सर्वं तस्मै श्री गुरवेनमः ॥

गुरवेनमः, परमगुरवे नमः आदि सिद्धिभ्योनमः
(अपने पैरों और मुंह को जल से छिड़कते हुए पढ़ें)

तीर्थे स्नेयं तीर्थमेव समानानां भवति मानः शंस्योः अरुरुषोः धूर्तिः प्राणङ् मर्त्यस्य रक्षाणो ब्राह्मणस्पते ॥
(पवित्र पहनते हुए पढ़ें)

वसोः पवित्रमसि शतधारं वसूनां पवित्रमसि सहस्रधारं अयक्ष्मा वः प्रजया संसृजामि रायस्पोषेण बहुला भवन्तीः ।

(अपने आप को तिलक और फूल लगाते हुए पढ़ें)
परमात्मने पुरुषोत्तमाय पंचभूतात् मकाय विश्वात्मने मन्त्रनाथाय आत्मने नारायणाय आधारशक्त्ये" समालभनं गन्धोनमः अर्घोनमः पुष्पंनमः
(दीप को तिलक और फूल लगाते हुए पढ़ें)

स्वप्रकाशो महादीपः सर्ववस्तुतिमिरापहः ।
प्रसीद मम गोविन्द दीपोयं प्रतिकल्पितः ॥
(धूप को तिलक और फूल लगाते हुए पढ़ें)

वनस्पतिरसोदिव्यो गन्धाढ्यो गन्धवत्तमः ।
आधारः सर्व देवानां धूपोयं परिकल्पितः ॥
(सूरज भगवान का ध्यान करते हुए उसकी तरफ या निर्माल्य में तिलक और फूल लगाते हुए पढ़ें)

नमोधर्म निधानाय नमः स्वकृतसाक्षिणे ।
नमः प्रत्यक्षदेवाय भास्कराय नमो नमः ॥
(किसी पात्र से निर्माल्य में जल डालते हुए पढ़ें)

यत्रास्ति माता न पिता न बन्धुः भ्रातापि नो यत्र सुहृत् जनः च । न ज्ञायते यत्र दिनं न रात्रिः तत्रात्मदीपं शरणं प्रपद्ये ॥ आत्मने नारायणाय आधार

शक्तये धूपदीपसंकल्पात् सिद्धिरस्तु दीपोनमः धूपोनमः ॥

ओं तत् सत् ब्रह्म अद्यतावत् तिथौ अद्य......मासस्य ......पक्षस्य, तिथौ......,......वासरान्वितायां सर्वे देवाः सन्तोषणार्थ धूपदीपसंकल्पात् सिद्धिरस्तु दीपोनमः ॥

नमः पितृभ्यः प्रेतेभ्यो, नमोधमयि विष्णवे ।
नमो यमाय रुद्राय, कान्तारपतये नमः ॥

ओं तत् सत्-ब्रह्म अद्य तावंत् तिथौ अद्य......मासस्य ...पक्षस्य तिथौ...,...वासरान्वितायाम् (नाम ले) पित्रे, पितामहाय, प्रपितामहाय, मात्रे, पितामह्यै, प्रपितामह्यै, मातामहाय प्रमातामहाय वृद्ध प्रामतामह्यै, (और भी कोई हो सब का नाम लेते रहे) समस्त माता पितृभ्यो द्वादश देवताभ्यः, पितृभ्यः नित्यकर्म निमित्ते दीपः स्वधाः धूपः स्वधा ॥

इस प्रकार तर्पण करके अब जिस के निमित्त संकल्प करना हो,चाहे वार्षिक श्राद्ध हो या कन्यार्क गत केवल उसी का नाम गोत्र समेत इस प्रकार लेते हुए संकल्प का जल दान वस्तु पर छोड़ते रहें और पढ़ते रहें :—

उों तत् सत् ब्रह्म अद्य तावत् तिथौ अद्य...मासस्य ......पक्षस्य तिथौ......वासरान्वितायां पितुः...... जिसका श्राद्ध हो)......तस्य सांवत्सरिके श्राद्धे (या कन्यार्कगत के अपरपक्षके श्राद्धे) परलोके वैकुण्ठ पदवी प्राप्त्यर्थ आत्मनः पुण्यवृद्धयर्थं इदं अन्नं सस्त्रंफलमूलदक्षिणादिसहितं सर्वोपस्कारयुतं संकल्पयामि संकल्पयामि संकल्पयामि ।

(फिर दायें बाजू में यज्ञोपवीत रखकर तर्पण करें)

नमो ब्रह्मणे नमो अस्तु अग्नये नमः पृथिव्यै नमः ओषधिभ्य नमोवाचे नमो वाचस्पतये नमो विष्णवे बृहते कृणोमि । इति एतासामेव देवतानां साष्टिं सायुज्यं सलोकतां सामप्यं आप्नोति यः एवं विद्वान् स्वाध्यायं अधीते । ओ३म् शान्तिः ३॥

(इस प्रकार तर्पण करके तर्पण के जल के छींटे मुंह पर डाल कर सूरज भगवान् को नमस्कार करें)

। अथ नैवेद्य मन्त्राः ।

(दोनों हाथों से नैवेद्य ग्रहण कहते हुए पढ़ें ।)

अमृतेशमुद्रयाऽमृतीकृत्य अमृतमस्तु अमृतायतां नैवेद्यं सावित्राणि सावित्रस्य देवस्य त्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पूष्णो हस्ताभ्यामददे, महागणपतये कुमाराय श्रियै सरस्वत्यै लक्ष्म्यै विश्वकर्मणे द्वारदेवताभ्यः प्रजापतये ब्रह्मणे कलशदेवताभ्यः ब्रह्मविष्णुमहेश्वरदेवताभ्यः चातुर्वेदेश्वराय ऋतुपतये नाराणाय दुर्गायै त्र्यम्बकाय वरुणाय यज्ञपुरुषाय अग्निष्वात्तादिभ्यः पितृगणदेवताभ्यः ॐ भगवते वासुदेवाय लक्ष्मीसहिताय नारायण, भवाय देवाय पार्वतीसहिताय परमेश्वराय विनायकाय वल्लभासहिताय श्रीगणेशाय क्लीं कां कुमाराय भगवते ह्रां ह्रींसः सूर्यप्रभासहिताय आदित्याय भगवत्यै अमायै कामायै चार्वङ्ग्यै टंकधारिण्यै तारायै पार्वत्यै यक्षिण्यै श्रीशारिकाभगवत्यै श्रीशारदाभगवत्यै श्रीमहाराज्ञीभगवत्यै श्रीज्वालाभगवत्यै व्रीडाभगवत्यै वैखरीभगवत्यै गंगाभगवत्यै यमुनाभगवत्यै कालिकाभगवत्यै सिद्धलक्ष्म्यै महालक्ष्म्यै महात्रिपुरसुन्दर्यै सहस्रनाम्न्यै देव्यै भवान्यै अभयंकरीदेव्यै क्षेमंकरीभगवत्यै सर्वशत्रुघातिन्यैइहराष्ट्राधिपतये अमुकभैरवाय इन्द्रादिभ्यो दशलोकपालेभ्यः आदित्यादिभ्यो नवग्रहदेवताभ्यः ब्रह्मध्रुवाभ्यां अनन्तागस्त्याभ्यां ब्रह्मणे कूर्माय ध्रुवाय हरये लक्ष्म्यै कमलायै शिक्षादिभ्यः पञ्चचत्वारिंशिद्वास्तोष्पतियागदेवताभ्यः ब्रह्मादिभ्यः मातृभ्यः गौर्यादिभ्यः मातृभ्यः, ललितादिभ्यः मातृभ्य. दुर्गाक्षेत्रगणेश्वरदेवताभ्यः राकादेवताभ्यः त्रिकादेवताभ्यः सिनीवालीदेवताभ्यः यामीदेवताभ्यः रौद्रीदेवताभ्यः वारुणीदेवताभ्यः बार्हस्पत्यदेवताभ्यः । ॐ भूर्देवताभ्यः ॐभुवो देवताभ्यः ॐस्वदेताभ्यः ॐ भूर्भुवस्त्रर्देवताभ्यः अखण्डब्रह्माण्डयागदेवताभ्यः महागायत्र्यै सावित्र्यै सरस्वत्यै हेरकादिभ्यः वटुकादिभ्यः उत्पन्नममृतं दिव्यं प्राक्क्षीरोदधिमन्थनात् अन्नममृतरूपेण नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम् (इष्ट देवता का ध्यान करते हुए पढ़ें) ओं तत्सद् ब्रह्म अद्यतावात् तिथौ अद्य अमुक मासस्य-अमुकपक्षस्य, तिथौ अमुकायां, आत्मनो वाङ्मनः कायोपार्जितपापनिवारणार्थं ॐ नमो नैवेद्यं निवेदयामि नमः । (चूटू रखते हुये पढ़ें) या काचित् योगिनी रौद्रा सौम्या घोरतरा परा, खेचरी भूचरी रामा तुष्टा भवन्तु मे सदा, आकाशमातृभ्यः अन्नं नमः समालभनं गन्धो नमः अर्घो नमः पुष्पं नमः ।

'क्षय मास का निर्णय

हिन्दू मान्यता के अनुसार इस सृष्टि का प्रारम्भ चैत्र-शुक्ल प्रतिपदा अथवा एकम् को हुआ, उस समय सभी ग्रह मेष राशि में थे। अमावस्या और मेष की संक्रान्ति साथ ही साथ हुए। उसके बाद पहले अमावस्या आई और अमावस्या के बाद वृष राशि की संक्रान्ति का आना हुआ। यह स्वीकृत तथ्य है कि चाँद मास (Lunar-Month) सौर-मास (Solar Month) से अवधि (Span) में छोटा होता है। अतः चन्द्रमा के महीने (Lunar-Month) और सूर्य के महीने (Solar-Month) में यह आपसी दूरी और फर्क (Diffrence) बढ़ते-बढ़ते एक चान्द्र-वास (Lunar-Month) के समान होती है। ऐसी स्थिति में चान्द्र-मास (Lunar-Month) एक महीना अधिक सौर-मास (Solar-Month) से होता है अर्थात् उस वर्ष १३ महीने का चान्द्र-मास (Lunar-Month) होता है। गणित की भाषा में इसे इस प्रकार समझाया जा सकता है—हमारी पृथ्वी को सूर्य के चारों ओर परिक्रमा या चक्कर लगाने में $365\frac{1}{4}$ दिन लगते हैं, यही सौर-वर्ष (Solar-Year) कहलाता है और चन्द्रमा को पृथ्वी की परिक्रमा या चक्कर करने में 354 दिन लगते हैं, यही चान्द्र-वर्ष (Lunar-Year) कहलाता है। इस सौर-वर्ष (Solar-Year) और चान्द्र-वर्ष (Lunar-Year) की आपसी खाई को पाटने के फलस्वरूप अर्थात् आपसी दिनों के अन्तर (फर्क) को मेल देने के कारण 'क्षयाधिमास" का जन्म होता है।

प्रायः क्षयमास अधिक से अधिक १४१ वर्ष और कम से कम १९ वर्ष के अनन्तर गणित के हिसाब से आता है। यह एक मानी हुई बात है कि जब भी क्षयमास आता है तब हमेशा दो चान्द्र-मास (Lunar-Month)

संक्रान्ति के रहित होते हैं। इन दो चान्द्र-मासों (Lunar-Month) में से एक चान्द्र-मास क्षयमास से अधिक से अधिक तीन महीने उपरान्त (बाद) होता है। आचार्य भास्कर ने लिखा है कि संक्रान्ति द्वय से युक्त मास को अर्थात् दो अमावस्याओं के बीच दो संक्रांतियां हों क्षयमास कहलाता है।

स्फुटमानेन सूर्यस्य यदा संक्रमणद्वयम्। भनेद्दर्शद्व यान्तस्थे क्षयमासस्तदा भवेत्॥
क्षयमासीय वर्षेतु क्षयापूर्वं तथा परम्। अधिकमासद्वयं तत्र भवेन्मास त्रयान्तरे॥

'सूर्य स्पष्ट से जब दो अमावस्याओं के बीच में दो संक्रान्तियां हों, वह क्षयमास कहलाता है।'

'जिस वर्ष क्षयमास होता हे उस क्षयमास से पहले और उसके ऊपरान्त तीन-तीन महीनों के भीतर अधिक मास (भानुमास) आता है।'

शुल्क प्रतिपदा (First day of Bright for frieght)

तिथि के आरम्भ से आगामी अमावस्या तक चान्द्रमास (Lunar-Month) होता है। पूर्णिमा को सूर्य और चन्द्रमा का आपसी अन्तर (फर्क) छः राशियों का होता है और फिर अमावस्या के समय चन्द्रमा सूर्य में मिल जाते हैं। अमावस्या के बाद प्रतिपदा की तिथि आरम्भ होती है। अतः तिथियों का अन्त अमावस्या से ही होता है।

क्षयमास का दूसरा नाम 'अहंस्पति' भी है, इस 'अहंस्पति' शब्द की व्युत्पत्ति (etomology) 'कालमाधव' ग्रन्थ में इस प्रकार से प्रस्तुत की गई है—'एक मास ग्रासित्वादंहस: पति रिति' अर्थात् एक (स्वपूर्ववर्ती या अपने से पहले) मास को क्षयमास निगल (Swallow) जाता है। इस कारण यह पापी है। जैसे इस वर्ष २०३९ पौष-

शुक्ल (Bright fortnight of p. h.) तथा माघ कृष्ण पक्ष (Dark fortnight of Magh) का लोप (elimination) होता है, इन्हीं को लुप्त-मास (Eliminated Month) कहते हैं। माघ शुक्ल पक्ष (Bright fortnight of Magha) और फाल्गुण कृष्ण पक्ष (Dark fortnight of Ehagan) इन दो पक्षों या पखवाड़ों का नाम क्षयमास है अर्थात् माघ-शुक्ल पक्ष और फाल्गुण-कृष्ण पक्ष, पौष शुक्ल पक्ष तथा माघ-कृष्ण पक्ष का भंक्षण करते हैं या अपने में लीन (Absorbed) करते हैं। इसी का नाम 'अहस्पति' भारतीय ज्योतिष शास्त्र में दिया है।

जब सूर्य की गति (Movement) ६१ कला होती है, तब कहीं चान्द्रमास (Lunar Month) सौर मास (Solar-Month) के अन्तर्गत (Include) हो जाता है। सूर्य की इस प्रकार की गति (Movement) वृश्चिक, धनु तथा मगर, इन तीन राशियों में ही होती है। जैसे—

'क्षयः कार्तिकादित्रये नान्यतः स्यात्। तदावर्षमध्येऽधिमास द्वयं च।' (भास्कराचार्य)

'यह क्षय कार्तिक, मार्गशीर्ष (मगहर) और पौष में ही प्रायः आता है, तब उस वर्ष में अधिमास दो होते हैं।' अतः इस वर्ष विक्रमी २०३९ में पौष-शुक्ल और माघ शुक्ल पक्ष क्षय मास है। क्षय मास से पहले इस वर्ष विक्रमी २०३९ में अश्विन (असूज) मास अधिक है। इस अधिमास को संसर्प कहा जाता है। जयसिंह कल्पद्रुम ग्रंथ में लिखा है :—

'संसर्पोऽसंक्रान्तोऽपि न मलमासः किन्तु शुद्ध तुल्यः।'

जाबालि ऋषि ने भी इसे स्वाभाविक माना है। जैसे :—

मासद्वयेऽब्दमध्येतु संक्रांतिर्न यथा भवेत्। प्राकृत स्तत्र पूर्वः स्यादुत्तरस्तु मलिम्लुचः॥ (जाबालि ऋषि)

इन साक्ष्यों के अतिरिक्त 'कालमाधव', 'पुरुषार्थ चिन्तामणि', 'निर्णय-सिन्धु', 'धर्मसिन्धु', जयसिंह कल्पद्रुम

आदि सभी आचार्य संसर्प-मास की शुद्धता के बारे में एक मत हैं। महाराष्ट्र प्रसिद्ध धर्मशास्त्री श्री पी० वी० काणे महोदय अपने प्रसिद्ध ग्रन्थ 'The History of Dharma-Shastra' में संसर्प-मास को संक्रान्तियों से युक्त अन्य मासों की तरह शुद्ध स्वीकार करते हैं। संसर्प को शुद्ध मान कर उसमें (मासों में कहा गया) नवरात्र, दीपावली, दशहरा आदि पर्वोत्सव मनाने चाहिए।

चान्द्रमास का लक्षण :—

'चान्द्रो मासोह्यसङ्क्रान्तोमलमासः प्रकीर्तितः।'
'अमावस्या द्वयं यत्र रविसंक्रान्ति वर्जितम्।'
'मलमासः स विज्ञेयो मासः शुद्धाख्यः उत्तरः।'

अधिमास को मलमास पुरुषोत्तम मास कहते हैं। यह अधिक मास 'एतन्नपुंसकत्व तु पुरुषस्य सूर्यस्याभावात्', इस कारण 'शून्यमासः स विज्ञेयो न तत्र शुभमाचरेत' का समर्थन प्रस्तुत करता है। अधिमास के ६० दिनों में उत्तरमास शुद्ध और पूर्व के ३० दिन शुभ कर्म करने के लिए निन्दित हैं।

पिछले वर्ष इस क्षनमास में दो अधिमास अश्विन (असूज) तथा फाल्गुण (फागुण) में होने पर अश्विन (असूज) मास (संसर्प) में व्रत पर्वादि के मनाने के वारे में भारत भर के प्रत्येक प्रदेश के ज्योतिषी, पंचांग कर्ता तथा विद्वानों में बड़ा मतभेद रहा। इस सम्बन्ध में प्रत्येक मतवालों से हमारा सम्पर्क बना रहा। इससे पूर्व विक्रम सम्वत् २०२० में भी क्षयमास सम्बन्धी विवाद चला था। उस समय ब्राह्मण महामण्डल के विद्वत्परिषद् की कई बैठकें हुई, उस समय जो कुछ निर्णय लिए गये। इस वर्ष भी हम उसी क्रम के अनुसार अपने निर्णयों की स्पष्ट प्रस्थापना करते हैं। कथन का अभिप्राय यह है शुद्ध अश्विन (असूज) में ही नवरात्र, दशहरा, और दीपावली भानमासियों की लिखी है। इस सम्बन्ध में काशी के मूर्धन्य-ज्योतिषियों, पंचांग कर्ताओं तथा श्री श्री······

शंकराचार्य और श्री करपात्री श्री आदि ने भी ब्रा० म० म० के अनुकूल ही निर्णय लिया है।

'एकस्मिन्नेव वर्षेतु द्वौ मासावधि मासकौ। प्राक्तस्तत्र पूर्वः स्यादुत्तस्तु मलिम्लुचः॥

एक वर्ष में दो अधिमास होने पर प्रथम अधिमास स्वाभाविक है, जो प्रत्येक तृतीय वर्ष में होता है और दूसरा मलिम्लुच है। प्रत्येक तृतीय वर्ष जैसा अधिमास का पहला मास अशुद्ध और दूसरा शुद्ध मानते हैं। यह दो अधिक मास अश्विन (असूज) फाल्गुण तथा पौष-शुक्ल माघ कृष्ण क्षयमास केवल भानुमासियों के लिए ही हैं। ध्यान रहे कि मलमासियों का इससे कोई सम्बन्ध नहीं। उनके व्रत पर्वादि अपने निश्चित दिनों पर हैं। यहाँ पर यह बात स्पष्ट करने की आवश्यकता है कि ज्योतिष-गणित के आचार्य श्री ब्रह्मगुप्त खण्ड खाद्य के प्रवर्तक ने मलमास का गणित इस प्रकार से निर्धारित किया है कि इस से क्षयमास मलमास के अन्तर्गत आता है। यह मलमास इस वर्ष मार्गशीर्ष (मगहर) महीने में है।

'क्षयमास में मरने तथा जन्म लेने वाले का तिथि निर्णय''

क्षय का अर्थ लोप (अभाव) नहीं है किन्तु अल्पपरिमाण बोधक है, जिस तरह तिथि क्षयादियों में उनके मान (अवशेह) रहते ही हैं। उसी तरह मासक्षय में मास का मान (अवशेष) रहता ही है। इसीलिए कहा गया है कि एक चान्द्रमास में दो संक्रान्ति होने में दोनों मासों के कार्य एक ही मास में होते हैं। जैसे :—

तिथ्यर्धे प्रथमे पूर्वा द्वितीयेऽर्धे तथोत्तरः। मासविति वुधैः प्रोक्तोक्षयमासस्य मध्यगो। (व्याघ्रपादः)

क्षयमास में दो शुक्लादि चान्द्रमास मिले रहते हैं. अतः दोनों मासों का शुक्ल पक्ष मिल कर क्षयमास का प्रथम पक्ष और दोनों का कृष्ण पक्ष मिलकर द्वितीय पक्ष होता है। क्षयमासीय प्रत्येक तिथि का पूर्वार्ध प्रथम मास अर्थात् जो मास क्षय हो उसका मान है और उत्तरार्ध द्वितीय शुद्ध मास का मान होता है। उद्धाहरण के लिए— माघ शुक्ल को ही पौष शुक्ल ओर माघ कृष्ण को ही फाल्गुण कृष्ण कहा गया है। इसलिए तिथि के पूर्वार्ध को पौष शुक्ल की तिथि और उत्तरार्ध को माघ शुक्ल की तिथि तथा तिथि के पूर्वार्ध को माघ कृष्ण की तिथि और

उत्तरार्ध को फाल्गुण कृष्ण की तिथि माना गया है। अतः तिथि के पूर्वार्ध में जन्म मृत्यु होने वालों का वार्षिक कृत्य पूर्वमास में उसी तिथि में और उत्तरार्ध में अग्रिम मास में करने का शास्त्र का आदेश है :—

'क्षयमास में जन्मदिन तथा वार्षिक श्राद्धः'

क्षय मास में लुप्त तथा क्षय दोनों मासों के जन्म दिन तथा वार्षिक श्राद्ध करने की शास्त्र सम्मत आज्ञा इस प्रकार से है :—

पौष शुक्ल के श्राद्ध तथा जन्म दिन माघ शुक्ल पक्ष की उसी तिथि को मानते हैं। इसी प्रकार माघ कृष्ण पक्ष के जन्म दिन तथा श्राद्ध फाल्गुण कृष्ण पक्ष की उसी तिथि को मनाया जाए। स्मरण रहे, यहाँ पर तिथि के पूर्वार्ध या उत्तरार्ध की कल्पना नहीं करनी है। क्षयमास की यह विशेषता है कि क्षयमास के प्रथम पक्ष में जन्म या मरण अर्थात् जन्म दिन या श्राद्ध अग्रिम पक्ष का पीछे और द्वितीय पक्ष का जन्म दिन तथा श्राद्ध पहले होता है।

श्राद्ध संकल्प इस प्रकार से करना चाहिए :

जिस मास में सम्बन्धी कार्य हो उसका उल्लेख करना आवश्यक है मान लीजिए कि पौष शुक्ल पक्ष पंचमी का वार्षिक श्राद्ध है यहाँ माघ शुक्ल पक्ष पंचमी भी है अतः संकल्प का वाक्य इस प्रकार से होगा :—

ओमद्य माघमासि शुक्ल पक्षे पञ्चम्यां तिथौ पौषमासीय शुक्लपक्षीय पञ्चमी तिथि कर्तव्यं, पितुः सांवत्सरिकं श्राद्धं अहं करिष्ये।

'क्षयमास तथा धार्मिक कृत्य'

यद्यपि मलमास होने के कारण क्षयमास में विवाहादि शुभकृत्य वर्जित है तथापि क्षयमास के सभी मास सापेक्ष पर्वोत्सवादि क्षयमास में ही मनाए जाते हैं। शुभम्

विद्वत्परिषद्

ब्राह्मण महामण्डल श्रीनगर कश्मीर

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्

वाल्मीकी रामायण 24 हजार श्लोकों का महान् ग्रन्थ है, उसमें वाल्मीकी जी ने एक हजार श्लोकों में गायत्री मन्त्र के एक एक अक्षर की व्याख्या की है, ऐसे ही भागवत के 12 स्कन्दों में भी हर स्कन्द में गायत्री मन्त्र के दो दो अक्षरों की व्याख्या है, इसी से ज्ञात होता है कि गायत्री मन्त्र का अर्थ कितना गम्भीर और विशाल होगा, तो भी मैं यहाँ एक दो पंक्तियों में संक्षेप रूप से अर्थ लिखने का साहस करूंगा।

अर्थ :—मैं उस शक्ति का चिन्तन करता हूं जो शक्ति ओ३म्=ब्रह्मरूप है। भूर्भुवः स्वः=जो शक्ति तीनों लोकों में व्याप्त है। तत्=जिसको वेद "तत्" नाम से पुकारते हैं। सविता=जो शक्ति इस सृष्टि को बनाती है, पालन करती है, नाश करती है। वरेण्यम्=जो वरण करने के योग्य है। भर्गः=जो तेजो रूप है। देवः=जो द्योतनशील है या जो शक्ति ऐश्वर्य देने वाली है, ऐसी ही उस महान् शक्ति का, धीमहि=चिन्तन करता हूँ कि वह शक्ति, धियः=मेरी बुद्धि को, प्रचोदयात्=सत् कर्मों में लगाए।

ब्राह्मी विद्या

गुरु अपने शिष्य को ब्रह्म सम्बन्धित जो कहता है

ॐ ॐ ॐ त्रिगुणपुरुष क्षेत्रचर मोहं भिन्धि रजस्तमसी भिन्धि प्राकृतपाशजालं सावरणं परिहर सत्यं ग्रहण पुरुषोत्तमोसि सोमसूर्यानल प्रवरपरमधामन् ब्रह्मविष्णुमहेश्वरस्वरूप सृष्टिस्थिति संहारकारक भ्रूमध्यनिलय तेजोसि धामासि-अमृतात्मन् ॐ तत्सत् हंसः शुचिषत् वसुरन्तरिक्षसत् होता वेदिषद्अतिथिर्दुरोणसत्। नृषत्-वरसदृतसद्व्योमसत्अब्जा गोजा ऋतजा अद्रिजा ऋतं परब्रह्म स्वरूप सर्वगत सर्वशक्ते सर्वेश्वर सर्वेन्द्रियग्रन्थिभेदं कुरु कुरु परमं पदं परामर्शय परमार्गं ब्रह्म द्वारं सर कुमार्गं जहि षट्-कोशिकं शरीरं त्यज शुद्धोसि बुद्धोसि विमलोसि अमरस्य स्वपदमास्वादय-आस्वादय स्वाहा।

स्नानप्रार्थनाविधिः—शौच आदि से निवृत्त होकर बायाँ पैर धोते हुए पढ़ें "नमोऽस्त्वनन्ताय सहस्रमूर्तये सहस्रपादाक्षि-शिरोरुबाहवे। सहस्र-नाम्ने पुरुषाय शाश्वते, सहस्रकोटी-युगधारिणे नमः॥ दायाँ पैर धोते हुए पढ़ें:— नमः कमल-नाभाय-नमस्ते जलशायिने। नमस्ते केशवानन्त-वासुदेव नमोऽस्तुते॥ हाथ धोते हुए पढ़ें:—गङ्गा, प्रयाग, गयनैमिष-पुष्करादि-तीर्थानि यानि भुवि सन्ति-हरिप्रसादात्, आयान्तु तानि करपत्रपुटे मदीये प्रक्षालयन्तु वदनस्य निशाकलङ्कम्। तीर्थे स्नेयं तीर्थमेव समानानां भवति मा नः शंसो अररुषो धूर्तिः प्रणङ् मर्त्यस्य रक्षाणो ब्रह्मणस्पते। मुँह धोकर यज्ञोपवीत धोते हुये तीन बार पढ़ें: "ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्" यज्ञोपवीत गले में फिर से धारण करते हुये पढ़ें:—यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत् सहजं पुरस्तात्-आयुष्यम्-अग्र्यं प्रतिमुञ्च शुभ्रं, यज्ञोपवीतं बलम्-अस्तु तेजः। यज्ञोपवीतम्-असि, यज्ञस्यत्वा-उपवीतेन-उपनह्यामि॥ मुखप्रक्षा-लन करके स्नान कीजिए, हिन्दू जीवन का आरम्भ स्नान से ही होता है और अन्त भी स्नान से ही।

* नित्यप्रार्थनाविधि *

पूर्व दिशा की ओर मुख करके धूपदीप जला कर शुद्ध आसन पर पद्मासन से बैठ कर आदिदेवभगवान् गणेश का ध्यान करके पढ़ें:—शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम्, प्रसन्नवदनं ध्याये सर्वविघ्नोपशान्तये। अभिप्रेतार्थसिद्ध्यर्थं पूजितो यः सुरैर्-अपि, सर्वविघ्नछिदे तस्मै गणाधिपतये नमः।१। बिभ्रत्-दक्षिणहस्तपद्म-युगले दन्ताक्षसूत्रे शुभे, वामे मोदक-पूर्णपात्र-परशु नागोपवीती-त्रिदृक्, श्रीमान्-सिंहयुगासनः श्रुतियुगे हंसौ वहन्, मौलिमान् दिश्यात्-ईश्वरसुत-ईश्वरसत्वात् लम्बोदर शर्मनः।२। सिन्दूर-कुङ्कुम-हुताशन-विद्रुमार्क-रक्ताब्ज-दाडिमनिभाय चतुर्भुजाय

हेरम्बमीरम्-गणेश्वरं-नायकाय, सर्वार्थसिद्धि-फलदाय गणेश्वराय ।३। इत्यं द्वादश-नामानि गणेशस्य महात्मनः । यः पठेत्-तु शिवोक्तानि स लभेत्सिद्धिम्-उत्तमाम् ।४। प्रथमं वक्रतुण्डं तु चैकदन्तं द्वितीयकम्, तृतीयं कृष्णपिङ्गं तु चतुर्थं च कपर्दिनम्, लम्बोदरं पञ्चमं तु षष्ठं विकटम्-एव च सप्तमं विघ्नराजेन्द्रं धूम्रवर्णं तथाष्टमम्, नवमं भालचन्द्रं तु दशमं तु विनायकम्, एकादशं गणपतिं द्वादशं मन्त्रनायकम्-पठते शृणुते यस्तु गणेश- स्तवम्-उत्तमं, भार्यार्थी लभते भार्यां धनार्थी विपुलं धनम्, पुत्रार्थी लभते पुत्रं मोक्षार्थी परमं पदम्, इच्छाकामं तु कामार्थी धर्मार्थी धर्मम्-अक्षयम् ।५। सुमुखश्चैक-दन्तश्च कपिलो गजकर्णकः । लम्बोदरश्च विकटो विघ्नराजो गणाधिपः । धूम्र-केतु-र्गणाध्यक्षो भालचन्द्रो गजाननः द्वादशैतानि-नामानि गणेशस्य महात्मनः, यः पठेत्-शृणुयात्-वापि स लभेत्-सिद्धिम्-उत्तमाम् । विद्यारम्भे विवाहे च प्रवेशे निर्गमे तथा, संग्रामे संकटे चैव विघ्नस्तस्य न जायते ।

हेमजासुतं भजे गणेशं ईशनन्दनम्

श्रीगणेशस्तुतिः—एकदन्त-वक्रतुण्डनागयज्ञ सूत्रकम् । रक्तगात्र-धूम्रनेत्र शुक्लवस्त्र-मण्डितम्-कल्पवृक्ष-भक्तरक्ष ! नमोस्तु ते गजाननम् ।१। पाशपाणि-चक्रपाणि-मूषकादि- रोहिणम् । अग्निकोटि, सूर्य-ज्योति, वज्र-कोटिनिर्मलम् । चित्रमाल, भक्तिजाल, भालचन्द्रशोभितम् । कल्पवृक्ष, भक्तरक्ष, नमोस्तु ते गजाननम् ।२। भूतभव्य, हव्यकव्य-भृगुभार्गवार्चितम् । विघ्नवह्नि-[illegible]लोकपाल-वन्दितम् । पूर्णब्रह्म-सूर्यवर्ण पूरुषं पुरान्तकम् । कल्पवृक्ष, भक्तरक्ष, नमोस्तु ते गजाननम् ।३। विश्ववीर्य, विश्वसूर्य, विश्वकर्म निर्मलम् । विश्वहर्ता, विश्वकर्ता यत्र तत्र पूजितम् । चतुर्मुखं चतुर्भुजं सेवितं चतुर्युगम् । कल्पवृक्ष, भक्तरक्ष, नमोस्तु ते गजाननम् ।४।

(नोट.— यह उपलिखित गणेशस्तुति [illegible] के अनुसार [illegible] है परन्तु काश्मीर के [illegible] प्रायः इस स्तुति

यह बड़ी श्रद्धा से धारण करते हैं, श्रद्धा का सत्य विधि अविधि शुद्धि अशुद्धि के लिये रामबाण का काम देता है।

* विष्णुप्रार्थना *

सप्तश्लोकीगीता—ओमित्येकाक्षरं ब्रह्म व्याहरन्माम्- अनुस्मरन् । यः प्रयाति त्यजन्-देहं स याति परमां गतिम् ।१। स्थाने हृषीकेश तव प्रकीर्त्या जगत्-प्रहृष्यत्यनुरज्जते च, रक्षांसि भीतानि दिशो द्रवन्ति, सर्वे नमस्यन्ति च सिद्धसंघाः ।२। सर्वतः पाणिपादं तत् सर्वतोऽक्षि-शिरोमुखम् । सर्वतः श्रुतिमल्लोके सर्वम्-आवृत्य तिष्ठति ।३। कविं पुराणम्ऽनुशासितारम्-अणोरणीयान्सम्ऽनु-स्मरेत्-यः । सर्वस्य धातारम्-अचिन्त्यरूपम्-आदित्यवर्णं तमसः परस्तात् ।४। ऊर्ध्वमूलम्-अधः शाखम्-अश्वत्थं प्राहुर्-अव्ययम् । छन्दांसि यस्यपर्णानि यस्तं वेद स वेदवित् ।५। सर्वस्य चाहं हृदि सन्निविष्टो मत्तः स्मृतिर्ज्ञानम्-अपोहनं च, वेदैश्च सर्वैर्-अहमेव वेद्यो, वेदान्तकृत्-वेदविद्-एव चाहम् ।६। मन्मना भव मत्-भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु । माम्-एवैष्यसि युक्त्वैवम्-आत्मानं मत्परायणः ।७। ओ३म् तत्-सत्-इति श्रीमत्-भगवत्-गीता-सूपनिषत्सु-ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुन-संवादे सप्तश्लोकी गीता समाप्ता ।

ध्येयः सदा सवितृमण्डलमध्यवर्ती नारायणः सरसिजासन-सन्निविष्ठः। केयूरवान्-कनक-कुण्डलवान्-किरीटी हारी हिरण्मयवपु-धृ तशङ्खचक्रः ।१। नमामि नारायणपाद-पंकजं करोमि नारायणपूजनं सदा । वदामि नारायणनाम निर्मलं, स्मरामि॰ नारायण-तत्त्वम्-अव्ययम् । करारविन्देन पदारविन्दं मुखारविन्दे विनिवेशयन्तम् । अश्वत्थपत्रस्य पुटे शयानं बालं मुकुन्दं मनसा स्मरामि ।३। कायेन वाचा मनसेन्द्रियैर्वा बुद्ध्यात्मना वा प्रकृतिस्वभावात् करोमि यत् यत् सकलं परस्मै नारायणायेति समर्पयामि ।४। हा कृष्ण मनसि वासिन् क्वासि यादवनन्दन । इमाम्-अवस्थां संप्राप्तम् अनाथं किं न रक्षसि ।५। या त्वरा द्रौपदीत्राणे या त्वरा गजमोक्षणे । मयि दीने दीनबन्धो सा त्वरा क्व गता हरे ।

जय नारायण जय पुरुषोत्तम जय वामन कंसारे, उद्धर मामसुरेशविनाशिन् पतितोऽहं संसारे । घोरं हर मम नरकरिपो केशव कल्मषभारं, माम् - अनुकम्पय दीनम् - अनाथं कुरु भवसागरपारम् ।१। जय जय देव जयासुर - सूदन जय केशव जय विष्णो । जय लक्ष्मीमुख-कमलमधुव्रत जय दशकन्धरजिष्णो घोरं हर० ।२। यद्यपि सकलम् - अहं कलयामि हरे नहि किम्-अपि स सत्त्वम् । तद्-अपि न मुञ्चति मामिदम् - अच्युत पुत्रकलत्र ममत्वं घोरं हर० ।३। पुनर् - अपि जननं पुनर् - अपि मरणं पुनर् - अपि गर्भनिवासम् । सोढुम् - अलंपुनर् -अस्मिन्माधव माम्-उद्धर निजदासम् घोरं हर० ।४। त्वं जननी जनकः प्रभुर् -अच्युत त्वं सुहृत् - कुलमित्रम् । त्वं शरणं शरणागतवत्सल त्वं भवजलधि - वहित्रं घोरं हर० ।५। जनक - सुतापति-चरण-परायण शङ्कर-मुनिवरगीतं धारय मनसि कृष्णपुरुषोत्तम वारय संसृतिभीतिम् घोरं हर मम नरकरिपो केशव कल्मषभारं-माम्-अनुकम्पय-दीनम्-अनाथं कुरुभव-सागर-पारम् ।६।

अच्युतं केशवं रामनारायणं कृष्णदामोदरं वासुदेवं हरिम् । श्रीधरं माधवं गोपिकावल्लभं जानकीनायकं रामचन्द्रं भजे ।१। सुरजं शैशवं सत्यभामाधवं श्रीधरं श्रीपतिंराधिकाराधितम् । इन्दिरामन्दिरं चेतसा सुन्दरं देवकीनन्दनं नन्दजं सम्भजे ।२। अङ्गनाम्-अङ्गनाम्-अन्तरे माधवो, माधवं माधवं चान्तरेणाङ्गना इत्थमा - कल्पिते मण्डले मध्यगः, सञ्जगौ वेणुना देवकीनन्दनः ।३। बालिका - बालिका बाललीला - लयः संगसन्दर्शित-भ्रूलताविभ्रमः । गोपिका गीत-दत्ता-वदानः स्वयं सञ्जगौ वेणुना देवकी - नन्दनः ।४। जयतु जयतु देवो देवकीनन्दनोऽयं जयतु जयतु कृष्णो वृष्णिवंशप्रदीपः । जयतु जयतु मेघश्यामलः कोमलाङ्गो जयतु जयतु पृथ्वीभारनाशो मुकुन्दः ।५।

* शङ्कर प्रार्थना *

भगवान् शंकर का ध्यान करते हुए पढ़ें:—प्रणतोस्मि महादेव प्रपन्नोस्मि सदाशिव निवारय महामृत्युं मृत्युञ्जय नमोस्तुते ।१। मृत्युञ्जय महादेव पाहि मां शरणागतम्, जन्ममृत्यु-जरारोगैः पीडितं भवबन्धनात् ।२। कर्पूर-गौरं करुणावतारं संसार—सारं भुजगेन्द्रहारम्। सदा रमन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानी सहितं नमामि ।३। हर शम्भो महादेव विश्वेशामरवल्लभ। शिव शङ्कर सर्वात्मन् नीलकण्ठ नमोस्तु ते ।४। तव तत्त्वं न जानामि कीदृशोसि महेश्वर यादृशोसि महादेव तादृशाय नमो नमः ।५। आधीनाम्-अगदं दिव्यं व्याधीनां मूलकृन्तनम्। उपद्रवाणां दलनं महादेवम्-उपास्महे ।६। आत्मा त्वं गिरिजा मतिः परिजनाः प्राणाः शरीरं गृहं, पूजा ते विषयो-पभोगरचना निद्रा समाधि-स्थितिः। सञ्चारोऽपि परिक्रमः पशुपते स्तोत्राणि सर्वा गिरो, यत् यत् कर्म करोमि देव भगवन् तत् तत् तवारा-धनम् ।७। नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय भस्माङ्गरागाय महेश्वराय। देवाधिदेवाय दिगम्बराय तस्मै नकाराय नमः शिवाय ।८। मातङ्गचरमाम्बर-भूषणाय समस्तगीर्वाण-गणार्चिताय त्रैलोक्य—नाथाय पुरान्तकाय तस्मै मकाराय नमः शिवाय ।९। शिवामुखाम्भोजविकासनाय दक्षस्य यज्ञस्य विनाशकाय, चन्द्रार्कवैश्वानरलोचनाय तस्मै शिकाराय नमः शिवाय ।१०। वशिष्ठकुम्भोत्-भवगौतमादि-मुनीन्द्रवन्द्याय गिरीश्वराय, श्रीनीलकण्ठाय वृषध्वजाय तस्मै वकाराय नमः शिवाय ।११। यज्ञस्वरूपाय जटाधराय पिनाकहस्ताय सनातनाय, नित्याय शुद्धाय निरञ्जनाय तस्मै यकाराय नमः शिवाय ।१२। वपुष्प्रादुर्भावात् अनुमितम्-इदं जन्मनि पुरा। पुरारे नैवाहं क्वचित्-अपि भवन्तं प्रणतवान्। नमन्मुक्तः सम्प्र-त्यतनुर्-अहम्-अग्रे-प्यनतिमान्-महेश क्षन्तव्यं तदिदमपराध-द्वयम्-अपि ।१३। करचरणकृतं वाक् कायजं कर्मजं वा श्रवण-नयनजं वा मानसं वा पराधम्। विदितम्-अविदितं वा सर्वमेतत्क्षमस्व जय जय करुणाब्धे श्रीमहादेव शम्भो ।

* देवी प्रार्थना *

दुर्गे स्मृता हरसि भीतिम्-अशेषजन्तोः, स्वस्थैः स्मृता मतिम्-अतीव शुभां ददासि । दारिद्र्यदुःखभय-हारिणि का त्वद्-अन्या, सर्वोपकार-करणाय दयार्द्र चित्ता ।१। देवि प्रपन्नार्तिहरे प्रसीद प्रसीद मातर्जगतोऽखिलस्य, प्रसीद विश्वेश्वरि पाहि विश्वं त्वम्-ईश्वरी देवि चराचरस्य ।२। पृथिव्यां पुत्रास्ते जननि बहवः सन्ति सरलाः, परं तेषां मध्ये विरंतरलोहं तव सुतः । मदीयोयं त्यागः समुचितम्-इदं नो तव शिवे, कुपुत्रो जायेत क्वचित्-अपि कुमाता न भवति ।३। जगत्-मातर्-माताः तव चरणसेवा न रचिता, न वा दत्तं देवि द्रविणमपि भूयस्तव मया । तथापि त्वं स्नेहं मयि निर्-उपमं यत्-प्रकुरुषे, कुपुत्रो जायेत क्वचित्-अपि कुमाता न भवति ।४। शरणागत-दीनार्त-परित्राणपरायणि । सर्वस्यार्तिहरे देवि नारायणि नमोस्तु ते ।

या देवी सर्वभूतेषु विष्णुमायेति शब्दिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः ।१। या देवी सर्वभूतेषु चेतनेत्य-भिधीयते नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमोनमः ।२। या देवी सर्वभूतेषु बुद्धिरूपेण संस्थिता० नमस्तस्यै ।३। या देवी सर्वभूतेषु निद्रारूपेण संस्थिता नमस्त० ।४। या देवी सर्वभूतेषु क्षुधारूपेण संस्थिता नमस्त० ।५। या देवी सर्वभूतेषु छायारूपेण संस्थिता नमस्त० ।६। या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।७। या देवी सर्वभूतेषु तृष्णारूपेण संस्थिता नमस्त० ।८। या देवी सर्वभूतेषु क्षान्तिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।९। या देवी सर्वभूतेषु जातिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१०। या देवी० लज्जारूपेण संस्थिता नमस्त० ।११। या देवी० शान्तिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१२। या देवी सर्वभूतेषु श्रद्धारूपेण संस्थिता नमस्त० ।१३। या देवी सर्वभूतेषु कान्तिरूपेण संस्थिता

नमस्त० ।१४। या देवी सर्वभूतेषु लक्ष्मीरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१५। या देवी...स्मृतिरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१६। या देवी...दयारूपेण संस्थिता नमस्त० ।१७। या देवी सर्वभूतेषु तुष्टि रूपेण संस्थिता नमस्त० ।१८। या देवीसर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता नमस्त० ।१६। या देवी सर्वभूतेषु भ्रांतिरूपेण संस्थिता नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै ।२०। आनन्दसुन्दर पुरन्द्रमुक्तमाल्यं मौलौ हठेन निहितं महिषासुरस्य पादाम्बुजं भवतु मे विजयाय मञ्जु, मञ्जीरशिञ्जितमनोहरमम्बिकायाः ।२१। उत्तप्तहेमरुचिरे त्रिपुरे पुनीहि, चेतश्चि-रन्तनमघौघवनं लुनीहि; कारागृहे निगडबन्धनपीडितस्य त्वत्संस्मृतौ झडिति मे निगडास्त्रुटयन्तु ।२२। माया कुण्डलिनी, क्रियामधुमती, कालीकलामालिनी । मातङ्गी विजया जया भगवती देवी शिवा शाम्भवी । शक्तिः शङ्करवल्लभा त्रिनयना वाग्वादिनी भैरवी, ह्रींकारी त्रिपुरा परा परमयी माताकुमारीत्यसि ।२४। महाबले महोत्साहे महाभयविनाशिनि । त्राहि मां देवि दुष्प्रेक्ष्ये शत्रूणां भयवर्धिनि ।२५। सर्वमङ्गलमङ्गल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके, शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोस्तुते ॥

* इन्द्राक्षी *

इन्द्र उवाच—इन्द्राक्षी नाम सा देवी देवतैः समुदाहृता गौरी शाकंभरी देवी दुर्गानाम्नीति विश्रुता, कात्यायनी महादेवी चन्द्रघंटा महातपा, गायत्री साच सावित्री ब्रह्माणी ब्रह्मवादिनी, नारायणी भद्रकाली रुद्राणी कृष्णपिंगला अग्निज्वाला रौद्रमुखी कालरात्रिस्तपस्विनी । मेघश्यामा सहस्राक्षी विष्णुमाया जलोदरी, महोदरी मुक्तकेशी घोररूपा महाबला आनन्दा भद्रजा नन्दा रोगहर्त्री शिवप्रिया, शिवदूती कराली च प्रत्यक्षा परमेश्वरी, इन्द्राणी चन्द्ररूपा च इन्द्रशक्ति-परायणा, महिषासुर-संहर्त्री चामुण्डा गर्भदेवता, वाराही नारसिंही च भीमा भैरवनादिनी, श्रुतिःस्मृति-धृतिर्मेधा विद्यालक्ष्मी सरस्वती, अनन्ता विजयापूर्णा मानस्तोका पराजिता, भवानी पार्वती दुर्गा हैमवत्यंबिका शिवा, शिवा भवानी रुद्राणी शङ्करार्धशरीरिणी ॥

ورش کا راجہ برہسپت۔
ورش کا منتری بوم۔
ॐ
شری
پنچانگ
کت کرتا:
جیوتشی شری اومکارناتھ بٹ
(جیوتش رتن)
سمپادک و شدھ کرتا برہمن مہامنڈل
کشمیر
بکرمی سمت ۲۰۳۹
سپت رشی ۵۰۵۸
شاکا سمت ۱۹۰۴
عیسوی ۱۹۸۲-۸۳ء
رجسٹرڈ نمبر ۱۱۵
جملہ حقوق بحق برہمن مہامنڈل کشمیر محفوظ ہیں۔
کاتب: م خانم (سعدہ کدل شاہ آباد سرینگر

کشمیر کا گوچر چکر

ورش لگن

اُدم شری گیشائے نمہ۔

بکرمی سمت ۲۰۳۹ سست رشی سمت ۵۰۵۸ شاکا سمت ۱۹۰۴ عیسوی سمت ۸۲-۱۹۸۲ ہجری سمت ۱۴۰۳-۱۴۰۲ نانک سمت ۵۱۲ شری کرشن جنم سمت ۵۲۰۷ آزاد ہند سمت ۲۶ مہاتما گاندھی سمت ۱۱۳ شری پنچانگ سمت ۲۴ شرشٹی سمت ۸۳-۱۹۵۵۸۸۵

ورش کا راجہ برہسپت دیوتا۔ ورش کا پردھان منتری بوم دیوتا۔ ورش سمات شبھ نام۔ یووا۔ ارتھات جوان۔ ورش کا راشٹرپتی شکر دیوتا۔ ورش کا داہن نوکا کشتی۔ بسنت کا داہن یونانی مت سے مرگ نما۔ شاستر کے مت سے چاتک۔ اناج کا مالک شکر۔ رسوں کا مالک سورج۔ موٹے ہوئے اناجوں کا مالک شکر سورج۔ دھانیہ کا مالک برہسپت۔ فوج کا مالک بوم۔ میگھ کا مالک چندرمہ۔ دمنگل۔ دولت خزانے کا مالک شکر۔ پھلوں کا مالک چندرمہ۔ ورشا بھگوتی سروپ کاری۔ سینچر روہنی اور آشلیشا۔ نومی منگلوار۔ سینچر کی درشٹی دکھنی۔ اتر۔ میگھ ۷ دھان ۵ اگھاس ۱۳ سردی ۱۷ ہوا ۵ پرکاش ۱۳ ترقی ۵ دکھیہ ۱۵۔ دیگرہ ۱۱ بیاس ۱۳۔ بھوک ۱۷۔ کرودھ ۱۳ پاپ ۱۹۔ ہینٹہ ۱۳ آچار ۱۳ اناچار ۱۹۔ موت ۵ جنم ۷۔ ویش اپردو ۱۔ سینچر کنیا اور تلا راشی میں۔ برہسپت کنیا اور تلا راشی میں گرہنوں کا پربھاؤ ناقص۔ ورش دیشوا ۱۸۔ سمت سر کا نواس رجک یعنی دھوبی کے گھر میں۔

سوتنتر بھارت کا ورش چکر

آدر اپردیش

جگت لگن

भारतीय संस्कृतिकी ये विशेषताएँ अपने चरित्रमें उत्पन्न कीजिये

جوتش شاستر کے آدھار پر

سنسار

جگت چکر

کیت دھن چندرمہ
قومب شکر
مکر
مین
درچک
میش
سُوریہ بُدھ
طول
برہسپت
دربش
کرکٹ
کن
سنیچر بوم
مِیتھن
راہ
سِہم

اس ورش جگت لگن مکر راشی کا ہے۔ لگن کا سوامی شنی منگل کے ساتھ بُدھ کے گھر میں وکری ہے۔ بُدھ سوریہ کے ساتھ چوتھا پڑا ہے۔ چندرمہ کیتو کے ساتھ پیڑت ہے۔ ورش کے گرہوں کے دس ادھیکاروں میں سات ادھیکار شُبھ گرہوں کو اور تین ادھیکار اشُبھ گرہوں کو حاصل ہیں۔ ورش کا راجہ برہسپتی اور منتری کا پدھ منگل دیوتا کو ملا ہے۔ دفاعی کام اور فوج کا ادھیکار بھی منگل دیوتا کو ہی ملا ہے۔ ورش کے شروع میں شنیچر اور برہسپتی وکری ہو گئے ہیں۔ شنیچر دیوتا کو آکاشی کونسل میں اِس سال کوئی پدھ حاصل نہیں۔ اس سال برہسپتی مان سے "یوا" युवा نام کا سموت سر ہے۔ جسکے چار ماہ اور بارہ دن باقی رہ گئے ہیں اس کے بعد "دھاتا" धाता سموت سر شروع ہوتا ہے۔

اِس سال شنیچر کی درشٹی شروع میں دنیا کے شمال اور جنوب کی طرف ہے اور سات ماہ بعد اسکی نظر مغرب کی طرف پڑیگی۔ ورش کا واہن کشتی اور ورشا بھگوتی سوپکاری सूपकारी ہے۔ اور بسنت کی سواری مُرغا ہے۔

جگت چکر اور کورم چکر اور گرہوں کی آپسی درشٹی کو مطالع کرنے سے جان پڑتا ہے۔ کہ سال ۲۰۳۹ء ایسی درگھٹناؤں کو ساتھ لیکر آیگا جنکا آدمی کو اندازہ لگانا مشکل ہے۔ سنسار میں ایسے واقعات ظہور پذیر ہونگے۔ جن سے دنیا کا ماحول پریشان کن رہیگا۔ بڑے بڑے طاقتور ممالک کی خارجی پالیسی ڈھانواڈھول بنی رہیگی۔

اور عوام اپنے کو امن کا دم لینے سے محروم پائینگی۔ جھگڑے اُدھم توڑ
پھوڑ۔ بیماری۔ بھونچال۔ سیلاب۔ طوفان۔ ہوائی حادثے اور
آگ وغیرہ جیسے درگھٹنائیں وقتاً فوقتاً ہونگی اور دُنیا کے
سامنے نئی نئی اُلجھنیں پیدا ہونگی۔ چونکہ فوج کا وِبھاگ منگل
دیوتا نے سنبھالا ہے اسلئے امکان ہے کہ دُنیا کے جنوبی
اور مغربی ممالک میں اِدھک بے چینی پھیلیں گی اور اسطرح
بڑے بڑے ممالک اپنی اپنی جگہ اصلاحجات کو جمع کرنے کی
تیاری میں مصروف رہینگے۔ مغربی ممالک ایٹمی اور دیگر تباہ کُن
جنگی ہتھیاروں کے بنانے میں کافی روپیہ خرچ کرینگے مگر اندازہ
ہے کہ تیسرے جنگ عظیم کے بادل چھا جانے کے باوجود اِس
ورش اسطرح کا جنگ نہیں ہوگا۔ کیونکہ اس ورش کا شانتی
پریہ برہسپتی راجہ ہے اور شکر دیوتا راشٹرپتی مقرر ہے۔ اور ان
دونوں کا الحاق اور اتفاق بھی بنا ہے۔ لیکن چونکہ ورش
کا پردھان منتری بدھ منگل دیوتا کو حاصل ہے اور ساتھ ہی
وہ فوج کا کمانڈر بھی ہے۔ نیز کور اور تند مزاج بھی ہے۔ اِس کے
علاوہ شنیچر ہست اور چتر نکھتر میں پھر رہا ہے تو اغلب ہے کہ
کئی ملکوں میں عوامی حکومت بدل جائیگی۔ اور فوجی حکومت قایم
ہوگی اور بڑی طاقت والے ممالک میں آپسی تناؤ بڑھیگا۔

یہ یوگ جون سے ستمبر تک رہیگا۔ اور اسی ایام میں زیادہ تر
درگھٹنائیں رونما ہو کر عوام کو پریشانی کا باعث بنیگی۔ جیسے
کہا گیا ہے۔

वक्रे गतो रविसुतोऽथ धरासुतो वा
हस्ते तथैव चित्रे दैवत रौद्रभेषु। छत्रभंग पतने भुवि
. . . .

اِس کے ساتھ ہی کئی مسلم ممالک جیسے عرب۔ ایران۔ عراق
مصر۔ ترکی اور پاکستان تتھا چین۔ فرانس اور جاپان
وغیرہ دیشوں میں اندرونی جھگڑے توڑ پھوڑ مار کاٹ وغیرہ جیسے
حالات رُونما ہونگے کیونکہ

यदा क्रूर ग्रहो वक्री शुभर्क्षेऽति
ति चारणः। तदा भवति दुर्भिक्षं राज्ञां युद्धं परस्परम्।
. . . .

مگر عالم میں ایسا نامعقول ماحول ہونے پر بھی اِس سال عالمی
جنگ ہونے کی کوئی سمبھاؤنا نہیں بلکہ آنے والے تین سال
میں جب تک کہ شنیچر اور راہو کا اتصال نہیں ہوگا۔ عالمی
جنگ کا کوئی امکان دیکھنے میں نہیں آتا۔ عین ممکن ہے کہ
عیسوی ۱۹۹۰ء تک بھی ایسا کوئی خطرہ عالم کو درپیش نہ ہوگا۔

यत्र निर्लिप्तभावेन संसारे वर्तते गृही।
धर्मं चरति निष्कामं तत्रैव रमते हरिः॥

بھارت

سوتنتر بھارت کا ورش چکر

ورشِ
کرکٹ
میش
متھن
راہ
سمہ
کن
شنیچر یوم ہیون
مین
دھن
کیت
کومبھ
متھا
طول
برہسپت
مکر
سوریہ بدھ
شکر چندرمہ
ورچک

سوتنتر بھارت کے ورش چکر کا لگن متھن ہے۔ لگن کا سوامی بدھ سوریہ چندرمہ اور شکر کے ساتھ آٹھویں گھر میں بیٹھا ہے۔ منتھا نویں بھاؤ میں ہے۔ ورش کا راشٹرپتی شکر بھی آٹھویں گھر میں ہے چوتھے گھر میں منگل اور شنیچر برہسپتی کے گھر کو پورن درشٹی سے دیکھتا ہے۔ لگن کا سوامی بدھ سوریہ کے ساتھ است ہے۔ دوسرے طرف برہسپتی منتھا کو دیکھ رہا ہے۔ ورش لگن کے آدھار اور گرہوں کے آپسی تضاد پورن نظرات کے ہونے سے بھارت میں اس سال کا پہلا حصہ سُبھ دایک ہوگا۔ مگر دوسرے حصے میں کچھ مشکلات پیدا ہونگے۔ پہلے چھ مہینوں میں بھارتی حکومت ملک کے کئی ترقی پذیر یوجنائیں عمل میں لانے کے لئے اقدام اٹھائیگی اور ان میں اسکی کامیابی بھی ہوگی۔ مگر دوسرے چھ مہینوں میں کچھ سیاسی الجھنیں پیدا ہونے سے کام کی رفتار میں کمی واقع ہوگی۔ اور عوام کو کافی تکالیف کا سامنا کرنا پڑیگا۔

اس سال شنیچر اور منگل دو نکھتروں میں داخل ہوتا ہے جو اپریل سے جولائی کے آخیر تک رہیگا۔ اس کے نتیجہ میں سرحدی جھگڑے پیدا ہونے کے امکان ہیں۔ کچھ جھڑپیں ہونے کی بھی توقع ہے۔ سُتن نتر کے جنم لگن پر سنیچر کی درشٹی ہے۔ سوریہ چندرمہ اور بدھ کا مُیتی بید بھی ہے اس وجہ سے دیش میں کالے دھن اور اقتصادی سمسیاؤں میں اضافہ ہوگا۔ ورش میں ایک ہی مہینے میں دو گرہنوں کے ہونے کے ساتھ منگل اور شنیچر کے چوتھے گھر میں میل ہونے کے باعث لگتا ہے کہ بھارت کے کئی پرانتوں میں توڑ پھوڑ اور ذات پات کے جھگڑے رونما ہونگے اور کچھ پردیشوں میں راشٹرپتی حکومت لاگو ہوگی۔ اگست مارچ ۱۹۸۳ء تک کا وقت دیش کے لئے خاص طور پر امتحانی دور ہوگا۔ اس ایام میں کئی سیاسی گڑبڑ اور قدرتی آفات ادھیک زور پکڑے گی۔ بھونچال۔ طوفان۔ سیلاب۔ ہوائی حادثے اور ایسی کئی دیگر درگھٹنائیں رونما ہونگے۔ جیسے شاستروں

میں کہا ہے ۔

यदैकमासे ग्रहणं जायते शशिसूर्ययोः
पार्थिवा कोपैः क्षयं यान्ति तदाभयं परस्परम् ॥

چونکہ ورش کا واہن نوکا (नौका) کشتی ہے ۔ اسے بھی دیش میں کافی پریشانی کا ماحول جیسے فرقہ وارانہ جھگڑے ریل اور ہوائی حادثے ۔ آگ کی وارداتیں مار دھاڑ وغیرہ درگھٹنائیں ہونگی ۔ بلکہ کسی اہم لیڈر کے اچانک موت ہونے کی بھی سمبھاؤنا ہے ۔ دیش کے کئی پرانتوں میں ایسے شور شرابے کی خبریں آتی رہیگی ۔ جیسے عوام ذہنی پریشانی میں مبتلا رہیگی ۔ آسام، اڑیسہ، گجرات، کلکتہ، پنجاب وغیرہ مغربی اور شمالی حصوں میں مار کاٹ کا ماحول پیدا ہوگا ۔ کیونکہ

क्षयमासो भवेद्यस्मिन् तस्मिन् वर्षेति विग्रहः

پس اس سال کھیہ ماس ہونے سے دیش کے حالات نامعقول ہونے یقینی ہیں ۔ جس کا ہم نے گت ورش کے پنچانگ میں حوالہ دیا ہے ۔ بلکہ شاستر کاروں کا اندازہ ہے کہ ۱۹۸۲ئہ سے ۱۹۸۵ئہ تک کے ایام میں بالخصوص دیش کا ہوانواہ نامعقول بنا رہیگا اور یہاں کے اندرونی حالات شانت اور مستقر نہ رہ کر عوام کو سکھی رہنے سے قدرے محروم رکھیگی ۔

چونکہ برہسپتی پانچویں گھر میں پڑا ہے اور منھتا نویں بھاؤ میں ہے ۔ اسلئے بھارت ورش کی کلا کوشل یہاں کی کاریگری ترقی پذیر ہوگی ۔ نئے نئے کارخانے کھولے جائینگے ۔ یہاں کے پیداوار کی دیگر ممالک میں اچھی مانگ رہیگی ۔ دنیا کے ترقی یافتہ ملکوں میں بھارت کی بنی ہوئی اشیاؤں کو خوب فروغ حاصل ہوگی ۔ جس سے ذرہ مبادلہ میں ترقی ہوگی ۔ اور درآمد اور برآمد کو بڑھاوا ملیگا ۔ کھیتی باڑی اور کارخانوں کی پیداوار میں تسلی بخش اضافہ ہوگا ۔ دیہی ترقی میں دھیان دیا جائیگا ۔

آٹھویں بھاؤ میں چندرمہ ہونے سے لوگ عموماً چھاتی اور سر کی بیماریوں میں مبتلا رہینگے ۔ اس ورش نوجوان بے روزگار ورگ ترقی کی طرف گامزن رہیگا ۔ اور مزدور طبقہ تھا ۔ پچھڑی جاتی اور ناری ورگ کے بڑھاوا کے لئے حکومت زیادہ فکرمند رہیگی ۔ کسان لوگ کھیتی باڑی کو فروغ دینے کی طرف کوشاں رہینگے ۔ اور ان کی حوصلہ افزائی حکومت خاص طور کریگی ۔ مگر پنج گرہ یوگ کی وجہ سے کچھ پرانتوں میں سوکھا اور کہیں کہیں ادھک ورشا کے کارن سیلاب سے کھڑی فصلوں کو نقصان ہونے کا اندیشہ ہے ۔ مگر سرکاری مشینری کے چوکس

ہونے سے بر وقت امداد ملنے سے کل پر حالات اچھے رہینگے۔

اس سال بھارت کی خارجہ پالیسی میں کسی خاص تبدیلی کے آثار نظر میں نہیں آتے۔ البتہ اندرونی نظم نسق میں کچھ تبدیلی ضرور آئیگی۔ چور بازاری اور تقریب کاری میں حکومت کی کڑی نظر رہیگی۔ اور دفاعی کاموں پر حکومت اچھی رقم خرچ کریگی۔ اور سرحدوں پر فوج طعینات اچھی تعداد میں رہیگی۔ روس کے ساتھ دوستانہ تعلوقات قایم رہینگے۔ اگرچہ سرکار کی کوشش دیگر ممالک سے خصوصاً ہمسایہ ملکوں سے دوستی بڑھانے کی رہیگی۔ پھر بھی کسی کسی ملک سے تناؤ کا ماحول بنا رہے گا۔ مہاپنڈل کے جوتش کاروں کے اندازہ فکر سے بھارت کا مستقبل قریب خاص کر ۱۹۹۰ئہ سے آگے بہت اچھا ہوگا۔ اسکی سنسکرتی کی چرچا سارے سنسار میں خاص مقام حاصل کریگی۔ اور کسی بے لوث مہاپرش کی لیڈرشپ حاصل ہوگی۔

दीन-दुखी मैं, दीनबंधु तू।
दयापात्र मैं, दयासिन्धु तू॥

भीतिग्रस्त मैं, तू भयहारी।
तिमिरयुक्त मैं, तू तिमिरारी॥

کشمیر

کشمیر کا ورش چکر

متھن راہ | سہم | کن
ورش | کرکٹ | بوم سنیچر
میش | طول برہسپت
مین سوریہ چندرمہ | مکر شکر | درچک
کومبھ بدھ | دھن کیت

ورش کا راجا برہسپتی۔ پردھان منتری بوم۔ ورش کا راشٹرپتی شکر۔ ورشا بھگوتی سوپ کاری۔ ورش کا داہن لوکا ([illegible]) کشمیر کے گوچر چکر اور ورش چکر میں چندرمہ اور شکر آپس میں مجیتی بیدر رکھتے ہیں۔ آشاڑھ لومی منگل دار کو ہے۔ سینا کا ادھیکار منگل دیوتا سنیچر سے کر تری ددش رکھتا ہے۔ پس اسطرح گرہوں کی ستھی اور ایک ہی مہینے میں دو گرہنوں کے ہونے کے کارن معلوم پڑتا ہے کہ کشمیر میں اس ورش کے پہلے چھ مہینے عوام کے لئے ترقی پذیر اور راب کاری کم رہے گے۔ دوسرے چھ مہینے میں حکومت میں کچھ اہم تبدیلی آنے کے امکان ہیں۔ جس سے حکومت کے نظم نسق میں کچھ سدھار رو بہ عمل ہونگے۔ تعلیم کی طرف زیادہ توجہ دیا جائیگا۔

نئے نئے سکیموں کو عملی جامہ پہنایا جائے گا۔ تجارت اور کارخانوں
کی پیداوار کو فروغ دینے کی طرف حکومت خاص توجہ دے گی۔ بلکہ
کچھ نئے کارخانے بھی کھولے گی۔ سرکار پینے کے پانی اور سڑکوں
وتعلیمی اداروں کی توسیع کی طرف خاص دھیان دے گی اور تجارت
کو فروغ دیا جائیگا۔ دیہی ترقی کی طرف حکومت زیادہ توجہ دیگی۔

ورش کا پردھان منتری بوم دیوتا ہونے سے اور ستمبر
میں طول راشی میں شنیچر اور برہسپتی کے اتصال ہونے سے
سرحدوں پر کچھ تناؤ پیدا ہونگے۔ عوام میں اشانتی ہونے کے
ساتھ کسی نامور لیڈر کے موت کی سمبھاؤنا ہے۔ ورش کا واہن
نوکا اور بسنت کی سواری مرغا ہونے سے عوام میں چہل دوڑ دھوپ
میں رہے گی۔ بے سود دنگے اور جھگڑے عموماً ہوا کرینگے۔ چوپائے
پیڑت رہینگے۔ بھونچال۔ سیلاب وغیرہ درگھٹناؤں سے کہیں
کہیں نقصان پہنچنے کا امکان ہے۔ اگست اور اکتوبر کے بیچ اس
طرح کا یوگ ادھیک دیکھنے میں آتا ہے۔ کہا ہے :-

जनास्तु दुःखिता सर्वे चतुष्पदाः प्रपीडिताः ।
विफला सकला धात्री - नौका वाहन वत्सरे ॥ . . .

چونکہ برہسپتی ورش کا راجہ ہے۔ اسلئے اس ورش کشمیر میں
توڑ پھوڑ کی گھٹنائیں کم ہوگی۔ مرکز سے خصوصی طور مالی امداد
بہم ہوگا اور امن کا ماحول بنا رہے گا۔ یاتری سیر و سیاحت
کے لئے خاص تعداد میں کشمیر آئینگے۔ جن کی سہولیت کے لئے
حکومت خصوصی اہم اقدامات کریگی۔ طالب علموں کی پڑھائی
پر اچھی رقم خرچ کی جائیگی۔ مگر ورشا بھگوتی سوپ کاری ہونے
کی وجہ سے جنتا میں اکثر بے وقت موت کی گھٹناؤں سے
ہیجان پیدا ہوگا۔ کبھی کبھی بارشوں کی زیادتی سے کھڑی فصلوں
کو نقصان ہونے کا امکان بھی ہے۔

چور بازاری اور منافع خوری ورش کا راشٹرپتی شکر
دیوتا ہونے کے کارن وغیرہ کا خوب زور رہیگا۔ لوگ پاپ کرم
کی طرف اکثر راغب رہینگے۔ حکمران لوگ اپنے آرام اور آسائش
کی طرف کافی دھیان دینگے۔ آشاڑھ نومی منگل وار کو پڑنے سے
اس سال عورتوں کے اقتدار کو بڑھاوا ملے گا۔ لڑکیاں ادھیک پیدا ہونگی۔
بناؤ سنگار کی چیزوں کی تجارت معمول سے ادھیک ہوگی۔ اناج کا سوامی
برہسپتی ہونے سے دھانیہ کی پیداوار میں کہیں کہیں کمی پیدا ہوگی اور کسی کسی
جگہ اسکی پیداوار تسلی بخش ہوگی۔ کسان ورگ کو کئی مشکلات کا سامنا ہوگا۔
پھلوں کا سوامی چندرمہ ہونے سے پھلوں کی پیداوار کافی ہوگی۔ اور پھلوں
کے کاروبار سے لوگوں کو کافی فائدہ ہوگا۔ سرکار کی طرف سے اس صنعت کو فروغ
دینے کے لئے کافی سرمایہ لگائے گی۔ دھن کا سوامی شکر دیوتا ہونے سے تاجر لوگ

ترقی کے راہ پر گامزن ہونگے ۔ اس ورش فوجی کمان بوم دیوتا کے ہاتھ میں ہونے سے سرحدوں پر کہیں کہیں گڑبڑ رہے گی ۔ فوجی طاقت بڑھانے کی اور حکومت کا دھیان بنا رہے گا ۔ کشمیر کے شمال مغربی حصوں میں تناؤ پیدا ہوگا ۔ ساتھ ہی قحط اور بیماری سے لوگ پریشان رہینگے ۔ میگھ کا مالک بھی منگل ہونے سے کہیں کہیں بارش ادھیک ہوگی اور کہیں کہیں سوکھا پڑنے کا امکان ہے ۔ گھاس پھوس اور سبزیوں کی پیداوار معمول سے زیادہ ہوگی ۔ بادام اور اخروٹ کی پیداوار تسلی بخش ہوگی ۔ رسدار اور لال رنگ کے پھل اچھے ہونگے ۔ گیہوں اور سرسوں کی پیداوار قدرے کم ہوگی ۔

آخیر میں یہ سمجھنا ضروری ہے کہ جوتر وگیان کے دو پہلو ہیں ۔ ایک گنت اور دوسرا پھل ۔ جہاں تک گنت کا تعلق ہے اس کیلئے گنت کار کے پاس خاص فارمولائیں ہیں ۔ جنکے آدھار پر اپنی بدھی کے مطابق وہ جوتش سمبندی کسی بات کا گنت کرتا ہے ۔ مگر جہاں تک پھل کا تعلق ہے اس کے لئے جوتش کار کو دماغی وسعت اور علمی پختہ گی کے ساتھ روشن ضمیر ہونا بھی ضروری ہے ۔ اور اس پکھ میں اسے جتنی کامیابی حاصل ہوگی وہ اتنا ہی پھل بتانے میں کامیاب رہ سکتا ہے ۔ آدھیہ سرشٹی سے سنسار میں گرہ چکر کے انوسار کھیہ ماس ہوتے آئے ہیں ۔ پنچ گرہ اور اشٹھ گرہ یوگ آدیہ بھی ہوتے رہتے ہیں ۔ اسطرح نظام شمسی میں سیاروں کی گردش انکے آپسی نظرات اور پھر انفرادی طور سے انسان پر اور اجتماعی طور سے ایک ملک پر پیدا ہونے والے اثرات ظاہر کرنا معمولی بات ہی نہیں بلکہ اکھرشا سبھی بتانا چندراں مشکل ہے ۔ پس ضرورت اس بات کی ہے کہ منوش اس پرم شکتی مہامایا کے شرن ہو کر شبھ کرم کرتا رہے اور پھل کا ظہور اسی پرم ستا جگت ماتا پر رکھے جو اپنی کرپا درشٹی سے نار کو نور میں بدل دیتی ہے ۔ گرتے کو تھام کر اسکے بگڑے بھاگیہ کو بنا دیتی ہے ۔ اور شرناگت کا کلیان کرتی ہے ۔ مہامنڈل نے جہاں شری پنچانگ میں گرہ چکر کے مطابق بھوشیہ وانی کو دیکر اس ورش کے آثار چڑھاو کو دیکھبت کیا ہے وہاں جگت ماتا مہامایا سے پرارتھی ہے ۔

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभागभवेत् ॥

سوچنا :- براہمن مہامنڈل کشمیر نے جنتا کی سہولیت کیلئے ہندی اور اردو سملت روپ میں سوتری پوجا ۔ ودھی کے ساتھ چھاپی ہے ۔ یہ پستک ہمارے ایجنٹوں کے پاس ہر وقت مل سکتی ہے ۔ ہندو جنتا کو سوچنا دی جاتی ہے کہ وہ ہر شبھ کاریہ پر

امرت سٹور :- امرت سٹور براہمن مہامنڈل گنپت یار سرینگر سے تھالیاں ۔ سٹیل ۔ اور مراد آبادی ۔ کھاتو لیٹھ چادریں گلاس وغیرہ رعایتی کرایہ پر حاصل کر سکتے ہیں +

کشمیر کے مت کے مطابق آمدنی و خرچ کا نقشہ بابت سال سمبت ۲۰۳۹ عیسوی کے لئے ۱۹۸۲-۸۳ء

راشی	میش	وریش	متھن	کرکٹ	سھم	کن	تلا	ورچک	دھن	مکر	کومبھ	مین
آمدنی	۱۴	۸	۱۴	۸	۱۱	۱۴	۸	۱۴	۱۱	۲	۲	۸
خرچ	۲	۱۱	۸	۵	۲	۸	۱۱	۲	۸	۱۴	۱۴	۱۱
گھاتہ۔چندرم	۱	۵	۹	۲	۶	۱۰	۲	۷	۴	۸	۱۱	۱۲
گھاتہ۔نکھتر	مگ	ہست	سوات	انرادھ	مول	شرون	شتبشک	ریوت	برن	روہن	آدرا	اشلیش
گھاتہ۔وار	آتوار	سنیچروار	سوموار	بدھ وار	سنیچروار	سنیچروار	ویروار	شکروار	شکروار	منگلوار	ویروار	شکروار
استری گھاتہ۔چندرمہ	۱	۸	۷	۹	۴	۳	۶	۲	۱۰	۱۱	۵	۱۲

(نوٹ) آمدنی و خرچ کے ہندسوں کو جمع کر کے جوڑ سے ایک کم کریں اور باقی کو ۸ پر تقسیم کریں۔ اگر باقی ایک بچے تو سکھ اور شانتی۔ نوکری اور کاروبار میں فایدہ۔ ۲ بچے تو منوکامنا پوری اور سواری کا سکھ۔ ۳ بچیں تو دھن کا نقصان بیماری کا خوف دشمنوں کا خطرہ۔ ۴ بچیں تو ستھان تبدیلی اور گھر لو مکر دھن کا نقصان۔ ۵ بچیں تو کاروبار میں رکاوٹ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف سال کا پہلا حصہ خراب۔ ۶ بچیں تو زمین جایداد کا سکھ دربار میں اتم فایدہ دھن کا فایدہ۔ ۷ بچے۔ کاروبار نوکری میں ترقی۔ استری پکھ اور برادری سے فایدہ عزت۔ صفر بچیں تو پریشانی کا درشن ہوگا۔ اور سال میں دوڑ دھوپ کرنی ہوگی۔

सही सेवा वही कर सकता है, जो स्वार्थ,
अभिमान और ममतासे रहित होगा।

مہورت پرکرن بکرمی سمت ۲۰۳۹ عیسوی سمت ۸۳-۱۹۸۲ء

وواہ مہورت سمت ۸۳-۱۹۸۲ء

ویشاکھ کرشنہ پکھ

۱۶ اپریل شکروار اشٹمی صبح ۷ بجے ۲۰ م سے ۹ بجے ۱۵ دن تک وریش لگن۔ رات ۹ بجے ۱۶ م سے ۱۱ بجے ۲۶ رات تک ورچک لگن سمے۔

۲۱ اپریل بُدھوار ترواہ دن ۱۱ بجے ۲۰ م سے ۱ بجے ۲۰ دن تک کرکٹ لگن سمے رات ۸ بجے ۵۶ م سے ۱۱ بجے ۱۰ م رات تک ورچک لگن۔ رات ۱ بجے ۲۰ سے ۲ بجے ۵۴ م تک مکر لگن۔

ویشاکھ شکلہ پکھ

۲۶ اپریل سوموار ترے ۱۱ بجے ۵۹ م دن سے ۱ بجے ۱۹ دن تک کرکٹ لگن۔ رات ۲ بجے ۵۹ سے ۲ بجے ۲۳ رات تک مکر لگن۔

۱ مئی سنیچروار اشٹمی رات ۲ بجے ۲۰ سے ۲ بجے ۱۳ تک مکر لگن سمے۔

۷ مئی شکروار پورنماشی ۱۰ بجے ۱۶ م دن سے ۱۲ بجے ۳۶ دن تک کرکٹ لگن۔ رات ۷ بجے ۵۰ سے رات ۱۱ بجے ۵۸ تک مکر لگن سمے۔

جیٹھ کرشنہ پکھ

۱۲ مئی بُدھوار چورم صبح ۵ بجے ۵۰ م سے ۷ بجے ۱۴ تک وریش لگن سمے چندرمہ پوجن۔

۱۳ مئی بیروار پنجم ۱۲ بجے ۱۶ م دن سے ۲ بجے ۲۷ دن تک سہم لگن۔

۱۹ مئی بُدھوار کاہ صبح ۹ بجے ۲۶ م سے ۱۱ بجے ۴۷ دن تک کرکٹ لگن۔

جیٹھ شکلہ پکھ

۲۴ مئی سوموار اکدو ۹ بجے ۶ م سے ۱۱ بجے ۲۶ دن تک کرکٹ لگن۔ ۱۱ بجے ۲۶ دن سے ۱ بجے ۵۴ دن تک سہم لگن۔ رات ۱۱ بجے ۱۵ سے ۱۲ بجے ۴۶ تک مکر لگن سمے۔

وواہ جیٹھ شکلہ پکھ

۳ جون بیروار دوادشی ۸ بجے ۲۰ م صبح سے ۱۰ بجے ۵۰ م دن تک کرکٹ لگن سمے ۱۰ بجے ۵۶ م دن سے ۱ بجے ۸ م دن تک سہم لگن سمے۔ رات ۱۱ بجے ۲۶ سے ۱۲ بجے ۴۰ م تک مکر لگن بوم پوجن سمے۔

۴ جون شکروار ترواہ ۵ بجے ۲۸ صبح سے ۶ بجے ۴۴ م صبح تک وریش لگن سمے راہو پوجن

۶ جون آتوار پورنماشی ۸ بجے ۱۵ م دن سے ۱۰ بجے ۳۰ دن تک کرکٹ لگن سمے

آشاڑھ کرشنہ پکھ

۷ جون سوموار اکدو رات ۱۰ بجے ۱۰ م سے ۱۱ بجے ۴۴ رات تک مکر لگن سمے۔

شراون شکلہ پکھ

۲۵ جولائی آتوار پنجم رات ۱ بجے ۱۶ سے ۲ بجے ۴۵ رات تک میش لگن سمے چندرمہ پوجن۔

۲۶ جولائی سوموار ششم ۷ بجے ۱۵ م صبح سے ۹ بجے ۴۰ دن تک سہم لگن۔

۲۸ جولائی بُدھوار اشٹمی صبح ۵ بجے ۴۰ سے ۷ بجے ایک دن تک کرکٹ لگن۔ صبح ۷ بجے ۲ م سے ۹ بجے ۴۰ دن تک سہم لگن

۳۰ جولائی شکروار دہم صبح ۵ بجے ۴۰ سے ۶ بجے ۵۶ صبح تک کرکٹ لگن۔ ۹ بجے ۲۹ دن سے ۱۱ بجے ۴۰ دن تک کنیا لگن۔ رات ۸ بجے ۲۰ سے ۹ بجے ۲۲ تک کومبھ لگن سمے۔

یکم اگست آتوار باہ ۶ بجے ۵۰ م صبح سے ۹ بجے ۱۰ دن تک سہم لگن سمے۔

۴ اگست بُدھوار پونم دن ۹ بجے ۲ م سے ۱۱ بجے ۲۲ دن تک کرکٹ لگن

دواہ مہورت

بادر کرشنہ پکھ

۹ر اگست سوموار پنچم ۶ بجے ۲۰ صبح سے ۸
بجے ۳۶ صبح تک سہم لگن سم۔
۱۴ر اگست سنیچر وار دسم ۶ بجے ۱ صبح سے
۸ بجے ۱۹م دِن تک سہم لگن سم۔
۱۵ر اگست آتوار کاہ ۶ بجے ۲ صبح سے
۸ بجے ۱۵ دِن تک سہم لگن سم۔
۸ بجے ۱۹ دِن سے ۱۰ بجے ۳۴
دِن تک کنیا لگن سم سنیچر پوجن۔

یگنوپویت مہورت

ویشاکھ شکلہ پکھ

۲۹ر اپریل بیر وار ششم صبح ۵ بجے ۵۰م
سے ۶ بجے ۳۰ دِن تک بیش لگن۔
۱۰ بجے ۳۶ دِن سے ۱ بجے ۲ دِن تک
کرکٹ لگن۔

جیٹھ کرشنہ پکھ

۱۰ر مئی سوموار دوئی ۷ بجے ۵۶م دِن سے ۹ بجے
۵ دِن تک متھن لگن سم برہسپت
پوجن ۹ بجے ۵۹ دِن سے ۱۲ بجے ۲۰ دِن
تک کرکٹ لگن سم۔

جیٹھ شکلہ پکھ

۲۴ر مئی سوموار اکدو ۱۱ بجے ۳۲ دِن سے ۱ بجے
۵۶ دِن تک سہم لگن سم۔
۲۷ر مئی بیر وار پنچم ۸ بجے ۵۰م صبح سے ۱۱ بجے ۱۷
دِن تک کرکٹ لگن۔
۳ر جون بیر وار باہ ۸ بجے ۲۰ صبح سے ۱۰ بجے ۴۶
دِن تک کرکٹ لگن۔ ۱۰ بجے ۵۰ دِن
سے ۱ بجے ۱۰م دِن تک سہم لگن۔

آشاڑھ کرشنہ پکھ

۲۳ر جون بدھوار دوی ۷ بجے ۱۰م دِن سے
۹ بجے ۲۸ دِن تک کرکٹ لگن۔ ۹ بجے
۲۱ دِن سے ۱۱ بجے ۵۰م دن تک سہم
لگن سم۔
یکم جولائی بیر وار کاہ ۶ بجے ۲۲ دِن سے ۸ بجے
۵ دِن تک کرکٹ لگن سم

۸ بجے ۵۹ دِن سے ۱۱ بجے ۱۰ دِن تک
سہم لگن راہو پوجن۔
۴ر جولائی آتوار ترواہ ۶ بجے ۲۴ دِن سے ۸ بجے
۴۰ دِن تک کرکٹ سہم۔

شراون کرشنہ پکھ

۹ر جولائی شکروار دوی ۶ بجے ۲م دِن سے
۸ بجے ۱۶ دِن تک کرکٹ ۸ بجے
۲۷ دِن سے ۱۰ بجے ۴۰ دِن تک
سہم لگن سم۔
۱۱ر جولائی آتوار پنچم ۵ بجے ۵۰م صبح سے ۸ بجے
۸م صبح تک کرکٹ لگن سم۔

زانہ کرم (کاہ نیتھ مہورت)

جیت شکلہ پکھ

۲۶ر مارچ شکروار اکدو ۲ بجے ۱۰م دِن سے
۳۱ر مارچ بدھوار ستم۔

ویشاکھ شکلہ پکھ

۲۶ر اپریل سوموار ترے
۲۹ر اپریل بیر وار ششم

۳۰ر اپریل شکروار ستم
۵ر مئی بدھوار ترداہ

جیٹھ کرشنہ پکھ

۱۳ر مئی بیر وار پنچم ۱۰ بجے ۲۰ دِن سے

جیٹھ شکلہ پکھ

۲۴ر مئی سوموار اکدو ۱۲ بجے دِن سے
۲۷ر مئی بیر وار پنچم۔
۲ر جون بدھوار کاہ
۳ر جون بیر وار باہ۔

آشاڑھ کرشنہ پکھ

۱۱ر جون شکروار پنچم۔

آشاڑھ شکلہ پکھ

۲۳ر جون بدھوار دوئی۔
۲۴ر جون بیر وار ترے۔ ۱۱ بجے دِن تک
۲۸ر جون سوموار اشٹم
۳۰ر جون بدھوار باہ
یکم جولائی بیر وار کاہ

شراون کرشنہ پکھ

۲۶ر جولائی شکروار ششٹی

شراون کرشنہ پکھ

۲۸ر جولائی بدھوار اشٹم -

۳۰ر جولائی شکروار باہ -

ٹوڑا کرن (زرہ کا سے مہورت)

ویشاکھ شکلہ پکھ

۲۹ر اپریل بیروار شیم ۱۱ بجے ۱۰ م دن سے ۱ بجے ۶ م دن تک کرکٹ لگن - ۱ بجے ۱۰ م دن سے ۳ بجے ۲۰ دن تک سہم -

۵ر مئی بدھوار ترواہ ۱۰ بجے ۲۰ دن سے ۲ بجے ۴۰ دن تک کرکٹ لگن سہم -

جیٹھ کرشنہ پکھ

۱۰ر مئی سوموار دوئی ۷ بجے ۵۹ دن سے ۹ بجے ۵۰ م دن تک سنہہ وریش لگن - ۱۲ بجے ۳۰ دن سے ۲ بجے ۴۰ تک سہم لگن -

جیٹھ شکلہ پکھ

۲۷ر مئی بیروار پنجم ۸ بجے ۵۰ دن سے ۱۱ بجے ۱۶ م دن تک کرکٹ لگن - ۱۱ بجے ۲۰ دن سے ۱ بجے ۴۰ دن تک سہم لگن -

۴ر جون شکروار ترواہ ۶ بجے ۱۰ م دن سے ۸ بجے ۱۵ م دن تک متھن لگن سہم -

اساڑھ کرشنہ پکھ

۱۱ر جون شکروار پنجم ۷ بجے ۵۹ صبح سے ۱ بجے ۱۰ دن تک کرکٹ لگن -

اساڑھ شکلہ پکھ

۲۲ر جون بدھوار دوئے ۷ بجے ۱۰ م دن سے ۹ بجے ۲۸ دن تک کرکٹ لگن - ۲ بجے ۲۰ دن سے ۴ بجے ۴۰ دن تک طول لگن سہم

۳۰ر جون بدھوار دسم ۹ بجے ۲۰ دن سے ۱۱ بجے ۲۰ دن تک سہم لگن -

یکم جولائی بیروار کاہ ۹ بجے ۱۰ صبح سے ۱۱ بجے ۱۰ م صبح تک سہم لگن سہم -

شراون کرشنہ پکھ

۹ر جولائی شکروار ترے صبح ۸ بجے ۲۰ سے ۱۰ بجے ۴۰ دن تک سہم لگن سہم -

شنکھ پرتشٹھا بنیاد مکان
دکھن اتر مکھ

ویشاکھ شکلہ پکھ

۲۶ر اپریل سوموار ترے ۵ بجے ۵۶ م صبح سے ۶ بجے ۴۲ م تک میش لگن - ۱۱ بجے ۱ م دن سے ۱ بجے ۱۵ م دن تک کرکٹ لگن -

۲۹ر اپریل بیروار شیم ۱۰ بجے ۵۰ دن سے ۱ بجے ۳ م دن تک کرکٹ -

۵ر مئی بدھوار ترواہ ۱۲ بجے ۵۰ م دن سے ۲ بجے ۴ م دن تک سہم لگن -

۷ر مئی شکروار پورنماشی ۱۲ بجے ۴۰ دن سے ۲ م دن سے ۲ بجے ۴۰ دن تک سہم لگن -

جیٹھ شکلہ پکھ

۲۷ر مئی بیروار پنجم ۸ بجے ۵۰ دن سے ۱۱ بجے ۱۶ م دن تک کرکٹ - ۱۱ بجے ۲۰ دن سے ۱ بجے ۴۰ دن تک سہم لگن -

۳ر جون بیروار باہ ۱۰ بجے ۵۰ دن سے ۱ بجے ۱۰ تک سہم لگن -

بنیاد مکان پورب پچھم مکھ

شراون شکلہ پکھ

۲۶ر جولائی سوموار شیم ۱۲ بجے ۲۰ دن سے ۲ بجے ۲۰ دن تک طول لگن سہم

۲۸ر جولائی بدھوار اشٹم ۱۱ بجے ۵۶ م دن سے ۲ بجے ۷ دن تک طول لگن سہم

۳۰ر جولائی شکروار دسم ۱۱ بجے ۵ سے ۲ بجے ۶ دن تک طول لگن سہم -

بھادوں شکلہ پکھ

۲۱ر اگست سنیچروار ترے ۵ بجے ۵۹ صبح سے ۷ بجے ۵۹ صبح تک سہم لگن ۱۰ بجے ۲۶ دن سے ۱۲ بجے ۲۰ دن تک طول لگن -

۲۳ر اگست سوموار پنجم ۱۰ بجے ۲۰ دن سے ۱۲ بجے ۴۰ دن تک طول لگن سہم

۲۶ر اگست بیروار اشٹم ۱۰ بجے ۱۰ م دن سے ۱۲ بجے ۲۹ دن تک طول لگن -

پرویش مہورت

ویشاکھ کرشنہ پکھ

۱۶ر اپریل شکروار اشٹم ۱ بجے ۲ صبح سے ۷ بجے

۲۰ دِن تک میش لگن۔

ویشاکھ شکلہ پکھ

۲۶ر اپریل سوموار ترے ۱۰ بجے ۵۹ م دِن سے
۱ بجے ۱۶ م دِن تک کرکٹ لگن۔
۷ر مئی شکروار پورنماشی ۱۰ بجے ۱۵ دِن سے
۱۲ بجے ۲۹ دن تک کرکٹ لگن۔

جیٹھ شکلہ پکھ

۲۴ر مئی سوموار اکدو ۹ بجے ۲ دِن سے ۱۱ بجے
۲۰ دِن تک کرکٹ لگن۔
۲۷ر مئی بیروار پنچم ۱۱ بجے ۲۰ م دِن سے ۱ بجے ۲۹
دِن تک سنگھ لگن۔

آشاڑھ شکلہ پکھ

۲۸ر جون سوموار اشٹم ۹ بجے ۱۰ م دِن سے
۱۱ بجے ۳۰ دن تک سنگھ لگن بسم۔
یکم جولائی بیروار کاہ ۸ بجے ۵۹ م دِن سے ۱۱ بجے
۲۰ دِن تک سنگھ لگن بسم۔
۴ جولائی سنیچروار باہ ۸ بجے ۵۰ م دِن سے ۱۱ بجے
۲۰ دِن تک سنگھ لگن بسم۔ ۱ بجے ۳۰ دِن
سے ۱ بجے ۵۰ دن تک کن لگن۔

پن دینے کے مہورت

بادر شکلہ پکھ

۲۲ر اگست آتوار چودم
۲۳ر اگست سوموار پنچم
۲۷ر اگست شکروار اشٹم
۲۹ر اگست آتوار دسم
یکم ستمبر بدھوار ترداہ

واکھدان۔ گنڈون مہورت

ویشاکھ کرشنہ پکھ
۱۶ر اپریل شکروار اشٹم
۲۱ر اپریل بدھوار ترداہ

ویشاکھ شکلہ پکھ

۲۶ر اپریل سوموار ترے ۴ بجے تک
۵ر مئی بدھوار ترداہ
۷ر مئی شکروار پورنماشی۔

جیٹھ کرشنہ پکھ

۹ر مئی آتوار اکدو ۱۱ بجے ۵۰ دِن سے
۱۲ر مئی بدھوار چودم ۱۱ بجے دِن تک
۱۹ر مئی بدھوار کاہ
۲۰ر مئی بیروار باہ

جیٹھ شکلہ پکھ

۲۴ر مئی سوموار اکدو ۱۰ بجے ۵۰ دِن سے
۳۱ر مئی سوموار نوم ۱۲ بجے دِن سے
۳ر جون بیروار باہ
۴ر جون شکروار ترداہ ۷ بجے ۳۰ تک

آشاڑھ کرشنہ پکھ

۱۰ر جون بیروار چودم

شراون شکلہ پکھ

۲۳ر جولائی شکروار ترے
۲۵ر جولائی آتوار پنچم
۲۶ر جولائی سوموار اشٹم۔
۱ر اگست آتوار باہ
۲ر اگست سوموار ترداہ ۹ بجے ۱۰ تک

بادر کرشنہ پکھ

۹ر اگست سوموار پنچم
۱۵ر اگست آتوار کاہ ۱۰ بجے ۱۰ دِن تک

ونہن واستو

(چولہا بنانے کے مہورت)

چیت شکلہ پکھ

۲۱ر مارچ بدھوار ستم۔ ۸ر اپریل پورنماشی
۱۲ بجے ۵۶ دِن تک

ویشاکھ کرشنہ پکھ

۹ر اپریل شکروار اکدو ۲ بجے ۵۶ م دِن سے
۱۱ر اپریل آتوار ترے ۱۲ر اپریل سوموار چودم

ویشاکھ شکلہ پکھ

۲۹ر اپریل بیروار اشٹم۔ ۳۰ر اپریل شکروار ستم۔
۳ر مئی سوموار کاہ۔ ۵ مئی بدھوار ترداہ

جیٹھ کرشنہ پکھ

۹ر مئی آتوار اکدو ۱۰ بجے ۲۰ دِن سے۔
۱۱ر مئی سوموار دوئی۔

جیٹھ شکلہ پکھ

۲۷ر مئی بیروار پنچم۔ ۳۰ر مئی آتوار اشٹم ۴ بجے تک
۳ر جون بیروار باہ۔ ۴ر جون شکروار ترداہ
۶ر جون آتوار پورنماشی۔

آشاڑھ کرشنہ پکھ

۱۱ر جون شکروار پنچم۔

آشاڑھ شکلہ پکھ

۲۲ر جون بدھوار دوئی۔ ۲۴ر جون بیروار ترے۔
۲۸ر جون سوموار اشٹم۔ یکم جولائی بیروار کاہ۔
۲ر جولائی شکروار کاہ۔ ۴ر جولائی آتوار ترداہ

شراون کرشنہ پکھ

۷ر جولائی بدھوار اکدو ۲ بجے ۲۰ دن سے
۸ر جولائی بیروار دوئی۔ ۹ جولائی شکروار ترے۔

شراون شکلہ پکھ

۲۱ر جولائی بدھوار اکدو۔ ۲۶ر سوموار ششم۔
۲۸ر جولائی بدھوار اشٹم۔ ۴ر اگست بدھوار
پدنم۔

بادر کرشنہ پکھ

۵ر اگست بیروار اکدو ا بجے ۵۰م دن سے

ودھیا آرمبھ مہورت

جیت شکلہ پکھ

۲۶ر مارچ شکروار اکدو ۲ ابجے ۲۰ دن سے

۲۱ر مارچ بدھوار ستم۔ ۲ر اپریل شکروار نوم
۴ر اپریل آتوار کاہ۔ ۸ر اپریل بیروار پورنما۔

ویشاکھ کرشنہ پکھ

۹ر اپریل شکروار اکدو

ویشاکھ شکلہ پکھ

۲۸ر اپریل بدھوار پنچم۔ ۲۹ر اپریل بیروار ششم۔
۳۰ر اپریل شکروار ستم۔ ۵ر مئی بدھوار ترداہ
۷ر مئی شکروار پورنماشی۔

جیٹھ کرشنہ پکھ

۹ر مئی آتوار اکدو۔ ۱۲ر مئی بدھوار چورم ۲ بجے
۲۰ دن سے
۲۷ر مئی بیروار پنچم۔ ۲۸ر مئی شکروار ششم۔
۲ر جون بدھوار کاہ۔ ۴ر جون شکروار ترداہ۔

آشاڑھ کرشنہ پکھ

۱۱ر جون شکروار پنچم۔

آشاڑھ شکلہ پکھ

۲۲ر جون بدھوار دوئے۔ ۲۴ر جون بیروار
ترے ا بجے تک۔
۳۰ر جون بدھوار دہم۔ یکم جولائی بیرواہ کاہ۔

شراون کرشنہ پکھ

۸ر جولائی بیروار دوئے
۹ر جولائی شکروار ترے۔

شراون شکلہ پکھ

۲۱ر جولائی بدھوار اکدو
۲۵ر جولائی آتوار پنچم۔ ۲۸ر جولائی بدھوار اشٹم۔
۳۰ر جولائی شکروار دہم۔ یکم اگست آتوار باہ۔

بادر کرشنہ پکھ

۵ر اگست بیروار اکدو۔

دودھ دینے کے مہورت

ویشاکھ شکلہ پکھ

۲۷ر اپریل منگلوار ۴ بجے ۱۰ دن سے
۲۹ر اپریل بیروار ستم ا بجے ۲۰ دن سے

جیٹھ کرشنہ پکھ

۹ر مئی آتوار اکدو۔ ۱۱ر مئی منگلوار ترے ۷ بجے
۱۰ دن سے ا بجے ۱۰م دن تک

جیٹھ شکلہ پکھ

۲۵ر مئی منگلوار ترے۔ ۲۷ر مئی بیروار پنچم ا بجے تک

یکم جون منگلوار دہم۔

آشاڑھ کرشنہ پکھ

۸ر جون منگلوار ترے۔

آشاڑھ شکلہ پکھ

۲۴ر جون بیروار ترے ا بجے ۲۰ دن تک

شراون کرشنہ پکھ

۸ر جولائی بیروار ترے

شراون شکلہ پکھ

یکم اگست آتوار باہ

بادر کرشنہ پکھ

۵ر اگست بیروار اکدو

دیپ دان مہورت

کارتک شکلہ پکھ

یکم نومبر سوموار پورنماشی

بھانو ماگھ شکلہ پکھ

۲۱ر جنوری شکروار ستم۔
۲۴ر جنوری سوموار دہم۔ ۲ بجے ۲۰ دن سے
۲۶ر جنوری بدھوار باہ۔

۲۸ر جنوری شکروار پورنماشی ۱۰بجے
۲۰ دن سے
ملہ ماگھ کرشنہ پکھ
۳۱ر جنوری سوموار ترے۔
۲۔ فروری بدھوار پنجم ۔
۴ر فروری شکروار ستم۔
۷ر فروری سوموار دہم ۔
ملہ ماگھ شکلہ پکھ
۱۸ر فروری شکروار پنجم ۔
۲۵ر فروری شکروار تروداہ ۔

دیپ دان مہورت

سماپت

سوچنا
شدھو گنت کے آدھار پر
جاتک ورش پھل بنانے
کے لئے مہامنڈل کے گنت
کار جوتشی اور کارنالو بھٹ
بہوری کدل سے مہامنڈل
کے کاریالیہ پر رابطہ کریں

سمے شدی کا وچار

بکرمی سموت ۲۰۳۹ ۔ ۲۰۴۰ سنہ ۸۳-۱۹۸۲ء عیسوی میں سمے شدھی کا وچار اس پرکار سے ہے :۔

۱۔ ۲۶ر مارچ ۱۹۸۲ء سے ۱۳ر اپریل تک مین راشی میں سوریہ ہے۔ اسلئے شادی رچانا منع ہے ۔

۲۔ ۱۷ر اگست سے سہم میں سوریہ (سنگھ) ہیں۔

۳۔ ۱۷ر اگست بانہ ماس شروع (پہلا سنسرپ ماس) یعنی ادھی ماس ۱۷ر اکتوبر تک ۔

۴۔ ۵ر اکتوبر سے یورپ میں شکر است ۲ر دسمبر تک ۔

۵۔ ۲ر نومبر سے برہسپت است ۳۰ر نومبر تک ۔

۶۔ ۱۸ر نومبر سے ۱۸ر دسمبر تک ملہ ماس کا پردیش۔

۷۔ ۱۴ر جنوری سے ۱۲ر فروری تک کھبیہ ماس (اپوہ ماس)

۸۔ ۱۳ر فروری سے ۱۴ر مارچ تک دوسرا بانہ ماس (اہنیتی) اسلئے ان دنوں کوئی بھی شبھ کاریہ جیسے شادی۔ یگوپویت وغیرہ کرنے منع ہیں۔

आकृतिमात्रसे ही मनुष्य नहीं होते । मनुष्य वही है जिसमें मनुष्यता (विवेकके सदुपयोग की क्षमता) हो ।

اِنسانی زندگی پر رتنوں کا اثر

سنسار میں رتن بہت قسم کے ہوتے ہیں۔ جن کا تعلق خصوصی طور گرہوں کے ساتھ ہوتا ہے۔ ان رتنوں کو جب انسان دھارن کرتا ہے۔ تب وہ رتن گرہوں کی رشمیوں کے منوشن کے شریر میں پروشٹ کرتے ہیں جنکے پھل سوروپ رتن کو دھارن کرنے والے پر شبھ اثر پڑتا ہے۔ اسطرح الگ الگ انگریزی مہینوں میں جنم لینے والے منشیوں کیلئے مندرجہ ذیل رتن دھارن کرنے چاہییں:۔

جنوری ۔ مونگا۔ پروال
فروری ۔ ایے پتھر
مارچ ۔ اکوامرین
اپریل ۔ ہیرا
مئی ۔ نیلا
جون ۔ مکے بن
جولائی ۔ مانک
اگست ۔ گومید
ستمبر ۔ نیلم
اکتوبر ۔ چندر کانت
نومبر ۔ پکھراج
دسمبر ۔ ویدھوری

الگ الگ گرہو کے رتن اور دھاتو

گرہ	رتن	کس دھات میں رکھنا
سوریہ	مانک	سونا میں رکھنا چاہئے
چندرمہ	موتی	چاندی
بوم	مونگا	سونا
بدھ	نیلا	سونا۔ کانسی
برہسپت	پکھراج	چاندی
شکر	ہیرا	چاندی
سنیچر	نیلم	لوہا۔ شیشہ
راہو	گومید	پنچ دھاتو
کیتو	لہسنیا	"

سا ڑھ ستی "برہسپت کلیانی" کا وچار کنیا۔ طول ورچک راشی والوں کے لئے۔ لگو کلیانی ڈھیا" کا وچار اور راشیوں کے سنیچر کے
بکرمی سمہ ۲۰۳۹ عیسوی سمہ ۸۳-۱۹۸۲ء اُپائے کا وچار سمہ ۸۳-۱۹۸۲ء کے لئے۔

راشی	وقت	مقررہ وقت	دورہ وقت	کس انگ پر	اصلی کب سے آرمبھ ہوئی ہے	پھل	اُپائے۔ دان وغیرہ۔	راشی	دھاتو پایہ شنیچر کا	پھل دان
کن	۷ کتک ۲۰۲۸	۱ سال ۱ ماہ ۱۰ دن	۷ اگھر ۲۰۲۹	بائیں ہاتھ پر	۷ بھادروں ۲۰۲۴	دھن کا فائدہ۔ نئے کاریوں پر دھن کا خرچ۔ سواری کا سکھ صحت کمزور۔	مہادیو کی پوجن کریں اور سنیچروار کے دن دیشنور ہیں۔	میش ورش	تانبے سونا	کاروبار میں ترقی روٹی۔ دھن ہانی ہنومان پوجن
″	۷ اگھر ۲۰۲۹	۱ سال ۸ ماہ	۷ اشرادن ۲۰۴۱	پاؤں پر	″	سفر وغیرہ سے فائدہ دھن کا فضول خرچ کسی سے ناراضگی۔	″ ″ ″	متھن کرک	چاندی لوہا	مدھیم تیل دان فکر۔ روگ اشٹمی ورت۔ دھن
طول	۵ پوہ ۲۰۲۸	۶ ماہ ۲۰ دن	۵ شرادن ۲۰۲۹	آنکھوں پر	۲۴ اسوج ۲۰۲۶	صحت میں کمزوری۔ استری کشٹ برادری سے ناراضگی چوٹ کا خوف۔	منگلوار کو دیشنور ہیں ایندراکھی کا پاٹھ روزانہ کریں۔ اور کتوں کو روٹی ڈالیں۔	سہم کنیا	تانبا چاندی	فائدہ۔ تل دان فضول سفر مدھیم تل دان۔
″	۵ شرادن ۲۰۲۹	۱ سال ۴ ماہ ۲۰ دن	۲۴ اگھر ۲۰۳۰	ہردے پر	″	ہر پرکار سے فائدہ۔ دھن کا لابھ مدھیم۔	″ ″	تلا ورچک	سونا لوہا	فکر مدھیم۔ سنیچروار کو دودھ دینا۔ دھن ہانی

راشی	وقت	مقررہ وقت	دورہ وقت	کس انگ پر	پہلی سے آئی کب ارمبھ ہوئی	پھل	اُپائے - دان وغیرہ۔	راشی	ڈھیا شنی کا پیالہ	پھل دان
ورچک	۲۶ پوہ ۲۰۲۸	۶ ماہ ۲۰ دن	۱۶ شراون ۲۰۲۹	دائیں ہاتھ پر	۲۶ پوہ ۲۰۲۸	دھن کا فائدہ۔ رشتداروں سے میل ملاپ عزت۔ استری سے ناراضگی۔	منگلوار اور سنیچر وار کے دان میٹھا بوجن کھادیں۔ اور ہر شکلہ پکھ کی اشٹمی کو بھگوان شنکر	دھن مکر	سونا تانبا	اشٹمی ورت صحت خراب رہیگا پاٹھ۔ دھن فائدہ۔ اندلکھی
//	۱۶ پوہ ۲۰۲۹	۳ ماہ ۲۰ دن	۲۶ کتک ۲۰۲۹	منہ پر	//	صحت میں کمزوری۔ چوٹ کا خوف سفر سے نقصان برادری سے رنجش۔	کو جل چڑھا دیں۔ سنیچر وار کے دن تیل کا دان کریں۔	قمبھ	چاندی	پاٹھ۔ برادری سکھ۔ فائدہ کتوں کو روٹی
//	۲۶ کتک ۲۰۲۹	۶ ماہ ۲۰ دن	۱۶ جیٹھ ۲۰۴۰	گوہستان پر	//	کسی سے دکھ۔ آلس۔ صحت میں کمزوری۔ گھریلو فکر دوستوں سے بگاڑ۔ کاروبار مدھم	// // //	مین	لوہا	صحت میں کشٹ اشٹمی ورت ہنومان پوجن

نوٹ:- ساڑھے ستی ہر ایک راشی والوں کے لئے خراب ہوتی ہے۔ جو کہ ہر ایک کو ۳۰-۶۰ اور ۹۰ سال کے بعد آتی ہے۔ اگر جنم کنڈلی میں شنیچر نواتس اور بلوں سے اچھا ہو۔ تو یہ مدھم پھل دایک ہوتی ہے۔ ورنہ ساڑھے ستی میں اکثر جائیداد اور صحت کا نقصان۔ بیماری کا خطرہ رشتہ داروں سے بگاڑ۔ مقدمے وغیرہ کا خوف بنا رہتا ہے۔ اسلئے ساڑھے ستی والوں کو شنیچر کا دان۔ چھایا دان۔ اور اگر ہو سکے تو تلا بھار کرنا ضروری ہے۔ اِسکے علاوہ ہر منگلوار اور سنیچر وار کے دِن شری ہنومان جی کی پوجا یا ہنومان چالیسا کا پڑھنا چاہیے۔ ہر منگلوار اور سنیچر وار کے دن دیشٹو رہنا ضروری ہے۔ اور کتوں کو روٹی ڈالنا ضروری ہے۔

— شبنم -

जिसके मनमें कुछ भी चाह नहीं ...   बिनु बिस्वास भगति नहिं तेहि बिनु द्रवहिं न रामु।

مول چکر برائے سال سنہ ۱۹۸۲-۸۳ء بکرمی سمت ۲۰۳۹ شاکا سنہ ۱۹۰۴ کے لئے

ب = بجے، م = منٹ

تاریخ و ماہ	ماس	شروع ہونیکا وقت	پہلا پاد (حصہ)	دوسرا پاد (حصہ)	تیسرا پاد (حصہ)	چوتھا پاد (حصہ)	ختم ہونے کا وقت
۱۳ اپریل سنہ ۱۹۸۲ء	ویشاکھ کرشنہ پکھ پنچم	۱۱ بجے ۱۹ م رات سے	۶ بجے ۰ م صبح تک	۱۲ بجے ۴۱ م دن تک	۷ بجے ۲۱ م شام تک	۲ بجے ۱ م رات تک	۱۴ اپریل سنہ ۱۹۸۲ء ۲ بجے ۱ م رات سے
۱۱ مئی منگلوار	جیٹھ کرشنہ پکھ ترے	۶ بجے ۴۰ م صبح سے	۱ بجے ۱۸ م دن تک	۷ بجے ۵۶ م شام تک	۲ بجے ۳۴ م رات تک	۹ بجے ۱۲ م دن سے	۱۲ مئی ۹ بجے ۱۲ م دن سے
۷ جون سوموار	آشاڑھ کرشنہ پکھ اکدو	۱ بجے ۵۲ م دن سے	۸ بجے ۲۱ م شام تک	۳ بجے ۱۰ م رات تک	۹ بجے ۴۹ م صبح تک	۴ بجے ۲۷ م دن تک	۸ جون ۴ بجے ۲۷ م دن سے
۴ جولائی آتوار	آشاڑھ شکلہ پکھ ترولہ	۹ بجے ۴ م رات سے	۳ بجے ۴۴ م رات تک	۱۰ بجے ۲۲ م صبح تک	۵ بجے ۱ م دن تک	۱۱ بجے ۴۰ م رات تک	۵ جولائی ۱۱ بجے ۴۰ م رات سے
یکم اگست آتوار	شراون شکلہ پکھ باہ	۴ بجے ۱۶ م صبح سے	۱۰ بجے ۵۵ م دن تک	۵ بجے ۳۴ م شام تک	۱۲ بجے ۱۳ م رات تک	۶ بجے ۵۱ م صبح تک	۲ اگست ۶ بجے ۵۱ م صبح سے
۲۸ اگست سنیچروار	بادر شکلہ پکھ نوم	۱۱ بجے ۲۸ م دن سے	۶ بجے ۷ م شام تک	۱۲ بجے ۴۶ م رات تک	۷ بجے ۲۵ م صبح تک	۲ بجے ۳ م دن تک	۲۹ اگست ۲ بجے ۳ م دن سے
۲۴ ستمبر شکروار	ملہ اسوج شکلہ پکھ ستم	۷ بجے ۴۱ م شام سے	۱ بجے ۱۹ م رات سے	۷ بجے ۵۷ م صبح تک	۲ بجے ۲۶ م دن تک	۹ بجے ۱۴ م شام تک	۲۵ ستمبر ۹ بجے ۱۴ م شام سے
۲۱ اکتوبر دیروار	ملہ کاتک شکلہ پکھ چودرم	۱ بجے ۵۰ م رات سے	۸ بجے ۲۹ م صبح تک	۳ بجے ۸ م دن تک	۹ بجے ۴۷ م شام تک	۴ بجے ۲۶ م رات تک	۲۲ اکتوبر ۴ بجے ۲۶ رات سے
۱۸ نومبر دیروار	ملہ ادھک مارگ شکلہ پکھ ترے	۹ بجے ۶ م صبح سے	۳ بجے ۴۳ م دن تک	۱۰ بجے ۲۱ م رات تک	۴ بجے ۵۹ م صبح تک	۱۱ بجے ۳۶ م دن تک	۱۹ نومبر ۱۱ بجے ۳۶ دن سے
۱۵ دسمبر بدھوار	ملہ مارگ کرشنہ پکھ اماوس	۴ بجے ۲۲ م دن سے	۱۰ بجے ۵۹ م رات تک	۵ بجے ۳۶ م صبح تک	۱۲ بجے ۱۳ م دن تک	۶ بجے ۴۹ م شام تک	۱۶ دسمبر ۶ بجے ۴۹ شام سے
۱۱ جنوری منگلوار	ملہ پوہ کرشنہ پکھ ترولہ	۱۱ بجے ۲۵ م رات سے	۶ بجے ۱۱ م صبح تک	۱۲ بجے ۴۷ م دن تک	۷ بجے ۲۳ م شام تک	۲ بجے ۰ م رات تک	۱۲ جنوری سنہ ۱۹۸۳ء ۲ بجے ۰ م رات سے
۸ فروری منگلوار	ملہ ماگھ کرشنہ پکھ کاہ	۶ بجے ۵۳ م صبح سے	۱ بجے ۲۸ م دن تک	۸ بجے ۳ م شام تک	۲ بجے ۳۸ رات تک	۹ بجے ۱۲ م دن سے	۹ فروری ۹ بجے ۱۲ دن سے
۷ مارچ سوموار	ملہ پھاگن کرشنہ پکھ اشٹم	۲ بجے ۱۰ م دن سے	۸ بجے ۴۴ م شام تک	۳ بجے ۱۸ م رات تک	۹ بجے ۵۲ م صبح تک	۴ بجے ۲۶ م دن تک	۸ مارچ ۴ بجے ۲۶ م دن سے
۳ اپریل آتوار	چیت کرشنہ پکھ ششم	۹ بجے ۲۰ م رات سے	۴ بجے ۵۴ م رات تک	۱۰ بجے ۳۰ م صبح تک	۵ بجے ۱۶ م دن تک	۱۱ بجے ۵۱ م رات تک	۴ اپریل ۱۱ بجے ۵۱ م رات سے

نوٹ:۔ مول نکھتر پر پیدا ہوا لڑکی یا لڑکا اکثر ہانی کارک ہوتے ہیں مگر مول کی شانتی کرنے سے شبھ پھل دایک ہوتے ہیں۔

گرہن پر گرہن سنہ ۲۰۳۹ بکرمی عیسوی سنہ ۱۹۸۲-۸۳

اِس ورش بھارت میں ۲ گرہن دکھائی دیں گے۔

۱۔ ۱۵ر دسمبر ۱۹۸۲ء ارتھات مارگ کرشنہ پکھ اماوسی بدھوار مول نکھتر اور دھن راشی پر۔ کھنڈ گراس سُوریہ گرہن۔

۲۔ ۳۰ر دسمبر ۱۹۸۲ء مارگ شکلہ پکھ پورنماشی بیروار آدرا نکھتر متھن راشی پر کھگراس چندرمہ گرہن۔
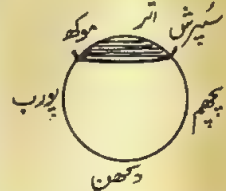
۱۔ ۱۵ر دسمبر ۱۹۸۲ء ارتھات مارگ کرشنہ پکھ اماوسی بدھوار مول نکھتر اور دھن راشی پر کھنڈ گراس سُوریہ گرہن ہوگا۔ یہ گرہن کشمیر میں دن کے ۲ بجے ۴۳ منٹ پر آرمبھ ہوگا اور ۵ بجے ۱۱ منٹ شام کو سماپت ہوگا۔ گرہن کا پروکال ۲ گھنٹہ ۲۷ منٹ تک رہے گا۔

یہ گرہن مول نکھتر اور دھن راشی میں ہو رہا ہے اس کارن مول نکھتر اور دھن راشی والوں کیلئے ہانی کارک ہوگا۔ اسکے علاوہ میش، ورش، متھن، سِمہ اور مکر راشی والوں کیلئے بھی مدھم پھل دایک ہوگا۔

۲۔ ۳۰ر دسمبر ۱۹۸۲ء مارگ شکلہ پکھ پورنماشی بیروار آدرا نکھتر متھن راشی پر کھگراس چندرمہ گرہن ہوگا۔ یہ گرہن گرہست اودھے ہوگا۔ یہ گرہن شام تین بجکر ۲۶ منٹ پر شروع ہوکر ۶ بجے ۲۸ منٹ تک رہے گا یہ گرہن بھارت کے بہت سے پردیشوں میں دکھائی دے گا۔ اس گرہن کا پروکال ۳ گھنٹہ ۱۶ منٹ تک ہوگا۔ یہ گرہن متھن کرکٹ ورش ورچک دھن تو مبھ راشی والوں کے لئے ہانی کارک ہوگا۔ یہ دونوں گرہن ایک ہی ماس میں پرکٹ ہونگے اس لئے یہ گرہن چین۔ نیپال۔ بنگلہ دیش۔ تتھا بھارت کے پورو بھاگ اور کشمیر میں گرہست است ہونگے۔ اس لئے ان دیش اور پردیشوں میں راج نیتک اشانتی۔ پراکرت اُپدرو اور بیماری سے ہانی ہو سکتی ہے۔ اِسکے علاوہ ان جگہوں میں زیادہ بارش یا سوکھا پڑنے سے کھیتی میں نقصان ہوگا۔

बहूनां जन्मनामन्ते ज्ञानवान्मां प्रपद्यते ।
वासुदेवः सर्वमिति स महात्मा सुदुर्लभः ।

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ چیت شکلا پکھ ۳۰-۲۴ دین میں سُریہ بدھ کن میں بوم بیُوان شنیچر مکر طول برہسپت متھن راہ دھن کیتو شاکا ۱۹۰۴ عیسوی ۱۹۸۲ ہجری ۱۴۰۲

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	۲۶ مارچ نودرگا آرمبھ۔ نیا سال بھی۔ یکم اپریل درگا اشٹمی + ۲ اپریل رام نومی۔	سورج ودے	سورج است
۱۴	۱۹۰۴ چیت											[illegible]	۶ بجے	۶ بجے
۳۶	۴	۲۸	۱۲	۲۵	ویروار	اتربھا	۱۱	۷	اماوس	۲۱	۵۸	وچارناگ یاترا۔ تری بھٹ ودس۔ تھال بھردن چیترم۔	۲۴	۳۶
۴۲	۵	۲۹	۱۳	۲۶	شکروار	ریوت	۱۲	۱۱	اکدو	۱۸	۳۵	شری نودرگا آرمبھ اور نیا سال بھی۔ چاند نظر آئے گا۔ ۱۰ بجے ۳۲م صبح سے چندرمہ اودھے ۱۱ بجے ۲۴م دن سے	۲۳	۳۷
۴۰	۶	۱ جمادی الثانی	۱۴	۲۷	سنیچروار	اشن	۱۴	۱۵	دوی	۱۴	۲۵	۶ بجے ۲۲م صبح سے گنڈات ختم۔ سومیا +	۲۲	۳۸
۳۸	۷	۲	۱۵	۲۸	آتوار	برن	۸	۵۰	ترے	۹	۳۰	۲ بجے ۴۸م رات ورش چندرمہ + کال ڈنڈا۔	۲۱	۳۹
۳۵	۸	۳	۱۶	۲۹	سوموار	کرتک	۴	۵۳	چورم	۴	۶	ترہا۔ دن کم۔ ستھرا۔	۲۰	۴۰
۳۳	۹	۴	۱۷	۳۰	منگلوار	روہن	۰	۴۷	پنچم	۱	۴۲	کمار ششٹیم ورت۔ ماتنگا۔	۱۹	۴۱
۳۰	۱۰	۵	۱۸	۳۱	بدھوار	مرگشور	۲۷	۲۷	ستم	۷	۴۸	۶ بجے ۱۰م صبح سے متھن میں چندرمہ۔ ۵ بجے ۱۲م دن سے قومبھ راشی میں شکر امرتم۔	۱۸	۴۲
۲۷	۱۱	۶	۱۹	اپریل	ویروار	آدرا	۲۲	۴۸	اشٹم	۱۲	۲۳	شری درگا اشٹمی۔ برہسپت اس۔ کانڈا۔	۱۷	۴۳
۲۵	۱۲	۷	۲۰	۲	شکروار	پنردس	۲۰	۱۷	نوم	۴	۲۳	شری رام نومی۔ ۸ بجے ۲م صبح سے کرکٹ میں چندرمہ۔ شری شیوا بھگوتی جینتی الاپکا۔	۱۶	۴۴
۲۲	۱۳	۸	۲۱	۳	سنیچروار	تیش	۱۰	۲۴	دسم	۲۱	۱۲	میترم۔	۱۵	۴۵
۱۹	۱۴	۹	۲۲	۴	آتوار	اشلیش	۱۴	۴۴	کاہ	۲۷	۲۶	کالداکاہ ۶ بجے ۲۰م صبح سے ۶ بجے ۹م شام رات گنڈات۔ ۱۲ بجے ۷م دن سے سہم چندرمہ وزرم۔	۱۴	۴۶
۱۷	۱۵	۱۰	۲۳	۵	سوموار	مگ	۱۴	۱	باہ	۲۴	۲۹	دواکامیا۔	۱۳	۴۷
۱۴	۱۶	۱۱	۲۴	۶	منگلوار	پوربھا	۱۳	۵۱	تراہ	۲۳	-	مہاویر جینتی۔ ۵ بجے ۴۸م دن سے کن میں چندرمہ ودمیا۔	۱۲	۴۸
۱۲	۱۷	۱۲	۲۵	۷	بدھوار	اتربھا	۱۴	۵۳	چودہ	۲۲	۴۲	پردردا۔	۱۱	۴۹
۹	۱۸	۱۳	۲۶	۸	ویروار	ہست	۱۷	۱۱	پورنم	۲۳	۲۶	شری ہنومنت جینتی۔ ۱ بجے ۳۸م رات سے تول میں چندرمہ مکھیا۔	۱۰	۵۰

شرادھ:- اماوس سے پنجم تک اُدر کاہ سے پورنما تک پہلے ہی دن باقی اپنے اپنے دنوں پر۔

معیان:- ترے چورم پنجم کا معیان پہلے ہی باقی اپنے دنوں پر آئے گا۔

۲۶ مارچ نودرگا آرمبھ اور نیا سال بھی۔ یکم اپریل درگا اشٹمی۔ ۲ اپریل شری رام نومی فری شیوا

۶ اپریل مہاویر جینتی۔ ۸ اپریل ہنومان جینتی۔ ۳۱ مارچ ناگا بابا [illegible]۔ اتر وچیان ودس۔ [illegible]

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ ویساکھ کرشنہ پکھ ۲۱-۲۸ مین میں سُریہ بُدھ۔ کن بوم ہیون شنیچر طول بر بیسپت قومبھ شکر مین۔ دھن کیتو۔ ہجری ۱۴۰۲

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ۔	[illegible]	[illegible]
۱۴													۵ بجے	۶ بجے
۶	۱۹	۱۴	۲۷	۹	شکروار	چترا	۲۰	۴۲	اکدو	۲۵	۲۲	گنرا۔	۸	۵۲
۲	۲۰	۱۵	۲۸	۱۰	سنیچروار	سوات	۲۵	۲۰	دوی	۲۸	۴۷	سیدا۔	۷	۵۳
۱ ۱۲	۲۱	۱۶	۲۹	۱۱	آتوار	ویساکھ	۲۶	۲	ترے	۰	۵۸	۱۱بجے ۵۲م دن سے ورچک میں چندرمہ ۱۱بجے ۵۶م دن سے میش راشی میں بُدھ انوم سنکٹ چورم۔	۷	۵۳
۵۸	۲۲	۱۷	۳۰	۱۲	سوموار	انرادھ	۵	۲	چورتھ	۵	۴۳	۲بجے ۱۹م رات سے ماسانت آرمبھ۔ باسم۔	۶	۵۴
۵۶	۲۳	۱۸	بیساکھ	۱۳	منگلوار	جیشٹھ	۱۱	۲۵	پنچم	۱۰	۴۶	۲بجے ۱۹م رات سے سنکراتی بیش راشی میں سُریہ مہورت ۳۰ گناری۔ ۱۱بجے ۱۹م رات سے دھن میں	۵	۵۵
۵۲	۲۴	۱۹	۲	۱۴	بدھوار	مول	۱۶	۲۸	ششٹم	۱۷	۵	۶بجے ۲۰م صبح سے گنڈات ختم۔ سنکراتی ورت۔ ویتال شیم۔ شری ریشر پیر شرادھ۔ شری منگلیشور بھیرو جینتی۔	۴	۵۶
۵	۲۵	۲۰	۳	۱۵	بیروار	پوروشاڑھ	۱۰	۰	ستم	۱۲	۱	دُومیا۔	۲	۵۸
۴۸	۲۶	۲۱	۴	۱۶	شکروار	اترشاڑھ	۴	۱۰	اشٹم	۷	۲۲	۱۰بجے ۵۰م دن سے مکر میں چندرمہ۔ آنندہ۔	۱	۷
۴۵	۲۷	۲۲	۵	۱۷	سنیچروار	اترشاڑھ	۰	۵۰	نوم	۲	۵۴	ماتنگا۔	۱	۷
۴۲	۲۸	۲۳	۶	۱۸	آتوار	شرون	۴	۴۷	دہم	۱	۱۹	دن زیادہ۔ ترسپرسک ۸بجے ۲۴م شام سے قومبھ چندرمہ ونچک آرمبھ موسلم۔	۰ ۵۹	۷ ۱
۴۰	۲۹	۲۴	۷	۱۹	سوموار	دھنشٹھ	۷	۲۹	دہم	۰	۴	۲بجے ۲۷م دن سے پچھم میں بُدھ اُودے۔ شری لکشمی نرائن یگنہ بلبل لنگر سولم۔	۵۸	۲
۳۸	۳۰	۲۵	۸	۲۰	منگلوار	شتبھشا	۹	۱۱	کاہ	۰	۶	ترا۔ دن کم۔ ورتھنی کاہ۔ سوامی لکشمن جی جنم اتسو نشاط۔ ۲بجے ۴۹م رات سے مین میں چندرمہ۔ مرتیو۔	۵۸	۳
۳۶	یکم	۲۶	۹	۲۱	بدھوار	پوربھادر	۹	۲۱	ترواہ	۱	۶	کلیا۔ یگیہ رہاڑی جموں۔	۵۷	۳
۳۴ ۱۳	۲	۲۷	۱۰	۲۲	بیروار	اتربھادر	۸	۳۹	چوداہ	۳	۲۸	۳بجے ۵۲م دن سے چندرمہ است ۱۱بجے ۴۵م رات سے گنڈات آرمبھ چھترم۔	۵۶	۴
۲۱	۳	۲۸	۱۱	۲۲	شکروار	ریوت	۶	۵۳	اماوس	۶	۵۴	۸بجے ۴۰م صبح سے میش راشی میں چندرمہ پنچک ختم۔ ۲بجے ۲۴م دن سے گنڈات ختم شری دلبھاچاریہ جینتی۔	۵۴	۶

شرادھ:۔ اکدودے کاہ ماہ کا شرادھ تتھی پہلے ہی۔ باقی اپنے دنوں پر۔

مدھیان:۔ کاہ ماہ مدھیان پہلے ہی باقی اپنے دنوں پر۔

۱۱ اپریل سنکٹ چورم = ۱۲ اپریل بیساکھی شری پنجی۔ ۱۳ اپریل سنکراتی ورت شری ریشر پیر شرادھ۔ ویتال شیم۔ منگلیشور۔

۱۹ اپریل لکشمی نرائن یگنہ = ۲۰ اپریل ورتھنی کاہ سوامی لکشمن جی جنم اتسو = ۲۲ اپریل شری دلبھاچاریہ جینتی۔

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ٢٠٣٩ ویشاکھ شکلہ پکھ ٢٢.٢ میش شریہ بدھ کن بوم میون شنیچر طول برہسپت قومبھ شکر میتھن راہ دھن کیتو۔ شاکا ١٩٠٤ عیسوی ١٩٨٢ ہجری ١٤٠٢ھ

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ۔	شریہ اودے	شریہ است
١٣	بیلکھ												۵ بجے	بجے
٢٩	٤	٢٩	١٢	٢٤	سینچروار	اشن	٤	١٦	اکدو	١١	٥	٧ بجے ٤٧م شام سے اُدھے چندرمہ سُومیا۔	٥٣	٧
٢٧	٥	٣٠	١٣	٢٥	آتوار	بیرن	٠	٥٩	ددی	٥	١٢	٧ بجے ٥٥م صبح سے دریش میں چندرمہ۔ چاند نظر آئے گا۔ کال ڈنڈا۔	٥٣	٧
٢٥	٦	رجب ١	١٤	٢٦	سوموار	ردہن	٢	٤٢	ترے	٣٢	٢٥	اکھیاترے۔ اچھن ترے شری پرشورام جینتی پردردا۔	٥٢	٨
٢٣	٧	٢	١٥	٢٧	منگلوار	مرگشور	٦	٤٧	چورم	٢٦	٤٠	٢ بجے ٢٠م دِن سے متھن میں چندرمہ۔ سورداس جینتی۔ کھیا۔	٥١	٩
٢١	٨	٣	١٦	٢٨	بدھوار	آدرا	١٠	٥٠	پنچم	٢٠	٢٩	١١ بجے ٢م دِن سے اگست منی است۔ ٩ بجے ١٧م شام سے وریش راشی میں بدھ ٢ بجے ٣م دِن سے ین یش	٥٠	١٠
١٩	٩	٤	١٧	٢٩	پیروار	پنروس	٩	١٤	شیم	١٤	٤٨	٣ بجے ٩م دِن سے کرکٹ میں چندرمہ سیدا۔	٤٩	١١
١٦	١٠	٥	١٨	٣٠	شکروار	تیش	٥	٤	ستم	٩	٢٢	انوم۔	٤٨	١٢
١٤	١١	٦	١٩	مئی ١	سینچروار	شلیش	٢	٣٩	اشٹم	٤	٥٣	١ بجے ٢٨م دِن سے ١ بجے ٥٠م دِن تک گنڈات۔ ١٠ بجے ١٦م رات سے سیم میں چندرمہ شنیچر ماس ناتم نوم مُنی	٤٧	١٣
١٢	١٢	٧	٢٠	٢	آتوار	نگ	١	٦	نوم	١	٢	ترا۔ دِن کم۔ مدگرم	٤٧	١٣
١٠	١٣	٨	٢١	٣	سوموار	پوربھا	٠	٢٨	کاہ	١	٥١	مادھوی کاہ۔ ناردکاہ۔ ددمٹھ بل یاترا۔ ١ بجے ٢٨ رات سے کن میں چندرمہ ودزا۔	٤٦	١٤
٨	١٤	٩	٢٢	٤	منگلوار	اُترپھا	١	١٨	باہ	٣	٢٩	پزاتیا۔	٤٥	١٥
٦	١٥	١٠	٢٣	٥	بدھوار	ہست	٣	١٣	ترواہ	٤	١٣	آنندہ۔	٤٤	١٦
٤	١٦	١١	٢٤	٦	پیروار	چتر	٦	٢٤	چوداہ	٣	٢٧	٩ بجے ٩م صبح سے طول میں چندرمہ۔ شری گنیش چتر دشی نرسیم چوداہ چرا۔	٤٣	١٧
٢ ١٢	١٧	١٢	٢٥	٧	شکروار	سوات	١٠	٣٩	پونم	١	٢٧	ترسپک۔ دِن زیادہ۔ بدھ جینتی۔ موسلم۔	٤٢	١٨
٥٩	١٨	١٣	٢٦	٨	سینچروار	دیشاکھ	١٥	٢٧	پوہم	١	٤٢	٧ بجے ٧م دِن سے دریک میں چندرمہ۔ شوم۔	٤١	١٩

شرادھ:- چورم سے لیکر دہم تک شرادھ تِتھی پہلے ہی باقی اپنے دِنون پر۔

مدھیان:- پنستم سے لیکر دہم تک پہلے ہی باقی اپنے دِنوں پر۔

٢٤ اپریل یگیہ شری شنکر صاحب ہنددواڑہ۔ ٢٨ اپریل کمار شیم ورت۔

٦ مئی گنیش چوداہ۔ ٧ مئی بدھ جینتی۔

سپت رشی شمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ آشاڑہ کرشنہ پکھ ۲۵۔۲۲ وریش سُریہ بدھ کن بوم میون شنیچر طول برہسپت میش شکر متھن راہ دھن کیت: عیسوی ۱۹۸۲ ۱۷ تا ۲۰ ہجری ۱۴۰۲

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ۔	سُریہ طلوع	سُریہ غروب
۱۲	جیٹھ											*جنم شب برات کامیا۔	۵بجے	۷بجے
۱۹	۱۷	۱۴	۲۵	۷	سوموار	دلیشٹھ د	۲۱	۸	اکدوٗ	۱۰	۱۴	۱بجے ۵۲م دن سے دھن چندرمہ دمول آرمبھ۔ ۷بجے ۲۳ صبح سے ۸بجے ۲۱ شام تک گنڈات گرو گووند*	۲۵	۲۵
۱۸	۱۸	۱۵	۲۶	۸	منگلوار	مول د	۲۷	۲۶	دوئی	۱۴	۲۶	۶بجے ۱م صبح سے ہیون چندرمہ چھترم ۴بجے ۲۷م دن سے مول سماپت۔	۲۵	۲۵
۱۸	۱۹	۱۶	۲۷	۹	بدھوار	پورشاڑ	۲۳	۴۱	ترے	۹	۲۱	۱بجے ۲۲ رات سے مکر میں چندرمہ شری دت ۳ا۔	۲۵	۲۵
۱۷	۲۰	۱۷	۲۸	۱۰	ویروار	اُترشاڑ	۲	۴۰	چورم	۵	۹	سنکٹ چورم ورت تھومیا۔	۲۴	۲۶
۱۶	۲۱	۱۸	۲۹	۱۱	شکروار	شرون	۸	۱۴	پنچم	۱	۲۸	ترسپک۔ دن زیادہ۔ ودمیا۔	۲۴	۲۶
۱۵	۲۲	۱۹	۳۰	۱۲	سینچروار	دلشٹھ	۱۱	۲۹	پنچم د	.	۵۵	۱۱بجے ۲۱ دن سے قومبھ میں چندرمہ دینچک آرمبھ .... پروردا۔	۲۴	۲۶
۱۴	۲۳	۲۰	۳۱	۱۳	آتوار	شتبشک	۱۳	۱	شیم د	۲	۱۴	......کھیا۔	۲۳	۲۷
۱۳	۲۴	۲۱	۳۲	۱۴	سوموار	پوربھا	۱۰	۵۵	ستم د	۲	۱۷	۷بجے ۱۳م شام کے مین میں چندرمہ۔ ۱بجے ۲۷م دن سے اسانت آرمبھ ..... گرزا۔	۲۳	۲۷
۱۲	۲۵	۲۲	۱ ہاڑ	۱۵	منگلوار	اُتربھا	۱۰	۲	اشٹم د	۱	۵	ترہا۔ دن کم۔ ۱۰بجے ۲۷ دن سے سنکراتی متھن میں سُریہ مہورت ۴۵ ندی سنکراتی ورت سیلا۔	۲۲	۲۸
۱۱	۲۶	۲۳	۲	۱۶	بدھوار	ریوت	۱۰	۲۱	دہم	۱	۱۷	۱۲بجے ۴۰ رات سے میش میں چندرمہ پنچک ختم۔ ۶بجے ۴۸ دن سے گنڈات آرمبھا انوم۔	۲۲	۲۸
۱۰	۲۷	۲۴	۳	۱۷	ویروار	اشن	۱۱	۴۶	کاہ	۵	۳	یوگنی ایکادشی۔ ۶بجے ۲۷ صبح سے گنڈات ختم .... نامم۔	۲۲	۲۸
۹	۲۸	۲۵	۴	۱۸	شکروار	برن	۷	۱۱	باہ	۹	۲	۲بجے ۱۸ رات سے وریش راشی میں شکر مُدگوم۔	۲۲	۲۸
۹	۲۹	۲۶	۵	۱۹	سینچروار	کرتج	۳	۲۵	تروا	۳	۲۴	۴بجے ۹م صبح سے وریش راشی میں چندرمہ دوزا۔	۲۲	۲۸
۸	۳۰	۲۷	۶	۲۰	آتوار	رودہن د	۲۵	۱۹	چودا د	۱۴	۱۸	۷بجے ۵م شام سے چندرمہ است پیزاتیا۔	۲۱	۲۹
۸	۳۱	۲۸	۷	۲۱	سوموار	مرگشور د	۳۱	۱۲	اماوس د	۲۸	۱۱	۶بجے ۴م صبح سے متھن میں چندرمہ ۹بجے ۲۸ دن سے دکھناین میں سُریہ کا پردیش سومادسی سوم یار یاترا	۲۱	۲۹

شرادھ: شیم سے لیکر نوم تک کا شرادھ پہلے ہی اور اماوس کا پہلے ہی آئے گا باقی اپنے دنوں پر۔

مدھیان: شیم سے لیکر نوم تک کا مدھیان پہلے ہی باقی اپنے دنوں پر۔

۱ جون سنکٹ چورم ورت۔ ۷ جون گرو گووند سنگھ جنم دن۔ شب برات۔ ۱۵ جون سنکراتی ورت۔

۲۱ جون دکھناین میں سُریہ کا پردیش۔ سومادسی۔ سوم یار یاترا۔

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ آشاڑہ شکلہ پکھہ ۲۵-۲۲ متھن شریہ راہ دریش بُدھہ شکر کن بوم ہیون شنیچر طول برہسپت دھن کیت: عیسوی ۱۹۸۲ شاکا ۱۹۰۴ ہجری ۱۴۰۲۔

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	کیفیت وغیرہ۔	[illegible] بجے	[illegible] بجے
۹	آشاڑہ ۱	۲۹	۸	۲۲	منگلوار	آدرا	۲۷	۸	اکدو	۲۲	۴	۱۱ بجے ۱م دِن سے آدرا نکشتر میں شریہ کا پرویش ۱ بجے ۳۶ دِن سے اُدھے چندرمہ چاند نظر آئے گا۔ چرا۔	۲۲	۲۸
۱۰	۲	رمضان ۱	۹	۲۳	بدھوار	پنروس	۲۳	۱۹	دوئی	۱۶	۱۲	۹ بجے ۴ منٹ صبح سے کرکٹ راشی میں چندرمہ موسلم۔ روزہ شروع۔	۲۲	۲۸
۱۱	۳	۲	۱۰	۲۴	ویروار	تیش	۱۹	۵۶	ترے	۱۰	۴۶	سُوم۔	۲۲	۲۸
۱۲	۴	۳	۱۱	۲۵	شکروار	اشلیش	۱۷	۱۱	چورم	۵	۵۱	۲ بجے ۱۴م دِن سے سِمہ میں چندرمہ ۶ بجے ۲۸ صبح سے ۶ بجے ۱م شام تک گنڈات مرتیو۔	۲۲	۲۸
۱۳	۵	۴	۱۲	۲۶	سنیچروار	مگھ	۱۵	۱۴	پنچم	۱	۴۵	ترہا۔ دِن کم۔ کمار شیم درت۔ کامیا۔	۲۳	۲۷
۱۴	۶	۵	۱۳	۲۷	آتوار	پوربھا	۱۴	۱۴	سیتم	۱	۲۲	آشاڑہ سپتمی۔ ۵ بجے ۲۰ شام سے کرکٹ میں چندرمہ چھترم۔	۲۳	۲۷
۱۴	۷	۶	۱۴	۲۸	سوموار	اُتربھا	۱۴	۲۶	اشٹم	۳	۲۹	آشاڑہ اشٹمی شری دت ۳۔	۲۳	۲۷
۱۵	۸	۷	۱۵	۲۹	منگلوار	ہست	۱۵	۴۷	نوم	۴	۱۹	آشاڑہ نومی۔ شری شاریکا بھگوتی جینتی ۱۲ بجے ۷م رات سے طول میں چندرمہ سُومیا۔ ۲ بجے ۱۶ رات	۲۴	۲۶
۱۶	۹	۸	۱۶	۳۰	بدھوار	چیت	۱۸	۲۵	دہم	۳	۵۳	بُدھ ماس۔ کال ڈنڈا۔	۲۴	۲۶
۱۷	۱۰	۹	۱۷	جولائی	ویروار	سوات	۲۲	۱۴	کاہ	۲	۱۱	ترسپک۔ دِن زیادہ ستھرا۔	۲۴	۲۶
۱۸	۱۱	۱۰	۱۸	۲	شکروار	ویشاکھ	۲۷	۵	کاہ	۰	۲۹	۹ بجے ۴۳م دِن سے درچک میں چندرمہ۔ ۶ بجے ۴۰م صبح سے متھن راشی میں بُدھ دیوشیٹی کاہ متسیہ ایکادشی	۲۵	۲۵
۱۹	۱۲	۱۱	۱۹	۳	سنیچروار	انرادھ	۳۲	۴۷	باہ	۴	۳۰	امرتم۔ ہری سواپ۔ بھگوان گوپی ناتھ جینتی کھرہ یار۔	۲۶	۲۴
۲۰	۱۳	۱۲	۲۰	۴	آتوار	ذیشٹھ	۲	۴۵	ترواہ	۸	۵۹	۹ بجے ۴۳م رات سے دھن چندرمہ دکول آرمبھ ۲ بجے ۲۶ دن سے ۳ بجے ۲۲ رات تک گنڈات کانٹا۔	۲۶	۲۴
۲۰	۱۴	۱۳	۲۱	۵	سوموار	مول	۱۰	۱۲	چوداہ	۱۳	۵۵	شری جوالا چتردشی کھرو یاترا۔ الاپکا۔ ۱۱ بجے ۴۰م رات سے مُول ختم۔	۲۶	۲۴
۲۱	۱۵	۱۴	۲۲	۶	منگلوار	پورشا	۱۴	۳۰	پونم	۱۸	۴۵	آشاڑہ پور ناشی۔ دیاس پوجن شریہ منوجنم۔ میترم۔	۲۶	۲۴

شرادھ: اکدو سے لیکر شیم تک اور باہ سے لیکر پورناتک کا شرادھ پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں پر۔

مدھیان: ترے سے شیم تک اور باہ سے لیکر پورناتک پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں پر آئے گا۔

۲۶ جون کمار شیم درت = ۲۷ جون آشاڑہ سپتم = ۲۸ جون آشاڑہ اشٹمی = ۲۹ جون آشاڑہ نومی شاریکا
۳ جولائی ہری سواپ۔ بھگوان گوپی ناتھ جینتی کھرہ یار۔ لوکھبون یاترا۔ سوامی جینتی
۵ جولائی جوالا چتردشی کھرو یاترا = ۶ جولائی آشاڑہ پور ناشی۔

سپت رشی ۵۰۵۸۔ بکرمی سمت ۲۰۳۹۔ شراون کرشنہ پکھ ۲۵۔۱۶ متھن سُریہ بُدھ راہ کن شنیچر یوم طول بر ہسپت وریش شُکر دھن کیتو۔ شاکا ۱۹۰۴، عیسوی ۱۹۸۲، ہجری ۱۴۰۲۔

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھ	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	سریہ اودے	سریہ است
۱۲													۵بجے	۷بجے
۲۲	۱۶	۱۵	۲۳	۷	بدھوار	اترشاڑ	۸	۱۹	اکدد	۲۳	۵	۸بجے ۴۲م صبح سے مکر میں چندرمہ۔ ۲بجے ۱۴م دِن سے ہیون چندرمہ ورزم۔	۲۷	۳۲
۲۳	۱۷	۱۶	۲۴	۸	ویروار	شرون	۲	۴۳	دوئی	۲۶	۲۹	دوزا۔	۲۷	۳۲
۲۴	۱۸	۱۷	۲۵	۹	شکروار	شرون	۱	۵۷	ترے	۲۹	۱۶	۷بجے ۱م شام سے قومبھ میں چندرمہ و پنچک آرمبھ سنکٹ چورم ورت۔ دُدھیا۔ سوامی لال جی مہاراج	۲۷	۳۲
۲۵	۱۹	۱۸	۲۶	۱۰	سینچروار	دنشٹھ	۵	۳۰	چورم	۳۰	۲۸	پروردا۔	۲۸	۳۲
۲۶	۲۰	۱۹	۲۷	۱۱	آتوار	شتبشک	۷	۵۰	پنچم	۳۰	۴۵	۳بجے ۲ رات سے مین میں چندرمہ کیا۔	۲۸	۳۲
۲۶	۲۱	۲۰	۲۸	۱۲	سوموار	پوربھاد	۹	۱	شیم	۲۹	۲۳	گرزا۔	۲۸	۳۲
۲۷	۲۲	۲۱	۲۹	۱۳	منگلوار	اتربھاد	۸	۵۵	ستم	۲۷	۱۴	۵بجے ۳۰ دِن سے بدھ است۔ ۲بجے ۴۵ رات سے گنڈات شروع سیدا۔	۲۹	۳۱
۲۸	۲۳	۲۲	۳۰	۱۴	بدھوار	ریوت	۷	۴۳	اشٹم	۲۲	۴۷	۸بجے ۳۴ صبح سے میش میں چندرمہ و پنچک سماپت ۲بجے ۲۳ دِن سے گنڈات ختم۔ ۱۰بجے ۲ دِن سے متھن	۲۹	۳۱
۲۹	۲۴	۲۳	۳۱	۱۵	ویروار	اشن	۵	۲۴	نوم	۱۹	۲۸	۱بجے ۲۹ رات سے ماسانت آرمبھ۔ ماسنتم +	۲۹	۳۱
۳۰	۲۵	۲۴	شراون	۱۶	شکروار	برن	۲	۴۱	دہم	۱۴	۲۸	۱بجے ۲۹ رات سے سنکراتی کرکٹ میں سریہ مہورت ۳۰ سمندری۔ ۱۲بجے ۴۱ دِن وریش میں چندرمہ مدگرم۔	۳۰	۳۰
۳۱	۲۶	۲۵	۲	۱۷	سینچروار	روہن	۰	۴۸	کاہ	۸	۵۲	کملاہ ایکادشی۔ سنکراتی ورت۔ ترال یاترا۔ شری دتسا۔	۳۰	۳۰
۳۲	۲۷	۲۶	۳	۱۸	آتوار	مرگشور	۴	۴۱	باہ	۲	۵۸	ترا۔ دِن کم۔ ۲بجے ۴۹م دِن سے متھن میں چندرمہ سُومیا۔ شب قدر۔	۳۰	۳۰
۳۳	۲۸	۲۷	۴	۱۹	سوموار	آدرا	۸	۵۰	چوداہ	۳	۱۱	کال ڈنڈا۔	۳۱	۲۹
۳۴	۲۹	۲۸	۵	۲۰	منگلوار	پنردس	۸	۱۹	اماوس	۹	۲۱	۵بجے ۱۰م دِن سے کرکٹ میں چندرمہ ۵بجے ۲۲ صبح سے چندرمہ است ۷بجے ۲۲ شام سے کرکٹ	۳۱	۲۹

شرادھ:۔ الدو سے لیکر ترداہ تک شرادھ تتھی پہلے ہی دِن باقی اپنے دِن پر۔

۹ جولائی سنکٹ چورم ورت۔ ۱۷ جولائی سنکراتی ورت۔ ترال یاترا۔

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ عیسوی ۱۹۸۲ شراون شکلہ پکھ ۵۲۔۳۴ + کرکٹ میں شریہ بدھ کن بوم شنیچر طول برہسپت میتھن شکر راہ دھن کیت ہجری ۱۴۰۲ شاکا ۱۹۰۴ -

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ ۔	شریہ اودے	شریہ است
۲۴	۳۰	۲۹	۶	۲۱	بدھوار	پشیش	۴	۵۰	اکدوٗ	۴	۲۶	۹ بجے ۱۵م رات سے اُودھے چندرمہ ۔ ماتنگا +	۵ بجے ۲۱	۷ بجے ۲۹
۲۵	۳۱ شراون	۳۰ شوال	۷	۲۲	ویروار	اشلیش	۱	۵۹	دوئی	۳۴	۲۵	۸ بجے ۱۶م شام سے سہم میں چندرمہ ۲ بجے ۲۳م دن سے ۱ بجے ۵۶م رات تک گنڈات امرتم ۔	۲۲	۲۸
۲۷	۱	۱	۸	۲۳	شکروار	مگ	۳۴	۲۹	ترے	۳۰	۱۸	۴ بجے ۴۴م صبح سے ہری پدکا پردیش ۔ ۱۱ بجے ۴۱م دن سے طول راشی میں بوم کانٹا ۔ عید الفطر ۔	۲۲	۲۸
۲۹	۲	۲	۹	۲۴	سنیچروار	پورفا	۳۲	۴۳	چودم	۲۷	۳	۲ بجے ۴۸م رات سے کن میں چندرمہ ۔ الاپکا ۔	۲۳	۲۷
۴۱	۳	۳	۱۰	۲۵	آتوار	اُترپھا	۳۳	۱۵	پنچم	۲۴	۵۴	ناگ پنچمی ۔ کمار شیم ورت میترم ۔	۲۳	۲۶
۴۳	۴	۴	۱۱	۲۶	سوموار	ہست	۳۴	۱۷	شیم	۲۳	۵۸	وزرم ۔	۲۵	۲۵
۴۵	۵	۵	۱۲	۲۷	منگلوار	چترٔ	۲	۹	ستم	۲۴	۱۹	۷ بجے ۲۴م صبح سے طول راشی میں چندرمہ ۔ گوسوامی تلسی داس جینتی وداتکیا ۔	۲۶	۲۴
۴۷	۶	۶	۱۳	۲۸	بدھوار	سواتٔ	۴	۶	اشٹم	۲۵	۵۴	۴ بجے ۲م دن تک بُدھا اشٹمی ۔ ودُمیا ۔	۲۶	۲۳
۴۹	۷	۷	۱۴	۲۹	ویروار	ویشاکھ	۹	۵۴	نوم	۲۸	۵۸	۵ بجے ۱م دن سے ورچک میں چندرمہ ۔ پردردا ۔	۲۷	۲۳
۵۱	۸	۸	۱۵	۳۰	شکروار	انرادھ	۱۵	۲۰	دہم	۳۲	۲۴	شکر ماس ۔ کمیا ۔	۲۸	۲۲
۵۳	۹	۹	۱۶	۳۱	سنیچروار	ذیشٹھ	۹	۴۴	کاہ	۲	۳۹	۹ بجے ۲۷م شام سے گنڈات آرمبھ ۔ پوترا ایکادشی .... گزرا ۔	۳۰	۲۰
۵۶	۱۰	۱۰	۱۷	اگست	آتوار	مُول	۳	۳۲	باہ	۷	۲۵	۴ بجے ۱۶م صبح سے دھن چندرمہ و مُول آرمبھ ۔ ۱۰ بجے ۴۴م دن سے گنڈات سماپت شراون باہ شوپیاں	۳۰	۲۰
۵۸	۱۱	۱۱	۱۸	۲	سوموار	مول	۲	۵۳	تروُاہ	۱۲	۲۵	الاپکا + ۱۰ بجے ۵۱م صبح سے مُول ختم ۔	۳۱	۱۹
۱۲	۱۲	۱۲	۱۹	۳	منگلوار	پورشا	۹	۱۰	چودہ	۱۳	۲۲	۳ بجے ۵۸م دن سے مکر میں چندرمہ ۔ ۲ بجے ۶م رات سے پورناشی چندرمہ ددیہ میترم ۔	۳۲	۱۸
۲	۱۳	۱۳	۲۰	۴	بدھوار	اُترشا	۱۴	۵۱	پونم	۸	۵۹	شراون پورناشی ۔ رکھشا بندھن شری امرناتھ درشن ۔ تجی دار یاترا وزرم ۔	۳۲	۱۸

شرادھ :- ترے سے لیکر دہم تک شرادھ تتھی پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں پر ۔

مدھیان :- اپنے اپنے دنوں پر آئے گا ۔

۲۳ جولائی عید الفطر = ۲۵ جولائی کمار شیم ورت = ۱ اگست شراون باہ ۔

۴ اگست رکھشا بندھن امرناتھ یاترا شراون پورناشی تجی وار یاترا = ۲ اگست شوپیان یاترا

سپت رشی سمت ۵۰۵۵ بکرمی سمت ۲۰۳۹ عیسوی ۱۹۸۲۔ بادر کرشنہ پکھ ۲۳-۵۲۔ کرکٹ سُریہ سیم بدھ طول بوم برہسپت میقن شکر راکن شنیچر دھن کیت: شاکا ۱۹۰۴ ہجری ۱۴۰۲ھ۔

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ۔	سُریہ اُدے	سُریہ است
۱۳	شراون												۴۵ بجے	۴۷ بجے
۴	۱۴	۱۴	۲۱	۵	دیروار	شرون	۱۹	۴۵	اکدو	۵	۲۱	۲ بجے ۲۷م رات سے قومبھ میں چندرمہ پنچک آرمبھ۔ ۱۲ بجے ۲۱ رات سے میون چندرمہ وونا۔	۴۳	۱۷
۶	۱۵	۱۵	۲۲	۶	شکروار	دنشٹھ	۲۳	۲۲	دوی	۲	۴۴	۵ بجے ۱۳م صبح سے سیم راشی میں بدھ برایتیا۔	۴۴	۱۶
۸	۱۶	۱۶	۲۳	۷	سنیچروار	شتبھک	۲۶	۱۲	ترے	۱	۱۶	کورم ترے آنندہ۔	۴۵	۱۵
۱۰	۱۷	۱۷	۲۴	۸	آتوار	پوربھا	۲۷	۳۵	چورم	۱	۲	سنکٹ چورم ورت۔ لودل یاترا۔ ۱۰ بجے ۲۴م دن سے مین چندرمہ ۱۲ بجے ۴۸ دن سے کرکٹ راشی میں	۴۶	۱۴
۱۲	۱۸	۱۸	۲۵	۹	سوموار	اتربھا	۲۷	۴۶	پنچم	۲	۴	موسلم +	۴۶	۱۴
۱۴	۱۹	۱۹	۲۶	۱۰	منگلوار	ریوت	۲۶	۴۷	ششٹم	۴	۲۱	۳ بجے ۲۹م دن سے میش راشی میں چندرمہ پنچک سماپت چندن ششٹی ورت چندرمہ ادوے رات	۴۷	۱۳
۱۷	۲۰	۲۰	۲۷	۱۱	بدھوار	اشن	۲۴	۴۹	ستم	۷	۴۱	شیتلا سپتمی میرتیو۔	۴۸	۱۲
۱۹	۲۱	۲۱	۲۸	۱۲	بیروار	برن	۲۲	۴	اشٹم	۱۱	۵۰	۸ بجے ۱۲ شام سے ورش میں چندرمہ شری کرشن جنم اشٹمی ایک چندرمہ اُدوے ۱۲ بجے ۵۶ رات کلمیا۔	۴۹	۱۱
۲۱	۲۲	۲۲	۲۹	۱۳	شکروار	کرتک	۱۸	۴۰	نوم	۴	۲۰	چھترم۔	۵۰	۱۰
۲۳	۲۳	۲۳	۳۰	۱۴	سنیچروار	روہن	۱۴	۵۱	دیم	۲۱	۴۰	۱۲ بجے ۵۷ رات سے میتھن میں چندرمہ دت ۲ ا۔ ایک بجے ۴ رات بدھ اُدوے۔	۵۱	۹
۲۵	۲۴	۲۴	۳۱	۱۵	آتوار	مرگشر	۱۰	۴۴	کاہ	۲۵	۲۴	اجاکاہ۔ بھارت سوتر ودس شومیا +	۵۲	۸
۲۷	۲۵	۲۵	۳۲	۱۶	سوموار	آدرا	۶	۲۸	پلہ	۱۹	۲۷	ا بجے ۲۶ دن سے ملاسانت آرمبھ گووتسا دچن۔ ۱۰ بجے ۲۲ رات کرکٹ چندرمہ کال ڈنڈا۔	۵۳	۷
۲۹	۲۶	۲۶	بھادوں	۱۷	منگلوار	پنروس	۲	۳۵	تروہ	۱۳	۲۴	ا بجے ۲۶ دن سے سنکراتی سیم میں سُریہ مہورت ۳۰ ندی سنگھ شروع سنکراتی ورت بچلا یگ جنم ستھرا۔	۵۳	۷
۳۱	۲۷	۲۷	۲	۱۸	بدھوار	اشلیش	۱	۲	چودہ	۸	۴	۱۰ بجے ۲۴ رات سے گنڈات آرمبھ ۱۲ بجے ۴۷ دن لے چندرمہ است کھیا۔	۵۴	۶
۲	۲۸	۲۸	۳	۱۹	دیروار	مگ	۴	۵	اماوس	۳	۶	۴ بجے ۱۷م صبح سے سیم میں چندرمہ۔ دن کم ترہا۔ ۱۰ بجے ۲ دن تک گنڈات مگھ اماوسی دربہ ماس بادری اماوس	۵۴	۵

شرادھ۔ کاہ سے اماوس تک کا شرادھ پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں پر۔ — ۸ اگست سنکٹ چورم ورت ۔ ۱۰ اگست چندن ششٹی ۔ ۱۲ اگست جنم اشٹمی ایک ۔

مدھیان ا۔ تروہ سے اماوس تک کا مدھیان پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں پر۔ — ۱۷ اگست سنکراتی ورت سنگھ شروع ۔ ۱۹ اگست اماوسی ورت۔ دربہ ماوس۔

سپت رشی ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ بادر شکلہ پکھ ۲۲-۵۰۔ سہم شریہ بدھ طول بوم برہسپت کرکٹ شکر کن شنیچر مقن راہ دھن کیت:۔ شاکا ۱۹۰۴ عیسوی ۱۹۸۲ ہجری ۱۴۰۲ھ

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ۔	شریہ رودے	شریہ است
۱۲													۵ بجے	۷ بجے
۲۵	۲۹	۲۹	۴	۲۰	شکروار	پوشا	۶	۲۹	دوئی	۱	۴	چندرمہ درشن اُدتم۔ چاند نظر آئے گا۔ ۱۱ بجے ۷م دن سے اُدھے چندرمہ سیدا۔	۵۶	۴
۲۷	۳۰	۳۰ ۱	۵	۲۱	سنیچروار	اُترپھا	۷	۵۹	ترے	۴	۲۴	۸ بجے ۲۴م دن سے کن میں چندرمہ۔ ہرتالیکا ترے تاسک منوجنم۔ انوم۔	۵۷	۳
۴۰	۳۱	۲	[illegible]	۲۲	آتوار	ہست	۸	۲۷	چورم	۶	۳۲	چندرمہ درشن نشید۔ ونایک چورم .... مانسم	۵۸	۲
۴۲	۱	۳	۷	۲۳	سوموار	چترا	۷	۲۸	پنچم	۷	۲۴	وراہ پنچمی۔ رشی پنچمی۔ کرنک تریتھ شرادھ ۲ بجے ۲۰ دن سے طول چندرمہ۔ ۱ بجے ۳۳ دن سے	۵۸	۲
۴۴	۲	۴	۸	۲۴	منگلوار	سوات	۵	۲۷	ششم	۷	۱۵	کمار ششیم ورت۔ ۵ بجے ۱۹ صبح سے کن راشی میں بدھ ودزا۔	۵۹	۱
۴۷	۳	۵	۹	۲۵	بدھوار	ویشاکھ	۲	۱۹	سپتم	۵	۴۲	۲ بجے ۲۲ رات سے ورچک میں چندرمہ۔ برہم سترو در شرادھ پڑاپتیا۔	۶	۷۰
۵۰	۴	۶	۱۰	۲۶	ویروار	ویشاکھ	۲	۵	اشٹم	۲	۵۷	ترسپک۔ دن زیادہ۔ پیدردا۔	۲	۵۸
۵۲	۵	۷	۱۱	۲۷	شکروار	انرادھ	۷	۴۶	اشٹم	۰	۵۲	شری گنگا اشٹمی۔ ۴ بجے ۵۰م رات سے گنڈات آرمبھ کھیا۔ شری شاردا جینتی گشی کپوارہ۔ کھسو بانڈی پور	۳	۵۷
۵۵	۶	۸	۱۲	۲۸	سنیچروار	دیشٹھ	۱۳	۳۰	نوم	۵	۲۲	۱۱ بجے ۲۸م دن سے دھن چندرمہ و مُول آرمبھ ۱ بجے ۶م دن تک گنڈات گزا۔	۴	۵۶
۵۷	۷	۹	۱۳	۲۹	آتوار	مُول	۱۹	۵۴	دہم	۱۰	۱۸	شریہ ماس۔ ستقرا۔ ۲ بجے ۳م دن سے مُول ختم۔	۵	۵۵
۱۲:	۸	۱۰	۱۴	۳۰	سوموار	پوروشاڈ	۲۷	-	کاہ	۱۵	۱۰	۱۱ بجے ۱۲ رات سے مکر میں چندرمہ نارائنی ایکادشی گوتم ناگ یاترا انوم۔	۶	۵۴
۲	۹	۱۱	۱۵	۳۱	منگلوار	اُترشاڈ	۰	۱۰	باہ	۱۹	۵۲	اِیندرہ باہ۔ مانسم۔	۶	۵۴
۵	۱۰	۱۲	۱۶	۱ ستمبر	بدھوار	شرون	۵	۲۲	تردواہ	۲۳	۳۱	دتا تردواہ۔ دیتھ دتری یاترا۔ ویری ناگ چھترم۔	۸	۵۲
۸	۱۱	۱۳	۱۷	۲	ویروار	دیشٹھ	۹	۲۳	چوداہ	۲۶	۱۷	اننت چوداہ۔ اننت ناگ یاترا۔ ۹ بجے ۵۱م دن سے کومبھ چندرمہ پنچک آرمبھ ۶ بجے ۲۰ صبح سے	۹	۵۱
۱۰	۱۲	۱۴	۱۸	۳	شکروار	شتبشک	۱۲	۲۷	پونم	۲۷	۵۵	پتر پکھ آرمبھ۔ شومیا۔	۱۰	۵۰

شرادھ:۔ نوم سے پورناتک کا شرادھ پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں پر۔

مدھیان:۔ نوم دہم کاہ کا مدھیان پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں پر۔

۲۲ اگست ونایک چورم۔ ۲۴ اگست کمار ششیم۔ ۲۷ اگست گنگا اشٹمی۔ ۲ ستمبر اننت چوداہ۔ اننت ناگ یاترا۔

۳ ستمبر پتر پکھ آرمبھ۔ ۳۰ اگست گوتم ناگ یاترا۔ ۱ ستمبر دیتھ دتری یاترا۔ ویری ناگ یاترا۔ ۲۷ اگست شاردا جینتی۔

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ اسوج کرشنہ پکھ ۱۳-۱۴-۲۱-۲۲ ستمبر سُریہ سنگرکن بدھ شنیچر طلول بوم بر سپت میھن براہ دھن کیت ستا کا ۱۹۰۴ عیسوی ۱۹۸۲ ہجری ۱۴۰۲

[illegible] ۱۳	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ۔	[illegible] ۶ بجے	[illegible] ۶ بجے
۱۳	۱۲	۱۵	۱۹	۴	سنیچروار	پوربھا	۱۵	۴۵	اکدو	۲۸	۱۲	۱ بجے ۲۲ دِن سے مین میں چندرما ۱ بجے ۲۹ م دِن سے ہیون چندرما کال ڈنڈا۔	۱۱	۴۹
۱۵	۱۴	۱۶	۲۰	۵	آتوار	اتربھا	۱۴	۷	دوی	۲۷	۱۸	ستمرا۔	۱۲	۴۸
۱۸	۱۵	۱۷	۲۱	۶	سوموار	ریوت	۱۳	۴۳	ترے	۲۵	۶	سنکٹ چودم ورت۔ ۱۲ بجے ۲۹ م رات سے میش میں چندرما دینک سماپت ۱ بجے ۲۲ دن سے گنڈات	۱۳	۴۷
۲۱	۱۶	۱۸	۲۲	۷	منگلوار	اشن	۱۲	۲۰	چودم	۲۱	۵۲	۱ بجے ۱۵ صبح سے گنڈات ختم۔ امرتم۔	۱۴	۴۶
۲۳	۱۷	۱۹	۲۳	۸	بدھوار	برن	۹	۵۸	پنچم	۱۷	۴۶	۱ بجے ۲ دِن سے ورچک راشی میں بوم ۲ بجے ۲۵ رات سے ورش میں چندرما کانٹا۔	۱۵	۴۵
۲۶	۱۸	۲۰	۲۴	۹	بیروار	کرتج	۶	۴۶	شیم	۱۲	۵۲	صاحب ستم۔ الاپکا۔	۱۶	۴۴
۲۸	۱۹	۲۱	۲۵	۱۰	شکروار	روہن	۳	۶	ستم	۷	۲۶	میترم	۱۷	۴۳
۳۱	۲۰	۲۲	۲۶	۱۱	سنیچروار	مرگشور	۳۰	۴	اشٹم	۱	۲۲	ترہا۔ دِن کم۔ شری مہالکشمی اشٹمی۔ ۷ بجے ۱۰ م صبح سے متھن میں چندرما ورم۔	۱۸	۴۲
۳۴	۲۱	۲۳	۲۷	۱۲	آتوار	آدرا	۲۵	۵۵	دہم	۴۰	۳۲	دوانکیا۔	۱۹	۴۱
۳۶	۲۲	۲۴	۲۸	۱۳	سوموار	پنروس	۲۱	۵۲	کاہ	۱۰	۳۴	اینڈکاہ۔ سنیاسیوں کا شرادھ۔ ۹ بجے ۲۸ صبح سے کرکٹ چندرما دُومیا۔	۲۰	۴۰
۳۹	۲۳	۲۵	۲۹	۱۴	منگلوار	تیش	۱۸	۸	باہ	۷	۲۶	پروردا۔	۲۱	۳۹
۴۱	۲۴	۲۶	۳۰	۱۵	بدھوار	اشلیش	۱۴	۵۷	ترداہ	۲	۳۷	۲ بجے ۲۲ دن سے سہم میں چندرما ۶ بجے ۲ صبح سے ۱ بجے ۲ م شام تک گنڈات کھیا۔	۲۲	۳۸
۴۴	۲۵	۲۷	۲/۱	۱۶	ویروار	مگ	۱۲	۲۱	چوداہ	۲۹	۸	۱ بجے ۲ شام سے چندرما است ۱ بجے ۵۲ دِن سے ماسانت آرمبھ تیر اماوس تیر ترین گرا۔	۲۳	۳۷
۴۷	۲۶	۲۸	۱ اکتوبر	۱۷	شکروار	پورفا	۱۰	۳۸	اماوس	۲۵	۵۴	۱ بجے ۵۲ م دِن سے سنکرانتی کن راشی میں سُریہ مہورت ۴۵ کناری سنکرانتی ورت۔ اماوسی ورت۔	۲۴	۳۶

شرادھ:۔ اکدو سے نوم تک اور اماوس کا شرادھ پہلے ہی دِن باقی اپنے دِنوں پر۔

مدھیال:۔ شیم سے نوم تک کا مدھیال پہلے ہی دن باقی اپنے اپنے دِنوں پر۔

۶ ستمبر سنکٹ چودم ورت ۔ ۹ ستمبر صاحب ستم ۔ ۱۶ ستمبر تیر اماوس۔

۱۷ ستمبر سنکرانتی ورت۔ اگدبھا انوماس پردیشش۔

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ عیسوی ۱۹۸۲ ملہ ماسیوں کا اسوج شکلہ پکھ یہاں ماسیوں کا دوسرا اسوج شکلہ پکھ ۲۰-۲۲ شاکا ۱۹۰۴ ہجری ۱۴۰۲ھ۔

کن سُوریہ بُدھ شنیچر طول بر ہسپت ورچک بوم سہم شکر مِتھن راہ دھن کیت :-

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	تاریخ	وار	نکشتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ۔	سورج اُدے	سورج است
۱۴													۶ بجے	۶ بجے
۲۹	۲۷	۲۹	۲	۱۸	سنیچروار	اُتربھادر	۹	۵۸	اکدو	۲۲	۲۴	ملہ ماسیوں کی نودرگا آرمبھ چاند نظر آئے گا۔ ۳ بجے ۲ رات سے اُدّھے چندرمہ انوم۔	۲۵	۲۵
۵۲	۲۸	۱	۳	۱۹	اتوار	ہست	۱۰	۲۷	دوی	۲۲	۴۸	۱۰ بجے ۵۴ رات سے طول میں چندرمہ مانسم۔	۲۶	۲۴
۵۴	۲۹	۲	۴	۲۰	سوموار	چترا	۱۲	۱۴	ترے	۲۲	۱۰	مدگرم۔	۲۷	۲۳
۵۷	۳۰	۳	۵	۲۱	منگلوار	سوات	۱۵	۱۳	چوتر	۲۴	۴۵	۷ بجے ۲۴ شام سے اگست مُنی اُدے ۴ بجے ۴۰ رات سے طول راشی میں شنیچر دوزا۔	۲۸	۲۲
۱۵	۱ اکتوبر	۴	۶	۲۲	بدھوار	وشاکھ	۱۹	۲۲	پنچم	۲۷	۳۵	۷ بجے ۴۷ صبح سے ورچک میں چندرمہ دن رات برابر کمار سیم ورت برا پتیا۔	۳۰	۳۰
۱		۵	۷	۲۳	ویروار	انرادھ	۲۴	۳۰	ششٹم	۱	۲۸	۸ بجے ۴۲ صبح سے ورشوپدم۔ آنندہ۔ کمار جنم۔	۳۰	۲۰
۴	۲	۶	۸	۲۴	شکروار	ذیشٹھ	۰	۳۰	ستم	۶	۷	۶ بجے ۱۴ شام سے دھن چندرمہ مُول آرمبھ ۱۲ بجے ۲ دن سے ۱۰ بجے ۱۸ رات تک گنڈات چرا	۳۱	۲۹
۶	۳	۷	۹	۲۵	سنیچروار	مُول	۶	۵۷	اشٹم	۱۱	۱۱	ملہ ماسیوں کی درگا اشٹمی۔ ۹ بجے ۱۴ رات سے مُول ختم۔ مُوسلم۔	۳۲	۲۸
۹	۴	۸	۱۰	۲۶	اتوار	پورشاڑھ	۱۳	۲۹	نوم	۱۹	۶	۶ بجے ۵۴ دن سے کن راشی میں شکر مہانومی شوم۔	۳۳	۲۷
۱۲	۵	۹	۱۱	۲۷	سوموار	اترشاڑھ	۱۶	۵۶	دہم	۱۴	۲	۶ بجے ۲۵ صبح سے مکر راشی میں چندرمہ ملہ دبے دشمی مرتیو	۳۴	۲۶
۱۴	۶	۱۰	۱۲	۲۸	منگلوار	شرون	۱۰	۵۵	کاہ	۹	۲۴	بوم ماس۔ جیاکاہ۔ پاپانسکو شاکاہ الایکا۔ عیدالضحیٰ	۳۵	۲۵
۱۷	۷	۱۱	۱۳	۲۹	بدھوار	دھنشٹھ	۵	۴۰	باہ	۵	۳۴	۵ بجے ۱۵ دن سے قومبھ دینچک آرمبھ میترم۔	۳۶	۲۴
۲۰	۸	۱۲	۱۴	۳۰	ویروار	شتبھک	۱	۲۲	ترواہ	۲	۴۱	وزرم۔	۳۸	۲۲
۲۲	۹	۱۳	۱۵	۱ اکتوبر	شکروار	شتبھک	۱	۵۱	چوداہ	۰	۵۹	۶ بجے ۲۶ شام سے پورنماشی چندرمہ ۲ بجے ۳ رات سے مین میں چندرمہ ۱۱ بجے ۱۰ دن سے	۳۸	۲۲
۲۵	۱۰	۱۴	۱۶	۲	سنیچروار	پوربھادر	۳	۴۷	پونم	۰	۲۲	جنم دن مہاتما گاندھی و لال بہادر شاستری۔ لونگ پورنماشی مہرش والمیکی جینتی شرت پورنماشی ...	۴۰	۲۰

عید شاہ ہمدان

شرادھ:- الکدو سے پنچم تک کا شرادھ پہلے ہی دن باقی اپنے اپنے دنوں پر۔

مدھیان:- اپنے دنوں پر آئے گا۔

۱۸ ستمبر ملہ ماسیوں کی نودرگا آرمبھ ؛ ۲۵ ستمبر ملہ ماسیوں کی درگا اشٹمی ؛ ۲۶ ستمبر ملہ ماسیوں کی مہانومی ؛ ۲۷ ستمبر ملہ ماسیوں کی وجے دشمی ؛ ۲ اکتوبر گاندھی جینتی لال بہادر شاستری جینتی ۔

سپت رشی ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ سے ملہ ماسیوں کا کاتک کرشنہ پکھ یعنی ملہ ماسیوں کا دوسرا اسوج کرشنہ پکھ سمبر پ ماس ۲۹-۶ کن سُریہ بودھ شکر طول بشا کا ۱۹۰۴ -

برہسپت شنیچر ویک بوم مِتھن راہ دھن کیت عیسوی ۱۹۸۲ ہجری ۱۴۰۲ھ

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	کیفیت -	سُریہ اودے	سُریہ است
۱۵	[illegible]												۶ بجے	۶ بجے
۲۷	۱۱	۱۵	۱۷	۳	آتوار	اُتربھا	۴	۲۷	اکدو	۱	۲۴	۲ بجے ۲۶ رات سے گنڈات آرمبھ ۲ بجے ۲۲ رات سے میون چندرمہ سھترا -	۴۰	۲۰
۳۰	۱۲	۱۶	۱۸	۴	سوموار	ریوت	۴	۱	دوی	۳	۲۵	۸ بجے ۱۸ م صبح سے میش میں چندرمہ پنچک سماپت ۲ بجے ۱۱ دن تک گنڈات ماتنگا -	۴۲	۱۸
۳۳	۱۳	۱۷	۱۹	۵	منگلوار	اشن	۲	۲۸	ترے	۶	۳۶	امرتم - ۱۰ بجے ۲۱ م دن سے پورب میں شکرامت -	۴۳	۱۷
۳۵	۱۴	۱۸	۲۰	۶	بدھوار	برن	۰	۹	چودم	۱۰	۴۱	سنکٹ چودم ورت ۱۲ بجے ۲۷ دن سے ورش میں چندرمہ .... کانا -	۴۴	۱۶
۳۸	۱۵	۱۹	۲۱	۷	ویروار	روہن	۳	۲	پنچم	۱۵	۲۳	المنوم -	۴۵	۱۵
۴۱	۱۶	۲۰	۲۲	۸	شکروار	مرگشور	۶	۴۳	ششم	۴	۴۵	۳ بجے ۱۷ م دن سے مِتھن چندرمہ .... مانسّم -	۴۶	۱۴
۴۳	۱۷	۲۱	۲۳	۹	سنیچروار	آدرا	۱۰	۴۵	ستم	۲۷	۲۴	مدگرم -	۴۷	۱۳
۴۶	۱۸	۲۲	۲۴	۱۰	آتوار	پنروس	۱۴	۵۳	اشٹم	۲۱	۲۵	۵ بجے ۲۶ م دن سے کرکٹ میں چندرمہ دھرا -	۴۸	۱۲
۴۹	۱۹	۲۳	۲۵	۱۱	سوموار	تیش	۸	۵۰	نوم	۱۵	۳۶	پترا پتیا -	۴۹	۱۱
۵۱	۲۰	۲۴	۲۶	۱۲	منگلوار	اشلیش	۵	۲۴	دہم	۱۰	۱۶	۸ بجے ۲۳ شام سے سِمہ میں چندرمہ ۲ بجے ۱۴ م دن سے ۲ بجے ۱۴ م رات تک گنڈات آئندہ -	۵۰	۱۰
۵۴	۲۱	۲۵	۲۷	۱۳	بدھوار	مگ	۲	۵۷	کاہ	۵	۲۵	رماکاہ چترا -	۵۱	۹
۵۶	۲۲	۲۶	۲۸	۱۴	ویروار	پورفا	۱	۶	باہ	۱	۲۲	ترہا - دِن کم - ۱۲ بجے ۲۲ م رات سے کن راشی میں چندرمہ موسلم -	۵۲	۸
۵۹ ۱۶	۲۳	۲۷	۲۹	۱۵	شکروار	اُترپھا	۰	۱۶	چوداہ	۱	۵۱	مہادیر چوداہ - انرک چوداہ شوم -	۵۳	۷
۲	۲۴	۲۸	۳۰	۱۶	سنیچروار	ہست	۰	۲۴	اماوس	۲	۵۹	۹ بجے ۱۸ م صبح سے چندرمہ است ملہ ماسیوں کی دیپ مالا مہا لکشمی پوجن ۱۲ بجے ۴۸ م رات سے [illegible]	۵۴	۶

شرادھ :- اشٹم سے ترداہ تک شرادھ تھی پہلے ہی دِن باقی اپنے دِنوں پر -

۶ اکتوبر سنکٹ چودم ورت -

ملہ ماسیوں کی دیپ مالا - ۱۶ اکتوبر مہا لکشمی پوجن سماپت -

ملہ ماسیوں :- دہم سے لیکر ترداہ تک پہلے ہی دِن باقی اپنے دِنوں پر -

سپیت رشی شِشت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ ملہ ماسیوں کا کارتک شکلہ پکھ بھانہ ماسیوں کا شُدھ اسُوج شکلہ پکھ ۵۲-۲-۷

کیت: شاکا ۱۹۰۴ عیسوی ۱۹۸۲ ہجری ۱۴۰۲-۱۴۰۳

طول سُریہ برسپیت شنیچر ورچک بوم کن بُدھ شکر مکھن راہو دھن

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	کیفیت۔	سُریہ ادے	سُریہ است
۴	۲۵	۲۹	۱	۱۷	آتوار	چترہ	۲	۵	اکدہ	۴	۴۶	۶ بجے ۳۳م صبح سے طول میں چندرمہ۔ ۱۲ بجے ۴۸م رات سے سنکراتی طول سریہ مہورت ۵ اندی	۶ بجے ۵۵	۵ بجے ۵
۷	۲۶	۲	۲	۱۸	سوموار	سوات	۴	۵۴	دوی	۴	۲۰	سنکراتی ورت ۵ بجے ۳۰م دِن سے اوُدھ چندرمہ.........چھترم۔	۵۶	۴
۱۰	۲۷	۳	۳	۱۹	منگلوار	دیشاکھ	۸	۵۰	ترے	۲	۲۶	ترسپک۔ دن زیادہ۔ ۲ بجے ۸م دِن سے ورچک میں چندرمہ شری دت ۳۔ محرم ۱۴۰۳۔ سومیا۔	۵۸	۲
۱۲	۲۸	۲	۴	۲۰	بدھوار	انرادھ	۱۳	۴۹	ترے	۰	۱۹	۶ بجے ۳۰م شام سے طول راشی میں شکر۔ ۸ بجے ۲م صبح سے دھن راشی میں بوم۔	۵۸	۲
۱۵	۲۹	۳	۵	۲۱	ویروار	ذیشٹھ	۱۸	۴۱	چورم	۴	۱۴	۷ بجے ۱۸م شام سے گنڈات آرمبھ۔ ۱ بجے ۵۰م رات سے دھن چندرمہ۔ مول آرمبھ کال ڈنڈا۔	۷ بجے	۶
۱۸	۳۰	۴	۶	۲۲	شکروار	مول	۱۲	۵۳	پنچم	۸	۵۵	۸ بجے ۲۹م صبح سے گنڈات سماپت۔ کمار شیم ورت۔ ۴ بجے ۲۶م رات سے مول ختم۔ سِمترا۔	۱	۵۹
۲۰	اکتوبر	۵	۷	۲۳	سنیچروار	پورشاڑ	۶	۲۱	شیشم	۱۴	۳	۳ بجے ۷م دِن سے ہری پد کا پردیش ماتنگا۔	۲	۵۸
۲۳	۲	۶	۸	۲۴	آتوار	اُترشاڑ	۰	۸	ستم	۱۹	۹	۱ بجے ۱۵م دِن سے مکر میں چندرمہ..........امرتم۔	۳	۵۷
۲۵	۳	۷	۹	۲۵	سوموار	اُترشاڑ	۶	۰	اشٹم	۲۳	۵۶	بھانہ ماسیوں کی درگا اشٹمی۔ گوپال اشٹمی...........مرتیو۔	۴	۵۶
۲۷	۴	۸	۱۰	۲۶	منگلوار	شرون	۱۱	۲۷	نوم	۰	۴۷	۱۲ بجے ۴م رات سے قومبھ چندرمہ۔ پنچک آرمبھ۔ بھانہ ماسیوں کی مہانومی.........الاپکا۔	۴	۵۶
۲۹	۵	۹	۱۱	۲۷	بدھوار	دنیشٹھ	۱۶	۱	دہم	۲	۴۹	بھانہ ماسیوں کی دبے دشمی دشہرہ۔..........میترم۔	۵	۵۵
۳۱	۶	۱۰	۱۲	۲۸	ویروار	شتبک	۱۹	۳۱	کاہ	۵	۴۱	برسپیت ماس۔ ہربھودتی کاہ۔ جیا کاہ....محرم۔ وذام۔	۶	۵۴
۳۴	۷	۱۱	۱۳	۲۹	شکروار	پوربھاد	۲۱	۴۳	باہ	۶	۱۶	۹ بجے ۲۸م صبح سے مین میں چندرمہ دوانکیا۔ شیوسواپ۔	۷	۵۳
۳۶	۸	۱۲	۱۴	۳۰	سنیچروار	اُتربھاد	۲۲	۴۵	تروواہ	۵	۴۲	۳ بجے ۲۳م رات سے طول راشی میں بدھ۔ ودمیا۔	۸	۵۲
۳۸	۹	۱۳	۱۵	۳۱	آتوار	ریوت	۲۲	۳۱	چوواہ	۲	۲۲	۴ بجے ۱۰م دن سے میش میں چندرمہ پنچک ختم۔ ۱ بجے ۱۲م دن سے ۱ بجے ۷م رات تک گنڈات ۷ بجے	۹	۵۱
۴۰	۱۰	۱۴	۱۶	نومبر ۱	سوموار	اشون	۲۱	۱۴	پونم	۰	۲۲	........بجانو نونگ پور سناشی۔ کمیا۔	۱۰	۵۰

شرادھ:- چودم سے اشٹم تک کا پہلے ہی دن باقی اپنے دِنوں پر۔

مھیان:- چودم پنچم شیشم کا مھیان پہلے ہی دن باقی اپنے دِنوں پر۔

۱۷ اکتوبر بھانہ ماسیوں کی نو درگا آرمبھ = ۲۲ اکتوبر کمار شیم ورت = ۲۵ اکتوبر بھانہ ماسیوں کی درگا اشٹمی =

۲۶ اکتوبر بھانہ ماسیوں کی مہانومی = ۲۷ اکتوبر بھانہ ماسیوں کی وبے دشمی دسہرہ =

سپت رشی سمبت ۵۰۵۸ بکرمی سمبت ۲۰۳۹ عیسوی ۱۹۸۲ ماسیوں کا مارگ کرشن پکھ بھانہ ماسیوں کا شدھ کارتک کرشن پکھ ۲۶-۳۶ شاکا ۱۹۰۴ ہجری ۱۴۰۲ھ۔

طول شرتیہ برہسپت شکر شنیچر دھن بوم کیت متھن راہ

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
۱۶	کتک												۷بجے	۵:۰۵بجے
۴۲	۱۱	۱۵	۱۷	۲	منگلوار	برن د	۱۹	۰	اکدو د	۲۳	۱۰	۸بجے ۲۳م شام سے ورش راشی میں چندرمہ ۲ابجے ۴۴م دن سے بیون چندرمہ۔ ابجے ۱۷م رات سے	۱۰	۵۰
۴۴	۱۲	۱۶	۱۸	۳	بدھوار	کرتک د	۱۶	۴	دوی د	۱۸	۲۷	سیدلا۔	۱۱	۴۹
۴۷	۱۳	۱۷	۱۹	۴	ویروار	روہنی د	۱۲	۲۲	ترے د	۱۳	۶	سنکٹ چورم ورت۔ ۱۱بجے ۲۹م رات سے متھن میں چندرمہ کرواچودم۔ آنوم۔	۱۲	۴۸
۴۹	۱۴	۱۸	۲۰	۵	شکروار	مرگشور د	۸	۲۵	چورم د	۷	۲۲	۷بجے ۵۵م رات سے پورب میں شنیچر اودے ماتسم۔	۱۳	۴۷
۵۱	۱۵	۱۹	۲۱	۶	سنیچروار	آردا د	۴	۲۶	پنجم د	۱	۲۷	ترا۔ دن کم۔ ابجے ۴۶م رات سے کرکٹ میں چندرمہ۔ مدگرم۔	۱۴	۴۶
۵۴	۱۶	۲۰	۲۲	۷	آتوار	پنروس د	۰	۱۸	ششٹم ر	۴	۲۷	دوزا۔	۱۵	۴۵
۵۶	۱۷	۲۱	۲۳	۸	سوموار	اشلیش ر	۳	۲۵	اشٹم ر	۱۰	۱۴	مہاکال بھیروا اشٹمی۔ ابجے ۴۸م رات سے گنڈات آرمبھ۔ ۴بجے ۲۰م رات سے سہم میں چندرمہ سومیا۔	۱۵	۴۵
۵۸	۱۸	۲۲	۲۴	۹	منگلوار	مگ ر	۷	۵	نوم ر	۱۵	۳۲	۱۰بجے ۸م دن سے گنڈات سماپت۔ کال ڈنڈا۔	۱۶	۴۶
۱:	۱۹	۲۳	۲۵	۱۰	بدھوار	پورفا ر	۹	۵۷	دہم ء	۹	۵۲	سیتھرا۔	۱۸	۴۲
۲	۲۰	۲۴	۲۶	۱۱	ویروار	اترفا ر	۱۲	۹	کاہ ء	۶	۵۴	۸بجے ۱۹م صبح سے کن میں چندرمہ ماتنگا۔	۱۸	۴۲
۵	۲۱	۲۵	۲۷	۱۲	شکروار	ہست ر	۱۴	۱۸	یاہ ء	۵	۳	امرتم۔	۲۰	۴۰
۷	۲۲	۲۶	۲۸	۱۳	سنیچروار	چترا ر	۱۳	۲۲	ترواہ ء	۴	۲۵	۲بجے ۱۲م دن سے مول راشی میں چندرمہ ۸بجے ۱۷م شام سے ورچک راشی میں شکر کا نڈا	۲۰	۴۰
۹	۲۳	۲۷	۲۹	۱۴	آتوار	سوات ر	۱۲	۱۳	چوداہ ء	۵	۶	۱۱بجے ۴۵م رات سے چندرمہ است بال دوس نہرو جنم مہاویر چوداہ انرک چوداہ الاپکا	۲۱	۳۹
۱۱	۲۴	۲۸	۳۰	۱۵	سوموار	وشاکھ ر	۹	۴۴	اماوس ء	۷	۱	۱۰بجے ۲۳م رات سے ورچک میں چندرمہ۔ ابجے ۳م رات سے ماسانت آرمبھ۔ سوماوسی۔ سمبی اماوس	۲۲	۳۸

شرادھ: اکدو سے شیم تک کا شرادھ پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں پر۔

مدھیان: چورم پنجم ششم کا مدھیان پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں پر۔

۴ نومبر سنکٹ چورم ورت۔ ۱۴ نومبر بال دوس نہرو جنم۔

۱۵ نومبر دیپ مالا بھانہ ماسیوں کی دیوالی پوجن۔ سوماوسی۔

سپت رشی ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ عیسوی ۱۹۸۲ ملہ ماسیو کا دوسرا مارگ کرشنہ پکھہ بمطابق ماسیو کا شکلہ کرشنہ پکھہ ۲۲-۵۲ - ورچک سنکرانت ۱۹۰۴ ہجری ۱۴۰۳-

بر بسپت شکر بدھ تول منگل سنیچر متھن راہ دھن کیت ۔

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ۔	شریہ طلوع	شریہ غروب
۱۷													بجے	بجے
۲۴	۱۰	۱۳	۱۶	۱	بدھوار	روہنی	۷	۱۲	اکدو	۵	۲۷	۱۲ بجے ۲۷ م دن سے میون چندرمہ۔ شوم ۔	۲۱	۲۹
۲۵	۱۱	۱۵	۱۷	۲	ویروار	مرگشور	۳	۲۱	دوی	۱۰	۲۵	۷ بجے ۲۶ م دن سے متھن میں چندرمہ .... مرتیو ۔	۲۲	۲۸
۲۶	۱۲	۱۶	۱۸	۳	شکروار	آدرا	۲۴	۷	ترے	۱۶	۲۱	۷ بجے ۲۳ م صبح سے دیشٹھ نکھتر میں شریہ .... کامیا۔	۲۲	۲۸
۲۷	۱۳	۱۷	۱۹	۴	سنیچروار	پنروس	۱۹	۵۸	چورم	۷	۷	سنکٹ چورم ولت ۱۰ بجے ۴ م دن سے کرکٹ میں چندرمہ چھترم ۔	۲۲	۲۸
۲۸	۱۴	۱۸	۲۰	۵	آتوار	تیش	۱۶	۲	پنچم شدا	۱	۲۳	۷ بجے ۴ م شام سے دھن راشی میں بدھ .... شری دت ۲ ۔	۲۲	۲۸
۲۹	۱۵	۱۹	۲۱	۶	سوموار	اشلیش	۱۲	۲۹	ششم	۲۱	۹	۱۲ بجے ۲۲ م دن سے سہم راشی میں چندرمہ ۶ بجے ۵۳ م صبح سے ۱ بجے ۴ م شام تک گنڈات موسیا۔	۲۴	۲۶
۳۰	۱۶	۲۰	۲۲	۷	منگلوار	مگ	۹	۲۹	ستم	۱۶	۲۲	۷ بجے ۰ م صبح سے پچھم میں بدھ اودے ۸ بجے ۵۰ م شام سے دھن راشی میں شکر کال ڈنڈا ۔	۲۴	۲۶
۳۱	۱۷	۲۱	۲۳	۸	بدھوار	پورفا	۷	۱۳	اشٹم	۱۲	۴۴	بھانو - مہاکال بھیرواشٹمی۔ ۴ بجے ۱۲ م دن سے کن راشی میں چندرمہ سیھرا ۔	۲۴	۲۶
۳۲	۱۸	۲۲	۲۴	۹	ویروار	اترپھا	۵	۵۱	نوم	۹	۴۹	...... ماتنگا۔	۲۴	۲۶
۳۳	۱۹	۲۳	۲۵	۱۰	شکروار	ہست	۵	۲۲	دہم	۸	۳	۹ بجے ۵۳ م رات سے تول راشی میں چندرمہ .... امرتم۔	۲۴	۲۶
۳۴	۲۰	۲۴	۲۶	۱۱	سنیچروار	چتر	۶	۲۵	کاہ	۷	۳۰	بھانو۔ اشناکاہ کانڈا عرس مخدوم صاحب ۔	۲۵	۲۵
۳۵	۲۱	۲۵	۲۷	۱۲	آتوار	سوات	۸	۳۶	باہ	۸	۱۵	۵ بجے ۵۹ م رات سے ورچک راشی میں چندرمہ ۔ الاپکا ۔	۲۵	۲۵
۳۶	۲۲	۲۶	۲۸	۱۳	سوموار	دیشاکھ	۱۱	۵۹	تروداہ	۱۰	۱۷	میترم - [illegible]	۲۶	۲۴
۳۷	۲۳	۲۷	۲۹	۱۴	منگلوار	انرادھ	۱۶	۲۷	چوداہ	۱۳	۲۰	۵ بجے ۱۰ منٹ دن سے چندرمہ است۔ وزرم ۔	۲۶	۲۴
۳۸	۲۴	۲۸	۳۰	۱۵	بدھوار	دیشٹھ	۲۱	۵۴	اماوس	۴	۴۱	۳ بجے ۲۲ م دن سے دھن راشی میں چندرمہ دھول آرمبھ ۹ بجے ۴۶ م صبح سے ۱۰ بجے ۵۸ م رات تک	۲۶	۲۴

شرادھ:- ششم سے لے کر اماوس تک شرادھ پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں پر۔

مدھیان:- نوم دہم کاہ شرط چوداہ کا مدھیان پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں پر۔

۱۴ دسمبر سنکٹ چورم ورت ۔

۱۵ دسمبر کھنڈ گراس شریہ گرہن ۔ ✱ یہ گرہن دن کے ۲ بجے ۴۴ منٹ پر شروع ہوگا اور ۵ بجکر ۱۱ منٹ پر ختم ہوگا۔

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ عیسوی ۱۹۸۲ ملہ ماسیوں کا شُدھ مارگ شکلہ پکھ بھانہ ماسیوں کا شُدھ مارگ شکلہ پکھ ۲۲-۲۳-۲۴۔ شاکا ۱۹۰۴ ہجری ۱۴۰۳ھ۔

دھن سُریہ بدھ شکر کیتُ مکر بوم ورچک برہسپت تول شنیچر میتھن راہ

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ۔	سُریہ اُدے	سُریہ است
۱۷													۴:۷	۴:۵
۴۸	۲۵	۲۹	۱	۱۶	ویروار	مُولُ	۲	۳۶	اکدوٗ	۲۲	۲۷	۶ بجے ۴۹ م شام تک مُول۔ ۱۰ بجے ۲۰ م دن سے سنکراتی دھن میں مُہورت ۳۰ (کناری بسنگہ آرمبھ)	۲۷	۲۳
۴۹	۲۶	[illegible]	۲	۱۷	شکروار	پورشاڑ	۱۰	۲	دوئی	۲	۲۴	۴ بجے ۱ م رات سے مکر میں چندرمہ پرودا۔	۲۷	۲۳
۵۱	۲۷	۲	۳	۱۸	سنیچروار	اترشاڑ	۱۶	۲۹	ترے	۸	۵۵	۸ بجے ۲۲ م صبح سے ملماس سماپت۔ کھیا۔	۲۸	۲۲
۵۲	۲۸	۳	۴	۱۹	آتوار	شرون	۱۹	۱۷	چورم	۱۳	۴۵	مُوسلم۔	۲۹	۲۱
۵۲	۲۹	۴	۵	۲۰	سوموار	دنیشٹھ	۱۳	۲۶	پنچم	۱۷	۴۸	۲ بجے ۱۹ م دن سے کومبھ میں چندرمہ دپنچک آرمبھ۔ شوم۔	۲۹	۲۱
۵۲	۳۰	۵	۶	۲۱	منگلوار	شتبشک	۸	۲۲	شیم	۱۷	۵۶	کھدشیم ورت۔ ۱۱ بجے ۲۱ م رات سے اُترائن میں سُریہ کا پردیش برتیو۔	۲۹	۲۱
۵۱	۱ پوہ	۶	۷	۲۲	بدھوار	پوربھا	۴	۲۸	ستم	۱۵	۰	۱۱ بجے ۵۰ م رات سے مین راشی میں چندرمہ کلیا۔	۲۸	۲۲
۵۰	۲	۷	۸	۲۳	ویروار	اتربھا	۱	۱۹	اشٹم	۱۳	۱۴	چھترم۔	۲۸	۲۲
۴۹	۳	۸	۹	۲۴	شکروار	اتربھا	۰	۱۰	نوم	۱۲	۴۳	۱ بجے ۵۳ م رات سے گنڈات آرمبھ دوزا۔	۲۷	۲۳
۴۸	۴	۹	۱۰	۲۵	سنیچروار	ریوت	۰	۲۲	دہم	۱۳	۲۶	۷ بجے ۴۹ م صبح سے میش میں چندرمہ دپنچک سماپت ۱ بجے ۴۷ م دن سے گنڈات سماپت کرسمس ڈے	۲۷	۲۳
۴۷	۵	۱۰	۱۱	۲۶	آتوار	برن	۰	۱۶	کاہ	۱۵	۲۶	موکھداکاہ۔ گیتا جینتی۔ ۱۲ بجے ۱۱ م رات سے مکر راشی میں بدھ کال ڈنڈا۔	۲۷	۲۲
۴۶	۶	۱۱	۱۲	۲۷	سوموار	کریچ	۲	۰	باہ	۱۲	۵۹	۱۲ بجے ۲۱ دن سے وریش میں چندرمہ۔ چندرمہ ماس۔ سیترا۔	۲۶	۲۴
۴۵	۷	۱۲	۱۳	۲۸	منگلوار	رودہن	۴	۳۶	تروہ	۸	۱	ماتنگا۔ عید میلادالنبیؐ۔	۲۶	۲۴
۴۴	۸	۱۳	۱۴	۲۹	بدھوار	مرگشور	۷	۵۱	چداہ	۲	۴۲	۳ بجے ۴۲ دن سے میتھن میں چندرمہ۔ ۶ بجے ۲۰ شام سے پورنماشی چندرمہ۔ امرتم۔	۲۵	۲۵
۴۴	۹	۱۴	۱۵	۳۰	ویروار	آدرا	۱۱	۳۲	پونم	۲۱	۴۲	کانڈا۔ ✱ کھگراس چندرمہ گرہن۔	۲۵	۲۵

شرادھ:۔ شرادھ اور مدھیان اپنے اپنے دن پر آئے گا۔

مدھیان:۔ صرف اکدو کا شرادھ پہلے ہی دن آئے گا۔

۱۶ دسمبر سنکراتی ورت بسنگہ آرمبھ ۔ ۲۱ دسمبر کمار شیم ورت اُترائن میں سُریہ۔

۲۵ دسمبر کرسمس ڈے ۔ ۱۸ دسمبر ملماس سماپت۔ ✱ ۳۰ دسمبر چندرمہ گرہن دن کے ۳ بجکر ۲۶ منٹ پر شروع ہوگا اور شام

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ عیسوی ۸۳-۱۹۸۲ بلہ ماسیلوں کا پوہ کرشنہ پکھ بھانہ ماسیوں شبد ہ پوہ کرشنہ پکھ ۲۴-۲۲-۲۲ دھن شریہ کیت شاکا ۱۹۰۴ ہجری ۱۴۰۳-

مکر بوم بدھ شکر ورچک برہسپت تول شنیچر متھن راہ -

دن مان	تاریخ	تاریخ	تاریخ	انگریزی	وار	نکشتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ-	شریہ ادے	شریہ است
۱۷	پوہ												۷بجے	۵بجے
۴۲	۱۰	۱۵	۱۶	۳۱	شکروار	پنوس	۱۵	۲۸	اکدو	۱۵	۴۴	۵بجے ۵۵م شام سے کرکٹ میں چندرمہ۔ ۱۰بجے ۱۵م دن سے ہیون چندرمہ ۲بجے ۴۰م دن سے مکر	۳۵	۲۵
۴۲	۱۱	۱۶	۱۷	۱ جنوری ۱۹۸۳	سنیچروار	تیش	۱۱	۴۱	دوی	۹	۵۹	انگریزی نیا سال ۱۹۸۳ء شروع میترم+	۳۴	۲۶
۴۲	۱۲	۱۷	۱۸	۲	آتوار	اشلیش	۸	۲	ترے	۴	۲۵	ترا۔ دن کم - ۸ بجے ۳۹م رات سے سیہم میں چندرمہ۔ ۲بجے ۵۹م دن سے ۲بجے ۱۸م رات تک	۳۳	۲۶
۴۱	۱۳	۱۸	۱۹	۳	سوموار	مگھ	۴	۵۳	پنچم	۰	۴۰	دوانکیا۔	۳۴	۲۶
۴۰	۱۴	۱۹	۲۰	۴	منگلوار	پورفا	۲	۲۶	ششٹم	۵	۲۰	۸بجے ۳۹م رات سے کنیا میں چندرمہ ودمیا۔	۳۴	۲۶
۳۹	۱۵	۲۰	۲۱	۵	بدھوار	اترفا	۰	۵۱	سپتم	۸	۵۶	پروردا۔	۳۴	۲۶
۳۸	۱۶	۲۱	۲۲	۶	بیروار	ہست	۰	۱۷	اشٹم	۱۱	۴۲	شری مہاکالی جنم۔ ۱بجے ۵۰م رات سے طول راشی میں چندرمہ کھیا۔	۳۳	۲۷
۳۷	۱۷	۲۲	۲۳	۷	شکروار	چترا	۰	۵۴	نوم	۱۳	۲۲	گنزا۔	۳۲	۲۸
۳۶	۱۸	۲۳	۲۴	۸	سنیچروار	سوات	۲	۴۵	دہم	۱۳	۴۱	شری آنند یشور بھیرو جنم۔ ۶بجے ۲۶م صبح سے قومبھ میں بوم سیدا۔	۳۲	۲۸
۳۵	۱۹	۲۴	۲۵	۹	آتوار	وشاکھ	۴	۱۵	کاہ	۱۲	۴۹	۱بجے ۷م دن سے ورچک راشی میں چندرمہ۔ سفلا پکادشی۔ انموتم	۳۲	۲۸
۳۴	۲۰	۲۵	۲۶	۱۰	سوموار	انرادھ	۱۰	۴	باہ	۱۰	۳۲	انستم۔	۳۱	۲۹
۳۳	۲۱	۲۶	۲۷	۱۱	منگلوار	جیشٹھ	۱۵	۱۷	تروہ	۷	۹	۱۱بجے ۲۵م رات سے دھن راشی میں چندرمہ ومول آرمبھ۔ ۵ بجے ۲م دن سے ۱بجے ۱۱م صبح تک	۳۱	۲۹
۳۳	۲۲	۲۷	۲۸	۱۲	بدھوار	مول	۱۹	۵۱	چوداہ	۲	۵۳	۲بجے رات تک مول۔ ترسپک دن زیادہ۔ ددزا۔	۳۱	۲۹
۳۲	۲۳	۲۸	۲۹	۱۳	ویروار	پورشا	۱۳	۴۷	چوداہ	۲	۱۶	۱۲بجے ۴۵م دن سے چندرمہ است ۶بجے ۲۷م شام سے ماسانت آرمبھ اماوس چوداہ نکیا اماوسی بڑاپتیا۔	۳۰	۳۰
۳۱	۲۴	۲۹	ماگھ ۱	۱۴	شکروار	اترشا	۷	۱۹	اماوس	۷	۲۸	۱۱بجے ۱۲م دن سے مکر میں چندرمہ۔ ۶بجے ۲۷م شام سے مکر راشی میں شریہ مہورت ۴۵م پہاڑی سنکرانتی	۳۰	۳۰

شرادھ:- اکدو سے چودم تک اور اماوس کا شرادھ پہلے ہی دن آئے گا۔ باقی اپنے دنوں پر۔

مدھیان:- ترے چودم اماوس کا مدھیان پہلے ہی دن آئے گا۔

۲ جنوری سنکٹ چودم ورت۔ ۶ جنوری مہاکالی جنم۔ ۱۳ جنوری نکیا اماوسی۔

۱۴ جنوری کھیہ ماس آرمبھ مکرسنکرانتی ورت۔ ششٹر سنکرانتی۔

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ عیسوی ۱۹۸۳ء بلہ ماسیوں کا پوہ شکلہ پکھ بجانہ ماسیوں کا ماگھ شکلہ پکھ ۲۵..۔ (پوہ شکلہ پکھ کھیہ) بکر سُریہ شکر بدھ شاکا ۱۹۰۴ ہجری ۱۴۰۳ -

قومبھ یوم ورچک برسپت تول شنیچر متھن راہ دھن کیت:

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نچھتر	گھڑی	پل	تتھی	گھڑی	پل	یوگ کیفیت وغیرہ ۔	سوریہ اودے	سوریہ است
۱۷													۷ بجے	۵ بجے
۳۰	۲۵	۳۰	۲	۱۵	سنیچروار	شروَن	۰	۵۴	اکدُ	۱۲	۵۰	۸ بجے ۱۸م صبح سے اُدَد ہے چندرمہ چاند نظر آئے گا۔ سیتھرا۔	۳۰	۲۰
۲۹	۲۶	۱	۳	۱۶	آتوار	شروَن	۵	۴	دوئ	۱۷	۲۷	۱۰ بجے ۴۰ رات سے قومبھ میں چندرمہ پنچک آرمبھ ۱ بجے ۲۰ دن سے دھن راشی میں ہیون بدھ موسلم۔	۲۹	۲۱
۲۸	۲۷	۲	۴	۱۷	سوموار	دنیشٹھ	۱۰	۲۶	ترئ	۲۱	۳۲	شوم۔	۲۹	۲۱
۲۸	۲۸	۳	۵	۱۸	منگلوار	شتبھِک	۱۴	۲۷	چورم	۲۴	۲۴	مرتیو۔	۲۹	۲۱
۲۶	۲۹	۴	۶	۱۹	بدھوار	پوربھادر	۱۷	۵۱	پنچم ششٹھ	۰	۵۶	۸ بجے ۱۲م دِن سے مین راشی میں چندرمہ کامیا۔ بسنت پنچمی ۔	۲۸	۲۲
۲۳	۳۰ ماگھ	۵	۷	۲۰	بِروار	اُتربھادر	۱۹	۴۴	ستیم	۱	۱۲	کمار ششیم ورت ۷ بجے ۱۰م صبح سے ہری پدم۔ چھترم۔	۲۷	۲۳
۲۱	۱	۶	۸	۲۱	شکروار	ریوت	۲۰	۲۶	ستم اشٹ	۰	۱۲	۲ بجے ۳۶م دِن سے میش راشی میں چندرمہ و پنچک ختم۔ ۹ بجے ۲۶ صبح سے ۹ بجے ۲۸ رات تک	۲۶	۲۴
۱۹	۲	۷	۹	۲۲	سنیچروار	اشون	۱۹	۵۸	اشٹم	۲۳	۲۱	شوُمیا۔	۲۵	۲۵
۱۷	۳	۸	۱۰	۲۳	آتوار	برن	۱۸	۲۴	نوم	۲۰	۸	۱۰ بجے ۲۴ دِن سے ورشبھ راشی میں چندرمہ کال ڈنڈا۔	۲۴	۲۶
۱۵	۴	۹	۱۱	۲۴	سوموار	کرتک	۱۶	۰	دہم	۱۶	۶	۱۱ بجے ۱۲م دِن سے قومبھ راشی میں شکر۔ سیتھرا۔	۲۴	۲۶
۱۲	۵	۱۰	۱۲	۲۵	منگلوار	روہن	۱۲	۵۶	کاہ	۱۱	۲۱	۱۱ بجے ۵۲م رات سے متھن راشی میں چندرمہ پتر داہ کاہ ماتنگا۔	۲۳	۲۷
۱۰	۶	۱۱	۱۳	۲۶	بدھوار	مرگشر	۹	۱۹	باہ	۵	۳	بدھ ماس۔ بھارت گن تنتر ودس۔ یوم جمہوریہ۔ عرس سید دستگیر صاحبؒ۔ امرتم۔	۲۲	۲۸
۸	۷	۱۲	۱۴	۲۷	بروار	آدرا	۵	۲۳	ترواہ	۰	۲۲	ترہا۔ دن کم۔ ۲ بجے ۱۷م رات سے کرکٹ راشی میں چندرمہ کانڈا۔	۲۱	۲۹
۶	۸	۱۳	۱۵	۲۸	شکروار	پنروس	۱	۷	پونم	۵	۲۸	۸ بجے ۴۵م صبح سے پورنماشی چندرمہ ماگھ پورنماشی الایکا۔	۲۰	۳۰

کھرانتی مرت یوگ

شرادھ:۔ اکدہ سے لیکر چورم تک نوم سے لیکر چوداہ تک کا شرادھ پہلے ہی دن آئے گا۔ باقی اپنے دِنوں پر۔

۱۹ جنوری بسنت پنچمی ۔ ۲۰ جنوری کمار ششیم ورت ۔

مدھیان:۔ باہ ترواہ چوداہ کا مدھیان شرادھ پہلے ہی دِن ۔

۲۶ جنوری گن تنتر ودس۔ یوم جمہوریہ۔ ۲۸ جنوری ماگھ پورنماشی ورت ۔

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ = ملماسیوں کا ماگھ کرشن پکھ بھانہ ماسیوں کا پھاگن کرشن پکھ (ماگھ کرشن پکھ کھیہ پکھ) ۲۵-۵۲ بکر سریہ دھن ہیون بدھ کیت

قومبھ ارم شکر تول شنیچر وریک برہسپت متقن راہ عیسوی ۱۹۸۳

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	نچھتر	[illegible]	[illegible]	تتھی	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ۔	سوریہ ادے	سوریہ است
۱۷	ماگھ												۷ بجے	۵ بجے
۴	۹	۱۴	۱۶	۲۹	سنیچروار	اشلیش	۲	۴۵	اکدو	۱۱	۱۴	۱ بجے ۴۱ رات سے گنڈات آرمبھ۔ ۴ بجے ۴۴م رات سے سہم میں چندرمہ۔ ۱۲ بجے ۲۷ رات سے ہیون	۱۹	۴۱
۱/۱۶	۱۰	۱۵	۱۷	۳۰	آتوار	مگ	۶	۲۷	دوی	۱۶	۴۲	۱۰ بجے ۲۲ دن سے گنڈات ختم۔ موسلم۔	۱۸	۴۲
۵۹	۱۱	۱۶	۱۸	۳۱	سوموار	پورفا	۹	۳۰	ترے	۷	۵۵	دوزا۔	۱۷	۴۳
۵۷	۱۲	۱۷	۱۹	فروری	منگلوار	اترفا	۱۲	۱۷	چودم	۴	۵	۸ بجے ۲۶ صبح سے کن میں چندرمہ۔ سنکٹ چودم ورت بڑا پتیا۔	۱۷	۴۳
۵۵	۱۳	۱۸	۲۰	۲	بدھوار	ہست	۱۴	۶	پنچم	۱	۲۲	آننده۔	۱۷	۴۳
۵۲	۱۴	۱۹	۲۱	۳	ویروار	چتر	۱۴	۵۴	شیٹم	۲۶	۲	۱ بجے ۲۲ دن سے تول میں چندرمہ۔ صاحب ستم۔ چرا۔	۱۶	۴۴
۵۱	۱۵	۲۰	۲۲	۴	شکروار	سوات	۱۴	۲۹	ستم	۲۵	۴۴	موسلم۔	۱۴	۴۶
۴۹	۱۶	۲۱	۲۳	۵	سنیچروار	ویشاکھ	۱۲	۵۳	اشٹم	۰	۲۴	۸ بجے ۵۶م شام سے وریک میں چندرمہ۔ شوم۔	۱۳	۴۷
۴۶	۱۷	۲۲	۲۴	۶	آتوار	انرادھ	۹	۵۵	نوم	۲	۳۵	مرتیو۔	۱۲	۴۸
۴۴	۱۸	۲۳	۲۵	۷	سوموار	ذیشٹھ	۵	۵۲	دہم	۵	۵۸	۲ بجے ۲۰ رات سے گنڈات آرمبھ کامیا۔	۱۱	۴۹
۴۱	۱۹	۲۴	۲۶	۸	منگلوار	مول	۰	۴۳	کاہ	۱۰	۱۵	۶ بجے ۵۳م صبح سے دھن میں چندرمہ و مول آرمبھ ا بجے ۲م دن سے گنڈات سماپت	۱۰	۵۰
۳۹	۲۰	۲۵	۲۷	۹	بدھوار	مول	۵	۹	باہ	۱۵	۱۴	۷ بجے ۲۸م صبح سے مکر میں سوچاری بدھ۔ ۹ بجے ۱۳ دن سے مول ختم..... شیوراتری دو دونا	۹	۵۱
۳۷	۲۱	۲۶	۲۸	۱۰	ویروار	پورشا	۱۱	۴۴	تروہ	۱۸	۲	شیوراتری ورت۔ بھانہ ماسیوں کی۔ ۶ بجے ۲۶ شام سے مکر میں چندرمہ پڑا پتیا۔	۸	۵۲
۳۵	۲۲	۲۷	۲۹	۱۱	شکروار	اترشا	۱۸	۲	چودہ	۱۲	۴۳	شیو چتردشی ایک۔ ۴ بجے ۶م رات سے چندرمہ است ، ۵ بجے ۱۴ رات سے ماسانت آرمبھ آننده۔	۸	۵۲
۳۲	۲۳	۲۸	پھاگن	۱۲	سنیچروار	شرون	۴۴	۱۲	اماوس	۷	۲۹	۵ بجے ۱۳ رات سے سنکراتی قومبھ میں سریہ مہورت ۳۰ سمندری۔ ۵ بجے ۴۲م رات سے کھیاس سماپت۔	۶	۵۴

شرادھ:- ستم کا شرادھ شیٹم کو باقی اپنے دن پر۔

مدھیان:- اپنے اپنے دنوں پر آئے گا۔

یکم فروری سنکٹ چودم ورت = ۲ فروری صاحب ستم = ۹-۱۰ فروری شیوراتری دو - بھانہ ماسیوں کی۔

۱۱ فروری شیو چتردشی ایک ملہ ماسیوں اور بھانہ ماسیوں کی = ۱۲ فروری کھیہ ماس سماپت۔

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ عیسوی ۱۹۸۲ ملہ ماسیوں کا پھاگن کرشنہ پکھ۔ بھانہ ماسیوں کا دوسرا پھاگن کرشنہ پکھ ۲۸-۱۶ + قومبھ سُریہ کیت شاکا ۱۹۰۴ ہجری ۱۴۰۲

مین بوم شکر مکر بدھ ورچک برہسپت تُول شنیچر متھن راہو دھن

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	تتھی	گھڑی	[illegible]	نچھتر	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ۔	سُریہ اُودے	سُریہ است
۱۵	پھاگن												۶بجے	۶بجے
۵۲	۹	۱۴	۱۷	۲۸	سوموار	پورنما د	۸	۵۲	اکدو د	۱۲	۱۲	۴بجے ۸ دن سے کنیا راشی میں چندرما۔ ۱بجے ۲۷ دن سے یورپ میں بدھ است ۵بجے ۱۸م دن	۵۰	۱۰
۴۹	۱۰	۱۵	۱۸	۱	منگلوار	اُترفا د	۶	۵۵	دوی د	۸	۳۶	۲بجے ۲۲ رات سے قومبھ راشی میں بدھ پرا پتیا +	۴۹	۱۱
۴۷	۱۱	۱۶	۱۹	۲	بدھوار	بست د	۵	۵۲	ترے د	۴	۵۵	سنکٹ چورم ورت ۹بجے ۷م رات سے تُول میں چندرما آنندہ۔	۴۸	۱۲
۴۴	۱۲	۱۷	۲۰	۳	ویروار	چتر د	۶	۲	چورم د	۴	۲۷	چترا +	۴۷	۱۳
۴۱	۱۳	۱۸	۲۱	۴	شکروار	سوات د	۷	۲۳	پنچم د	۴	۱۳	۴بجے ۲۵ رات سے ورچک میں چندرما۔ موسلم۔	۴۶	۱۴
۳۹	۱۴	۱۹	۲۲	۵	سنیچروار	وشاکھ د	۹	۵۹	ششم د	۶	۱۶	شوبھم۔	۴۵	۱۵
۳۶	۱۵	۲۰	۲۳	۶	آتوار	انرادھ د	۱۳	۴۸	سپتم د	۷	۳۶	میر تیو۔	۴۴	۱۶
۳۳	۱۶	۲۱	۲۴	۷	سوموار	ذلیشٹھ د	۱۸	۳۸	اشٹم د	۱۱	۰	۲بجے ۱۰م دن سے دھن چندرما مُول آرمبھ ۷بجے ۳۸ صبح سے ۸بجے ۴م شام تک گنڈات ملہ ہورا	۴۳	۱۷
۳۱	۱۷	۲۲	۲۵	۸	منگلوار	مول د	۲۴	۲۰	نوم د	۱۵	۲۰	۳بجے ۲۶م دن سے مُول ختم۔ ۸بجے ۳۲ رات سے مرگشور نکتر میں راہو۔ چھترم۔	۴۲	۱۸
۲۸	۱۸	۲۳	۲۶	۹	بدھوار	پورشا	۱	۲۷	دہم د	۲۰	۲۱	۱بجے ۲۷ رات سے مکر میں چندرما شری دت ۳۔	۴۱	۱۹
۲۵	۱۹	۲۴	۲۷	۱۰	ویروار	اُترشا	۸	۲	کاہ د	۲۵	۳۹	ملہ دجیا کاہ۔ شوبھیا۔	۴۰	۲۰
۲۳	۲۰	۲۵	۲۸	۱۱	شکروار	شرون	۱۴	۱۸	باہ	۱	۲۱	ملہ شیوراتری دلو۔ دُھمیا۔	۳۹	۲۱
۲۰	۲۱	۲۶	۲۹	۱۲	سنیچروار	دنیشٹھ	۱۶	۲۰	ترداہ	۶	۱	۱بجے ۳۹م دن سے قومبھ چندرما پنچک آرمبھ ملہ شیو چتردشی دو۔ پرودا۔	۳۸	۲۲
۱۷	۲۲	۲۷	۳۰	۱۲	آتوار	شتبھک	۱۰	۲۷	چوداہ	۹	۴۱	۳بجے ۵۲م دن سے چندرما است ۱۲بجے ۲۷ رات سے ماسانت آرمبھ کال بھُرون ۴بجے	۳۷	۲۳
۱۵	۲۳	۲۸	چیت	۱۴	سوموار	پوربھا	۶	۱	اماوس	۱۲	۱۳	۱۲بجے ۸ ۵م رات سے مین میں چندرما۔ ۱۲بجے ۲۷ رات سے سنکراتی مہوت ۱۵ سمندری سونتھ مُرغابیہ۔	۳۶	۲۴

شرادھ:۔ اکدو سے کاہ تک شرادھ پہلے ہی دِن باقی اپنے دِنوں پر۔

۲ مارچ سنکٹ چورم ورت = ۱۱ مارچ شیوراتری ملہ ماسیوں کی = مین میں سُریہ

مدھیان:۔ اکدو سے نوم تک مدھیان پہلے ہی دِن باقی اپنے دِنوں پر

۱۲ مارچ شیوراتری وشیو چتردشی ملہ ماسیوں کی = ۱۳ مارچ شیو چتردشی ملہ ماسیوں کی = ۱۴ مارچ سونتھ۔ سنکراتی ورت۔

شاکا ۱۹۰۴ عیسوی ۱۹۸۲ ہجری ۱۴۰۲

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۲۹ پھاگن شکلہ پکھ ـــــ ۲۶-۲۹ مین سُریہ بوم قومبھ بدھ ورچیک برہسپت تول شنیچر میش شکر مہتھن راہ دھن کیت:۔

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ۔	سُریہ اُودے	سُریہ است
۱۵													۶.۴ بجے	۶.۴ بجے
۱۴	۲۲	۲۹	۲	۱۵	منگلوار	اُتربھاد	۲	۱۷	اکدو	۱۲	۱۲	۷بجے ۴۵م شام سے اُدھے چندرمہ ـ سیدا۔	۳۴	۲۶
۹	۲۵	۳۰	۳	۱۶	بدھوار	اُتربھاد	۰	۱۶	دوی	۱۳	۲۰	ابجے ۶م رات سے گنڈات آرمبھ۔ الایکا۔	۳۳	۲۷
۷	۲۶		۴	۱۷	ویروار	ریوت	۱	۲۹	ترے	۱۲	۱۲	سبجے ۱۰ صبح سے میش راشی میں چندرمہ وپنچک سماپت: ابجے ۱۴ دِن سے گنڈات ختم میترم۔	۳۲	۲۸
۴	۲۷	۲	۵	۱۸	شکروار	اسون	۱	۲۲	چورم	۹	۴۱	درزم۔	۳۱	۲۹
۱	۲۸	۳	۶	۱۹	سنیچروار	برن	۰	۲۹	پنچم	۶	۸	۲ابجے ۲۱م دِن سے ورِش میں چندرمہ ووایکیا۔	۳۰	۳۰
۱۵	۲۹	۴	۷	۲۰	آتوار	روہن	۱	۲۶	ششم	۱	۴۷	دِن رات برابر۔ کمار شیم ورت پڑاتیا۔ ۴بجے ۲۲ دِن سے وشیو پدم۔	۳۰	۳۰
۱۴ ۵۷	۲۰	۵	۸	۲۱	سوموار	مرگشور	۴	۲۲	ستم	۲۶	۴۹	۴بجے ۲م دِن سے متھن میں چندرمہ نوروز عالم ـ تیل اشٹمی بولا اشٹمی آنندہ۔	۲۸	۳۲
۵۵		۶	۹	۲۲	منگلوار	آدرا	۷	۴۷	اشٹم	۲۱	۲۲	چرا۔	۲۸	۳۲
۵۲	۲	۷	۱۰	۲۳	بدھوار	پنردس	۱۱	۲۳	نوم	۱۵	۳۶	۶بجے ۲۸م شام سے کرکٹ میں چندرمہ موسلم۔	۲۶	۳۳
۴۹	۳	۸	۱۱	۲۴	ویروار	پتش	۹	۱۴	دہم	۹	۲۸	شوبم۔	۲۵	۳۵
۴۷	۴	۹	۱۲	۲۵	شکروار	اشلیش	۶	۰	کاہ	۳	۵۴	ترہا دِن کم۔ ۹بجے ام شام سے سہم میں چندرمہ۔ ۲بجے ۲۰ دِن سے ۲بجے ۳۶ رات تک گنڈات	۲۴	۳۶
۴۴	۵	۱۰	۱۳	۲۶	سنیچروار	مگھ	۲	۲۶	ترواہ	۱	۴۰	کامیا۔	۲۳	۲۷
۴۱	۶	۱۱	۱۴	۲۷	آتوار	پوربھاد	۳۰	۶	چوداہ	۶	۴۸	سُوریہ ماس۔ ۱۲بجے ۸م رات سے کن میں چندرمہ۔ ۶بجے ۱۰م شام سے میش راشی میں بوم چھترم۔	۲۲	۲۸
۳۸	۷	۱۲	۱۵	۲۸	سوموار	اُتربھاد	۲۷	۵۷	پونم	۱۱	۱۶	ہولی پورنماشی دھرم منوجنم ـ شری دت۳ ـ	۲۱	۲۹

شرادھ:۔ اشٹم سے ماہ تک شرادھ پہلے ہی دِن باقی اپنے دِنوں پر۔

۲۰ مارچ کمار شیم ورت ـ وشیو پدم ء ۲۱ مارچ نوروز دِن ـ دِن رات برابر۔

مدھیان:۔ دہم کاہ ماہ کا مدھیان پہلے ہی دِن باقی اپنے دِنوں پر۔

۲۷ مارچ سُریہ ماس = ۲۸ مارچ ہولی۔

شاکا ۱۹۰۴ ہجری ۱۴۰۲ھ

سپت رشی سمت ۵۰۵۸ بکرمی سمت ۲۰۳۹ عیسوی ۱۹۸۲ جیت کرشنہ پکھ ۲۰-۲۸ مین سریہ بدھ میش بوم شکر ورچک برہسپت تول شنی میتھن راہ دھن کیت

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	وار	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	یوگ کیفیت وغیرہ۔	شریہ اُودے	شریہ است
۱۲/۲۶	چیت ۸	۱۳	۱۶	۲۹	منگلوار	ہست	۲۶	۴۲	اکدو	۱۷	۲۰	۴بجے ۵۴م رات سے تول میں چندرمہ موُمیا۔	۶بجے ۲۰	۶بجے ۴۰
۳۳	۹	۱۴	۱۷	۳۰	بدھوار	چترا	۲۶	۲۴	دوی	۹	۵۳	۱۰بجے ۵۵م دن سے ہیون چندرمہ کال ڈنڈا۔	۱۹	۴۱
۳۱	۱۰	۱۵	۱۸	۳۱	بروار	سوات	۲۷	۲۵	ترے	۹	۲۲	ستھرا	۱۸	۴۲
۲۸	۱۱	۱۶	۱۹	اپریل	شکروار	ویشاکھ	۲۹	۵۵	چورم	۱۰	۲۸	سنکٹ چورم ورت ۱۱بجے ۸ ۵م دن سے ورچک میں چندرمہ ماتنگا۔ ۱۱بجے ۲۵م رات سے اُودھے	۱۷	۴۳
۲۶	۱۲	۱۷	۲۰	۲	سنیچروار	انرادھ	۲	۱۶	پنجم	۱۲	۳۹	امرتم۔	۱۶	۴۴
۲۳	۱۲	۱۸	۲۱	۳	آتوار	جیشٹھ	۶	۵۰	ششم	۱۶	۱۳	۹بجے ۳۰ رات سے دھن چندرمہ مول آرمبھ ۲بجے دن سے ۲بجے ۵۸ رات تک گنڈات کانڈا۔	۱۵	۴۵
۲۰	۱۳	۱۹	۲۲	۴	سوموار	مول	۱۲	۴۳	ستم	۱۲	۵۱	۷بجے ۴۰ صبح سے میش راشی میں بدھ۔ ۱۱بجے ۵۱ رات سے مول ختم + کامیا۔	۱۴	۴۶
۱۸	۱۵	۲۰	۲۳	۵	منگلوار	پورشا	۱۶	۲۵	اشٹم	۸	۲۸	میترم۔	۱۳	۴۷
۱۵	۱۶	۲۱	۲۴	۶	بدھوار	اترشا	۱۰	۸	نوم	۲	۲۲	ترسپک دن ادھیک۔ ۸بجے ۵۲ صبح سے مکر راشی میں چندرمہ۔ ۱۱بجے ۲۸ رات سے بوم	۱۲	۴۸
۱۲	۱۷	۲۲	۲۵	۷	بروار	شرون	۳	۲۸	نوم	۱	۲۹	دوزا۔	۱۰	۵۰
۱۰	۱۸	۲۳	۲۶	۸	شکروار	شرون	۲	۴۵	دہم	۶	۴۰	۸بجے ۲۸ شام سے کومبھ چندرمہ پنچک آرمبھ دومیا۔ ۱۱بجے ۱۰م دن سے ورش میں شکر۔	۱۰	۵۰
۷	۱۹	۲۴	۲۷	۹	سنیچروار	دھنشٹھ	۸	۲۸	کادہ	۱۱	۴	پرودا۔ پاپ موچنی کادہ۔	۸	۵۲
۴	۲۰	۲۵	۲۸	۱۰	آتوار	شتبھک	۱۳	۲۴	بادہ	۱۴	۲۸	کھیا۔	۷	۵۳
۲/۱۳	۲۱	۲۶	۲۹	۱۱	سوموار	پوربھا	۱۷	۲۲	تردواہ	۱۷	۹	۶بجے ۴۸ صبح سے مین میں چندرمہ ۱بجے ۱۸م رات سے چندرمہ است گرا۔	۷	۵۳
۵۹	۲۲	۲۷	۳۰	۱۲	منگلوار	اتربھا	۲۰	۲۴	چوداہ	۱۸	۲۳	سیدا۔	۵	۵۵
۵۶	۲۳	۲۸	۲۱	۱۳	بدھوار	ریوت	۲۱	۵۷	اماوس	۱۹	۳	۲بجے ۵۱م دن سے میش میں چندرمہ پنچک ختم۔ ۸بجے ۲۱م دن سے ۸بجے ۵۸م شام تک گنڈات	۴	۵۶

شرادھ ۔ دہم سے اماوس تک شرادھ سمی پہلے جو دن باقی اپنے دنوں پر۔

یکم اپریل سنکٹ چورم ورت۔

مدھیان ۔ دہم کا ماہ کا مدھیان پہلے ہی دن باقی اپنے دنوں پر۔

۱۳ اپریل اماوسی وقت چندر سمت سرسایت ماسانت۔

بارہ راشیوں کا ماسک و وارشک پھلادیش سمہ ۸۳-۱۹۸۲ء

میش راشی کا ماسک پھل

میش راشی

اپریل:- راج دربار میں عزت مان اچھا ملے بگڑے ہوئے کام سُدھر جانیکا امکان بچوں سے سکھ اور کوئی خوش خبری ملے گی۔ ماس کے درمیانی حصہ میں کسی سے ناراضگی رہیگی۔ فضول سفر کرنا پڑے گا۔ ۱۱-۱۶-۲۴-۲۹-۲۱ تاریخیں خراب ہیں۔

مئی:- روزگار میں ترقی کا امکان۔ دربار سے فائدہ ادتم۔ رشتہ داروں سے میل ملاپ۔ گھر کے کسی خاص آدمی کی فکر۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف کسی کام کے لئے سفر سے کچھ کشٹ آنکھوں میں کشٹ صحت میں گرمی۔

جون:- کاروبار کی حالت مدھم۔ زمین جایداد سے فایدہ۔ دھن کا خرچ صحت میں کمزوری دشمنوں کا خوف گھریلو فکر کوئی تبدیلی کا امکان۔ سفر سے فایدہ استری بچھ سے کچھ ناراضگی۔ دربار اچھا رہیگا۔

جولائی:- ہر ایک کام سُدھر جانے کا امکان۔ کسی نئے دوست سے میل جول۔ استری کا سکھ مدہم۔ دشمنوں کا خوف صحت میں گڑبڑ۔ مان اچھا۔

اگست:- صحت کے کسی حصے میں تکلیف دھن کا فضول خرچ۔ دشمنوں کا خوف۔ مقدمے کا ڈر۔ راج دربار میں لڑائی جھگڑوں سے پریشانیاں۔ جایداد کی فکر۔ سفر سے فایدہ کم۔

ستمبر:- آنکھوں میں کشٹ آمدن کم ہوکر خرچ زیادہ گذشتہ ماس کی نسبت کچھ اچھا رہیگا۔ دوڑ دھوپ کرنی پڑے گی۔ دھن کا خرچ۔ سوچ وچار کرکے کام کرنا ضروری ہے۔

اکتوبر:- دھن کا فایدہ ادتم۔ کاروبار میں فایدہ۔ کسی رشتے دار سے فایدہ۔ سواری کا سکھ۔ بگڑے ہوئے کام سُدھر جانیکا امکان۔

نومبر:- دشمنوں کا خوف کم۔ برادری سے ناراضگی یاترا سے فائدہ۔ استری اور سنتان کا سکھ۔ دھن کا فائدہ اُدتم ملے۔ دل میں کچھ بے چینی۔

دسمبر:- صحت میں گڑبڑ۔ دھن کا فضول خرچ آمدنی کم۔ کسی کے ساتھ لڑائی جھگڑے ہونے کا امکان۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا ڈر بہت کے پربھاو سے دربار اچھا رہیگا۔

جنوری سمہ ۱۹۸۳ء:- دشمنوں سے خبردار رہیں۔ سفر میں پریشانی۔ استری کا

سکھ اچھا۔ دربار اچھا۔ کسی کام میں دھن کا خرچ ۔ کاروبار میں فایدہ۔

فروری:- رشتہ داروں سے کچھ بگاڑ۔ اگر کوئی نیا کام کرنا ہو تو ہوشیاری سے کریں۔ ورنہ دھن کا خرچ اور نقصان ہونیکا ڈر رہیگا ۔

مارچ:- دوست سے میل ملاپ اور فایدہ کاروبار کی نئی سکیم اور دھن کا خرچ ۔ دشمنوں کا خوف ۔ صحت میں خرابی۔ سفر سوچ وچار کرکے کریں ۔ ورنہ نقصان ہونے کا اندیشہ ۔

میش راشی کا وارشک پھل

میش راشی والوں کے لئے یہ ورش۔ مدہم پھل دایک ہوگا۔ ورش کا پہلا حصہ اچھا رہیگا اور دوسرا حصہ کچھ ناقص رہیگا۔ سال کے پہلے حصے میں روزگار میں اضافہ۔ دھن کا فائدہ شُبھ کاموں پر صرف ہوگا۔ زمین جایداد کا سکھ اور سفر سے فایدہ ملے گا۔ اگر کوئی نیا تعمیری کام کرنا ہو تو سال کے پہلے حصے میں کریں۔ اسکے علاوہ سال کے دوسرے حصے میں دھن کا فضول خرچ استری کچھ کمزور رہے اور سنتانوں کی فکر بھی رہے۔ کیونکہ آپ کو اس ورش سنیچر اور برہسپت دونوں وکری اور راست ہوتے ہیں۔ اس لئے سال کے دوسرے حصے میں آپ خبردار رہیں۔ کسی کے دھوکے میں نہ آویں ورنہ مقدمے کا خوف اور رشتہ دار کی بیماری استری کشٹ اور چوٹ کا خطرہ بنا رہیگا۔ شراون مگھر اور چیت کا مہینہ ناقص رہینگے ۔ آپ کو سنیچر آٹھواں ہونے سے اندرونی طور سے دشمنوں کا پربھاؤ خراب رہیگا۔

لہٰذا میش راشی والوں کو چاہئیے کہ ہر سنیچروار کے دن ویشنو رہیں اور میٹھا بھوجن کھاویں شُبھ پھل دایک رہیگا ۔

ورِیش راشی کا ماسک پھل

اپریل:- آمدنی اور خرچ سم ۔ فایدہ مدہم ۔ کسی دوست سے بگاڑ۔ استری کچھ کمزور۔ نقصان کا اندیشہ۔ سفر سے فایدہ۔ صحت میں کمزوری آنکھوں میں کشٹ ۔

مئی:- ہر ایک کام میں فایدہ دربار میں مان اچھا۔ رشتہ داروں سے فایدہ۔ دھن کا فایدہ۔ کسی اجنبی سے ملاقات۔ پریوار کا سکھ اُتم۔ خون کی خرابی۔

جون:- کاروبار یا نوکری میں کچھ پریشانی۔ ستھان تبدیلی کا امکان۔ سفر سے فایدہ عزت اچھا۔ کسی عزیز سے ملاقات۔ دشمنوں کا خوف کم رہیگا۔ برادری سے فایدہ اور صحت میں مدہم فایدہ ۔

جولائی:- کسی رشتہ دار یا گھریلو فکر ۔ دھن کا فضول خرچ۔ فایدہ کم۔ لڑائی جھگڑا ہونے کا امکان۔ دل میں بے چینی اور سفر سے فایدہ کم۔

اگست:- کوئی نئی فکر۔ سفر کرنے کا امکان۔ دھن کا خرچ۔ برادری سے ناراضگی ۔ دشمنوں کا خوف۔ رشتہ داروں سے فایدہ کم۔ دل میں بے چینی ۔ صحت کمزور ۔

ستمبر:- صحت میں گڑبڑ۔ دھن کا نقصان۔ آشاؤں میں نراشا رہے۔

مانسک اشانتی بنی رہے گی۔ ماس کے انت پر دھن کا فایدہ۔ صحت اچھا۔ یاترا سے فایدہ اُتم ملے۔

اکتوبر:- کاروبار مدہم۔ اچانک نقصان ہونے کا اندیشہ۔ کسی نئے کام میں دھن کا خرچ۔ نوکری اور کاروبار میں ترقی ملنے کی سمبھاونا۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔

نومبر:- ہر ایک کام میں فایدہ۔ رشتہ داروں سے سکھ اور فایدہ برادری سے رنجش۔ یاترا سے فایدہ۔ بچوں کی طرف سے خوشی۔ راج دربار میں عزت اور مان سواری کا سکھ اُتم ملے۔

دسمبر:- نوکری میں راج یوگ۔ نئے کام کا دچار۔ دھن کا فایدہ۔ روزگار میں ترقی۔ صحت میں کمزوری۔ استری کچھ نربل بگڑے ہوئے کام سُدھر جائینگے۔

جنوری:- نئے کاموں میں رُکاوٹ۔ دشمنوں کا خوف۔ صحت میں کمزوری سفر سے فایدہ۔ گھریلو کاموں میں سکھ اور رشتہ داروں کا سکھ۔

فروری:- لابھ کم۔ دھن کا خرچ زیادہ۔ استری کچھ کمزور۔ بچوں کیطرف سے سکھ۔ کسی نئے دوست یا رشتہ دار سے ملاقات۔ سواری کا سکھ اچھا۔

کاروبار کی نئی سکیم۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ دھن کا کچھ حصہ نقصان۔ کسی سے دھوکہ۔ من میں چنچلتا بنی رہے۔

وریش راشی کا وارشک پھل

وریش راشی والوں کو ورِش کے پہلے حصے سے پانچواں منگل ہے اس کارن سے ان کی بُدھی میں کچھ تیزی اور لڑائی جھگڑے ہونے کی سمبھاونا ہے۔ جون سے لیکر اگست تک شُکر کا پربھاؤ اچھا رہیگا۔ اس کارن سے بگڑے ہوئے کام میں سُدھار اور دھن کا فایدہ اُتم رہے۔ گھریلو سکھ، دربار میں عزت اور سواری کا سکھ اچھا رہیگا۔ اسکے بعد سنیچر اور برہسپت جو کہ اکٹھے ہو کر اس راشی پر اپنا پربھاؤ ڈالتے ہیں اِس کارن سے برادری میں سکھ اچھا رہے۔ کسی نیک کام میں دھن کا خرچ رہے۔ علم میں اچھا فایدہ ملے۔ مگر صحت میں خون کی کمی کی وجہ سے مانسک اشانتی بنی رہے گی۔ دشمنوں کا خوف مدہم رہیگا۔ وریش راشی والوں کے لئے اشاڑھ۔ شراون کتک پھاگن کے مہینے کچھ ناقص ہیں۔ اِن میں دھن ہانی اور صحت میں کمزوری تھا مقدمے کا خوف بنا رہیگا۔ وریش راشی والوں کو اس سال ہنومان جی کی پوجن کرنی ضروری ہے اور منگلوار کے دن میٹھا بوجن کھانا ضروری ہے۔ اسکے علاوہ اگر ہو سکے تو ہر شکلہ پکھ کی اشٹمی کا ورت بھی دھارن کریں۔ شبھ پھل دھایک ہوگا۔

مِتھن راشی کا ماسک پھل

اپریل:- اس ماس میں کاروباری حالت کچھ پریشان کن رہینگے گھریلو جھگڑوں

میں کچھ پریشانی ہوگی۔ من میں بے چینی رہیگی۔ کسی خاص رشتہ دار سے دھن کی ہانی ماس کے آخیر میں کچھ دھن کا فایدہ اور بگڑے کام سُدھر جانے کا اِمکان۔ استری کو کشٹ ۷۔ ۱۳۔ ۱۹۔ ۲۵۔ ۲۷ ناقص ہیں۔

مئی:- کسی رشتہ دار کی فکر۔ دھن کا خرچ۔ کاروبار میں عزت اور فایدہ۔ بگڑے کام سُدھر جانے کا اِمکان۔ استری اور بچوں کی طرف سے خوشی بڑھی کارِد کا س ہو۔ سفر سے فایدہ۔

جون:- کاروبار کچھ مدہم۔ دشمنوں کا خوف۔ دھن کی فکر۔ صحت میں گڑبڑ۔ سفر سے فایدہ۔ گرہست کچھ شُبھ۔ آمدنی مدہم۔ پریمی لوگوں سے ملاقات۔ پریوار میں شانتی۔

جولائی:- گذشتہ ماس کی نسبت کاروبار اچھا۔ بچوں کی طرف سے خوشی۔ استری کا سکھ۔ دربار میں فایدہ۔ بگڑے ہوئے کام سُدھر جانے کا اِمکان۔ دوستوں اور رشتہ داروں سے میل ملاپ اور عزت۔ مکان کی فکر۔ صحت میں کچھ کمزوری۔

اگست:- دھن کا لابھ مدہم۔ استری کچھ فکر۔ سفر سے فایدہ کم۔ پریوار کی فکر۔ کسی دوست سے دکھ۔ آمدنی خرچ برابر۔ سخت محنت کرنے پر دھن کا فایدہ مدہم۔

ستمبر:- ہر ایک کام سُدھر جائیگا۔ دربار میں عزت اچھا۔ کاروبار اچھا۔ صحت میں کمزوری۔ یاترا سے کچھ کشٹ۔ گھریلو جھگڑوں سے بچیں۔ پیٹ میں کشٹ۔ سنیچروار کے دن کتوں کو روٹی ڈالیں۔

اکتوبر:- اچانک نقصان ہونے کا اندیشہ۔ دشمنوں کا ڈر۔ من میں چنچلتا۔ کاروبار کی حالت مدہم۔ آنکھوں میں کشٹ۔ سواری کا سکھ۔ دربار میں عزت۔

نومبر:- سفر سے فایدہ۔ پریوار میں سُکھ۔ کاروبار اچھا۔ استری کچھ سکھ۔ نئے کام میں دلچسپی۔ ماس کے انت میں استری کشٹ۔ صحت کمزور ہے۔ سفر کرنا ہوگا۔

دسمبر:- کسی رشتہ دار کی فکر۔ نئے دوستوں سے میل ملاپ۔ کاروبار اچھا۔ برادری سے فایدہ۔ دربار میں اُتم مان۔

جنوری:- نئے کام کا وچار۔ سواری کا سکھ۔ صحت میں کمزوری اور گرہست کچھ اچھا۔ کاروبار مدہم۔ سفر سے فایدہ۔

فروری:- استری اور بچوں کی فکر۔ کاروبار اچھا۔ دربار میں اُتم مان۔ نیک کاموں میں دلچسپی ہوگی۔

مارچ:- یاترا میں نقصان۔ استری سے جھگڑا۔ اور بیماری کا خوف۔ رشتہ دار سے خوشی۔ پریوار میں کچھ اشانتی بنی رہے گی۔

مِتھن راشی کا وارشک پھل

مِتھن راشی والوں کو سنیچر بربھاو اِس ورش مدہم رہے گا۔ ستمبر کے انت تک صحت میں گڑبڑ۔ پیٹ اور آنکھوں میں کشٹ۔ دوڑ دھوپ اور من میں چنچلتا بنی رہے۔ اسکے ساتھ ساتھ دشمنوں کا خوف، بچوں کی فکر۔ دھن کا فایدہ مدہم اور پریوار میں کچھ لڑائی جھگڑے ہونے کی سمبھاونا بنی رہے گی۔

مِیتھن راشی والوں کو جیٹھ اسوج اور ماگھ کے مہینے کچھ خراب ہیں۔ ستمبر کے بعد آپکو ہر ایک کام سپھلتا پوروک سِیدھ ہونگے۔ منو کامنا پوری ہوگی۔ ہر ایک کام میں فایدہ اور دھن کا فایدہ ملے گا۔ سنتان کی طرف سے خوشی کا امکان۔ بگڑے کاموں میں سُدھار ہوگا۔ مِیتھن راشی والوں کو چاہیے کہ وہ شری بھگوان شنکر جی کو ہر دن جل چڑھاویں اور اماوسی کا ورت رکھا کریں۔ اگر ہو سکے تو اشٹمی کے دن بھوانی سہسر نام کا پاٹھ کیا کریں۔

کرکٹ راشی کا ماسک پھل

اپریل:۔ دھن کا فایدہ مدہم۔ کسی متر سے دھوکہ۔ کاروبار کی حالت مدہم رہیگی دشمنوں کا خوف۔ لڑائی جھگڑا میں من پریشان۔ ماس کا پہلا حصہ کچھ خراب۔ سوچ وچار کے کام کریں۔

مئی:۔ بچوں کی فکر۔ استری سکھ اچھا۔ دھن کا خرچ۔ سفر سے مدہم فایدہ صحت میں کمزوری۔ ماس کے آخر میں دوستوں سے فایدہ اُتم رہے۔

جون:۔ کسی نیک آدمی سے میل ملاپ۔ سفر سے فایدہ اوتم کاروبار میں عزت اور مان اچھا رہے۔ نصیب اچھا رہے۔ نزدیکی رشتہ دار سے فایدہ۔ دھن کا فایدہ اوتم۔ صحت میں گرمی۔ گھریلو جھگڑوں سے بچیں۔

جولائی:۔ سفر سے مدہم فایدہ۔ نئے کام کا وچار۔ صحت میں گڑبڑ۔ دشمنوں کا خوف زیادہ۔ اور آمدنی مدہم۔

اگست:۔ صحت میں کمزوری۔ پیٹ میں گڑبڑ۔ چوٹ کا خوف۔ کاروبار میں فایدہ اُتم۔ کسی پریمی سے ملاقات۔ گھریلو پریشانیاں۔

ستمبر:۔ کچھ سمپا حلا بنی رہیگی۔ راج دربار میں ترقی۔ بچوں کا سکھ ملے گا۔ اس مہینہ میں فکر دور ہوگی اور دل کی مراد پوری ہوگی۔

اکتوبر:۔ دشمنوں کا خوف۔ صحت میں گڑبڑ۔ دھن کا نقصان۔ سفر سے فایدہ کم۔ زمین جایداد کی فکر۔ دربار اچھا۔

نومبر:۔ کاروبار میں کچھ پریشانی۔ یاترا سے کچھ کشٹ۔ بگڑے کام سُدھر جانے کا اِمکان۔ کسی رشتہ دار کی فکر۔ دشمنوں کا اندرونی طور سے خوف۔

دسمبر:۔ بگڑے کام سُدھر جانے کا اِمکان۔ دشمنوں کا خوف کم۔ دھن کا فایدہ کم۔ صحت میں گرمی اور پیٹ میں کشٹ۔ ماس کا آخری حصہ اچھا رہیگا۔

جنوری سنہ ۱۹۸۳ء:۔ کاروبار کی حالت بہتر۔ رشتہ داروں کا سکھ۔ دوستوں سے میل ملاپ۔ سفر سے فایدہ۔ استری کشٹ اور دھن کا خرچ مدہم رہے گا۔

فروری:۔ یاترا کا وچار۔ دشمنوں کا اندرونی طور سے خوف۔ کسی نئے آدمی سے میل ملاپ کاروبار مدہم۔

مارچ:۔ نئے کام کا وچار۔ کاروبار اچھا۔ صحت میں کمزوری۔ استری سکھ شبھ پھل دایک۔ دوستوں سے دھن کا فایدہ۔ سواری کا سُکھ۔ نیک کاموں پر دھن کا خرچ۔

کرکٹ راشی کا وارشک پھل

یہ ورش کرکٹ راشی والوں کے لئے مدہم پھل دایک ہونگے۔ استری پکھ کچھ کمزور بنا رہے گا۔ سال کے دوسرے چھ ماہ بالکل خراب ہونگے۔ دھن کی ہانی اور اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف بنا رہے گا۔ کسی رشتہ دار کی صحت خراب رہیگی۔ دھن کا فایدہ کم رہیگا۔ مانسک اشانتی بنی رہے گی۔ زمین جایداد اور دربار میں کچھ رکاوٹ پیدا ہونگی۔ محنت کرنے پر بھی فایدہ مدہم رہے گا۔ کاروبار میں کچھ رکاوٹیں پیدا ہونگی۔ بچوں کی طرف سے خوشی کا امکان ہے۔ سفر سے فایدہ اُتم ملے گا۔ بیساکھ۔ بہادروں اور پوہ ماس خراب ہونگے۔ کرکٹ راشی والوں کو چاہیے کہ وہ سنیچر وار کے دن میٹھا بوجن کھاویں اور ہر روز بھوانی سہم نام کا پاٹھ کریں۔ اور ہر روز کتوں کو تیل لگا کر روٹی ڈالیں شبھ کاری ہوگا۔

سہم راشی کا ماسک پھل

اپریل ۱۹۸۲ء:۔ کاروبار میں اچانک رکاوٹ۔ استری کی طرف سے خرچ زیادہ۔ بچوں کا سکھ اچھا۔ سفر سے فایدہ کم۔ مانسک اشانتی بنی رہے گی۔

مئی:۔ گذرے ہوئے ماس کی نسبت کاروبار مدہم۔ دشمنوں کا خوف۔ برادری کا سکھ۔ رشتہ داروں سے میل ملاپ۔ نئے یوجناوں سے دھن کا فایدہ۔ صحت مدہم۔

جون:۔ صحت میں خرابی۔ چوٹ کا خطرہ۔ گھر میں جھگڑوں سے بےچین عورت کی صحت ناساز اور سفر سے فایدہ مدہم رہے گا۔ دوستوں سے فایدہ۔ کاروبار اچھا۔

جولائی:۔ اِس ماس میں آمدنی خاصی ہو کر شبھ کاموں میں دھن کا فایدہ دشمنوں کا ناش نصیب اچھا رہے گا۔ راج دربار میں عزت اور مان اچھا ملے گا۔

اگست:۔ کاروبار مدہم۔ کسی نئے کام میں دھن کا فضول خرچ۔ زمین سے فایدہ۔ راج دربار میں عزت اور مان۔ دھارمک کاموں سے فایدہ۔

ستمبر:۔ صحت میں خون کی خرابی۔ بیماری کا خوف۔ کاروبار اچھا۔ دھن کا خرچ۔ رشتہ داروں کی طرف سے پریشانی۔ زمین جایداد کی فکر۔ کسی سے جھگڑا۔ من میں چنچلتا بنی رہے گی۔

اکتوبر:۔ دربار میں اُتم فایدہ۔ بگڑی ہوئی حالت سُدھرنے کا اِمکان۔ کسی نیک آدمی کی طرف سے خوش خبری کا امکان۔ عورت کا فایدہ اور دوستوں سے میل ملاپ اور فایدہ۔

نومبر:۔ کاروبار میں اچانک رکاوٹ۔ سفر سے فایدہ۔ صحت میں گراوٹ۔ سنتانوں کی فکر۔ ماس کے آخر میں کاروبار میں فایدہ۔ فکر اندرونی رہیگی۔

دسمبر:۔ من میں چنچلتا۔ کسی رشتہ دار کی فکر۔ کاروبار اچھا۔ ماس کے آرمبھ میں کچھ کشٹ۔ سفر سے فایدہ اُتم۔ دھن کا فایدہ۔

جنوری ۱۹۸۳ء:- راج دربار میں عزت مان اچھا۔ نیک کاموں میں
دھن کا فائدہ۔ رشتہ داروں اور دوستوں
سے میل ملاپ۔ سفر سے فائدہ۔ استری سکھ اچھا۔

سنتانوں کی طرف سے فائدہ۔ دھن کا فائدہ اُتم۔ جایداد کی فکر۔
فروری:- منگلوار کے دِن کُتّوں کو روٹی ڈالیں۔

استری کچھ کمزور۔ یاترا سے فائدہ۔ کاروبار میں اچانک فائدہ۔
مارچ:- دھن کا فائدہ۔ رشتہ داروں کی طرف سے دھن کا فائدہ۔ خوشخبری
اور انت میں فکر۔

سمبھ راشی کا وارشک پھل

سمبھ راشی والوں کے لئے اس سال سینچر کا پربھاؤ اچھا رہے گا۔ مگر
برہسپت کا پربھاؤ کچھ مدہم سا بنا رہے گا۔ اِس کارن سے کاروبار میں فائدہ
اُتم ملے گا۔ مگر کسی رشتہ دار کی فکر ضرور آپکو لگا کرے گی۔ دھن کا فائدہ
سال کے شروع میں بہت اچھا رہے گا۔ من مُراد اس سال پوری ہو سکتی
ہے۔ دوستوں اور رشتہ داروں سے میل ملاپ اور بگڑے ہوئے
کام سُدھرنے کا اِمکان۔ سال کے مدہم حصے میں کچھ دھن کی کمی ہوگی جس
سمبھادنا ہے۔ مانسک اشانتی بنی رہے گی۔ برہسپت کے پربھاؤ سے کسی رشتہ دار کی فکر
بنی رہے گی۔ شراون مگھر اور چیت کا مہینہ سمبھ راشی والوں کے لئے
ہانی کارک ہیں۔ ان مہینوں میں سوچ وچار کر کے کام۔ ورنہ ہانی کا خوف
بنا رہے گا۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف بنا رہے گا۔ استریوں کے لئے
یہ ورش مدہم پھل دایک ہے۔ صحت میں گرمی اور چوٹ کا خوف بنا رہیگا۔
سمبھ راشی والوں کو چاہیے کہ وہ اپنے اشٹھ دیو کا پوجن اور سنکراتی ورت
ضرور رکھیں۔ تتھا سینچروار کے دن پیلا چاول کتّوں کو ڈالیں شبھ کاری ہوگا۔

کنیا راشی کا ماسک پھل

کاروبار میں اچانک فائدہ۔ دوستوں سے خوشی۔
اپریل ۱۹۸۲ء:- گھریلو فکر۔ سفر سے فائدہ آمدنی اُتم۔
کسی نیک کام کا خیال۔ کاروبار میں عزت۔ دربار میں مان اچھا۔
مئی:- برادری کا سکھ۔ دھن کا خرچ شبھ کاموں پر صرف ہوگا۔
کاروبار مدہم۔ سنتان کی طرف سے فائدہ۔ استری کچھ کمزور۔
جون:- دوستوں سے میل جول اچھا رہے۔ چوٹ لگنے کا خطرہ۔
کاروبار اچھا۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ دھن کا خرچ
جولائی:- نصیب اچھا۔ سفر سے فائدہ۔ نیا کام کرنے کا وچار۔
یاترا سے نقصان۔ دھرم کے کاموں میں فائدہ۔ دل میں کچھ
اگست:- بے چینی۔ کسی رشتہ دار کی فکر۔ صحت میں کمزوری۔
ماس کے آخیر میں فائدہ۔
صحت میں کمزوری۔ دھن کا خرچ۔ استری کچھ کمزور۔ اولادوں سے
ستمبر:- فائدہ۔ راج دربار سے فائدہ آمدنی مدہم۔

اکتوبر :- کاروبار میں مدہم فایدہ۔ رشتہ داروں اور دوستوں سے میل ملاپ دربار میں اچانک فایدہ۔ سفر سے فایدہ مدہم رہے گا۔

نومبر :- کاروبار کی حالت بہتر۔ سواری کا سکھ۔ کسی اجنبی سے میل ملاپ دھن کا فایدہ۔ استری پکھ کمزور۔ سنتان سکھ مدہم۔

دسمبر :- دربار میں فایدہ۔ دھن کا نقصان۔ صحت کمزور۔ دوستوں سے میل جول اچھا رہے گا۔ لین دین کے کاموں میں دھن خرچ۔

جنوری :- صحت میں کمزوری۔ بیماری کا خوف۔ من میں چنچلتا بنی رہیگی بچوں کی طرف سے خوشی کا پیغام۔ دھن کا خرچ اُوتم رہے۔

فروری :- کسی رشتہ دار یا عزیز کی صحت میں گراوٹ اور فکر۔ سفر سے مدہم فایدہ۔ دشمنوں کا خوف۔ کاروبار میں فایدہ کم۔ سوچ سمجھ کر کام کریں۔

مارچ :- یاترا سے فایدہ۔ سواری کا سکھ۔ دھن کا فایدہ اُدتم۔ بچوں کی فکر۔ صحت میں کچھ گڑبڑ۔ کاروبار اچھا رہے گا۔

کنیا راشی کا وارشک پھل

کنیا راشی والوں کے لئے یہ ورش دوڑ دھوپ کا سال ہوگا۔ صحت میں اچانک کمزوری اور دشمنوں کا خوف بنا رہے گا۔ کسی رشتہ دار کی فکر اور استری پکھ کمزور بنا رہے گا۔ بھائیوں کی طرف سے فکر بھی رہیگی۔ سال کے پہلے چھ ماہ بالکل اچھے ہیں۔ اور انت کے چھ ماہ کچھ مدہم پھل دایک ہیں۔ کنیا راشی والوں کو سنیچر اس سال کو لوہے کے پاد پر ٹھہرا ہوا ہے اس کارن سے دھن کا فضول خرچ اور کوئی اندرونی فکر بنی رہے گی۔ کسی مِتر سے دھوکہ ملنے کی سمبھاونا ہے۔ کنیا راشی والوں کو چاہیے کہ وہ سنیچر وار کے دن پیلا چاول کتوں کو ڈالیں اور اشٹمی کا ورت رکھا کریں۔ کنیا راشی والوں کو آشاڑھ۔ کارتک اور پھاگن کے مہینے خراب ہیں ان مہینوں میں سوچ وچار کر کے کام کرنا ضروری ہے۔ ورنہ دھوکہ اور کام بگڑنے کا اندیشہ ہے۔

تُلا راشی کا ماسک پھل

اپریل سنہ ۱۹۸۲ :- کسی مِتر سے دھوکا۔ کاروبار کی حالت مدہم۔ صحت میں کمزوری۔ دھن کا فضول خرچ۔ راج دربار میں عزت اچھا۔ دل میں بے چینی۔

مئی :- گذشتہ ماس کی نسبت لابھ اچھا۔ سواری کا سکھ۔ استری کو کشٹ۔ صحت میں کمزوری۔ سنتان پکھ کی فکر۔ ۲۰ دِنوں بعد فایدہ اُدتم رہے گا۔

جون :- کاروبار میں فایدہ۔ بگڑا ہوا کام سُدھر جانے کا اِمکان۔ کسی رشتہ دار سے بگاڑ۔ من میں چنچلتا بنی رہے گی۔

جولائی :- صحت اچھا۔ دربار میں عزت اور مان اچھا رہے گا۔ دھن کا فایدہ اُدتم۔ استری اور سنتان کی فکر۔ سفر سے دھن کا فضول خرچ۔

اگست :- اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ صحت میں کمزوری۔ دل میں گبراہٹ۔ کاروبار مدہم۔ دوستوں کے ذریعے فایدہ۔

ستمبر :- کاروبار میں فایدہ۔ من کی اچھائیں پورن۔ سفر سے فایدہ اُتم۔ استری پکھ شبھ۔ کسی پریمی سے ملاقات اور بچوں سے فایدہ۔

اکتوبر :- سفر سے فایدہ۔ کسی دوست سے فایدہ۔ کاروبار اچھا۔ دھن کا فایدہ اُتم۔ اپنے پریوار کے ساتھیوں سے جھگڑا ہونیکا امکان۔ دشمنوں کا خوف دور ہوگا۔ کاروبار کی حالت سدھر جانے کا امکان۔

نومبر :- سفر سے فایدہ۔ چوٹ کا خطرہ۔ کاروبار مدہم۔ دھن کا فضول خرچ۔ استری پکھ کی فکر۔ صحت

دسمبر :- میں کمزوری۔ بیماری کا خوف۔ آمدنی خرچ مدہم۔ محنت کرنے پر فایدہ کم۔ بچوں کی طرف سے خوشی

جنوری ۱۹۸۲ء :- دل میں بے چینی۔ گھریلو فکر بنی رہے گی۔

فروری :- من میں بے چینی۔ سفر سے فایدہ۔ علم سے فایدہ۔ رشتہ داروں کا سکھ۔ سنیچروار کے دن میٹھا بوجن کھلادیں۔ صحت میں گڑبڑ رہے۔

مارچ :- سنتان کی خوشی۔ کاروبار میں عزت اور مان اچھا ملے گا۔ بچوں کی طرف سے فایدہ اُتم۔ دھن کا فایدہ۔ سفر سے فایدہ۔ صحت میں کمزوری بنی رہیگی۔

تلاراشی کا وارشک پھل

تلاراشی والوں کے لئے یہ ورش شنگھرش کا ورش ہوگا۔ دھن کا فضول خرچ آمدنی میں کمی اور بیماری کا خوف بنا رہے گا۔ استری پکھ بھی نربل رہے گا۔ بے بنیاد سمسیائیں پیدا ہوں گے۔ ستمبر کے بعد کاروبار میں فایدہ ملے گا۔ ستھان تبدیلی کا بھی امکان ہے۔ دھن کا خرچ فضول ہوگا۔ بچوں کی صحت بھی اس سال ستمبر تک کمزور رہے گی۔ اگر کوئی نیا کام شروع کرنا ہو تو ستمبر کے بعد کیا کریں کیونکہ شنیچر اور راہو ناقص ہیں۔ کسی رشتہ دار کی فکر بھی آپکو لگی رہے گی۔ ودیارتھی ورگ کے لئے یہ ورش مدہم پھل دایک ہے۔ آنس کا پرکوپ بڑھتا جاوے گا۔ جیٹھ۔ اسوج۔ ماگھ کے مہینے بالکل خراب ہیں۔ ان مہینوں میں سوچ وچار کرکے کام کریں۔ آنے والے ستمبر سے آپ کو ہر ایک کام میں پوری سپھلتا ملنے کی سمبھاونا ہوگی۔ تلاراشی والوں کو چاہیے کہ وہ ہر دن بھگوان شنکر کو جل چڑھادیں اور سنیچروار کے دن ویشنو رہیں۔

ورچک راشی کا ماسک پھل

اپریل ۱۹۸۲ :- دھن کا فایدہ اُتم رہے گا۔ مان اچھا ملے گا۔ دربار میں عزت رہے گی۔ استری کا سکھ مدہم رہے گا۔ کوئی بگڑا ہوا کام پورا ہونے کی سمبھاونا ہے۔ کسی دوست کے ساتھ میل ملاپ بنا رہے گا۔

مئی :- دھن کا فایدہ اُتم۔ من میں کچھ چنچلتا بنی رہے گی۔ سواری کا سکھ مدہم ہوگا۔ گھریلو فکر بنی رہے گی۔ کسی رشتہ دار سے جھگڑا ہونے کا امکان ہے۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف بنا رہے گا۔

جون :- سواری کا سکھ اُتم رہے۔ لین دین کے معاملے پر دھن کا یوگ ہے۔

تعمیری کاموں میں دھن کا خرچ۔ کسی دوست یا رشتہ دار سے خوشی اور سفر سے فایدہ ملے گا۔

جولائی :- تعمیری کاموں میں دھن کا خرچ۔ بچوں کی طرف سے خوشخبری اور سفر سے کچھ خوف بنا رہے گا۔ دل میں کچھ بے چینی اور آلس کا یوگ بھی بنتا ہے۔

اگست :- کاروبار میں اضافہ۔ نئے کام کا آغاز۔ سفر سے فایدہ اُوتم۔ من میں شانتی اور صحت میں خرابی۔ پیٹ میں کشٹ۔

ستمبر :- دھن کا لابھ مدہم۔ کسی پریمی کی فکر اور کچھ کشٹ۔ بچوں کی طرف سے فایدہ۔ ماہ کے انت سے دھن کا پورا یوگ۔ سواری سکھ آمدنی کم۔

اکتوبر :- دھن کا نقصان۔ من میں خوف سا رہے۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔ صحت میں کمزوری۔ بچوں کی فکر۔ عورت کا سکھ مدہم۔

نومبر :- کاروبار کی حالت کچھ خراب۔ دربار میں بے عزتی۔ سوچ وچار کر کے کام کریں۔ ورنہ دشمنوں کا خوف بنا رہے گا۔ رشتہ داروں سے بگاڑ۔ مایوسی کا وقت۔ دل میں پریشانی اور فکر۔ منگلوار کے دن میٹھا بوجن کھاویں۔

دسمبر :- رشتہ داروں سے بگاڑ۔ آرام کم۔ کاروبار کی حالت مدہم۔ دھن کا نقصان۔ بے عزتی۔ اور سفر سے ہانی کا یوگ بنتا ہے۔

جنوری ۱۹۸۳ء :- کسی رشتہ دار کی فکر۔ بچوں کی فکر۔ مانسک اشانتی پیدا ہوگی۔ دھن کا فضول خرچ۔ فضول سفر۔ دوستوں سے جھگڑا اور چوٹ کا خوف۔

فروری :- دھن کا فایدہ اچھا۔ استری کو کشٹ۔ دربار میں عزت مدہم۔ کاروبار کی حالت مدہم۔ صحت میں اچانک کمزوری بنی رہے۔

مارچ :- زمین جایداد کی فکر۔ فضول جھگڑے میں من پریشان کا باعث بنا رہے گا۔ کاروبار مدہم۔ صحت میں خرابی سفر۔

ورچک راشی کا وارشک پھل

ورچک راشی والوں کے لئے سال کے آرمبھ میں دھن کا یوگ اچھا ہے۔ ہر ایک کام میں سدھی ملے گی۔ دوستوں اور رشتہ داروں سے میل ملاپ قایم رہے گا۔ سفر سے بھی فایدہ اُوتم بنا رہے گا۔ سال کے آخری تین ماہ بالکل مدہم ہیں۔ ان میں ورچک راشی والوں کو چاہیے کہ وہ سوچ وچار کر کے کام کریں اگر کوئی کام کرنا ہو تو بڑا سوچ سمجھ کر کریں ورنہ ہانی کا یوگ بنے گا ورچک راشی والوں کو اس ورش کے درمیانی عرصہ میں صحت میں گڑبڑ۔ معدے میں کشٹ اور ٹانگوں میں پیڑا بنی رہے گی۔ شراون۔ مگھر اور چیت کا مہینہ بالکل خراب رہیں گے ان میں انکو مانسک پریشانی رہے گی۔

ورچک راشی والوں کے لئے چاہیے کہ وہ ہر سنکرانتی کا ورت رکھا کریں اور اس دن میٹھا بوجن کھاویں نمک نہ کھاویں۔ شبھ کاری ہوگا۔

دھن راشی کا ماسک پھل

اپریل ۱۹۸۲ء :- دھن کا فایدہ مدہم۔ کسی عزیز سے پریشانی۔ کاروبار کی

حالت مدہم۔ سفر سے فایدہ ملے گا۔ راج دربار میں الجھنیں پیدا ہوں گی۔ سوچ وچار کر کے کام کریں۔

مئی :- کسی نئے کام میں دھن کا خرچ۔ کاروبار کی حالت خراب۔ سفر سے فایدہ مدہم۔ دشمنوں کا خوف۔ ہوشیاری سے کام کریں۔ یاترا کا وچار کرنا چھوڑ دیں۔ ورنہ ہانی اُٹھانی پڑھیگی۔ ماس کے آخیر میں دل خوش رہیگا۔

جون :- آمدنی اور فایدہ مدہم۔ کسی عزیز کی طرف سے فایدہ ملے گا۔ سواری کا سکھ۔ استری کچھ نربل رہے گا۔ مقدمے کا خوف بنا رہے صحت میں کمزوری کا رہے گی۔

جولائی :- یاترا سے پریشانی۔ استری کی صحت کمزور۔ دھن کا فضول خرچ آمدنی مدہم۔ صحت میں گڑبڑ۔ دشمنوں کا خوف ساودھان رہیں۔ ماس کے آخیر میں فایدہ ملے گا۔

اگست :- کاروبار اچھا۔ کسی رشتہ دار کی فکر۔ دھن کا فایدہ۔ صحت میں گڑبڑ۔ پیٹ میں تکلیف۔ گھریلو جھگڑوں سے پریشانی رہا کرے گی۔

ستمبر :- من میں چنچلتا۔ کاروبار کی حالت مدہم۔ صحت میں کمزوری۔ سفر سے فایدہ۔ سنتانوں کا فایدہ۔ استری کچھ مدہم۔

اکتوبر :- کسی سے اچانک دھن کا فایدہ۔ لین دین کے معاملے میں جھگڑا۔ استری کچھ کمزور بنا رہے گا۔ دھن کا خرچ۔ صحت میں گراوٹ۔

نومبر :- کسی کے ساتھ جھگڑا۔ دربار میں عزت اچھا۔ سواری کا سکھ۔ بگڑے کام میں سدھار۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف بنا رہے گا۔

دسمبر :- ابھو کی آشا اچھی رہے۔ دوستوں سے میل ملاپ۔ کاروبار اچھا۔ دشمن اندرونی طور سے نقصان پیدا کریگے۔ بُرے خیالات سے دور رہیں۔

جنوری سنہ ۱۹۸۲ء :- برادری سے میل ملاپ۔ عورت سے سکھ۔ دھن کا فایدہ اُدتم۔ ماس کے انت میں کچھ پریشانی۔ کاروبار اچھا۔ صحت میں گراوٹ۔

فروری :- کاروبار میں تبدیلی کا امکان۔ دوڑ دھوپ کرنی پڑھے گی۔ بچوں کی طرف سے میل ملاپ۔ کسی رشتہ دار کی فکر۔ صحت اچھا۔

مارچ :- فضول جھگڑے پیدا ہونگے۔ سوچ وچار کر کے کام کریں۔ ورنہ نقصان ہونے کا اندیشہ ہے۔ سفر سے فایدہ کم۔ کاروبار مدہم۔

دھن راشی کا وارشک پھل

دھن راشی والوں کو اس ورش ساتویں گھر میں راہو اور نویں گھر میں سنیچر برہسپت کا یوگ ہونے سے یہ سال مدہم پھل دایک ہوگا۔ صحت میں خرابی۔ روزگار میں اچانک گراوٹ۔ رشتہ داروں سے بگاڑ رہیگا۔ سال کے درمیانی عرصہ میں مقدمے کا خوف۔ فضول خرچ اور چوٹ لگنے کا ڈر بنا رہے۔ نصیب میں رکاوٹیں پیدا ہونگی۔ بھائیوں کی صحت کمزور رہے گا۔ رشتہ داروں کی بھی فکر بنی رہے۔ اندرونی طور سے

دشمنوں کا خوف ہراس پیدا ہوگا۔ استری کچھ بھی نربل بنا رہے۔ سال کے تیسرے حصے میں نوکری میں اضافہ اور روزگار میں ترقی کا امکان ہے۔ سفر سے بھی فایدہ ہوگا۔ کسی دوست کے ذریعے دھن کا پورن فایدہ ملے گا۔ دھرم کے کاموں میں بھی فایدہ اُدتم ملے گا۔ شرادن۔ مگھ اور چیت کے مہینے خراب ہیں۔ دھن راشی والوں کو اِس ورش شکلہ پکھ کی اشٹیمی کا ورت رکھنا ضروری ہے اور ہر دِن ایندرا کھی کا پاٹھ کرنا ضروری ہے۔ اسکے علاوہ ہر برہسپت وار کے دِن کتوں کو روٹی ڈالیں شبھ کاری ہوگا۔

مکر راشی کا ماسک پھل

اپریل سنہ ۱۹۸۲ء:۔ دھن کا فایدہ کم صحت میں گرمی۔ دربار کی حالت مدہم پھل دایک۔ ماس کے آخیر میں دھن کا نقصان۔ دشمنوں کا خوف۔

مئی:۔ رشتہ داروں کی طرف سے فایدہ اُدتم۔ مقدمے کا خوف جھگڑوں سے دور رہیں۔ ماس کے آخیر میں فایدہ۔ اور پریشانی کم ہوگی۔

جون:۔ کاروبار میں فایدہ۔ دھرم کے کاریوں میں دھن کا خرچ۔ سواری کا سکھ۔ سفر سے فایدہ۔ بچوں کی طرف سے فکر۔

جولائی:۔ استری اور بچوں کی طرف سے فکر۔ کسی کے ساتھ جھگڑا۔ کاروبار مدہم۔ سفر سے پریشانی۔ دشمنوں کا خوف۔ ماس کے آخیر میں دھن کا فایدہ۔ خرید فروخت سے فایدہ۔

اگست:۔ کاروبار اچھا۔ من کی مُراد پورن ہوگی۔ درمیانی عرصہ میں بگڑے کام سُدھر جانے کا امکان رہے کوئی نئی خوشخبری۔

ستمبر:۔ دشمنوں کا خوف۔ رشتہ دار سے میل ملاپ۔ کاروبار میں فایدہ سفر سے مدہم فایدہ۔ بچوں کی طرف سے استری کشٹ۔

اکتوبر:۔ صحت میں کمزوری۔ سفر سے پریشانی۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ دشمنوں کا ڈر کم۔ بگڑا ہوا کام سُدھر جانے کا اِمکان۔

نومبر:۔ کاروبار مدہم۔ دھن کا خرچ اھک۔ کوئی نئی خوشخبری سے من میں خوشی۔ راج دربار سے فایدہ۔ سواری کا سکھ۔

دسمبر:۔ کاروبار میں فایدہ۔ دربار میں مان اچھا۔ سواری کا سکھ اچھا ملے گا۔ استری کچھ اچھا۔ دوستوں سے میل ملاپ سفر۔

جنوری سنہ ۱۹۸۳ء:۔ سفر میں اچانک رکاوٹ آنے کا اندیشہ۔ دشمنوں کا خوف۔ دھن کا فایدہ۔ راج دربار میں عزت اور مان اچھا ملے گا۔

فروری:۔ کاروبار کی حالت مدہم۔ جھگڑے کا خوف۔ استری کچھ کمزور۔ سفر سے فایدہ اُدتم ملے گا۔

مارچ:۔ استری کو کشٹ۔ صحت میں گڑبڑ۔ سفر سے فایدہ نوکری میں ترقی کا اِمکان۔ رشتہ داروں سے میل ملاپ اچھا۔

مکرراشی کا وارشک پھل

مکرراشی والوں کے لئے یہ ورشس اُوتم رہے گا۔ دھن کا فایدہ اچھا رہیگا۔ دشمنوں کا ناش صحت میں اندرونی طور سے گرمی۔ معیدے میں کشٹ رہے۔ زمین جایداد سے ترقی اور تعمیری کاموں میں دھن کا خرچ۔ دشمن اندرونی سے پیدا ہونگے مگر کامیاب نہ رہینگے۔ دھارمک کاریوں میں کچھ کشٹ رہے گا۔ سال کے درمیانی عرصہ میں گھریلو پریشانیاں ہونگی۔ جسکے ذریعہ من میں اشانتی بنی رہے گی۔ دھن کا فایدہ اُدتم رہے گا سفر سے فایدہ بھی ملے۔ آشاڑہ۔ کتک اور پھاگن کے مہینے بالکل خراب ہیں اسلئے کاورت رکھیں اور سنیچر وار کے دِن پیلا چاول کتوں کو ڈالیں شبھ کاری ہوگا۔

کومبھ راشی کا ماسک پھل

اپریل سنہ ۱۹۸۲ء :- کاروبار میں سدھار۔ دھن کا فایدہ اُوتم رہے گا۔ دوستوں سے میل ملاپ۔ گھریلو فکر سفر سے فایدہ مدہم سفر سے فایدہ ملے گا۔ سواری کا سکھ۔ راج دربار میں مان اچھا۔

مئی :- ماس کے درمیانی عرصہ میں کچھ رکاوٹ۔ پریوار کی فکر۔ دشمنوں کا خوف۔ برادری سے میل ملاپ۔ کسی دوسرے آدمی سے بگاڑ۔ دھن کا نقصان

جون :- من میں چنچلتا اور سفر سے ہانی کا امکان بنا رہے گا۔

جولائی :- کاروبار کی حالت مدہم۔ صحت میں کمزوری۔ دربار میں اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف نئے کام سے فایدہ۔ دھن کا خرچ۔

اگست :- زیادہ محنت۔ سفر سے کچھ رکاوٹ۔ صحت میں گڑبڑ چوٹ کا خوف جھگڑے کا خوف۔ دھن کا فضول خرچ۔

ستمبر :- کسی سے اچانک دھن کا فایدہ صحت میں خرابی۔ پیٹ میں کشٹ۔ برادری سے ناراضگی آمدنی مدہم۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف۔

اکتوبر :- چوٹ کا خطرہ۔ صحت میں گرمی۔ آنکھوں میں کشٹ بچوں کی فکر گھریلو فکر۔ آمدنی مدہم۔ سوچ وچار کر کے کام کریں۔

نومبر :- کاروبار میں فایدہ۔ رشتہ داروں سے میل ملاپ۔ برادری سے فایدہ۔ کام میں اضافہ۔ استری سکھ اچھا رہے گا۔

دسمبر :- کوئی نیا کام کرنا ہوگا۔ دشمنوں سے میل ملاپ زیادہ۔ کاروبار کی حالت اچھی رہے گی۔ اندرونی طور سے دشمنوں کا خوف بنا رہے۔

جنوری سنہ ۱۹۸۳ء :- برادری سے فایدہ۔ سفر سے فایدہ اُدتم۔ کاروبار اچھا۔ راج دربار میں مان اچھا۔ کسی سے میل ملاپ اور دربار سے فایدہ۔

فروری :- زمین جایداد کا سکھ۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ صحت میں کمزوری۔ ماس کے آخیر میں کچھ کشٹ اور فکر رہیگی۔

مارچ :- دھن کا فایدہ اور نقصان برابر۔ صحت میں گراوٹ۔ راجدربار میں عزت۔ کسی سے میل ملاپ۔ استری سکھ اچھا۔

کومبھ راشی کا وارشک پھل

کومبھ راشی والوں کے لئے یہ ورش مدھم پھل دایک ہوگا۔ سال کے پہلے چھ ماہ بالکل مدہم پھل دایک ہونگے۔ ارتھات صحت میں کمزوری معدے میں کشٹ۔ پیشاب میں گرمی اور برادری سے رنجش پیدا ہوگی۔ اگر کوئی کام کرنا ہو تو اگست تک نہ کریں نقصان دہ ہونگے۔ تعمیری کاموں میں دیری رہے گی۔ چوٹ لگنے کا خوف بنا رہے گا۔ سال کے دوسرے حصے سے آپ کو ہر ایک منو کامنا پوری ہوگی۔ بچوں سے فایدہ اُدتم ملے گا۔ پریوار میں سکھ شانتی بنی رہے گی۔ کاروبار کی حالت سال کے درمیانی حصے سے نہایت ہی اچھی ہوگی۔ اگر اِس سال سفر کرنا ہو تو سوچ وچار کر کے کام کریں۔ کومبھ راشی والوں کو چاہے کہ شکل پکھ کی اشٹمی کا ورت رکھا کریں۔ اور منگلوار کے دِن دیشنور ہیں۔ جیٹھ۔ اسوج۔ ماگھ کے مہینے کچھ خراب ہیں لہذا اِن مہینوں میں سوچ وچار کر کے کام کریں۔

आब्रह्मभुवनाल्लोकाः पुनरावर्तिनोऽर्जुन
मामुपेत्य तु कौन्तेय पुनर्जन्म न विद्यते ।——

مین راشی کا ماسک پھل

اپریل سنہ ۱۹۸۲ء :- کاروبار میں فایدہ دھرم کے کاموں میں دل چسپی زمین جایداد کا سکھ۔ سنتان کی طرف سے خوشی۔ رشتہ داروں سے جھگڑا۔

مئی :- صحت میں کمزوری۔ دھن کا فایدہ کم۔ کسی پریمی سے ملاپ راج دربار میں عزت اور فایدہ۔ لڑائی جھگڑے سے دور رہیں۔

جون :- کاروبار کی حالت خراب۔ زمین جایداد کی فکر۔ پریوار میں اشانتی۔ دشمنوں کا خوف سفر سے پریشانی۔

جولائی :- بھاگیہ اچھا۔ صحت میں گڑبڑ۔ نیک کاموں پر دھن کا خرچ۔ استری کی فکر دھن کا فایدہ۔ سفر سے فایدہ۔

اگست :- کاروبار کی حالت اچھی۔ دربار میں عزت۔ سواری کا سکھ۔ کوئی شبھ سماچار۔ صحت میں کمزوری۔

ستمبر :- دشمنوں کا خوف کم کاروبار اچھا۔ آشاؤں میں سپھلتا بنی رہے گی۔ سفر سے فایدہ۔ راج دربار میں عزت کم۔ چوٹ کا خطرہ۔

اکتوبر:- شبھ کام سے فایدہ۔ کسی سے میل ملاپ۔ سواری کا سکھ اچھا۔ یاترا سے فایدہ۔ برادری سے فایدہ اُدتم۔

نومبر:- یاترا سے فایدہ اُدتم۔ بگڑے کام بنے۔ کاروبار اچھا۔ رشتہ داروں سے جھگڑا۔ دھن کا نقصان۔ صحت میں اندرونی طور سے گڑبڑ۔

دسمبر:- صحت میں گرمی۔ دوڑ دھوپ زیادہ۔ سفر سے فایدہ کم کاروبار اچھا۔ رشتہ داروں سے کچھ ان بن۔

جنوری ۱۹۸۳ء:- یاترا سے فایدہ۔ استری کی فکر۔ رشتہ داروں سے میل ملاپ۔ کاروبار کی حالت اچھی۔ نیک کاموں میں دل چسپی۔

فروری:- زمین جایداد کی فکر۔ کسی سے جھگڑا۔ من میں چنچلتا بنی رہے گی۔ کاروبار کی حالت بہتر۔ سفر سے فایدہ۔

مارچ:- نئے کام کا وچار۔ کاروبار اچھا۔ برادری سے فایدہ۔ بچوں کی طرف سے فایدہ۔ رشتہ داروں سے سکھ صحت کی حالت کچھ خراب۔

مین راشی کا وارشک پھل

مین راشی والوں کے لئے یہ ورش بہت اچھا رہے گا۔ دربار میں عزت اور مان اچھا ملے گا۔ کاروبار کی حالت بہت اچھی ہو گی۔ کسی نئے کام میں فایدہ اُدتم ملے گا۔ گرہست کچھ سے فایدہ بھی اچھا ہو گا۔ مگر استری کچھ کچھ نربل رہے گی۔ استری کو گپت روگ لگا رہے گا۔ سال کے دوسرے حصے میں چوٹ کا خوف بنا رہے گا۔ بیساکھ۔ بھادروں۔ پوہ کے مہینے کچھ خراب ہونگے۔ اس سال کا آخری حصہ کچھ ناقص ہوگا۔ لہذا ستمبر کے بعد ہر ایک کام سوچ وچار کر کے کریں اور سنکرانتی کا ورت رکھا کریں۔ تتھا بھگوان شنکر کو ہر روز جل چڑھاویں۔ سپھلتا ملے گی۔

बसौ मेरे नैननि मैं यह जोरी।
सुंदर स्याम कमल दल लोचन, सँग वृषभानु किसोरी ॥ १ ॥
मोर मुकुट, मकराकृत कुंडल, पीतांबर झकझोरी।
सूरदास प्रभु तुम्हरे दरस कौं, का बरनौं मति थोरी ॥ २ ॥

ہندو جنتا کی سیوا میں کچھ شبد

پاٹھک مہودیہ اس بات سے بخوبی واقف ہیں کہ کشمیر میں پچھلے کئی ورشوں سے عموماً تین پنچانگوں کی اشاعت ہوتی ہے۔ ان میں شری پنچانگ کشمیری برہمنوں کی پرتی ندی اور دیار مک سنستھا براہمن مہامنڈل کشمیر کی جانب دھارمک درشٹی کون سے حسب معمول جنتا کے سامنے آتی ہے۔ دیگر دو پنچانگ ذاتی تجارت کے روپ میں شایع ہوتے ہیں۔ ظاہر ہے کہ ذاتی تجارت کو بڑھاوا دینے کے لئے ٹیم ٹام سے بھرپور اور حقیقت سے چنداں دور ہوتی ہیں۔ اس کے برعکس برہمن مہامنڈل کا عقیدہ ہمیشہ یہی رہا ہے۔ کہ وہ وہ شاستر انوسار صحیح باتوں کو اپنے شری پنچانگ میں درج کر کے گنت شاستر کے صحیح دائرے میں محدود اس میں درج مہورت شدھ ہوں۔ گرہ سنچار صحیح ہوں اور پھلا دیش درست ہو۔ اس کے لئے مہامنڈل کو تجربہ کار اور پربین گنت کاروں کے خدمات حاصل ہیں جو کافی محنت اور پریاس کے ساتھ شری پنچانگ کی رچنا کرتے ہیں اور ازاں بعد مہامنڈل کے جوتش تتھا ویدھوت پریشدھ کے ذریعہ دھرم شاستر کے سدھانتوں کے مطابق اس میں دئے مہورتوں وغیرہ کا پرمارجن ہو کر اس کا پرکاش ہوتا ہے تو ضروری ہے کہ اس میں سوارتھ اور سہولت سے دور فقط وہی باتیں ہوں گی۔ جو دھرم اور مطلب سے وابستہ ہوں۔ پرم پرا کے عین مطابق ہیں۔ مثلاً: ملماس اور ریانہ ماس کے مدھیہ ورتی دنوں میں شری پنچانگ شبھ کاریوں کے رچانے کو نشیدھ ٹھہراتا ہے۔ جب کہ دوسرے پنچانگ سہولت کے پیش رفت ان دنوں میں ایسے کاریہ واگزار رکھتا ہے۔ وغیرہ ہے۔ مگر مہامنڈل مجبور ہے۔ اپنے دھرم اور پرم پرا کو پردھانتا دیتی ہے۔ عام سوارتھ اور سہولت کو نہیں اس پر بھی عجیب کوئی سنجیدہ معاملہ مہامنڈل کے سامنے آتا ہے۔ تو وہ وقتاً فوقتاً کشمیر کے ودوانوں کی مجلس بلا کر جائزہ اور مناسب نرنیہ کو ہندو عوام کے سامنے رکھتا ہے۔ جیسے وجیشور پنچانگ میں ملماس اور ریانہ ماس کے غلط ہونے کے بارے میں مہامنڈل نے دلائل دیکر بر وقت اس کی درستی کا اعلان کیا تھا۔ مگر کھید ہے کہ کشمیری ہندو جنتا میں کچھ لوگ مہامنڈل کے شایع کردہ ہدایات پر دھیان نہ دیکر اپنی سہولت اور سوارتھ کے لئے دھارمک اصولوں کو تلانجلی دیکر ٹیم ٹام والی پنچانگوں کی آڑ لے کر اشدھ مہورتوں کو اپنا کر وِواہ یگنوپویت وغیرہ کاریہ رچاتی ہے اور اس طرح اپنے ضمیر اور دھرم کے تنقی کام کر کے اشبھ پھل کا پاتر بنتی ہیں۔ ہم ایک بار پھر جوتش کے ۵ انگوں پر وشواس رکھنے والی ہندو جنتا سے پرارتھنا کرتے ہیں کہ وہ کسی بھی کاریہ کو رچانے پر شدھ مہورتوں تتھیوں اور شدھ گرہ سنچار کو ہی اپنا لیں۔ اس سے ان کا کلیان ہوگا۔

سوچنا: ۔ ہم اس بات کی یاد دلاتے ہیں کہ سپت رشی 5050 میں وجئیشور پنچانگ میں غلطی سے ملماسوں کیلئے دکھلائے گئے ادھک کتک میں اگر کوئی پیدا یا سورگباس ہوا ہو۔ تو اس کا جنم دن یا شرادھ آنے والے ورشوں میں اسوج میں ہی ہوگا۔ کتک میں نہیں۔ برہمن مہامنڈل نے اس کی سوچنا وقت پر دی ہے۔

اس پرارتھنا سے تنگ آکر وجئیشور پنچانگ کے رچیتاوں نے سپت رشی 5053 میں ملماس کو ہی ختم کرنے کی ناکام کوشش کی گئی ہے۔

(پبلسٹی سیکرٹری براہمن مہامنڈل کشمیر)

پریبون

ایک تھالی میں نوید اور دوسری تھالی میں چھڑ اور پانچ پھیاں رکھ کر شری گنیش جی کا دھیان کر کے شُدھ جل سے اپنے آپ کو چھڑکتے ہوئے پڑھیں:
ترہتھ سنیم، ترہتیم ایوہ، ممانانام، بھوتی مانا، قسمو اور وشنو دھرتی پرانگ، مرتیسے رکھیاتو برہم نس پیتے (اپنے آپ کو تلک لگاتے ہوئے پڑھیں
برملتے برخوتمائے، پنچ بھوتا مکلئے، وخواتے، منترنا ٹھلئے، آکمنے ناراینائے آدھار شکتے ممالہ بنیم گندھو نما، اگرو نماہ، پشیم نماہ {دیپ کو تلک
لگا کر پشپ چڑھاتے ہوئے پڑھیں} سو پرکاشو مہا دیپو سردتس تمرا پہاہ، پرلیسیدھ مم گوبندہ، دیپویم پرکلپتا {دھوپ کو تلک لگا کر پڑھیں} ونسپتی رسو دیو، گندا ڈھیو، گندہ
ادتما، اہوانم سرو دیوانام، دھوپو ہیم پرتی گرہتام {سوریہ کا دھیان کر کے پاتر میں تلک پشپ ڈال کر پڑھیں: نمو دھرم ندھانائے، نماہ سوکرت ساکھشنے، نماہ پرتیکھشہ دیوائے شری یاسکرائے نمو نماہ
کھوسو سے تھال میں جل ڈالتے ہوئے پڑھیں: یتر اسی ماتا، نہ پیتا، نہ بندھو، بھراتا پی، نو، یتر، سوہرت، جنہ نیچہ، نہ گیا یستے، یتر، دِتم، نہ راتری، ترا تمہ دیپی یم شرتم، پریدی آکمنے
ماواینائے، آدھار شکتے، دھوپ دیپہ سنکلپات پسدراستو، دھوپو نماہ، دیپو نماہ (نوید کی تھالی کو دونوں ہاتھوں سے پکڑتے ہوئے پڑھیں:
امرتیشہ، مودریا، امرتی کرتے، امرتم، استو، امرتایام نئے وبدیم، ساوترانی ساوترسے، دیوسے توا، سوتو، پرسوے شنو، یا ہو بھیام، پوشنو ہستا بھیام، آددے۔ مہا گنپتیے، کمارائے شریئے
سرسوتے، لکشمئے، وشنو گرمنے، دوار دیوتا بھیاہ، پرجاپتیے، برہمنے کلشہ دیوتا بھیاہ، برہمہ وشنو مہیشور، دیوتا بھیاہ، چاتور وید ایشورائے، ساتو جرائے، رتوپتیے، نارایانائے، دورگائے
تریمبکائے، ورونائے، بگیہ پورشائے، اگنی شوانا دبھیاہ، پترگنہ یاگہ دیوتا بھیاہ، بھگوتے واسدیوائے، سنکرشنائے، پردھیومنائے، انرودھائے، ستیائیے، پورشائے
اچوتائے، مادھوائے، گوبندائے، مہیسرنامے وشنوئے، لکشمی سہتائے نارایانائے، بھوائے دیوائے، مہا دیوائے، یی شانائے، دیوائے، ایشورائے، دیوائے، اوما سہتائے
شوائے، پاروتی سہتائے پرمیشورائے، دنایکائے، اکبہ دنتائے، کرشنہ پنگلائے، گزانتائے، لمبودرائے، بھالچندرائے، ہی رمبھائے، آکھور تھائے، وگنی شائے، دگز بھکشائے
دلیھا سہتائے، شری مہا گنپتائے۔ کلیم، کام، کومارائے، شنڈ مو کھائے، میور واہنائے، سینا دیتر، ی کمارائے، بھگوتے، براہم، ہریم ساہ، شریائے، سیتا شوائے، ایکا شوائے،
نیلا شوائے، پرتکھشہ دیوائے، پرمارتھ سارائے، یتجوردیائے، پربھا سہتائے، ادتیائے، بھگوتے، امائیے۔ کالائے، چاروگئے، تنکہ دھارنئے، تارائے، پاروتے، پکھشئے،
شری شارکا بھگوتے، شری شاردھا بھگوتئے، دنستا بھگوتئے، گنگا بھگوتئے، یمنا بھگوتئے، کالیکا بھگوتئے، سدھ لکشمئے، مہا لکشمئے، مہا تریورسندریئے، سہسرنامے
دلیپئے، بھوانئے، بھینکری دیوئے، کھیم نکری بھگوتئے۔ سروشترو گاتی نیئے، ہیبہ راشٹرادی تیئی ..... بھیروائے، پندرائے، وجرہستائے، اگنی شکتی ہستائے، یمائے،
ڈنڈ ہستائے۔ نیرتیئے، کھڈگہ ہستائے، ورونائے، پاشہ ہستائے۔ وایو دی دوڑ ہستائے، کوبرائے، گدا ہستائے، ایشانائے، ترشول ہستائے، برہمنے پدمہ ہستائے، وشنوے
چکرہستائے، اننتا دبھیاہ اشتا بھیاہ، گنہ ناگ دیوتا بھیاہ، اگنیا دیتا بھیام، ورونو چندرمہ بھیام، کمار بھگوما بھیام، وشنو برھما بھیام، پندر برہپتی بھیام، سرسوتی شکرا
بھیام، پرجاپتی شنچرا بھیام، گنہ پتی راہو بھیام، رودر کیتو بھیام، برہمہ دُرواہ بھیام، انہ تن تاکستیا بھیام، برہمنے، کورملئے، درِوائے، انہ تن تلئے، برئیے، لکشمئے
کملائے شکمیا دبھیاہ، پنچ چیتوارمشت، واستوشپتی یاگر دیوتا بھیاہ، برہما دبھیو، ماتر بھیو، گوریا دبھیو، ماتر بھیاہ، للتا دبھیو، ماتر بھیاہ، دورگا کھیتر گنیشور
دیوتا بھیاہ، راکا دیوتا بھیاہ، ترکا دیوتا بھیاہ، ستی والی دیوتا بھیاہ، یامی دیوتا بھیاہ، رودری دیوتا بھیاہ، واردتی دیوتا بھیاہ۔ برہپتی دیوتا بھیاہ، ادم بھوور دیوتا

उमासहायं परमेश्वरं प्रभुं त्रिलोचनं नीलकण्ठं प्रशान्तम् ।
ध्यात्वा मुनिर्गच्छति भूतयोनिं समस्तसाक्षिं तमसः परस्तात् ॥

वरदायिनी श्रीलक्ष्मीमाता

जय अनन्त वैभवमयि जय दारिद्रय-विदारिणि ।
जय अनन्त ऐश्वर्यखानि हरिहृदय-विहारिणि ॥
जयति देव-दानव-मानव सब दुःख-निवारिणि ।
जय वरदायिनि माता लक्ष्मी मङ्गलकारिणि ॥
मधुनाभा अरुणाम्बरा दिव्यभूषणा जयति जय ।
कमलकरा कमलासना धुतमति कमला जयति जय ॥

بھیاہ' اوم بھوہ دیوتا بھیاہ' اوم سور دیوتا بھیاہ' اوم بھُور' بھُواہ سور دیوتا بھیاہ'
اکھنڈ برہمانڈ پالک دیوتا بھیاہ' دُور بھیا' اَپ دُھر بھیاہ' مہا گایتری' سیاوتری' سرسوتیئے
ہیرکا دِبھیاہ' دلو کادی بھیاہ' بِتیتم' امرتم' دلیم' پراک کھیرو' ددھی منھنات' انم امرت
رُدّپی نہ شٹے دیدم پرتی گرہتیام ۔ اوم تت ست برہم ادے نادت تھوادے . . . . .
آتموا انگشاہ کایو پارجت پایہ نوارتا تھم' اوم تو نویدم نوید یامی نماہ ۔
(چھو کو ہاتھ سے پکڑتے ہوئے پڑھیں) پاکاجیت لوگنی رودرا' سومیا' گھورترا بہ بھیری
بھوچری' را' تورشنا' بھوتوے سدا' آکاش ماتر بھیو' اتم نمہ ۔
(چھو کو تلک لگا کر پڑھیں : آکاش ماتر بھیو' سالہ بنم گندھو نمہ ÷ [پھول چڑھاتے
ہوئے پڑھیں : آکاش ماتر بھیہ' ارگو نماہ' پشیم نماہ ÷
ایک ٹکڑے کو چاول سہت پانی ڈال کر پڑھیں : کھیام' کھترا دِپتیی' اتم نماہ ÷
دوسرے ٹکڑے کو چاول سہت پانی ڈال کر پڑھیں : رام راشٹرا دِپتیی نماہ' سروا بھیہ
دَر' پرداہ' رمی' پوشتم' پوشٹی پہ ہر ۔ ذَداتو ÷
اب دونوں ہاتھ جوڑ کر نوید کھلانے کے لئے بھگوان سے آگیا مانگتے ہوئے پڑھیں :
آگیامے دیہام' ناتھ' نوید میا سی بھکتتے' شریر یاترا سدھیر تھم' بھگوان کھینتم ادہرسی ۔
آہوانم ایو' جانامی' تیو جا نامی پوجنم' پوجا بھاگم نہ جانامی' کھیمہ تام پرمیشورہ ۔ او بھا
بھیام ۔ جانو بھیام' پانی بھیام' شرسا' اورسا' منسا' وچسا' نمسکارم کرومی نماہ ÷

मन निरुद्ध कर हृदय-देशमें रोक सभी इन्द्रियके द्वार ।
प्राण मूर्ध्नीमें स्थापन करके योगधारणाको जो धार ॥
ब्रह्म स्मृतियुत एकाक्षर ओ३म् ब्रह्मका जो करता उच्चार ।
देह त्यागकर जानेपर वह पाता परमा गती उदार ॥

نیتہ پاٹھ ودھی

پُورب دِشا کی طرف مُکھ کرکے دھوپ دیپ جلاکر شدھ
آسن سے بیٹھ کر آدِ دیو شری گنپت جی کا دھیان کرکے پڑھیں

(۱) شوکلام بھر دھرم وشنوم ششی ورنم چتر بھوجم پرسنہ
ودنم۔ دھیائے سرو وِگھنوپہ شانتئے۔
ابھہ۔ پریتارتھہ۔ سدھیرتھم۔ پُوجِ تو یاہ۔ سُورلیر۔ اِپی
سَرو وِگھنہ چھدے تسمئے۔ شری گنا دِپتی نماہ۔
(۲) پہ بھرت۔ دکھنہ یہتہ۔ پدمہ۔ نِکلے۔ ذِنتا کھیہ
سُوترے شُوبھے۔ وامے۔ مُودکر۔ پُورنہ۔ پاتر۔ پرشو۔ ناگو
پرویتی تِردرک۔ شریان سیمھ رُیکا سناہ۔ شرُتی۔ پوگے
شناکھو وہن۔ مُولیہ۔ مان۔ دِشیات۔ الیشور۔ پیٹر
یی نشہ۔ بھگون۔ لمبھودرہ۔ شرمہ ناہ۔
(۳) سُومُوکھش۔ چئیے کر۔ زنتہ شچہ۔ کپلو گجہ۔ کرنکاہ
لمبھودر شچہ وِکرٹو۔ وِگھنہ راجو۔ گنا دِپاہ۔ دُھمر کیتو۔
گناہ دھیکشو۔ بھالہ چندر وگی نہ ناہ۔ دوادشئے تانی
نامانی۔ گنے شہ سے مہاتماہ۔ یا پھٹیت۔ شرنو یات
واپی۔ سہ لبھیت۔ سدھیم۔ اُدتمام۔ ودیار مبھے ودا
چہ۔ پرویشے۔ نرگمے تتھا۔ سنگرامے۔ سنکٹے چیو۔ وگھنس
تسے نہ جایہ تے ؛

شری گنیش استوتی!

۱۔ ہیم زاسُوتم۔ بھجے گنیشم الشہ۔ نیتدنم
ایکہ۔ ذنتہ۔ وِکرہ۔ تنڈہ۔ ناگہ۔ یگیہ۔ سُوترکم
رکھتہ۔ گاترہ۔ دُومرہ۔ نیترہ شوکلر وسترہ منڈتے تم
کلیہ، ورکھ بھکتہ رکھیے نمُوستوتے گزانتہ
۲۔ پاتہ۔ پانے۔ چکرپاتے مُوشہ کادِی۔ رُوہینم
اگنی کوٹے۔ ترِیہ چوتے۔ وزرہ۔ کوٹے زرملم
چترمالہ بکھتی جالہ۔ بھالہ چندرہ۔ شو بھتم
کلیہ۔ ورکھ۔ بھکتہ رکھیے۔ نمُوستُو تے گزانتہ
۳۔ پُوتہ۔ پُوسے ہوئے کوے بھو بھارگو ارچیتم
دلوے۔ دِہنے۔ کالہ۔ جالہ۔ لوکر پالہ۔ ویندے تام
پُورنہ۔ برہمہ۔ سُوریہ ورنہ پُورنم۔ پُورا نتکم
کلیہ۔ ورکھ۔ بھکتہ۔ رکھیے نمُوستوتے گزانتہ
وِشو۔ ورِیہ۔ وِشو سُریہ۔ وِشو کرمہ۔ نرملم
وِشو۔ ہرتا۔ وِشو کرتا۔ ہیتر۔ تیترہ۔ پُوجتم
چترُ مکھم چترُ بھُوجم۔ سیوتم۔ چترُ یگم
کلیہ۔ ورکھ۔ بھکتہ رکھیے نمُوستوتے گزانتہ

منتر:۔ ادم گلوم گم گنپتے نمہ

وشنو استوتی

(۱) شانتا کارم بھجگ شینوم پدمہ نابھم سُوریشم۔ وِشوا
دھارم گگنہ سدرشم، میگھ ورنم شبانگم، لکھشمی
کانتم کملہ نینہ نم، یوگ ریئے دِیانہ گمیم، وِندی وِشنو۔ بُوہ
بھئیہ ہرم، سَروہ لوکے کہ ناتھم ؛
(۲) دِھیئے یاہ، سدا، سوتری منڈلہ مدھیی ورتی، نارائناہ
سرسی جاہ سنہ سن نہ وِشٹھاہ، کے یُور، وان، کنک، کنڈلہ
وان، کریٹی، ہاری ہرن مئیہ، دیو، دھرتہ، شنکھ، چکراہ ؛
(۳) جے نارائنہ، جے، پرشوتم، جے وامنہ کنسارے
اُددھر مامہ سُوریشہ، وِناشن، پتہ تو ہم سنسارے
گھورم ہرمہ۔ نرکہ، رِپو، کیشو، کلمشہ، بھارم
مام، اُولکم پر پرِیہ، دیتم، اناتھم، کورُو، بھو، ساگر پارم
جے جے دیو جیا سُور سُودنہ، جے کیشو جے وِشنو
جے لکھشمی مُوکھ کملہ، مدھُو ورتہ، جے دِختہ، کندھر جشنو
گھورم ہرمہ۔ نرکہ، رِپو، کیشو، کلمشہ، بھارم۔ مذکورہ
یدِی سکلم، اہم کلیا می بہرے نہین کرمِ اِپی، سے، ستوم
تت، اپی نہ مُونچتہ، مام یدم اچوتہ، پُترکمر مہ توم
گھورم ہرمہ۔ نرکہ، رِپو، کیشو، کلمشہ بھارم۔ مذکورہ
پُتر اپی جنہ، تم پُتر اپی مرتم پُتر اپی، اگر بھہ، نواسم

سُوڑھُم الم پترا من مادھوُمام اُودھر رنجہ داسسم
گھورم ہر مہ ہرکہ رلوُ کیشو کلمشہ بھارم۔ مذکورہ
توم جنزنی جنکاہ، پربھوُر اجوتر، توم سکوہر کمکہ میترم
توم شرمم، شرناگتہ ولسلہ، توم بھوَ جلہ دِھی وہیترم
گھورم ہرمہ، نرکرلوُ کیشو، کلمشہ بھارم۔ مذکورہ
جنکہ سُوتا بسی، چرنہ پرابنہ، شنکر مُوتی، ورگیتم
دھاربہ منہ سی کرتسنہ، پرشوتمہ واریسم برتی بھی۔ بستم
گھورم ہرمہ، نرکرلوُ کیشو، کلمشہ بھارم۔
مام انوکمپیہ دینم اناتھم، کرُو بھوَ ساگر، پارم

منتر:- اوم نمو نارایناسُئے نمہ!
اوم نمو بھگوتی واسو دیواسُئے

شنکراستوتی

کرپورہ گورم۔ کرونا وُتارم، سنسار۔ سارم بھجگیندر
ہارم۔ سدا رمنتم۔ ہردیار۔ بند سے۔ بھوم۔ بھوانی،
سہتم نمامی ÷

(۱) پرتہ، تو سمی مہادیو، پرپہ تو سمی سدا شو۔ نواریہ
مہامر توم، مرتیو نجئے، نمو ستوتے ÷
(۲) ناگیندر ہارائی ترلوچنائے بھسماگر راگائی مہیشورائے

دلوادِ۔ دلوائی۔ دِگمبرائے تسمئے نکارائے نماہ شوائے
(۲) مانتگہ۔ چرّاں بجر بھوُشنائے سمتہ گرواتہ گنار چتائے
ترلوکہ ناتھائی پورانتکائے تسمئے مکارائی نماہ شوائے
(۳) شوا، موکھا بجوجہ وکاسنائے دکھیسی یگیہ سی وناتھکائے
چندرارکہ ولیشوانرلوچنائے تسمئے شکارائی نماہ شوائے
(۴) وشیشٹھ کنبھوت بھو۔ گوتہ مادی مونیندر وندیائی گرِ شوائے
تری نیلہ کنٹھائی ورشا دوزائے تسمئے وکارائے نماہ شوائے
(۵) یگیہ سُوروپائے جٹادھرائے پناکہ ہستائے سناتنائے
زنایہ شُدھائی زنجنائے تسمئے یکارائے نماہ شوائے

(۱) اومکارم بندو سم یکتم، نیتم دھیاین تی! لوگناہ
کامدم موکھیدم چیَو، اوم کارم تم نمامے ہم ÷
(۲) نرجاتو نہ مرتو یسے کھیوُلیسے نہ دِ دِستھے
نمن سے دیوتا سروے۔ نکارم تم نمامے ہم ÷
(۳) مہادیوم، مہاذکترم مہا دھیانہ پرانیم، مہاپاپہ ہرم
دیوم، مکارم تم نمامے ہم ÷
(۴) شوات پرہ تورُونا ستے شوہ شاسترے شولشجیہ
شمن تی سروہ پاپانے، شکارم تم نمامے ہم ÷
(۵) واہنو، در شبھوبسے، داسُوکی کنٹھ بھوشنم، وامے
شاکھتی دھرم دیے وم، وکارم تم نمامے ہم ÷
(۶) یتر یتر ستھتو، دیوا سروا، دیاپی جیسے شوراہ، لوگورو

سرو، دیوانام، یکارم تم نمامے ہم ÷
(۷) ایوم فنڈھ گھریس توتر م براتر اُدتھایہ یا پھیت
موچیہتے سروہ پاپہ، بہ شولوکم سو گچھتے ÷

شو آرتی!

(۱) جے شو۔ اومکارا، سوامی جے شو اومکارا۔ برہما،
وشنو، سداشو، بھولاناتھ مہیشور۔ اردھانگے گورا،
اوم ہر ہر مہادیو
(۲) ایکانہ ہے، چترانہ، پنچانہ ہے راجے، شوجی پنچانہ راجے
ہنساسنہ، گروڈاسنہ، ورشبھاسنہ ساجے
اوم ہر ہر مہادیو
(۳) دو بھوجہ چار بھوجہ، چتر بھوجہ، دشہ بھوجہ، تو سوہے
شوجی دشہ بھوجہ توسوہے، تینوں ایک سُوروپا
ترِبھون من موہے۔ اوم ہر ہر مہادیو
(۴) اکھیہ مالا۔ ونہ مالا، رُونڈ مالا دھاری، شوجی رُونڈ مالا
دھاری، چندن سرگہ مدسولے بن بھالے ششی دھاری
اوم ہر ہر مہادیو
(۵) شوے تامبر، پیتامبر، بھسمابھر انگے، شوجی بھسمابھر
انگے، ستہ کادِک، پیلادک، بھوتادِک سنگے۔
اوم ہر ہر مہادیو

(۶) کرمدھیئے کرمنڈلہ، چکر، ترشولہ دھرتا، شوجی چکر، ترشولہ دھرتا، یگ ہرتا، یگ کرتا، یگ پالن کرتا۔
(۷) تینوں ایک سوروپا، انتر ناتر سو۔ شوجی انتر، ناتر سومنہ مانگت پھلہ پاوت، بھوساگر ترسو۔
(۸) جے شو اومکارا، سوامی جے شو اومکارا، برہما، وشنو، سداشو، بھولاناتھ مہیشور، اردھانگے گورے

اوم ہر ہر مہادیو

منتر:- **اوم نمہ شوائے**

دیوی استوتی

(شری راگنیا بھگوتی کا سمپورن دھیان)

اُودیتھ دِیواکر سہسر رَچم ترنیترام
سمہاسنو پر گتام اُرگوپ دِیام
کھڈکام بوجاڈے کلشام امرت پاتر ستام
راگنیم بھجی می وکسِت ودنار بندام

منتر:- اوم ہریم تریم رام کلیم سوبھگوتے راگنئے ہریم نمہ

(شری شارکا بھگوتی کا سمپورن دھیان)

شری شنکھ چکر موسلام بجر تیکھ مستام
... ام ستکنٹھ مالیسام

سندور کُم سمسر مر تیج دلفیتم
شری شارکام ترنئے نام ہر دُئے سمرامے

منتر:- اوم ہریم شریم ہوم فرام آم شام شارکائے نمہ

(شری جوالا بھگوتی کا سمپورن دھیان)

جوالا پروت سنتھتام ترنینام بیٹھا تریا دھشتھتام
جوالا ڈم بر لوتستام سوودنام نیتیم ادریشیام جننئے
شتھ چکرام انجر مدھے گام ورشرام بھوجا بھیان
بھجر تیم چیت رویام نکلار تھ دیین کریم
جوالا موتعیم تو نہم ؛

منتر:- اوم ہریم شریم جوالا مکھی ممہ سروشتروں بھکشہ بھکشہ ہوم پھٹ نمہ ؛

(۱) لیلا، زبھدیس تھاپت، لوپا بھلہ، لوکام لوکاتی تیئے، بوگھیر انتر، ہردی مرگیام بالادیتے، شری نی، سمانہ، دیوتی، لونچام گورم، امبھام، امبھور، ہاکھیم، اہم، ایڈی
(۲) آشا پاتہ، کلیشتہ ونا شم، ودِدانام یادامبھوجہ دھیانہ، پرانام، پُرتا نام الشم، ایشا زگاردھ، ہرام، تام تو مدھیام

گورم، امبھام، امبھور، ہاکھیم، اہم، ایڈی
(۳) پرتیاہار، دھیانہ سمادھے، ستھتی، بھاجام نیتم چتے، نرورتی کاشتھام کلہ ین تم ستیہ، گیانہ۔ نندمہ یم۔ تام ترت ابھام۔ (مذکورہ)
(۴) چندرا، پیڑا، بندتہ، مند، سمتہ، وکتہ ام چندرا، پیڑا، لنکرت، تولا، لکہ بھارام بندرو، بندرا، ورچیتہ، پادا، مبھوجہ یگمام (گورم مذکورہ)
(۵) ناناکاریئے، شاکھتی، کدمبھے، بھونانی ویاپے، سیرم، کری ڈتے یا سو، سوہم ایکا، کلیانم، تام، کلپہ لتام آنہ تی بھاجام گورم (مذکورہ)
(۶) مولادھارات، اوتھتہ، ون تم، ودی رندرم سورم تیاندرم دھامنہ ولئے، جولتا نگم سھولام۔ سوکھام سوکھمہ ترام، تام ابھیہ وندیام گورم امبھام (مذکورہ)
(۷) آدے کھیانام، اکھر مورتیا، ولرسن تم بھوتے بھوتے بھونتہ، کدمبم، پرسہ ود ترم شبدھ برہما نند مہ یم، تام ابھ رامام۔ گورم مذکورہ
(۸) لیپا، کوکھیو، لیتم، اکھندم، جگت اندم بھولو بھویاہ پردور، ابھوت۔ اکھیتم، الو بھرنرا، سار دھم، تام سیھ نکار، درتہ، وبہ نن تم، گورم (مذکورہ)

(۹) لیسیام الیے تت پردتم اشی شتم منی مالا
شوتھے یت دت کوابی چھم جا پچھ رم چھ
تام ادھیاتر گیانہ پدیا گمرنی یام۔ گورم (مذکورہ)
(۱۰) تیا ستیو، تشکلہ، ایکو، جگت ایشاہ
ساکھی لیساہ سرگہ ودھوسسم ہرنے چھ۔
وشو ترانہ کریڈنہ شی لام۔ شوپتہ نم۔ گورم (مذکورہ)
(۱۱) پوجا کالے بھاؤ وشودھم ود دھانو
بھکتیا۔ نیتم۔ جلیتی گوری دشکم یاہ۔
واچام سدھیم سیتم۔ اوشیئے۔ شو بھکتم
لیساہ وشم پروتہ پوتری۔ ودھ دھاتی ؛

یندراکھی

یندراکھی نامہ سا دیوی دیوتا سم اودا ہرتاہ۔
گوری تساکمبری دیوی درگا منی تی وشروتا۔
کاتیاینی مہادیوی چنڈ گنٹھا مہا تپیا۔
ساوتری ساچہ گایتری برہمانی برہمہ وادنی
نارائنی بھدر کالی رودرانی کرشنہ پنگلا
اگنی جوالا رودرموکھی کالہ راتری تپہ سیونی
میگھ شیاما سہسر راکھی وشنو مایا جلودری
مہودری موکھتہ کیشی گور رودپا مہا بھلا
آنندا بھدر جا نندا روگ ہرتری شو پریا

شو دوتی کرالی چہ پرتیکشہ پرمیشوری
یندرانی چندر روپا چہ۔ یندر شکتی پرایتا
مہیشا سور سم ہرتری چاموندا گربھ دیوتا
واراہی نارسمہی چہ بھیما بھیرو تادسے تی
شرتی سمرتی دھرتی مے دھا
ودھیا شکتی سرسوتی
اتن تا وجیا پورنا منس توشا پراجتا
بھوانی پاروتی درگا ہیئے مہ دمبھکا شوا
شوا بھوانی رودرانی شنکر اردھ شری رنی ؛

مایا کنڈلنی کریا مدھومتی کالی کلا مالینی ماتنگی
وجیا جیا بھگوتی دیوی شوا شامبھوی شکتی
شنکر ولبھا۔ تری نیتاہ۔ واک وادنی بھیروی ہرنیم
کاری تریپورا پرا پرمئی ماتا کوماری تیسی
سرو منگلہ۔ منگلے۔ شوے سروارتھ سادھکے ترییے
ترمبھکے گوری نارائنی نموستوتے ؛

اوپتہ ہے مہ روچہ رسے ترلوکے پونی ہے
چے تاہ چرن تنم اگوگھ وتم لوتی ہے۔
کاراگرہے۔ نگرہ بندھن ہیرتر سے توت سم
سمر تو جتھ یتی سے نگراس ترودٹ تو ؛

ہل بھلے مہوت سے مہابھے وناشینی ترا ہی مام دیوی
دوشپ پری کھے شترو نام بھیے وردھینی ؛

دیوی اپرادھ کھماپنس تو ترم !

نہ منترم نو یترم تدا پہ چہ۔ نہ جانے تتی ہو۔ نہ جانام
دھیانم تدا پہ چہ نہ جانے سو تتی کتھا نہ جانے مدرا
تدا پہ چہ نہ جانے ولہ پنم ؛
پرم جانے ماتا توت انوسرنم کلیش ہرنم
ودھیر اگیانی نہ درون درہیتا لسہ تیا
ودے یا شکیہ تات توہ چرن لوجا چوتیر ابھوت
تدیے تت کھن تو یم جننی سکل اودھارن شونے
کوپترو جایے تو کوچت اپی کو ماتا نہ بھوتے
پرتھیویام پتراستے جننی بہواہ سنتی سرلاہ
پرم تیشام مدھے ورلہ ترلو ہم توہ سوتاہ
مدھی یویم تیاگہ سموچیتم یدم نو توہ اشوبے۔
کوپترو جایے تو کوچت اپی کو ماتا نہ بھوتے
جگت ماتر ماتا توہ چرن سیوا نہ رچیتا
نہ وادتم دیوی درودہ نم اپہ بھویا توہ میا
تتھاپے تو م سنہیم مینے نرہ اوپہ مم پر کور شتے
کوپترو جایے تو کوچت اپی کو ماتا نہ بھوتے
پری تیکتا دیوا ودھ ودھ سیوا کلہ تیا
میا پنچا شیتے ادھکم اپہ نیتے تو دیہ سے
یدانیم جیت ماتا توہ یدی کرپا ناپی بھوتا

نرالمبوہ لمبوُ، ددہ جنتی کم یامی شرنم
شرپاکو چل پاکو بھوتی بدھو یاکو، یمہ گرا،
نراتنکو رنکو دہرتی چرم کوٹی کنکئے
نوا پرنے کرنے دِشکتی منودرنے پھلم یدم
جناہ کو جانی تے جنتی جنتی یم جب وِدھو
چتا بھسما لیپو گرلہ مشنم دِک پٹ دھرو
جٹا دھاری کنٹھے بھوجگہ پتی ہاری پشو پتی
کپالی بھوتے شو بھجتی جگدیشہ کہ پدویم
بھوانی توت پانی گرہن پری پانی پھلم یدم
نہ موکھسیا کانکھیا بھوہ دِبھوہ وانچھا پہ چہ نمے
نہ وِگیانا پکھیا شیشہ موکھی سکھیے چھا پی نہ پنہا
اَستوام سم یاچے جنتی جنم یا تو ہم وَے
مرڈانی رودرانی شو شو بھوانی تِ جپیتاہ
نارا دھقا بسی وِدھنا وِ وِدھ پہ چارسیئے
کم روکھشہ چنتنہ پرسئے نہ کرو تم وِچو بھ
شیامے توم اپوہ یدی کنچن مبہ ناتھے،
دت سے کرپام اچتم امبہ پرم توسے دو
آتپسو تمنا سرنم تو دی یم
کرو مہ درگے کرنار نہ نو یشے
نے تت شٹہ توم مم بھاوئیے تھا
کھیودھا ترشا رتا جنتم شکرنیتے

جگت امبھ وِچترم اترہ کم پری پورنا کرونا تے چیت کی
اپرادھ پرم پرا پرم
نہیں ماتا سم اپیکھتے سُتم۔ مت سما پا پی نا ستے
پاپ اگنی توت سمانہیں
الوم گیا توا تہا دیوی
یتھا یوگیم تتھا کرو

شنکر آچاریہ وِرہ چتم دیویا پرادھ کھما پنس ستوترم

آرتی !

اوم جے جگدیش ہرے، پربھو جے جگدیش ہرے
بھگت جنوں کے سنکٹ۔ چھن میں دور کرے، اوم
جو دھیاوے پھل پاوے، دکھ بنسے من کا۔
سکھ سمپتی گھر آئے، کشٹ مٹے تن کا۔
مات پتا تم میرے، شرن گہوں کس کی،
تم بن اور نہ دوجا، آس کروں جس کی
تم پورن پرماتم، تم انتریامی،
پار برہم پرمیشور، تم سب کے سوامی
تم کرونا کے ساگر، تم پالن کرتا،
کس بدھ ملوں دیامے۔ تم کو میں کمتی
دین بندھو دکھ ہرتا، تم رکھشک میرے،
اپنے چرن لگاؤ، دوار پڑے تیرے
وِشے وِکار مٹاؤ، پاپ ہرو دیوا،
شردھا بھگتی بڑھاؤ، سنتن کی سیوا
اوم جے جگدیش ہرے

انتردھیان دِوس

سوامی آتمارام گوسائی گنڈ۔ کارتک شدے۔ کاہ
سوامی اشوکا نند ناگ ڈنڈی۔ پوہ شدے۔ آکدو
سوامی کیلاس کول بھانہ محلہ۔ پوہ ودے۔ اماوس
سوامی نند لال (بب) ۔ اسوج شدے لتر واہ
سوامی گوپی ناتھ (بب) ۔ جیٹھ شدے۔ دوی
سوامی کیشو ناتھ وڈی پورہ چیتر ودے۔ نوم
سوامی پرساد کول (گر ٹہ بب) ۔ ساون ودے۔ یاہ
شریمتی ستی دید۔ (اسوج شدے) یاہ
سوامی رام (دشو آشرم فتح کدل) ماگھ ودے۔ چوداہ
سوامی گاشہ کاک (گوتم ناگ) چیت ودے ماوس یگیہ
جوتشی کیشو بٹ ۔ (کا مبر یکھ یعنی ترپکھ) دوی
شری ہرہ بھٹ شاستری ۔ آشاڑھ شدے چوداہ
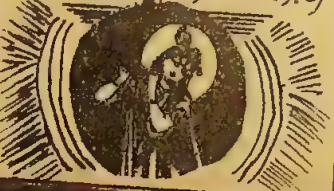
نو گرہوں کے برت کے طریقے

جب کسی کو کوئی گرہ گوچر سے دشا سے یا انتر سے خراب چل رہا ہو تو نیچے کے طریقے سے اس گرہ کا شاستر میں کہے گئے طریقے کے مطابق سچی ستی رہ کر بھرت رکھنے سے گرہ کے برے نتیجے کا خاتمہ ہو جاتا ہے۔ برت کے طریقے نیچے دئے جاتے ہیں

اتوار کے برت کا طریقہ

سورج کا برت اتوار کو کرے یہ برت شکلہ پکھ کے پہلے اتوار سے شروع کرکے سال کے اخیر تک یا ۳۰ برت یا کم سے کم ۱۲ برت کریں۔ اُس روز صرف گیہوں کی روٹی۔ گھی۔ کھانڈ کے ساتھ یا میٹھا گیہوں کا دلیہ یا حلوہ الائچی ڈال کر کھانا کھائیں۔ نمک بالکل نہ کھائیں۔ ہو سکے تو کھانے سے پہلے لال کپڑے پہن کر بیج منتر ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः की ۵ مالائیں جپے اسکے بعد سورج کو لال چندن اور چاول پھول دھوپ ڈال کر ارگ دے جب برت کا اخیری اتوار ہو تو ہون اور پورن آہوتی کے بعد برہمنوں کو بھوجن کروادے ایسا کرنے سے سورج گرہ کا برا پھل ختم ہو کر اچھا نتیجہ نکلیگا۔ اس کے علاوہ بیماری ختم ہوگی

سوموار کے برت کا طریقہ

یہ برت شکلہ پکھ کے پہلے سوموار سے شروع کرکے ۵۴ یا دس بار کرنا چاہیئے اُس دن سفید پوشاک ڈال کر بیج منتر ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः کی ۱۱ مالائیں یا ۳ مالائیں جپیں۔ دوپہر کے وقت نمک کے بغیر دہی۔ چاول گھی کھانڈ کا طاقت کے مطابق دان کرنے کے بعد خود بھی دہی کھانا چاہیئے جب برت کی آخری سوموار ہو تو اُس دن ہون کرکے پورن آہوتی ڈالنے کے بعد کھیر کھانڈ سے برہمنوں اور بچوں کو کھانا کھلاوے۔ یہ برت تجارت میں ترقی۔ کسی خاص کام میں کامیابی اور دلی سُکھ۔ چین۔ خوش حالی کو دینے والا ہے

منگل کے برت کا طریقہ

یہ برت شکلہ پکھ کے پہلے منگلوار سے شروع کرکے ۲۱ یا ۴۵ برت کرے۔ ہو سکے تو زندگی بھر برت رکھے۔ بلاسیئے لال کپڑا پہن کر بیج منتر ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः की ایک یا ۵ یا ۷ مالائیں جپے۔ کھانے میں نمک کا پرہیز ضروری ہے۔ اُسی دن گڑ سے بنے حلوے کا یا بوندی کے لڈوں کا دان کرے اور خود بھی وہی کھائے۔ جب برت کا اخیری منگلوار ہو اسی دن ہون پورن آہوتی کرکے لال کپڑے۔ تانبہ۔ مسور۔ گڑ گیہوں اور ناریل کا دان کرے۔ برہمنوں کو اور بچوں کو میٹھا بھوجن کرائیں منگل کا برت قرضے سے رہا اور اولاد کے سُکھ دینے والا ہے۔

بُدھ وار کے برت کا طریقہ

یہ برت شکلہ پکھ کے پہلے بدھ وار سے شروع کریں۔ ۲۱ یا ۴۵ برت رکھنے چاہئیں۔ ہرا کپڑا پہن کر بیج منتر ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः کی ۱۷ یا ۳ مالائیں جپے۔ اس دن کھانے میں بلا نمک کے کھانڈ گھی سے بنی چیزیں جیسے مونگی کا حلوہ۔ مونگی کی میٹھی پنجیری یا مونگی کے لڈوؤں کو دان میں دے۔ پھر گنگا جل یا چرنامرت کے ساتھ تلسی کے تین پتے لے کر خود بھی اُوپر لکھی ہوئی چیزوں کو کھاوے برت کے آخری بدھ وار کو ہون پورن آہوتی ڈال کر لیوے۔ لنگڑے بھکاری کو مونگی والا کھانا کھلا کر بعد میں برہمن کو ہرا کپڑا۔ مونگی۔ کھانڈ۔ گھی طاقت کے مطابق سونا کا دان بھی کرے۔ اس برت سے بیوپار میں ترقی۔ تعلیم اور خزانے میں ترقی ہوتی ہے۔ صحت ٹھیک بنی رہتی ہے۔

برہسپتی کے برت کا طریقہ

یہ برت شکلہ پکھ کے پہلے ویروار سے شروع کریں۔ ۳ سال تک یا ۱۶ ویروار کے برت کریں۔ اس دن پیلا کپڑا پہن کر بیج منتر ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः کی ۱۱ یا ۳ مالائیں جپے۔ کھانے میں چنے کے بیسن کی گھی۔ کھانڈ سے بنی ہوئی میٹھا لڈو وغیرہ کھاوے اور یہی چیزیں دان میں دیں۔ جب برت کی آخری ویروار ہو تو ہون پورن آہوتی کے بعد برہمن اور بچوں کو لڈو کھلا دیں اور طاقت کے مطابق سونا۔ پیلے کپڑے چنے کی دال۔ کھانڈ۔ ہلدی گھی پیلے رنگ کے پھل وغیرہ کا دان کرے۔ یہ برت طالب علموں کے لئے عقل اور تعلیم کے لئے فائدہ مند ہے۔ اور جن کی شادی نہیں ہوئی۔ ان کے لئے عورت کا سُکھ دینے والا ہے۔ عزت میں ترقی اور دھن دولت دیتا ہے

شکر کے برت کا طریقہ

یہ برت شکلہ پکھ کے پہلے شکروار سے شروع کریں۔ ۲۱ یا ۳۱ برت رکھنے چاہئیں۔ سفید کپڑے پہن کر بیج منتر کی ۳ یا ۲۱ مالائیں جپ کریں۔ کھانے میں چاول کھانڈ یا دودھ سے بنی چیزیں ہی استعمال کریں۔ یہی چیزیں طاقت کے مطابق ایک آنکھ والے بھکاری کو دیں۔ جب برت کا

آخری شکر وار ہو تو ہَون کی پُوری آہوتی کے بعد کھیر، کھانڈ سے بنی ہوئی چیزیں برہمنوں و بچوں کو کھلائیں چاندی سفید کپڑا۔ کھانڈ چاول کا دان کریں۔ یہ برت عیش و عشرت میں ترقی دیتا ہے ÷
ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः

شنی کے برت کا طریقہ

یہ برت شکلا پکھ کے پہلے شنی وار سے شروع کریں، اس دن کالا کپڑا پہن کر بیج منتر ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः کی ۱۹ یا ۳ مالائیں جپ کریں۔ اس کے بعد ایک برتن میں شدھ جل۔ کالے تل، گنگا جل، شکر اور تھوڑا دودھ ڈال کر مغرب کی طرف مُنہ کر کے پیپل کے درخت کی جڑ میں ڈال دینا چاہیئے، کھانے میں اُڑد کے آٹے کی بنی ہوئی چیزیں یا پنجیری کچھ تیل سے بنی چیزیں اور کیلا استعمال میں لائیں۔ یہ چیزیں دان بھی کریں۔ برت کے آخری شنی وار کو ہَون کی پُوری آہوتی کے بعد تیل کے پکوان ڈکوت کو بھوجن کرائیں۔ کالا کپڑا، کمبل۔ اُڑد اور دیسی جوتا تیل لگا کر دان کریں۔ اس برت سے سب طرح کی پریشانی دُور ہوتی ہے۔ جھگڑے میں فتح، لوہے کی مشنری میں لوہے کے بیوپار میں لابھ کارخانوں کی ترقی کے لئے فائدہ مند ہے ÷

راہو اور کیتو کے برت کا طریقہ

یہ برت شکلا پکھ کے پہلے شنی وار سے یہ برت شروع کریں۔ یہ برت ۱۸ کریں کالا کپڑا پہن کر ۱۸ یا تین مالائیں بیج منتر
ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः।
ॐ स्त्रां स्त्रीं स्त्रौं सः केतवे नमः।
جپے۔ اس کے بعد ایک برتن میں جل دُوب اور کُشا لے کر پیپل کی جڑ میں ڈالے۔ کھانے میں میٹھا چُورما، میٹھی روٹی ٹائم کے مطابق ریوڑھی۔ تل کی بنی ہوئی میٹھی چیزیں کھائیں اور یہی دان کریں۔ رات کو گھی کا چراغ روشن کر کے پیپل کی جڑ میں رکھ دیں۔ اس برت سے دشمنوں کا ڈر ختم ہو اور سرکاری معاملات میں فتح ہوتی ہے ÷

"لگن بنانے کا طریقہ" - صفحہ 48 سے آگے

وقت کے عین مطابق لگن بنانا مطلوب ہو۔ اُس دن جنتری میں سُوریہ اُودے دیکھ کر جنم کال تک جتنی گھڑیاں اور پل ہوں وہ وقفہ الشٹ کال بن جاتا ہے۔

مثلاً شراون شکلا پکھ اشٹمی سموت ۲۰۳۴ یعنی ۱۹ ساون مطابق ۳ اگست صبح ۱۰ بجے بچہ پیدا ہوتا ہے۔ اُس دن کے سُوریہ اودے کا وقت ۵ بجے ۴۳ منٹ ہے صبح کے دس بجے تک ۴ گھنٹے ۱۷ منٹ بن جاتے ہیں جو ۱۰ گھڑیاں اور ۴۲ پل حساب سے بن جاتے ہیں۔ اس میں ۱ گھڑی اور ۱۵ پل رراس کا وقت منہا کریں۔ جو گھڑیوں اور پلوں میں مطلوبہ الشٹ کال بن جاتا ہے اب جنتری میں دی ہوئی لگن سارنی میں ساون کی ۱۹ تاریخ کی گھڑی اور پڑی لکیروں کے ملاپ کے خانے کی گھڑیاں اور پل یعنی ۲۰ گھڑیاں ۲۳ پل بنائے ہوئے الشٹ کال کے ساتھ جوڑ دیں۔ جو ۲۹ گھڑیاں اور ۵۷ پل حاصل ہوا۔ اب اسی سارنی میں پھر دیکھ کر کر ۲۹ گھڑیاں اور ۵۷ پل کس خانے میں دکھائی دیتے ہیں۔ اُس خانے کی پڑی لکیر کے سیدھ میں دیکھنے سے کن لگن ہوا۔ کن لگن ۱۲ خانے کی کنڈلی کے پہلے خانے میں لکھ کر کنڈلی کو راشیوں سے پُر کریں۔ اب اُس دن کو نکھتر پتری میں دیکھ کر ہر ایک گرہ کو کنڈلی میں بھر لیں۔ جس کسی بھی راشی میں اُس دن گرہ پڑا ہوا ہو۔ اس طرح بچے کی جنم کنڈلی تیار ہوئی ÷

لگن سارنی

راشی	۰	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲	۱۳	۱۴	۱۵	۱۶	۱۷	۱۸	۱۹	۲۰	۲۱	۲۲	۲۳	۲۴	۲۵	۲۶	۲۷	۲۸	۲۹
میش	۲	۲	۲	۲	۲	۳	۳	۳	۳	۳	۳	۳	۳	۴	۴	۴	۴	۴	۴	۴	۴	۵	۵	۵	۵	۵	۵	۵	۶	۶
	۴۰	۳۸	۴۵	۵۱	۵۸	۴	۱۱	۱۸	۲۵	۲۳	۴۱	۴۹	۵۶	۴	۱۲	۲۰	۲۷	۳۸	۴۳	۵۱	۵۸	۱۶	۱۴	۲۲	۳۰	۲۷	۴۵	۵۳	۱	۸
ورش	۶	۶	۶	۶	۶	۶	۷	۷	۷	۷	۷	۷	۸	۸	۸	۸	۸	۸	۸	۹	۹	۹	۹	۹	۹	۱۰	۱۰	۱۰	۱۰	۱۰
	۱۲	۲۴	۲۳	۳۹	۴۷	۵۵	۳	۱۱	۳۰	۳۰	۴۰	۵۰	۰	۱۰	۲۰	۲۹	۳۹	۴۹	۵۹	۹	۱۸	۲۹	۳۹	۴۸	۵۸	۸	۱۸	۲۸	۳۸	۴۹
متھن	۰	۱۱	۱۱	۱۱	۱۱	۱۱	۱۱	۱۲	۱۲	۱۲	۱۲	۱۲	۱۳	۱۳	۱۳	۱۳	۱۳	۱۴	۱۴	۱۴	۱۴	۱۴	۱۵	۱۵	۱۵	۱۵	۱۵	۱۶	۱۶	۱۶
	۵۸	۷	۱۷	۲۷	۳۷	۴۷	۵۵	۷	۸	۳۰	۴۳	۵۳	۵	۱۷	۲۸	۴۰	۵۲	۰	۱۵	۲۷	۳۸	۵۰	۲	۱۳	۲۵	۳۷	۴۸	۱	۱۲	۲۳
کرکٹ	۱۶	۱۶	۱۶	۱۷	۱۷	۱۷	۱۷	۱۷	۱۸	۱۸	۱۸	۱۸	۱۸	۱۹	۱۹	۱۹	۱۹	۱۹	۲۰	۲۰	۲۰	۲۰	۲۰	۲۱	۲۱	۲۱	۲۱	۲۱	۲۲	۲۲
	۳۵	۴۷	۵۸	۱۰	۲۲	۲۳	۴۵	۵۷	۹	۲۱	۳۳	۴۵	۵۸	۱۰	۲۲	۳۳	۴۶	۵۸	۱۰	۲۲	۳۴	۴۶	۵۸	۱۱	۲۲	۲۵	۴۸	۱۰	۱۲	۲۴
سنگھ	۲۲	۲۲	۲۳	۲۳	۲۳	۲۳	۲۳	۲۴	۲۴	۲۴	۲۴	۲۴	۲۵	۲۵	۲۵	۲۵	۲۵	۲۶	۲۶	۲۶	۲۶	۲۶	۲۷	۲۷	۲۷	۲۷	۲۷	۲۸	۲۸	۲۸
	۳۶	۴۹	۱	۱۳	۱۵	۳۷	۵۰	۲	۱۴	۲۶	۳۸	۴۹	۰	۱۲	۲۵	۳۷	۵۰	۰	۱۴	۲۶	۲۷	۴۹	۰	۱۳	۲۵	۳۷	۴۹	۱	۱۲	۲۴
کنیا	۲۸	۲۸	۲۹	۲۹	۲۹	۲۹	۲۹	۳۰	۳۰	۳۰	۳۰	۳۰	۳۰	۳۱	۳۱	۳۱	۳۱	۳۱	۳۲	۳۲	۳۲	۳۲	۳۲	۳۳	۳۳	۳۳	۳۳	۳۳	۳۴	۳۴
	۳۶	۴۸	۰	۱۲	۲۴	۳۶	۴۰	۰	۱۲	۲۴	۳۶	۴۹	۵۹	۱۱	۳۳	۳۶	۴۸	۵۹	۱۱	۲۳	۳۵	۴۸	۵۹	۱۰	۲۳	۳۵	۴۸	۵۹	۱۰	۲۲
طول	۳۴	۳۴	۳۴	۳۵	۳۵	۳۵	۳۵	۳۵	۳۶	۳۶	۳۶	۳۶	۳۶	۳۷	۳۷	۳۷	۳۷	۳۷	۳۸	۳۸	۳۸	۳۸	۳۹	۳۹	۳۹	۳۹	۳۹	۴۰	۴۰	۴۰
	۳۴	۴۶	۵۸	۱۰	۲۰	۳۴	۴۶	۵۸	۱۰	۲۲	۳۴	۴۶	۵۸	۱۱	۲۳	۳۵	۴	۵۹	۱۱	۲۵	۲۱	۴۸	۰	۱۲	۲۴	۳۶	۴۸	۰	۱۳	۲۵
ورچک	۴۰	۴۰	۴۱	۴۱	۴۱	۴۱	۴۱	۴۲	۴۲	۴۲	۴۲	۴۲	۴۳	۴۳	۴۳	۴۳	۴۳	۴۳	۴۴	۴۴	۴۴	۴۴	۴۴	۴۵	۴۵	۴۵	۴۵	۴۵	۴۶	۴۶
	۳۷	۴۹	۲	۱۴	۲۶	۲۸	۵۰	۲	۱۴	۲۶	۲۸	۵۰	۱	۱۴	۲۲	۳۶	۴۸	۵۹	۱۳	۲۴	۳۶	۴۸	۵۹	۹	۲۱	۳۳	۴۴	۵۲	۸	۲۰
دھن	۴۶	۴۶	۴۶	۴۷	۴۷	۴۷	۴۷	۴۷	۴۸	۴۸	۴۸	۴۸	۴۸	۴۸	۴۹	۴۹	۴۹	۴۹	۴۹	۴۹	۵۰	۵۰	۵۰	۵۰	۵۰	۵۰	۵۱	۵۱	۵۱	۵۱
	۳۷	۴۳	۵۴	۶	۱۸	۲۹	۴۱	۵۳	۲	۱۲	۲۲	۳۳	۴۲	۵۲	۲	۱۲	۲۱	۳۱	۴۱	۵۱	۱	۱۱	۲۱	۳۱	۴۱	۵۱	۹	۱	۲۱	۳۰
مکر	۵۱	۵۱	۵۱	۵۲	۵۲	۵۲	۵۲	۵۲	۵۲	۵۳	۵۳	۵۳	۵۳	۵۳	۵۳	۵۳	۵۳	۵۴	۵۴	۵۴	۵۴	۵۴	۵۴	۵۴	۵۵	۵۵	۵۵	۵۵	۵۵	۵۵
	۳۹	۴۹	۵۹	۹	۱۹	۲۹	۳۹	۴۹	۵۹	۴	۱۲	۲۲	۲۵	۳۵	۴۲	۵۱	۵۸	۶	۱۸	۲۲	۲۹	۳۵	۴۵	۵۳	۱	۸	۱۶	۲۴	۳۲	۴۰
کُنبھ	۵۵	۵۵	۵۶	۵۶	۵۶	۵۶	۵۶	۵۶	۵۶	۵۶	۵۷	۵۷	۵۷	۵۷	۵۷	۵۷	۵۷	۵۷	۵۷	۵۸	۵۸	۵۸	۵۸	۵۸	۵۸	۵۸	۵۸	۵۸	۵۹	۵۹
	۴۷	۵۵	۳	۱۰	۱۸	۲۶	۳۴	۴۲	۴۸	۵۷	۱	۸	۱۵	۲۱	۲۸	۳۴	۴۱	۴۸	۵۴	۱	۸	۱۴	۲۱	۲۷	۳۴	۴۰	۴۷	۵۴	۰	۷
مین	۵۹	۵۹	۵۹	۵۹	۵۹	۵۹	۵۹	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۰	۱	۱	۱	۱	۱	۱	۱	۱	۲	۲	۲	۲
	۱۳	۲۰	۲۰	۳۳	۴۰	۴۶	۵۳	۰	۶	۱۳	۱۹	۲۶	۳۳	۳۹	۴۶	۵۲	۵۹	۶	۳	۰	۲۵	۳۲	۳۸	۴۵	۵۲	۵۸	۵	۱۲	۱۸	۲۰

لگن کا مطلب پورب کی طرف آکاش کا جو حصہ زمین سے لگتا ہوا دکھائی دیتا ہے اُسے لگن کہتے ہیں۔ **جنم کنڈلی** جس وقت کوئی پیدا ہوتا ہے اُس وقت آکاش پر کے گرہوں کا جیسا نقشہ ہوگا۔ ہو بہو ان ہی زاویوں کو اُس کی کنڈلی میں درج کیا جاتا ہے۔ جو بارہ راشیوں یا خانوں پر مشتمل ہوتی ہے۔ **لگن بنانے کا طریقہ** جس دن

ورش پھل بنانے کی سارنی

ورش	۲۹	۲۸	۲۷	۲۶	۲۵	۲۴	۲۳	۲۲	۲۱	۲۰	۱۹	۱۸	۱۷	۱۶	۱۵	۱۴	۱۳	۱۲	۱۱	۱۰	۹	۸	۷	۶	۵	۴	۰۳	۰۲	۰۱
وار	۰۱	۰۷	۰۵	۰۴	۰۳	۰۲	۰۷	۰۶	۰۵	۰۲	۰۲	۰۱	۰۷	۰۶	۰۴	۰۳	۰۲	۰۱	۰۶	۰۵	۰۴	۰۳	۰۱	۰۷	۰۶	۰۵	۰۳	۰۲	۰۱
گھڑی	۳۰	۱۴	۵۹	۴۳	۲۸	۱۱	۵۷	۴۱	۲۶	۱۰	۰۴	۳۹	۲۳	۰۸	۵۲	۳۷	۲۱	۰۶	۵۰	۳۵	۱۹	۰۴	۴۸	۳۳	۱۷	۰۲	۴۶	۳۱	۱۵
پل	۱۳	۴۲	۶۰	۳۹	۰۷	۳۶	۰۴	۳۳	۰۱	۳۰	۵۸	۲۷	۵۵	۲۴	۵۲	۲۱	۴۹	۱۸	۴۶	۱۵	۴۳	۱۲	۴۰	۰۹	۳۷	۰۶	۳۴	۳۰	۳۱
وپل	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰
	۵۷	۵۶	۵۵	۵۴	۵۳	۵۲	۵۱	۵۰	۴۹	۴۸	۴۷	۴۶	۴۵	۴۴	۴۳	۴۲	۴۱	۴۰	۳۹	۳۸	۳۷	۳۶	۳۵	۳۴	۳۳	۳۲	۳۱	۳۰	دھرونک
وار	۰۱	۰۷	۰۶	۰۴	۰۳	۰۲	۰۱	۰۶	۰۵	۰۴	۰۳	۰۱	۰۷	۰۶	۰۵	۰۳	۰۲	۰۱	۰۷	۰۵	۰۴	۰۳	۰۲	۰۷	۰۶	۰۵	۰۴	۰۲	۱
گھڑی	۴۴	۲۹	۱۳	۵۸	۴۲	۲۷	۱۱	۵۶	۴۰	۲۵	۰۹	۵۴	۳۸	۲۳	۰۷	۵۲	۳۶	۲۱	۰۵	۴۹	۳۴	۱۸	۰۳	۴۷	۳۲	۱۶	۰۱	۴۵	۱۵
پل	۵۵	۲۴	۵۲	۲۱	۴۹	۱۸	۴۶	۱۵	۴۳	۱۲	۴۰	۰۹	۳۷	۰۶	۳۴	۰۳	۳۱	۰۰	۲۸	۵۷	۲۵	۵۴	۲۲	۵۱	۱۹	۴۸	۱۶	۴۵	۳۱
وپل	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰
دھروانک	۸۵	۸۴	۸۳	۸۲	۸۱	۸۰	۷۹	۷۸	۷۷	۷۶	۷۵	۷۴	۷۳	۷۲	۷۱	۷۰	۶۹	۶۸	۶۷	۶۶	۶۵	۶۴	۶۳	۶۲	۶۱	۶۰	۵۹	۸	
وار	۸	۷	۶	۵	۳	۰۲	۰۱	۰۷	۰۵	۰۴	۰۳	۰۲	۰۷	۰۶	۰۵	۰۴	۰۲	۰۱	۰۷	۰۶	۰۴	۰۳	۰۲	۰۱	۰۶	۰۵	۰۴	۰۳	
گھڑی	۵۹	۴۴	۲۸	۱۱	۵۷	۴۲	۲۶	۱۰	۵۵	۳۹	۲۴	۰۸	۵۳	۳۷	۲۲	۰۶	۵۱	۳۵	۰۲	۰۴	۴۹	۳۳	۱۸	۰۲	۴۷	۳۱	۱۵	۰۰	
پل	۳۷	۶	۳۴	۳	۳۱	۰۰	۲۸	۲۷	۲۵	۵۴	۲۲	۵۱	۱۹	۴۸	۱۶	۴۵	۱۳	۴۲	۱۰	۳۹	۰۷	۳۶	۰۴	۲۳	۱	۳۰	۵۸	۲۷	
وپل	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	۳۰	۰۰	

ورش پھل بنانیکا طریقہ } جس سال کا ورش نکالنا ہو اس سال میں جنم کا سموت گھٹانے سے جو رہے وہ گت ورش جانو اور سارنی میں دیکھیں جتنے گت ورش ہوں اُن میں جنم کا وار اشٹ کی گھڑی پل جوڑنے سے وہ ورش کا وار اور اشٹ کے گھڑی پل جانو۔ اس اشٹ کے مطابق لگن سارنی سے لگن دیکھنا ۔

باہمی سمتوں کے معلوم کرنے کا نقشہ

قصبہ شہر گاؤں	سرینگر	پانپور	اونتی پورہ	بجبہاڑہ	ترال	موران	پلوامہ	شوپیان	کلگام	اننت ناگ	کوٹھار	قاضی گنڈ	مارتنڈ	ویری ناگ	بارہمولہ	پہلگام	اچھبل	ساگام	ہال	پانڈری پورہ	ہندواڑہ	سوپور
سرینگر سے	×	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	پورب	دکھن	پچھم	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	اتر	پچھم	پچھم
پانپور سے	اتر	×	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	پورب	دکھن	پچھم	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	اتر	پچھم	پچھم
اونتی پورہ سے	اتر	اتر	×	دکھن	پورب	پچھم	پچھم	پچھم	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	پورب	دکھن	پچھم	پورب	دکھن	دکھن	پچھم	اتر	پچھم	پچھم
بجبہاڑہ سے	اتر	اتر	اتر	×	اتر	پچھم	پچھم	پچھم	دکھن	پورب	پورب	دکھن	پورب	دکھن	پچھم	پورب	پورب	دکھن	پچھم	اتر	پچھم	پچھم
ترال سے	پچھم	پچھم	پچھم	دکھن	اتر	پچھم	پچھم	پچھم	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	پورب	دکھن	پچھم	پورب	پورب	پورب	پچھم	اتر	پچھم	پچھم
موران سے	اتر	اتر	پورب	پورب	پورب	×	پورب	دکھن	دکھن	پورب	پورب	دکھن	پورب	دکھن	پچھم	پورب	پورب	پورب	دکھن	اتر	پچھم	پچھم
پلوامہ سے	اتر	اتر	پورب	پورب	پورب	پچھم	×	دکھن	دکھن	پورب	پورب	دکھن	پورب	دکھن	پچھم	پورب	پورب	پورب	دکھن	اتر	اتر	اتر
شوپیان سے	اتر	اتر	پورب	پورب	پورب	اتر	اتر	×	پورب	پورب	پورب	دکھن	پورب	دکھن	پچھم	پورب	پورب	پورب	دکھن	اتر	اتر	اتر
کولگام سے	اتر	اتر	پورب	پورب	اتر	اتر	اتر	پچھم	×	پورب	پورب	پورب	پورب	دکھن	پچھم	پورب	پورب	پورب	دکھن	اتر	اتر	اتر
اننت ناگ سے	اتر	اتر	اتر	پچھم	اتر	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	×	پورب	دکھن	پورب	دکھن	پچھم	پورب	دکھن	دکھن	پچھم	اتر	پچھم	پچھم
کوٹھار سے	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	×	پچھم	پچھم	دکھن	پچھم	اتر	پچھم	دکھن	پچھم	اتر	پچھم	پچھم
قاضی گنڈ سے	اتر	اتر	اتر	اتر	اتر	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	اتر	پورب	×	پورب	پورب	پچھم	اتر	اتر	پورب	پچھم	اتر	اتر	پچھم
مارتنڈ سے	پچھم	پچھم	پچھم	اتر	اتر	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	اتر	پورب	پچھم	×	دکھن	پچھم	اتر	دکھن	دکھن	پچھم	اتر	پچھم	پچھم
ویری ناگ سے	اتر	اتر	اتر	اتر	اتر	اتر	اتر	پچھم	پچھم	اتر	پورب	پچھم	اتر	×	پچھم	اتر	اتر	پورب	پچھم	پورب	پچھم	پچھم
بارہمولہ سے	پورب	پورب	پورب	پورب	پورب	پچھم	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	پورب	دکھن	پورب	پورب	پچھم	پورب	پورب	پورب	پچھم	پچھم	اتر	اتر
پہلگام سے	دکھن	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	اتر	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	پچھم	×	دکھن	دکھن	پچھم	پچھم	پچھم	پچھم
سوپور سے	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	اتر	×
ہندوارہ سے	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	اتر	دکھن
پانڈری پورہ سے	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	پورب	دکھن	دکھن	دکھن	×	پچھم	پچھم

اگر آپکو سرینگر سے اننت ناگ جانا ہو تو اننت ناگ دکھن میں ہے ایسے ہی اننت ناگ سے پلوامہ پچھم میں ہے۔ کشمیر سے لداخ پورب میں ہے۔

مول [illegible] پھل و مول ورکھ

گنڈانت وچار اشن۔ ریوت۔ اشلیش۔ مگھ۔ زیشٹ۔ مول یہ گنڈانت نکھتر ہیں اگر بالک کا جنم گنڈانت میں ہو تو مشکل سے ہی زندہ رہتا ہے یا روگی رہتا ہے ماتا کو دکھ اور خاندان کو بھی دکھ ہوتا ہے۔ اسکے لئے اودھی سنان کا اوپائے کہا گیا ہے۔ جس سے بالک دھن دائیہ اور ایشور دایک ہوتا ہے **مول پاد کا پھل** مول نکھتر کے پہلے پاد میں بالک پیدا ہو تو باپ کے لئے۔ دوسرے پاد میں ماتا کے لئے تیسرے پاد میں دھن کے لئے ہانی کارک ہوتا ہے۔ چوتھے پاد میں شبھ پھلدایک ہوتا ہے۔ مول نکھتر کی پہلی ۴ گھڑیوں تک مول نکھتر مول ورکھ کے جڑ پر رہتا ہے پھرے گھڑی تک تنے پر اور پھر ۸ گھڑی تک کھال پر **مول واس کا پھل** چیت، ساون، کاتک اور پوہ ماس میں مول کا نواس زمین پر ہوتا ہے۔ بیساکھ، جیٹھ، مگھر اور پھاگن میں مول کا واس پاتال میں ہوتا ہے۔ ہار اور بھادوں اسوج اور ماگ کا نواس سورگ میں ہوتا ہے۔ سورگ میں مول ہو تو راج پراپتی، پاتال میں دھن پراپتی اور پرتھوی پر کشٹ **مول اور گنڈانت کے نوارن اوپائے** ان دوشوں کی شانتی کے لئے شانتی یاگ اور اودھی سنان کرنے چاہیں۔ اگر بالک کا جنم دن میں ہو۔ تو باپ کے سمیت۔ اگر رات میں ہو تو ماتا کے سمیت، اگر دونوں سندھیاؤں میں ہو تو ماتا پتا سمیت بالک کو اودھی سنان کرنا چاہئے بچے کی لگن کنڈلی میں برہسپتی یا شکر کیندر (۱، ۴، ۷، ۱۰) میں یا ترکون (۹، ۵) میں ٹھہرا ہو تو کچھ برائی نہیں کرتا۔ اس کے لئے سونے کی وشنو پرتیما بنا کر کانسی کے پاتر میں گھی میں ڈال کر دان کرنا چاہیئے

بل دیکھنے کا طریقہ جنم کنڈلیوں میں اگر کرور گرہ (سوریہ۔ منگل۔ شنی۔ راہو۔ کیتو) لگن میں چوتھے، ۷ ویں، ۸ ویں، ۱۰ ویں اور ۱۲ ویں ستھان میں ہو تو ایک گرہ کا ایک بل سمجھا جاتا ہے۔ اسی طرح چندرما سے بھی ۱، ۴، ۱۵، ۸، ۱۲ گھر میں جتنے پاپ گرہ ہوں اتنے بل ماننے چاہیں۔ برہسپتی اور شکر ایک گھر میں ہوں تو ایک بل۔ بوم اور برہسپتی اکٹھے ہوں تو ایک بل مان لیجئے۔ اس کے علاوہ لڑکے کی جنم کنڈلی میں شکر کا پاپ گرہ کے ساتھ ایک بل ہے۔ لڑکی کی جنم کنڈلی میں چندرما کو پاپ گرہ کے ساتھ ایک بل ہے اور مرد کے لئے شکر سے ۴، ۸ گرہ میں جتنے کرور گرہ ہوں اتنے بل سمجھو۔ راکھس جاتی بھی ایک بل ہے۔ دونوں ور اور کنیا کے بل سمان ہونے پر ویواہ شبھ پھل دایک ہوتا ہے ؞

مول نکھتر وچار

نواس	پاتال	مول نواس چکر (سورگ)	پرتھوی
جنم ماس	بیساکھ۔ جیٹھ۔ مارگ۔ پھاگن	ہار بھادوں اسوج مارگ	چیت ساون کاتک پوہ
لگن	متھن۔ کن۔ طول۔ مین	ورش۔ ورچک۔ سمہ۔ کمبھ	میش۔ دھن۔ کرکٹ۔ مکر
پھل	اشبھ	شبھ	شبھ

دیکھنے کا طریقہ:۔ مول پر پیدا ہوئے بچے کا جنم اگر بیساکھ میں ہو تو مول کا نواس پاتال میں اگر ہاڑ میں ہو تو مول کا نواس سورگ میں۔ مول پر پیدا ہوئے بچے کا جنم متھن لگن پر ہو تو مول کا نواس پاتال میں اگر دونوں جنم لگن اور جنم ماس سے مول کا نواس پاتال میں ہو تو ادھک شبھ پھل۔ سورگ پر مول نواس ہونے سے شبھ

مول ورکھ وچار

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
منٹ	۴۸	۱۲	۰	۲۴	۴۸	۰	۳۶	۱۲	
پھل	ہانی	ہانی	ماتر پتر ہانی	مال کو ہانی	راج لابھ	منتری	راج لابھ	الپ آیو	

دیکھنے کا طریقہ۔ جب سے مول شروع ہو تو پہلے ۲ گھنٹہ ۴۸ منٹ تک مول کا نواس ورکھ کے جڑ پر ہوتے ہانی کارک ہے۔ مول پر ۱۰ گھنٹے تک تنے پر ۹ گھنٹے سے ۱ گھنٹے تک تو چار پہلے ۲ گھنٹہ ۴۸ منٹ تک مول کا نواس

؞ **ابھوکت مول دیکھنے کا طریقہ**۔ مول نکھتر شروع ہونے سے پہلے ۴۸ منٹ تک ابھوکت مول شروع ہوتی ہے اور مول شروع ہونے کے پیچھے ۴۸ منٹ گذار نے پر ابھوکت مول ختم ہوتی ہے جو کہ ا گھنٹہ ۳۶ منٹ رہتی ہے۔ مول کب شروع اور کب ختم ہوتی ہے نکھتر پتری کے ساتھ درج ہے۔ ابھوکت مول اتھوا مول نکھتر پر پیدا ہوئے بچے کی شانتی ضروری

ہے۔ خواہ بچے کا جنم مول کسی پاد پر کیوں نہ ہو۔ مول نکھتر پر پیدا ہوئے بچے کی شانتی ۱۲ دیں دن کرنی ضروری ہے۔ اگر کسی خاص کارن سے شانتی نہ کرائی جا سکے تو ایک ورش کے اندر سوموار بدھ وار۔ گوروار شکروار کو مول نکھتر پر ہی بیھاودی شانتی کرائیں۔ اس پرکار اسلیش نکھتر پر پیدا ہوئے بچہ کی شانتی اسلیش نکھتر پر ہی کرانی چاہیئے۔ مول کا پہلا پاد راتری میں ہو تو پتا کیلئے ہانی کارک نہیں دوسرا پاد دن میں ہو تو ماتا کے لئے ہانی کارک نہیں۔

شکر برہسپتی کے است تتھا ملہ ماس میں نشیدھ کاریہ

تالاب، کنواں اور مکان کا آرمبھ اور ان کی پرتشٹھا ورت شروع کرنا، مہادان، جات کرم، نام کرم، منڈن سنسکار، کرن چھید، ودیا آرمبھ، دیو ستھاپن، وِواہ، الورد، دیو درشن، سنیاس، چترماس پریوگ اور دوسرے شبھ کاریہ کرنا سنکرانت، برہسپتی است اور ملہ ماس میں نشیدھ ہے ؛

سنکرانتی کے مطابق ان کا بھاؤ دیکھنا

جس نکھتر اور تتھی پر سنکرانتی ہو اس نکھتر، تتھی اور وار کے ہندسوں کو جوڑ کرے سے ضرب دیکر ۳ سے تقسیم کریں اگر باقی جفت بچے تو ان کا بھاؤ تیز ہوگا اور اگر طاق بچے تو سُست اور اگر کچھ نہ بچے تو مہنگا رہے گا۔

شری پنچانگ برہمن مہامنڈل کشمیر نے جنتا کی سہولت کے لئے اردو زبان میں شبھ راتری پوجا چھپوائی ہے۔ یہ پستک ہمارے ایجنٹوں سے ہر وقت مل سکتی ہے ؛

پرش اور استری کیلئے گھات چندرما دیکھنے کا نقشہ

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
پرش	۱	۵	۹	۲	۶	۱۰	۳	۷	۴	۸	۱۱	۱۲
استری	۱	۸	۷	۹	۴	۲	۶	۲	۱۰	۱۱	۵	۲

پرش کیلئے میش کا پہلا چندرما اور ۵ واں چندرما ورش راشی کے لئے گھات چندرما ہے۔

پرستھان

شبھ مہورت جو پرستھان نکالنا بھی شبھ پھل دایک ہوتا ہے جس طرف کو جانا ہو کوئی پربہ (پیارا دستو) اس طرف شبھ مہورت پر نکال کر رکھیں اگر پورب کی طرف جانا ہو تو پرستھان ۷ دن تک رہتا ہے۔ دکھن کی طرف ۵ دن تک، پچھم کی طرف ۳ دن تک اور اُتر کی طرف ۲ دن تک پرستھان رہتا ہے مہورت نہ ہو تو گورو یا راجہ کی آگیا سے یاترا شبھ پھل دایک ہے ؛

شُبھ شوگنہ (زرہ زنگ)

گورو۔ برہمن۔ پھل۔ گھوڑا۔ اَن۔ دہی۔ گئو ماتا۔ دھویا ہوا وستر گائے کا سامان۔ نوید۔ جلتی اگنی۔ مچھلی۔ مانس۔ ہتھیار۔ شیشہ۔ پُتر سہت استری۔ باندھا ہوا پشو۔ پھول۔ لڑکی۔ بیٹی۔ پانی سے بھرا گھڑا۔ گھی۔ گنا۔ رتن۔ زیور۔ پگڑی سفید۔ بیل سفید کپڑا شراب مردہ۔ بغیر رونے کی آواز۔ جھنڈا۔ بھیڑ۔ دھوبی۔ بلبل۔ کویل گیدڑی۔ کبوتر ؛

ہر کام میں کامیابی اور ناکامی دیکھنے کا نقشہ

کہتے ہیں کہ بادشاہ سکندر ہر مہم میں اس طریقہ پر عمل کر کے فتح و نصرت پاتا تھا پس لڑائی جھگڑے یا مقدمات میں دیکھنا چاہیئے کہ کون غالب اور کون مغلوب ہوگا۔ بلکہ ہر کام میں اس کا دیکھنا ضروری ہے مثلاً عورت و خاوند میں خاوند غالب اور عورت مغلوب ہونی چاہیئے پس جو شخص اس طریقہ پر عمل کر کے اپنے آپ کو غالب اور طرف ثانی کو مغلوب دیکھ کر کام کریگا وہ ہر طرح سے کامیاب ہوگا۔ طریقہ یہ ہے کہ غالب مغلوب کے نام کے حروف مفرد لکھ کر مطابق نقشہ ذیل کے اعداد لکھیئے ؛

ا	ب	ج	د	ہ	و	ز	ح	ط	ی	ک	ل	م	ن
۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۲۰	۳۰	۴۰	۵۰
س	ع	ف	ص	ق	ر	ش	ت	ث	خ	ذ	ض	ظ	غ
۶۰	۷۰	۸۰	۹۰	۱۰۰	۲۰۰	۳۰۰	۴۰۰	۵۰۰	۶۰۰	۷۰۰	۸۰۰	۹۰۰	۱۰۰۰

(سماچار)

گرہوں کا انسانی زندگی پر اثر

سورج

یہ ستارہ سنگھ راشی کا مالک ہے جن لوگوں کی پیدائش کسی انگریزی مہینہ کی پہلی ۱-۱۰-۱۹ یا ۲۸ تاریخ کو ہوتی ہے۔ ان کا ستارہ بھی سورج ہوتا ہے جن لوگوں کی پیدائش کے وقت یہ ستارہ بلوان ہوتا ہے۔ وہ شخص شہرت پسند غصیلا۔ خوددار۔ ظریف الطبع۔ ذہین اور دیانتدار ہوتا ہے اس کے ساتھ اگر کوئی احسان کیا جائے تو وہ اس کا معاوضہ ادا کرنے کا خواہشمند ہوتا ہے دنیاوی نفاست حسن اور خوبصورتی تصنیفات شاعری علم موسیقی اور مناظر قدرت سے اس کو رغبت ہوتی ہے۔ بادشاہوں اور وزراء امراء مصاحب۔ رئیسوں اور بڑی نامدار ہستیوں سے اس کا تعلق رہتا ہے۔ بڑا دانشمند صاحب عزت وجائداد کا مالک ہوتا ہے طبیعت اور مزاج کا صفرادی غصہ ور اور چکلی ہڈی اور سب کام بڑی ہوشیاری اور احتیاط سے لینے والا ہوتا ہے۔ پختہ ارادہ کا مالک جس کام کو ہاتھ میں لیتا ہے۔ فتح و ترقی سے سرانجام دیتا ہے۔

چندرما

یہ ستارہ کرک راشی کا مالک ہے جن کی پیدائش کسی انگریزی مہینہ کی ۲-۱۱-۲۰-۲۹ تاریخ کو ہوتی ہے اُن کا ستارہ بھی چندرما ہوتا ہے وہ شخص اس کی تاثیر سے قوت خیال کا بہت اظہار دیتا ہے۔ اس کے اندر قدرت کے مناظر کا شوق۔ خوبصورتی کا احساس اور شاعری تصنیف کی طرف رغبت زیادہ پائی جاتی ہے۔ حلیم الطبع۔ کم گو۔ شیریں سخن اور مزاج کا بہت ملنسار ہوتا ہے۔ دوسروں کی نکتہ چینی کو پسند نہیں کرتا۔ تندھ پاکیزہ بدن۔ سفید پوش۔ شیریں غذا کا شائق ہمدرد اور پوتر خیالات کا مالک ہوتا ہے۔ ذمہ داریوں کو زیادہ محسوس نہیں کرتا مزاج بادی۔ بلغمی چہرہ مستطیل لمبا قد۔ خوش طبع اور بڑا عقلمند و سرلینیٹ بدھی سے یکت دکھائی دیتا ہے۔ شہزادوں۔ ولیعہد۔ سوداگر۔ جاسوس۔ قاصد اور مقدس لوگوں سے اس کو تعلق رکھتا ہے۔ نگاہ ہمیشہ سامنے رکھتا ہے۔ متلون مزاج دُبلا پتلا اور گوری رنگت سے یکت ہوتا ہے سمندر کا مدوجزر باغ دریاؤں کا نظارہ پسند کرتا ہے +

منگل

یہ ستارہ میکھ اور برسچک راشی کا مالک ہوتا ہے جن آدمیوں کی پیدائش انگریزی مہینہ کی ۹-۱۸-۲۷ کو ہوتی ہے ان کا ستارہ بھی منگل ہوتا ہے جن لوگوں کی پیدائش کے وقت منگل بلوان ہوتا ہے اُن میں زندگی کی خاص قابلیت پائی جاتی ہے ایسا آدمی بے خوف حوصلہ مند۔ وفادار اپنی دھن کا پکا اور مستقل مزاج ہوتا ہے جھگڑے سے ہمیشہ بچتا ہے لیکن جب اُسے کوئی خواہ مخواہ چھیڑے تو پھر ہزار بار اُسے توبہ کرا کر دم لیتا ہے۔ زندگی کے جس شعبہ میں وہ کام کرتا ہے یہ اس میں دوسروں کی رہنمائی کا حصہ اختیار کرتا ہے۔ اراضیات کا مالک بڑا رئیس اور سپہ سالار۔ جنرل۔ فوج۔ افسر اور حکام امیر الامراء اور کارخانوں سے اس کا تعلق رکھتا ہے دوسروں کی نکتہ چینی اسے پسند نہیں آتی ہمیشہ اپنی رائے کو مقدم خیال کرتا ہے۔ مزاج کا کڑوا ہوتا ہے جب کوئی بات اس کے قیاس و علم اور ذاتی تجربہ کے برخلاف ہو جائے تو رحم و ترس سے نہیں دیکھتا۔ سُرخ رنگت مائل سفیدی ہمیشہ پُرزور اور خونی مزاج ہوتا ہے ایسا شخص بہت مضبوط طاقت ور اور پکے ارادہ کا انسان ہوتا ہے۔

بُدھ

یہ ستارہ عقل دلیل سوچ وچار علم اور ترقی سے منسوب ہے متھن اور کنیا راشی کا مالک ہے جن لوگوں کی پیدائش کسی انگریزی مہینہ کی ۸، ۱۳، ۱۴ تاریخ کے دن ہوتی ہے ان کا ستارہ بھی بدھ ہوتا ہے جن لوگوں کی پیدائش کے وقت یہ بلوان ہوتا ہے وہ دنیاوی ضرورت میں بہت عقل دُور اندیشی اور حکمت عملی سے کام لیتا ہے سنجیدگی اور داناؤں کی رغبت۔ ہنر مندی اور تجارت کی علامات اس میں زیادہ پائی جاتی ہیں۔ بیوپاری سوداگر اور اہل قلم و کلاء خوش نویسی مکتب و دیوان خانوں سے اس کا تعلق رکھتا ہے اس قسم کے آدمی سروے۔ زمین کے کاموں میں زیادہ حصہ لیتے ہیں۔ بڑا عاقل حسین۔ میانہ قد۔ سیاہی مائل رنگت والا دبلا بدن گنت ریاضی کے کاموں میں ماہر۔ سرلینٹ بدھی جو کھوٹی مربع شکل بات کو جلد سمجھنے والا۔ نکتہ دان احسن الرائے اور علم الرائے عالم فاضل اور باتدبیر ہوتا ہے۔ حکیم اور منجم صفت لوگوں سے اس کا واسطہ اور تعلق ہے۔ تصنیفات۔ مصوری اور آرٹ وغیرہ کاموں میں اس کو دلچسپی پائی گئی ہے۔

برہسپت

یہ ستارہ دھن اور مین راشن کا مالک ہوتا ہے جن کی پیدائش کسی انگریزی مہینہ کی ۲، ۱۲، ۲۱، ۳۰ تاریخ کو ہوتی ہے ان کا ستارہ بھی برہسپت ہوتا ہے جن لوگوں کی پیدائش کے وقت یہ ستارہ بلوان ہوتا ہے وہ۔ بڑا فیاض۔ زندہ دل اور خوش مزاج ہوتا ہے حکومت و اقتدار کا شائق اور دوسروں کے دلوں کو فتح کرکے حکومت کرنے کی پیدائشی قابلیت کا مالک ہوتا ہے اسکو مثل مصاحب۔ عالم و فاضل مالک اہل خزانہ اور صاحب اعتبار۔ عابد۔ سخی اور مشیر بن صاحب تدبر عاقل اور با اختیار لوگوں سے تعلق رکھتا ہے۔ دنیاوی شہرت نیک نامی اور راحت و اطمینان سے زندگی بسر کرتا ہے۔ بڑا دانشمند۔ زبردست حکمت علمی اور بے نظیر دماغی قابلیت اور جائداد کا مالک ہوتا ہے اپنی گفتگو وزارت پر خاص ملکہ رکھتا ہے۔ مکر و فریب اور جھوٹ سے نفرت۔ ظالم کی مخالفت مظلوم کی حمایت اس کی طبیعت میں خاص جوش پیدا کرنے والی ہوتی ہے۔ لذیذ غذاؤں کا خواہش مند۔ مذہب کا شیدا اور عزیز و احباب سے محبت اور نیک سلوک کرنے کا خواہش مند؛

شکر

یہ ستارہ برکھ اور تلا راشن کا مالک ہے جس شخص کی پیدائش انگریزی مہینہ کی ۶، ۱۵، ۲۴ تاریخ کو ہوتی ہے اس کا ستارہ بھی شکر ہوتا ہے جن لوگوں کی پیدائش کے وقت یہ ستارہ بلوان ہوتا ہے وہ عام طور پر بڑے وفادار محبت کرنے والے۔ رحمدل اور خوش مزاج ہوتے ہیں۔ اس کی تاثیر سے اس کا قومی حالت میں واقع ہونا مرد و عورت کی باہمی محبت کا نشان پایا گیا ہے۔ عشق و محبت کی طرف ان کی رغبت بہت ہوتی ہے۔ لباس عمدہ گوری رنگت۔ حسن و اخلاق سے پُر ہوتا ہے جھگڑے لڑائی سے دُور بھاگتا ہے اس کو جوہری سوداگر ارباب نشاط اور خوبصورت عورتوں سے بہت تعلق رکھتا ہے۔ اس کی گھریلو زندگی بالعموم خوش گوار ہوتی ہے۔ خود غرض بالکل نہیں ہوتا۔ عورت اور اولاد کا بہت خواہش مند ہوتا ہے جس شکل و صورت میں ہو اس میں اپنی کاریگری اور شکل کا پورا پارٹ ادا کرتا ہے خوبصورتی اور محبت اس کا ستارہ ہے جو اچھی چیز زمین کے اندر پیدا ہوتی ہے۔ گرم چیزوں کے استعمال۔ اعلیٰ خوراک اور عمدہ کپڑوں کو پسند کرتا ہے۔ جن لوگوں کا ستارہ شکر ہو ان کو اودر روگ و کھانسی کی شکایت عام رہتی ہے۔

شنیچر

یہ ستارہ مکر اور کنبھ راشن کا مالک ہوتا ہے جس شخص کی پیدائش کسی انگریزی مہینہ کی ۸، ۱۷، ۲۶ تاریخ کو ہوتی ہے اس کا ستارہ بھی شنی ہوتا ہے اس کا انسانی قسمت پر بڑا بھاری اثر ہوتا ہے جو قسمت کی حالت کو بالکل پلٹ دیتا ہے جس شخص کے زائچہ میں یہ ستارہ بلوان ہوتا ہے وہ شخص ترقی کامیابی و مرتبہ جلد حاصل کر لیتا ہے۔ اس کو شش چودھری و پنچ اور تعلقدار اور رئیس و مالک اراضیات اور مہتمم صاحب خزانہ اور جاگیرات سے تعلق رکھتا ہے۔ بڑا دیانت دار اور دُور اندیش ہوتا ہے۔ اس میں انتہائی آزادی اور زیادہ بولنے کی طرف رغبت پائی جاتی ہے۔ خاموش و کم گفتگو کو زیادہ پسند کرتا ہے۔ زیادہ بولنے والوں سے اُسے نفرت ہوتی ہے۔ بڑا سنجیدہ اور خاموش رہنے والا ہوتا ہے سوسائٹی اور مجلس کو زیادہ پسند نہیں کرتا۔ زراعتی کام میں ماہر حساب دان۔ مذہبی خیالات غصیلا اور مستقل مزاج ہوتا ہے وفادار بھی بہت ہوتا ہے ارادہ کا پکا۔ اور اپنے آپ پر بھروسہ رکھنے والا ہوتا ہے لکھنے پڑھنے میں زیادہ وقت دیتا ہے۔

راہ وکیت

راہ متھن اور کنیا راشن کا مالک ہے جس کی پیدائش کسی انگریزی مہینہ کی ۴، ۱۳، ۲۲ تاریخ کو ہوتی ہے اس کا ستارہ بھی راہو ہوتا ہے اس ستارہ کی پیدائش کا شخص بہت طاقتور نہیں ہوتا گو اچانک واقعات ہو جانے سے بلا وجہ کام کرنا شروع کر دیتا ہے جن لوگوں کا یہ ستارہ بلوان ہوتا ہے وہ شخص کئی کاموں پر اپنی آمدنی کا ذریعہ دیکھتا ہے ایک کام کو چھوڑ کر اچانک دوسرا شروع کر دیتا ہے اس پر سورج کی روشنی بہت جلد اثر کر دیتی ہے۔ گرمی کو بہت کم برداشت کرتا ہے۔ سفر کا اچانک پیش آنا۔ اچانک موت۔ خوشیوں سے اچانک دوائی۔ ان کی عادات پر سوبھاؤ کی گئی ہے۔

کیت

ستارہ کو برج قوس اور حوت یعنی دھن اور مین راشن سے تعلق رکھتا ہے جن کی پیدائش کسی انگریزی مہینے کی ۷، ۱۶ یا ۲۵ تاریخ کو ہوتی ہے۔ ان کا ستارہ بھی کیتو ہوتا ہے۔ یہ لوگ سمندر یا تراور تھات پانی کے بڑے شائق ہوتے ہیں۔ ان کا سوبھاؤ بہت عجیب قسم کا ہوتا ہے۔ جن کا ستارہ پیدائش چندرمہ ہوتا ہے ان کی مانند ان کی زندگی زیادہ تر بسر ہوتی ہے جہاز

سوریہ وغیرہ گرہوں کا پھلادیش جنم کنڈلی کے ۱۲ گھروں میں

گرہ	پہلے گھر میں	دوسرے گھر میں	تیسرے گھر میں	چوتھے گھر میں	پانچویں گھر میں	چھٹے گھر میں
سورج	پڑے آنگن میں دوا ناتھ جو بدن اُس کا سارا کرودھی کہو یگانوں سے وہ اپنے ناخوش رہے نہ ناری سے بھی اپنے من کی کہے	پڑے دوسرے گھر دوا ناتھ آ دے اُس شخص کو بھاگیہ شالی بنا کمانے کی تدبیر سو سو کرے نہ ہو کامیابی کو محنت سے لڑ کرے	جو سورج ہو خانہ سوم مقام برادر بڑے کی کرے اُسکی ہاں وہ دشمن کو جیتے سدا جنگ میں کرے عیش راجاؤں کے سنگ میں	رہے بھائیوں سے تنازعہ مدام کرے عیش پردیس ہووے مقام لڑائی سے دشمن ہارے مدام کسی وقت اُسکو نہ ہو اطمینان	بہار اسکی علم میں اُس کو ہو عقل تیز اُسکی نہایت کہو کمانے میں دھن کے لگے اُس کا من کمائے اُسی کام میں خوب دھن	جو چندرما خانہ چھٹے میں پڑے ہو مغلوب دشمن جو اُس سے لڑے کہیں راہ میں جب کرے وہ سفر تو دل پر رہے اُسکو چوروں کا ڈر
چندرما	پڑے چندرما خانہ اول میں جو لنگڑا کم ہو بہرہ ہو یا کم عقل ہو کرے سونا چاندی و موتی کا کار یا ہووے خزانہ میں راجہ کے دوار	پڑے چندرما جو خانہ دوم میں سجان رہے اُس پہ ناری از حد مہربان کرے عیش و عشرت و زردار ہو مگر گننے میں اسکا کم پیار ہو	پڑے چندرما خانہ سوم سجان رہیں اُسکے بھائی بہن مہربان وہ دھن اپنی طاقت سے پیدا کرے وہ شادی بھی کر لوگ میں نیک دھرے	پڑے چندرما اگر خانہ چہار تو ہر کار سے دھن ملے بیشمار وہ راجہ کا ہووے وزیر ایکبار ہو رتبہ بڑا اور اقبال دار	ہو دھن سے بھرپور اُسکا گھر ہووے پسر اُس کا اقبال ور زمین اور زنتوں کی آمد کرے وہ ہر قسم کی شے سے گھر کو بھرے	ہو خانہ چھٹے چندرما جسم کال تو حاکم سے دشمن بھی ہو پائمال وہ ہو لطف گر اور بڑا بھاگوان مگر ماترے سیوا کرے کم نادان
منگل	پڑے خانہ اول میں منگل جہاں تو پھر اُسکو عورت کا سُکھ ہو کہاں ہو آتش و آہن سے وہ خستہ زدہ مزاج چشمہ غصہ سے ہو کب ادا	خانہ دوم میں منگل جو ہو نہ کھاوے نہ خرچے وہ زر مال کو اگر ہووے دشمن مقابل کھڑے فتح پاوے ان سے دن رات لڑے	اگر خانہ سوم میں منگل پڑے تو ہو باہوبل اور سدا دھن بڑھے کبھی چھوٹے بھائی کا ہووے نہ یوگ تب و دان کرتے نہیں اس سے لوگ	پڑے سُکھ کے خانہ میں منگل جہاں اُسے بھائی برادر کا سُکھ ہو کہاں جب خانہ چہارم میں منگل پڑے تو عمدہ گرہ اُسکو کیا پھل کرے	صرف ایک لڑکا بچے اُسکے گھر پتے دودھ کی بانت غصہ سے بھر پاپوں میں وہ دل لگا دے سجان ہمیشہ فکر میں رہے اُس کی جان	نہ ہو کوئی دشمن نہ آزار ہو اگر کوئی ہو تو بہت خوار ہو اگر نقصان ہو ایک دفعہ زر مال مگر بعد میں ہووے حاصل کمال
بدھ	گھرانے میں بدھی میں اعلیٰ رہے اور شکل بھی اُسکی بالا رہے مہارت طبابت میں بھی اُسکو جان بدن اُسکا جھلکے کندن سمان	پڑے خانہ دوم میں جو بدھ اگر تو ہووے دانا و اقبال ور سبھی عاقلوں میں وہ اعلیٰ رہے مثل ویاس کے عقل والا رہے	عقل تیز عالم سُکھی ہوشیار ہو خوش خلق خوش رو بڑا مالدار چلے نیک راہ اور اقبال مند تجارت کا ہو اُسکا پیشہ پسند	پڑے خانہ چوتھے میں گر بدھ جند تو ہوں دوست اُسکے بڑے عقلمند دربار میں ہووے با اختیار کر تحریر پر اُسکے ہو ادھکار	پڑے منتر تنتروں کے اُسکے علم کو دشا بدھ کی میں اُسے عیش ہو اولاد کنیا ہی ہو اُسکے گھر برس بیس کے بعد ہووے پسر	پڑے خانہ چھٹے میں قمر کے پسر کر ہوں دشمن اُسکے ادھر ادھر بنی سادھوؤں کی طرح سے رہے کسی قدر جنتر و منتر کرے
برہسپتی	دربار میں وہ وزیری کرے زر و مال سے وہ خزانہ بھرے وہ گننے میں ہر دم رہے خوش ضرور بزرگی کا عورت کے دل میں غرور	پڑے خانہ دوم گورو جو کر آیا پھرے فکر میں زر کسے وہ بچا مشقت سے زر و مال حاصل کرے کسی قدر پگ سخاوت میں دھرے	پڑے جو گورو آ کے خانہ برادر رہے رنج بدتر وہ عمر بھر بھلائی جو کوئی کرے اُسکے ساتھ نہ مانے بھلا اُسکی پوچھے نہ بات	کبھی پاٹھ پوجن کبھی جاپ ہو کھلائے برہمنوں کو خوش آپ ہو دربار میں اُس کو عزت ملے کر دشمن بھی تعریف میں پگ دھرے	پڑے خانہ پنجم گورو جو سجان تو وہ شخص ہو تیز فہمی کی کان ہو خوشدل و خوش مثل اقبال دار و با علم خوشگو بہت مالدار	چھٹے گھر میں جو اندر کا یار ہو بدن اُسکا ڈھیلا بیمار ہو نہ ماموں و ماتا کو آزار ہو دشمن جو ہو اُس کا وہ خوار ہو

گرہ	پہلے گھر میں	دوسرے گھر میں	تیسرے گھر میں	چوتھے گھر میں	پانچویں گھر میں	چھٹے گھر میں
	پڑے شکر درخانہ اول جو آ بدن اور عورت سب عمدہ بنا کل کام میں عمدگی ہووے ضرور احتیاط اسکا ہووے دل پر غرور	جہاں شکر درخانہ دوم پڑے تو شیریں کلام اور سکھ سے بھرے کرے عیش و عشرت دنیا میں بھوگ رہیں کل کنبہ کے خوش اسسے لوگ	اگر شکر درخانہ سوم پڑے نہ وہ عورتوں سے محبت کرے کہیں خرچ کا ہی وہ سردار ہو مگر راج میں جنگ میں ہار ہو	اگر خانہ چوتھے میں شکر پڑے بھیں یا بھٹو تو جب دانسو کرے معزز بڑے اسکو جب سبھی مگر نا کامی نہ ہووے کبھی	پڑے پانچویں گھر میں جو شکر آ ہو پسر بھی نیک تو اس کو کیا وہ زر کے لئے کرے کیوں فکر نہ محنت کرے آوے گھر بیٹھے زر	چھٹے شکر والے کی پوچھو نہ بات وہ کھاوے غذا مثل آبحیات وہ دشمن کو جیتے کرے خوب خوار کرے خرچ زر اپنا در نیک کار
	شنیچر جو آکر لگن میں پڑے تو دولت سے اسکا خزانہ بھرے نشہ کی وجہ سے کچھ کشٹ ہو عقل ہووے کم اور نہ غم خوار ہو	پڑے خانہ دوم شنیچر جہاں تو کنبے کے لوگوں سے سکھ کہاں وہ کل دوستوں سے رہے بدگمان کوئی اس سے بولے نہ شیریں زبان	نہایت اپنے پیشہ میں ہوشیار ہو کرے اسکو پورا جو تجھ کار ہو کسی سے نہ ہووے اسے اعتبار وہ ہو نیک اعمال اور نیک کار	پڑے جس کے خانہ چہارم شنی رہے اسکی ماں باپ سے دشمنی تنازعہ سے ہو بھائیوں سے گمان علیحدہ بنا دے وہ اپنا مکان	شنیچر پڑے خانہ پنجم میں جو تو اولاد کی اسکو تکلیف ہو اسے منتر سدھی میں تکلیف ہو بنا چھل نہ ہو بات بولے جو وہ	شنیچر پڑے چھٹے خانہ جہاں تو اس شخص کے جگ میں دشمن کہاں نہ چوروں کی دہشت نہ راجہ کا زور نہ ماموں کا ہو اسکا دنیا میں گھر
	پڑے گر خانہ اول میں گر راہو آ نہ ہو وہ کسی شخص سے بے وفا نہ آوے کبھی در کسی کے وہ بھند کرے زیر دشمن کو اقبال مند	جو خانہ خزانہ میں راہو پڑے زر و مال کی وہ حفاظت کرے برادر بڑا کوئی اس کا جہان اگر ہووے تو اسکی آگیا نہ مان	پڑے راہو درخانہ سوم میں جو تو وہ زور آور بھلا شخص وہ وہ ہو خوش نصیب اور سادہ پسند رکھے سب سے الفت دلی عقلمند	اگر راہو درخانہ چار ہو بڑھے تن میں جو اولاد بیمار ہو رہے والدہ در مصیبت مدام کبھی دل پر شعلہ کبھی ہو زکام	اگر خانہ پنجم پڑے راہو آ تو اس شخص کو جان کم ہاضمہ کماوے وہ کم عورت ہوشیار ہو کر کچھ پیٹ میں اسکے آزار ہو	جب خانہ ششم میں پڑے راہو جان تو ہووے زر و مال دولت کی کان کہ تکلیف دشمن سے آزار ہو دیر آن میں اس کا دل شاد ہو
	اگر لگن میں آکر کیتو پڑے ترک بھائیوں کی محبت کرے کبھی اسکے بھائی کو اسکو بخار کبھی ہووے کھانسی و دم کا آزار	اگر خانہ دوم میں کیتو پڑے تو کنبے کے لوگوں سے کیوں نہ لڑے زبان سخت اور منہ میں آزار نہ ہو کوئی پیشہ نہ روزگار	جہاں کیتو درخانہ سوم سجان پڑے تو کرے دشمنوں کی وہ ہان مگر فکر ایک اسکے دل پر رہے کسی سے نہ کچھ اسکی نسبت کہے	پڑے کیتو درخانہ چوتھے جہاں برادر و ماں باپ کو سکھ کہاں و ماں باپ کو سب طرح خوش کرے کما کر وہ زر انکے آگے دھرے	جو ہو خانہ پنجم کیتو سجان تو اس شخص کی عقل کم تیز جان کم عقل سے ہووے کہیں پر زخم رہے درد والو کا بھی در شکم	ہو جس کے چھٹے گھر میں کیتو کا واس تو ہو اسکے ماموں و دشمن کا ناش مگر آپ خود وہ رہے تندرست کہ دکھ درد تکلیف ہو جائیں پست

سوریہ وغیرہ گرہوں کا پھلادیش

گرہ	۷ ویں گھر میں	۸ ویں گھر میں	۹ ویں گھر میں	۱۰ ویں گھر میں	۱۱ ویں گھر میں	۱۲ ویں گھر میں
	جو ہو سوریہ خانہ ہفتم سجان تو ناری کو اسکی سدا کشٹ جان رہے فکر دل پر ہو آمد خفیف دکانداری اسکی کرے کچھ ضعیف	پڑے خانہ ہشتم جو سوریہ آ کرے کام اپنے وہ سب سے چھپا کرے کام ناقص سمجھتے دل میں جو کر اکثر وہ چوری سے دھن کو کھو	جب نیم کرنے میں اوج بدلے دکھتے ہی جسکے فکر سب مٹے سگے بھائی بندھوں سے تکلیف ہان دشا سوریہ کی جب ہو اس پر سجان	کرے وہ سدا شاہ کی ہمسری رہے عیش سے اسکی طبیعت بھری ہر اک قسم کی نفع رہے اسکے گھر مگر بھائی بندھوں سے ہو اسکو ڈر	ہر اک کسب سے ملے اس کو سرکار سے ملے سکھ و عزت بھی دربار سے وہ ہو رعب دار و اقبال در کر دشمن چلے اسکے زر مال پر	لڑائی میں دشمن کو جیتے سجان خریدے زمین اور بنا دے مکان نہ چوری سے ہو نقصان بے شمار ہمیشہ رہے جسم میں کچھ بگاڑ

گرہ	۷ ویں گھر میں	۸ ویں گھر میں	۹ ویں گھر میں	۱۰ ویں گھر میں	۱۱ ویں گھر میں	۱۲ ویں گھر میں
چندرما	پڑے ۷ویں گھر میں جو آن چند تو ہو جن اسے شیرنی ہو پسند وہ اپنی ہی طاقت سے پائے آرام وطن غیر میں وہ کرے جا مقام	ہمیشہ رہے آپ سے پُر خطر تو تکلیف کا بھی رہے دل پہ ڈر حکیموں کی مجلس مکاں پہ رہے کرے خرچ زر جو وہ اُس سے کہے	جو چندر نہم گھر پڑے آسمان تو ہو خوبصورت بڑا بھاگوان دھرم پنتھ میں اُسکا دل شاد ہو فکر غم و غصہ سے آزاد ہو	اگر چندرما دہم خانہ پڑے تو بھائی بندھوؤں سے محبت کرے ملاقات ہو اُس کی حکام سے کرے نیک کاموں کو آرام سے	اگر ۱۱ویں گھر پڑے چاند یاں کمی عیش میں اُس پُرش کی کہاں بڑھے راج میں اُسکی عزت و مان ملیں پسر دھن عیش کا سب سامان	خرچ ہووے دھن کا نتیجہ کام میں یا شادی و خیرات آرام میں فساد اُن کا کنبے سے جاری رہے درد آنکھوں میں اکثر بیماری رہے
بھوم (منگل)	جو ہو خانہ ہفتم زمیں کا پسر تو عورت کئی جائیں ضرور اُسکی فکر میں پھرے دھن کی بے روزگار دشمن سے جائے لڑنے میں ہار!	پڑے بھوم کا سُت جو اشٹم گھر سے نہیں نیک نارا کوئی شبہ کرے نہ ہو کام پورا جو دل میں ٹھنے جو ہمدم بھی اُسکے ہوں دشمن بنے	زمیں کا پسر جب ہو خانہ نہم تو اُس شخص کی عقل ہووے نہ کم برادر بڑا اور سالا کلاں نہ خوشحال ہوں اُسکے بود و جہاں	اگر خانہ ۱۰ویں ہو بھوکمار تو منگل رہے اُسکے گھر اور دوار وہ اپنی ہی قوت سے پیدا کرے زر و زیور و مال سے گھر بھرے	پڑے ۱۱ویں خانہ منگل جہاں تو دھن پسر اُسکے سُکھ میں کہاں تجارت و کھیتی سے خوشحال ہو خزانہ میں اُسکے بھرا مال ہو	جو ہو خانہ بارہ میں پسر زمیں کرے دھن و زیور میں اُسکے کمی ہتھیار لگے اُس کے آہنی مرے کیسا بھی ہو دلاور غنی
بدھ	بلا است بُدھ خانہ ہفتم میں جو بہت ناریوں سے اُسے بھوگ ہو جو گورا بدن مثل کندن جھلک بڑے چشم لب سرخ لمبے پلک	پسر چند ہو آٹھویں میں سُجان تو ہو طول عمر و خوش بھاگوان سدا اسکو آمد ہو بیوپار سے مگر پاوے زر نیز سرکار سے	اگر بُدھ آ خانہ نویں میں پڑے تو دُکھ درد کل اسکے غارت کرے وہ ہو شوریہ تل کل میں پرکاش کرے درجنوں اور دُشٹوں کا ناس	پڑے خانہ دسویں میں جب پسر قمر حکومت کرے مثل حاکم نہ ڈر زر و مال والد کا ہووے شمار کھڑے ہاتھیاں ہیں سدا گھوڑے دوار	پڑے ۱۱ویں خانہ میں پتر چندر رہیں جگمگے مال سے اُسکے مندر کرے دان وہ برہمنوں کو بُلا رہے دوار آمد کا ہر دم کھلا	پڑے بارہویں خانہ پسر چند جو نہ کیوں دھرم میں اسکا دھن خرچ ہو کرے برہمنوں کی وہ عزت کمال دشمن پھریں اُسکے در تنگ حال
برہسپتی	پڑے برہسپتی خانہ ہفتم میں جو تو بالک نہایت خوبصورت ہو عقل تیز ہو اور دھنوان ہو ملے استری اور پسران ہو	پڑے برہسپتی ۸ویں گھر میں جو تو اُس شخص کی زندگی طول ہو مگر تندرستی رہے اُس کی کم مگر اُس کو تکلیف ہو دم بدم	اگر خانہ ۹ویں میں برہسپتے گورُو رہے دھرم کے کام میں شروع برادر رہوں اُسکے کئی ہوشیار محبت رہے پنڈتوں سے اپار	خانہ دہم میں جو برہسپت پڑے دھرم کے رہیں گھر پہ جھنڈے گڑے تصویر نقشوں سے گھر ہو بھرا خزانہ ملے باپ کا کچھ دھرا	پڑے برہسپتی خانہ ۱۱ویں جو نہ کیوں اُسکے گھر میں زر و مال ہو بموجب منی کے وہ ہو بدھیمان کرے ہوا ایک پتر بڑا بھاگیہ وان	پڑے بارہویں گھر میں دیو گورو جہاں تو پھر ایسے کو نیک نامی کہاں بھلا کرنے بھی جس کو الزام ہو بھلے ہی کوئی دھرم کا کام ہو
شکر	پڑے شکر جو خانہ ہفتم میں آ تو اول جنم اُسکے ہو پتر کا مگر غیر شہروں میں جا کر بسے کسی کو نہ الفت میں داؤ وہ پھنسے	پڑے ۸ویں خانہ میں شکر آ تو اُس شخص کی بات سیدھی کہا کرے عیش و عشرت نہ بیمار ہو نہ ہو عمر زیادہ کم آزار ہو	اگر شکر خانہ نہم میں پڑے تو خیرات میں نام اُسکا بڑھے ترقی اُس سے ہوویں بڑے نامور جہاں جائے خاطر کرے بیش تر	پڑے جس کے خانہ دہم میں بھرگو بدن میں از حد قوت باہ ہو نہ کھووے وہ اپنا دھن مال و زر محبت کرے مال کو بیش تر	جہاں شکر خانہ گیارہ پڑے بتیں گھر میں زیور سنہری جڑے زر و مال نیکی میں ہو مال در کرے زندگی عیش میں کل بسر	پڑے شکر آ خانے بارہ میں جو تو آمد بہت خرچ بھی بہت ہو کرے صرف زر اپنا وہ نیک کام ولیکن نہ ہو اُس کا نیکی پر نام

	۷ ویں گھر میں	۸ ویں گھر میں	۹ ویں گھر میں	۱۰ ویں گھر میں	۱۱ ویں گھر میں	۱۲ ویں گھر میں
	قسنی آپڑے جسکے ہفتم سجان نہ ناری سندر بڑی بھاگوان نہ قایم رہے اسکا بھی روزگار نہ دیکھے کسی وقت عیش و بہار	شنیچر جہاں خانہ اشتم پڑے تو سنتوں سے اسکو علیحدہ کرے دگر عورت وہ شخص بیمار ہو مگر نکتہ چینی میں ہشیار ہو	نویں گھر میں اگر شنی جو پڑے تو وہ یوگ ودیا کی باتیں کرے نفس کو وہ مارے علیحدہ کرے وہ ویدانت پڑھا سنے اور کہے	جو خانہ دہم میں شنی آپڑے تو اُس شخص کی والدہ دکھ بھرے وہ حاصل کرے باپکا زر و مال مگر اسپ یا آگ سی ہووے وبال	شنی پڑے گیارہویں خانہ میں جو تو اسکی عمر اور زر طول ہو کوئی مرض اسکے بدن میں نہ جان مگر اسکے فرزند سی سکھ کی ہان	پڑے بارہویں جسکے شنی پسر لڑے اسکو بزدل ڈبلے شرم کر اگر یہ اپنے ہی گھر کا پڑے تو دولت ہو زیادہ دھرم بکھیر کرے
	پڑے خانہ ہفتم میں راہو جہاں مصیبت اسکو اور رہائی کہاں وسبب بھائیوں سے تنازعہ رہے نہ اسکی سنے کچھ نہ اپنی کہے	پڑے لگن سے جو اشتم میں راہ تو خاطر کریں اسکی برہمن و شاہ ایک بار رتبہ بڑھے بے شمار جو دشمن کو شن کرکے آئے بخار	اگر راہو خانہ نہم میں پڑے تو اُس شخص کی خوب عزت بڑھے کرے پاٹھ پوجن دھرم اور دان دیر تھ برت اور گنگا سنان	اگر راہو خانہ دہم میں پڑے تو عورت خوش رو سے محبت کرے وہ بھائی کی جانب سے رنجیدہ ہو مگر آدمی دل سے سنجیدہ ہو	اگر خانہ گیارہویں میں راہو پڑے بذریعہ سرکار عزت بڑھے و اولاد کی اسکو افراط ہو خوشی اسکے دل پر دن رات ہو	پڑے خانہ بارہ میں راہو جہاں تو اُس شخص کی کامیابی کہاں شریفوں سے دل میں حسد سا رہے بڑوں سے ملے اور دل کی کہے
	اگر کیتو در خانہ ہفتم پڑے تو دکھ درد ناری پسر کو کرے اگر کیتو در نیچ کا ہو کر پڑے نتیجہ بھلا تب وہ پیدا کرے	جو کیتو پڑے خانہ اشتم میں آ تو اُس شخص کا روگ جاتا رہے سواری وغیرہ سے گرنے کا ڈر رہے اسکے دل پر نہ کام آئے زر	نویں گھر میں جو ہووے دم راہو کی بھجن دان کرنے سے ہووے اہنسی جو ہو غم فکر۔ کل وہ ہرے اچھا پسر کی وہ پیدا کرے	اگر کیتو در خانہ دسویں سجان پڑے تو کرے باپکے سکھ کی ہان نہ ہو خوبصورت نہ دل شاد ہو سواری د سکھ سے وہ آزار ہو	پڑے کیتو در خانہ گیارہ میں آ تو تلسی بدن چہرہ ہو چاند سا بڑا مرتبہ دنیا میں نامور مگر مثل اسکے نہ ہووے پسر	اگر کیتو در خانہ بارہ پڑے ہو مغلوب دشمن جو اُس سے لڑے مگر جائے پوشیدہ میں روگ ہو وجہ جسکی تکلیف ادھکیو گ ہو

سوریہ وغیرہ گرہوں کا پھل میش وغیرہ بارہ راشیوں میں

	سورج	چندرمہ	بوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر
	ہر کام کو دھیرج سے انجام دینے والا۔ مستقل مزاج ہر فن میں ماہر اپنے خاندان کا نام روشن کرنیوالا ہوتا ہے۔	سندر شریر بھائیوں سے سکھ کا ابھاؤ پانی سی ڈرنے والا۔ کامی۔ استری کے دش میں رہنے والا ہوتا ہے	سچ بولنے والا۔ تیجسوی زمین سے فایدہ اٹھانے والا تھا کسی خاص عہدہ کو پراپت کرنے والا ہوتا ہے۔	دھن کو نشٹ کرنیوالا۔ چنچل سو بھاؤ جھوٹ بولنے والا جھگڑالو۔ بہت کھانے والا ہوتا ہے۔	اچھے کرم کرنے سی اچھی شہرت پانے والا۔ تحریر میں چوٹ اٹھوا انگ ہینا۔ دھنوان پتردان تتھا دھرماتما	ہر شخص سی دشمنی کرنے والا۔ پرائی استری سی پریم کرنیوالا کٹھور ہردیہ۔ کنجوس تتھا نیچ خیالات والا ہوتا ہے	کٹھور سو بھاؤ رشتہ داروں کے دش میں رہنے والا۔ نیچ کرم کرنیوالا۔ دھن بین کرودھی تتھا زیادہ بولنے والا۔
	نیتر دل میں روگ۔ استری سے آن بن۔ دشمن بہت۔ دھن دھان سے یکت گانے بجانے سے دلچسپی رکھنے والا۔	دان دینے میں فراخدل کامی لڑکیاں ادھک مشہور بہادر تتھا گر بہت سکھ والا ہوتا ہے ۔	اپنے دیش سے نکلکر دوسرے دیش میں رہائش پانے والا۔ چرتر ہین۔ کم دھن تتھا کم سنتان والا ہوتا ہے	دان دینے میں فراخدل مشہور دھن وان بہتیں پاٹھوں میں پرورتی والا تتھا میٹھا بولنے والا ہوتا ہے۔	پرہتوں تتھا دیوتاؤں کی بھگتی والا۔ زمین سے فایدہ اٹھانیوالا۔ قانون ودیا میں چتر تتھا دھنوان ہوتا ہے	اپنے رشتہ دار دوستوں کی مدد کرنے والا۔ اَن دھن سے یکت تتھا زمین سے فایدہ اٹھانیوالا ہوتا ہے	اپنائے سے دھن کرانے والا پرائی استری سے پریم کرنے والا۔ نیچ منشوں سے سنگتی کرنیوالا ہوتا ہے

	سورج	چندرما	بھوم	بدھ	برہسپت	شکر	سنیچر
	تیز بدھی۔ سائنس سے خاص پرورتی رکھنے والا فراخدل ہر کام میں چتر۔ ایشور بھگت ہوگا۔	کامی۔ وشیے بھوگ سے خاص پرورتی والا۔ میٹھی وانی بولنے والا۔ نیچ جاتی کے لوگوں سے سنگتی کرنے والا۔	دھرماتما۔ دھیرج والا۔ پردیس میں رہنے والا۔ آرٹسٹ لیکھک۔ شاعر ہوتا ہے بڑا بدھیمان ہوتا ہے۔	آزاد طبیعت۔ میٹھا بولنے والا۔ اپنی بڑائی کرنے والا۔ دھنوان دو شادی کرنے والا۔ دوسری استری سے پتر والا ہوگا	بدھیمان۔ اودار چت دھرماتما گورو تتھا بزرگوں کا عزت کرنے والا۔ بولنے میں چتر اور بدھیمان ہوتا ہے۔	آرٹسٹ۔ سندر شریر والا۔ سائنس ودیا سے خاص شوق رکھنے والا۔ ایشور تتھا براہمن بھگت ہوتا ہے۔	چھل کپٹ کرنیوالا رشتہ داروں اور دوستوں کی طرف سے دکھی ہر کام کو ادھورا چھوڑنے والا ہوتا ہے
	پتر پکش سے دکھی۔ استھر سوبھاؤ نشیلے وستوں کا پریوگ کرنیوالا تتھا باتیں کرنے میں چالاک ہوتا ہے	پردیش میں رہنے والا۔ نئے نئے تعمیر بنانیوالا۔ جوتش ودیا سے دلچسپی رکھنے والا اور دفتری بدھی والا ہوتا ہے	دوسرے گھر میں بھوجن کرنے والا۔ زمین سے لابھ پراپت کرنے کاروبار سے دھن کمانے والا روگی شریر والا ہوتا ہے	دھن کو نشٹ کرنیوالا استری سے نفرت کرنیوالا۔ پردیس میں رہنے والا۔ گانے بجانے سے دلچسپی رکھنے والا	دھنوان اتم سوبھاؤ والا سندر شریر والا انیش اور کرتی سے برکت۔ پتروں سے سکھ پراپت کرنیوالا ہوتا ہے	گن وان۔ پرشیشٹھ پرشوں سے میل ملاپ والا۔ دھرماتما شریر میں تپت روگ والا تتھا ادھیوگی ہوتا ہے	اپنے پریوار کو دکھ دینے والا روگی شریر اچھے اچھے پرشوں سے میٹھے اٹھنے والا تتھا رام کی طرح رہنے والا
	کٹھور سوبھاؤ۔ ادھیوگی کانوں میں روگ۔ یاترائیں کرنیوالا۔ دھنوان تتھا سندر روپ والا ہوتا ہے	دانتوں اور پیٹ میں روگ استری سے نفرت کرنے والا مانس وغیرہ کی پرورتی والا تیز سوبھاؤ اور کم پتر والا ہوتا ہے	ادھیوگی۔ اپائے سے دوسرے کا دھن ہڑپ کرنیوالا۔ آچار وچار رہیت۔ پتر رہیت تتھا پتر رہیت بھی ہوتا ہے	جھوٹ بولنے والا۔ نیچ کرم کرنیوالا۔ پریوار اور سمبندھیوں کو دکھ دینے والا اور آزاد طبیعت والا ہوتا ہے۔	دھنوان بدھیمان شتروں کو نشٹ کرنیوالا ہر ایک سے پریم اور دوستی کاروبار کرنے والا اور بہت پریوار ہوتا ہے	دودھشٹ اور چرتر ہین استریوں سے میل ملاپ رکھنے والا۔ نوکری سے دھن کمانے والا اور سنگھرش جیون والا ہوتا ہے	نوکری سے دھن کمانے والا پتنی کی طرف سے دکھی پڑھنے لکھنے سے ادھک پرورتی چتر تتھا دھنوان ہوتا ہے
	گورو تتھا بزرگوں کی سیوا کرنیوالا۔ کومل شریر گانے بجانے کا پریمی۔ سواری کا سکھ اٹھانے والا ہوتا ہے۔	لڑکیاں ادھک پتر کا ابھاؤ پردیش میں رہنے والا۔ چتر والا۔ ودوان۔ برداشت کرنیوالا تتھا پنڈت ہوتا ہے	لباس وغیرہ پہننے میں فیشن کرنیوالا سندر استری والا۔ ان دھن سے یوکت۔ تتھا میٹھا بولنے والا ہوتا ہے	شاعری سے دلچسپی رکھنے والا مشہور گنوان دھرماتما تتھا جھگڑوں میں عمر گزارنے والا ہوتا ہے۔	تیز بدھی والا بہت پتر والا مہمان نواز پردیس میں رہنے والا تتھا ان دھن سے مالا مال ہوتا ہے۔	پردیس میں رہنے والا بہت پتروں تتھا پریوار سے یوکت دیوتاؤں براہمنوں سے پریم کرنے والا ہوتا ہے	پتر وان۔ دھنوان دو مردوں کا اپکار کرنیوالا۔ نکتہ چین تتھا استھر سوبھاؤ والا ہوتا ہے۔ ستری تکلیف

شریہ وغیرہ گرہوں کا پھلادیش مین وغیرہ راشیوں میں

	سوریہ	چندرما	بھوم	بدھ	برہسپت	شکر	سنیچر
	بیوپار سے فایدہ اٹھانیوالا۔ ودیش میں گھومنے والا مقدمہ بازی میں چتر ہونے پر بھی اکثر ہارنے والا اور روگی شریر	بہت دیواہ کرنیوالا روگی شریر دھرماتما بھائی بندھوں کا اپکار کرنیوالا۔ براہمنوں اور دیوتاؤں کا بھگت ہوتا ہے۔	اپنی بڑائی کرنیوالا تھوڑے پریوار والا۔ متر تتھا گورو جنوں سے یوکت۔ دو دیواہ کرنیوالا میٹھی وانی بولنے والا۔	دیوتاؤں گوروؤں کا بھگت ہوتا ہے۔ بیوپار سے دلچسپی رکھنے والا۔ جھگڑے مول لینے والا جلد جوش میں آنیوالا	کسی اچھے پد پر پہنچنے والا۔ بل اور بدھی سے یکت سوبھاؤ کچھ کٹھور ادھیوگی اور پر اپکار کرنے والا ہوتا ہے۔	پرشرم سے دھن پراپت کرنیوالا سوبھاؤ رلے اچھے اچھے وستر وغیرہ پہننے کی روچی والا ہر کام کو چترتا سے کرنیوالا ہوتا ہے	پردیش میں دھن اور عزت پراپت کرنیوالا۔ دھن جمع کرنے کی پرورتی۔ بڑھاپے میں خاص سکھ اٹھانیوالا ہوتا ہے

سوریہ وغیرہ گرہوں کا پھلادیش میش وغیرہ راشیوں میں

	سوریہ	چندرما	بوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر
[illegible]	بیوپار سے فایدہ اٹھانیوالا دیش میں گھومنے والا ماتا پیتا کو دکھ دینے والا تتھا دکھی جیون والا ہوتا ہے۔	لوبھی اپنائے سے دوسروں کا دھن ہڑپ کرنے والا بچپن میں روگی شریر بھائی بندھوں کو پریشان کرنیوالا ہوتا ہے	شریر میں چوٹ اٹھوانیوالا انگ ہینا۔ کومل ہردیہ والا چنچل شور نیچ جاتی کے پرشوں سے ملاپ۔ بیوپار سے دھن کمانیوالا	کامی تتھا فضول خرچ کرنیوالا ہوتا ہے۔ قرض لینے والا چھل کپٹ کرنے والا مورکھ اور لوبھی بھی ہوتا ہے	روگی شریر محنت سے دھن کمانے والا۔ کپٹ سے اپنے آپ کو دھرماتما پرکٹ کرنیوالا۔ پتی ورتا استری والا ہوتا ہے	کومل ہردیہ والا اپنی بڑائی سننے والا۔ [illegible] تتھا پتروں سے [illegible] پرایت کرنے والا ہوگا	[illegible] انتم تکلیف چوٹ سے [illegible] ہوگا دوسرے [illegible] دھن ہڑپ کرنے والا۔ بڑھاپے میں جیون دکھ جیون ہوگا
[illegible]	راجدربار میں عزت پاتے والا دھن دھانیہ سیوکت دیوتاؤں برہمنوں میں بھگتی والا تتھا نیروگ شریر والا ہوتا ہے	شریر روگی شلپ ودیا سے پریم کرنے والا۔ دوسرے کے اپکار بھولنے والا سندر بولنے والا ہوتا ہے۔	کٹھور وچن بولنے والا فضول خرچ کرنیوالا۔ ایشور پر کم وشواس رکھنے والا سواری کا سکھ اٹھانیوالا ہوتا ہے	لیکھک آرٹسٹ فراخ دل اپنے خاندان کا نام روشن کرنیوالا۔ اچھے اچھے پرشوں سے سنگتی کرنیوالا ہوتا ہے	دھنوان بدھیمان اپنے پریوار میں پرتشٹھا والا۔ اپکار کرنے کی پرورتی ورت دان وغیرہ پر وشواس کرنیوالا ہوگا۔	[illegible] گو۔ برہمن سے پریم کرنیوالا اچھی بدھی حاصل کرنے والا تعمیری کاموں تتھا اتسووں پر خرچ کرنے والا ہوگا۔	[illegible] کر گرو اور پتروں کے ذریعہ نام پانے والا۔ جیون بھر لکشمی کی پوجن کرنیوالا اور کم بولنے والا ہوتا ہے
[illegible]	چنچل سوبھاؤ لوبھی کامی کھانے پینے کی ادھک پرورتی والا۔ پرائی استریوں سے میل ملاپ رکھنے والا ہوتا ہے	لوبھی شاعر لیکھک۔ لاج رہیت کرودھی دھرم کے کاموں سے باہری روپ میں دلچسپی رکھنے والا ہوتا ہے	سرشٹھ بدھی والا۔ نیروگ بھاگیہ وان۔ بھائی بندھوں کو سکھ دینے والا تتھا آزاد طبیعت کا ہوتا ہے۔	جھوٹ بولنے والا چنچل سوبھاؤ والا۔ نیچ پرشوں سے دھوکا ملے آلسی سوبھاؤ فضول خرچ کرنے والا۔	نردھن بغیر سوچے سمجھے کام کرنیوالا۔ دیا دھرم سے رہیت ڈرپوک بچپن میں کچھ سکھ پرایت کرکے بڑھاپے میں دکھی ہوگا	بھاگیہ ہین۔ دھن کا لوبھی دوسروں کا دھن ہڑپ کرنیوالا جیون بھر کشٹ بھوگنے والا اور دھرم ہین ہوتا ہے	پردیش میں رہنے والا پرائی استری سے پریم کرنیوالا اپنے خاندان میں پرتشٹھا والا شتروؤں کا ناش کرنیوالا
[illegible]	کرودھی پرائی استریوں سے میل جول رکھنے والا فضول بولنے والا ادھک محنت کرکے بھی دھن رہیت ہوتا ہے	مانس شراب وغیرہ میں پرورتی رکھنے والا کنجوس۔ کسی خاص ہنر کا ماہر۔ موٹے شریر والا ہوتا ہے۔	جوا تاش وغیرہ کھیلنے سے دلچسپی رکھنے والا۔ کسی سے بھی پریم نہ کرنیوالا کمایا ہوا دھن نشٹ کرنیوالا ہوتا ہے	پتر رہیت دھرم پر کم وشواس رکھنے والا۔ دشمنوں سے نقصان اٹھانے والا۔ محنت سے دھن کمانے والا	کمایا دھن نشٹ کرنیوالا نیچ جنوں سے سنگت کرنیوالا روگی شریر تتھا دھن پراپتی کے لئے پریشان رہے گا	روگی شریر ہمیشہ برے کام کرنے والا۔ بھائی بندھوں سے تتھا گورو جنوں سے شترتا کرنے والا ہوتا ہے	جھوٹ بولنے والا نیچ دوستوں سے میل جول والا جوا کھیلنے کی پرورتی والا نکتہ چین ہوتا ہے۔ پریشانی زیادہ
[illegible]	باتیں کرنے میں چتر۔ اتم چتر والا۔ بڑے پریوار میں رہنے والا شتروں کا ناش کرنے والا تیز گپت روگی ہوتا ہے	گاین ودیا میں ماہر پرایکاری دھرماتما عیش و عشرت سے زندگی بسر کرنیوالا تتھا نرم سوبھاؤ والا ہوتا ہے	گورو۔ برہمنوں بزرگوں کو انادر کرنیوالا کومل سوبھاؤ والا بھائی بندھوں سے انادر پراپت کرنیوالا ہوتا ہے	نردھن۔ اکثر ہر فن میں ماہر پردیش میں رہنے والا اور دوسروں کو دھن کا کر دینے میں چتر ہوگا۔	کسی بڑے پدوی پر پہنچنے والا۔ مشہور دھنوان ستم سوبھاؤ والا بھائی بندوں کو سکھ دینے والا دھرماتما ہوگا	اتم سوبھاؤ والا فراخدل اچھے پرشوں سے میل جول تتھا دھنوان۔ پتروان بھاگیہ وان ہوتا ہے۔	خاموش سوبھاؤ کم دھن والا ظالم سوبھاؤ بھائی بندوں کو تکلیف دینے والا دھرم کے کاموں میں دلچسپی لینے والا

۱۔ میش لگن اگر میش لگن ہو تو مُنہ کی شوبھا شام رنگ کی۔ آنکھیں کا چر چنچل والی۔ قد چھوٹا۔ بچہ کا جسم مال کا مُنہ مشرق کی طرف مکان پرانا۔ عورتیں طاق مال کے کپڑے لال رنگ کے ہوں پہلا اچھا بھوجن کیا ہو بالک جنم کے پیچھے زور سے رونا

۲۔ ورکش لگن بالک گورے رنگ کا سندر روپ والا۔ عورتیں طاق۔ ماں کا سر دکھن کی طرف مکان نیا۔ ڈیوڑھی کا دروازہ دکھن کی طرف ماتا کا کپڑا سفید اور چاندی کے زیورات پہلے ساگ کا بھوجن کیا ہو۔ بالک اونچی آواز سے رویا ہو گا

۳۔ متھن لگن آنکھیں خونی عقل عجیب مزاج چنچل وات کف مزاج والی۔ عورتیں طاق۔ ماتا کا مکھ پچھم کی طرف تھنوں میں دودھ تھوڑا۔ ماتا کے دائیں انگ میں نشان پہلے نمکین بھوجن کیا ہو۔ وستر پرانا۔ مکان کا دروازہ پچھم مکھ۔ بالک نے اونچی آواز سے رویا ہو گا

۴۔ کرکٹ لگن گورو ورن۔ ٹیڑھی ناک۔ قد چھوٹا۔ کومل شریر۔ ضدی۔ ہٹ کرنے والا۔ کرودھی اور چنچل۔ ماتا کا مکھ دکھن کی طرف۔ سونے کے زیورات۔ بالک کے پیٹ پر نشان۔

۵۔ سِنہم لگن بال بہت ٹیڑھی ناک۔ قد چھوٹا۔ کومل شریر ماتا کا مکھ دکھن کی طرف سونے کے زیورات گھٹا بھوجن کیا ہو۔ عورتیں طاق۔ نیا مکان۔ بالک کے پیٹ پر نشان ؛

۶۔ کنیا لگن رنگ گورا۔ ٹانگ میں نشان۔ ماتا کا مکھ اتر کی طرف عورتیں جفت لال کپڑوں سے رکت ہو باپ گھر سے باہر

۷۔ طول لگن بالک کا رنگ زرد۔ شریر پر پھوڑے دُبلا شریر ماں باپ تکلیف میں گھر میں لڑائی جھگڑا ماں کا مکھ پچھم کی طرف عورتیں تین سات۔ ایک کنواری لڑکی بھی چولہے کا بھوجن کیا ہو۔ پرانے کپڑے پہنے ہوئے ؛

۸۔ ورچک لگن کا چر رنگ۔ آنکھیں لمبی اونچا ستان والا ماتا کے بھوشن پہنے ہوں عورتیں چار۔ ماتا کا مکھ پورب کی طرف ماتا پتا تکلیف میں پرانا خونی کپڑا گھر کا دروازہ اتر کی طرف بالک کے پیٹ پر نشان

۹۔ دھن لگن رنگ گورا سندر روپ والا اوشال آنکھیں ماتا کا مکھ اُتر کی طرف لال کپڑے چاندی کے زیورات عورتیں ۶ نیا مکان دروازہ دکھن کی طرف پکوان بھوجن کیا ہو بالک کے دل پر نشان بالک نے پکار رویا ہو گا

۱۰۔ مکر لگن بہت کیش والا۔ موٹی ناک والا۔ اونچے بال۔ ماتا کا سر دکھن کی طرف پرانا کپڑا ساگ بھوجن صاف جل بھی پیدا ہو۔ عورتیں ۴ یا ۶ پرانا گھر۔ دروازہ اتر کی طرف بالک نے تھوڑا شبد کیا ہو

۱۱۔ کومبھ لگن قد چھوٹا ہونٹ موٹے۔ لمبے بال۔ آنکھوں میں روگ ماتا کا مکھ پچھم کی طرف عورتیں ۳۔ شاک کا بھوجن کیا ہو۔ باپ گھر میں نہ ہو۔ بالک بہت ہی کم رویا ہو ؛

۱۲۔ مین لگن چپٹی ناک بال اونچے کا چر آنکھیں ماتا کا مکھ اتر کی طرف باپ گھر میں پہلے دو عورتیں ہوں بعد میں ۵ عورتیں آئی ہوں۔ پلنگ کا پایا ٹوٹا ہوا ہو بالک نے دیر سے رویا ہو گا ؛

भगवान् सदा कहाँ निवास करते हैं ?

माता-पिता-सुसेवकके घर, पतिव्रता नारीके घर
इन्द्रियविजयी नर-वरके घर, अतिथिपरायणके शुचि घर
एक इमानकी खानेवाले सज्जन व्यापारीके घर
करते सदा निवास आप प्रभु, समझ उन्हें अपने ही घर

شنیچر پیڑا نوارن منتر

نوٹ: جن راشی والوں کو شنی شبھ پھل دایک نہیں اور جن کو ساڑھ ستی لگی ہو ان کو ہر روز پراتہ سنان آدی کے بعد نیچے لکھے منتر کا پاٹھ کرنا چاہیئے اس سے دکھ دایک پیڑا نہیں ہوگی۔

بیلاد اواچ: اوم نمستے کون سنستھایہ پنگلایہ نموستوتے۔ نمستے رودر دیہایہ نمستے چانتکایہ چ۔ نمستے یم سنگیایہ نمستے سوریہ وبھو۔ نمستے مند سنگیایہ شنیچر نموستوتے۔ پرسادم کرو دیویش دینسیہ پرنتسیہ۔ یہ منتر شنیچروار کو بھوج پتر لکھ کر دھارن کرنے سے شنی کرت ارشٹ دور ہوتا ہے۔

۱۴	۷	۱۲
۹	۱۱	۱۳
۸	۱۵	۱۰

کاریہ سدھی کا پرشن

۸	۱	۶
۳	۵	۷
۴	۹	۲

دیکھنے کا طریقہ: اپنے اشٹ دیوی کا سمرن کرکے اس چکر پر ہاتھ رکھئے اگر ۱-۵-۹ پر انگلی پڑے تو کام جلدی پورا ہوگا ۳-۷ پر پڑے تو کسی کی مدد سے کچھ دنوں کے بعد پورا ہوگا ۴-۶ پر پڑے تو ۱۵ دن کے بعد کام پورا ہوگا ۲-۸ پر پڑے تو کام پورا ہونا مشکل ہے۔

جب کوئی چیز گم ہو جائے تو ذیل کا نقشہ دیکھئے جیسا کہ اشن نکھتر ہو تو چیز دکھن کی طرف گئی ہے جو کوشش کرنے پر ملے گی۔ اوپائے: بھوجن بھوکے کو دیں۔ اگر برن نکھتر ہو تو چیز پورب کی طرف دور گئی ہے جس کا اوپائے نیچے درج ہے۔ دان کرو اور کسی بھوکے کو پریم سے کھانا کھلاؤ۔

نکھتر	طرف	کب ملیگا	
اشن	دکھن	کوشش سے ملیگا	بھوکے کو کھلاؤ
برن	پورب	دور گیا ہے	دان کرو
کرتج	اتر	نہیں ملیگا	ایشور کی شرن لو
روہن	پورب	ضرور ملیگا	مانس مت کھاؤ
مرگشور	دکھن	کوشش کرو ملے گا	غریب کی مدد کرو
آدر	پچھم	دور گیا ہے	اشٹ دیوی پوجا کرو
پنروس	اتر	نہیں ملیگا	والدین کی سیوا کرو
پکھ	پورب	ضرور ملیگا	مانس مت کھاؤ
اسلیش	دکھن	کوشش کرو ملیگا	غریب کی مدد کرو
مگھ	پچھم	دور گیا ہے	گورو کا کہا مانو
پورفا	اتر	نہیں ملیگا	منگلوار کو برت رکھو
اترفا	پورب	ضرور ملیگا	مانس مت کھاؤ
ہست	دکھن	کوشش سے ملے گا	بھوکے کو ان دو
چتر	پچھم	دور گیا ہے	دان کرو
سوات	اتر	نہیں ملیگا	نیکی کرو
وشاک	پورب	ضرور ملیگا	مانس مت کھاؤ
انراد	دکھن	کوشش سے ملے گا	ان دان کرو
جیشٹ	پچھم	دور گیا ہے	دان کرو
مول	اتر	نہیں ملیگا	دھرم پر چلو
پورشا	پورب	جلدی ملیگا	مانس مت کھاؤ
اترشا	دکھن	کوشش سے ملے گا	مانس مت کھاؤ
شرون	اتر	نہیں ملیگا	تیل تانبہ دان کرو
دھنشٹ	پورب	جلدی ملیگا	مانس مت کھاؤ
شتبھکا	دکھن	کوشش سے ملے گا	غریب کی مدد کرو
پوربھا	پچھم	دور گیا ہے	جھوٹ مت بولو
اتربھا	اتر	نہیں ملیگا	غصہ مت کرو
ریوت	پورب	جلدی ملیگا	ان دان کرو

شری سوامی رام جی شیو آچاریہ

آپ کا جنم ماگھ کرشنہ پکھ دوادشی کو کشمیر کے شیو آشرم فاضل کر فتح کدل سرینگر کے شیو آشرم میں ورشوں سے منایا جاتا ہے۔ شری رام جی دیویہ جیوتی مئے شیو مت کے مشہور آچاریہ تھے۔ آپ کی دیو درشٹی کے پرتکھیہ پرمانوں سے بھگت جن کافی بہرہ چلتے ہیں۔ آپ کا انتردھیان ماگھ کرشنہ پکھ چتردشی کو ہوا ہے۔ اسی پرکار شری سوامی ودیادھر جی مہاراج ایک پرسدھ شیو آچاریہ تھے۔ آپ کا جنم دن بھی ورشوں سے آشرم میں منایا جاتا ہے آپکی دیو درشٹی کے پرتکھیہ پرمانوں سے بھگت جن کافی جانکاری رکھتے ہیں۔

شری سوامی ودیادھر جی کا شرادھ

اسوج کرشنہ پکھ دوتیا تھا مارگ شکلہ ترتیا کو کرن نگر کے آشرم میں منایا جاتا ہے۔ اس دن بھگت جن شردھا پوروک اس آشرم میں آکر بھگتی بھاؤ پرگٹ کرتے ہیں۔ شری سوامی ودیادھر جینتی اشاڑھ شکلہ پکھ ترپودشی کو ہوتی ہے۔

گرہوں کا اُچ نیچ مول ترکون دیکھنے کا نقشہ

گرہ	سوریہ	چندرمہ	بوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر	راہ	کیت
اُچ	میش	ورش	مکر	کن	کرکٹ	مین	طول	دھن	متھن
نیچ	طول	ورچک	کرکٹ	مین	مکر	کن	میش	متھن	دھن
انش	۱۰ تک	۳ تک	۲۸	۱۵	۵	۲۷	۲۰	×	×
مول ترکون	سِمہ	ورش	میش	کن	دھن	طول	کونبھ	کرکٹ	سِمہ
انش	۲۰ تک	۳ سے	۱۲ تک	۱۵ سے	۱۰ تک	۵ تک	۲۰ سے	×	×
سوکھیتر	سِمہ	کرکٹ	درچک میش	کن متھن	دھن مین	طول ورش	مکر کونبھ	کن	راہ

گرہوں کا شترو مترو دیکھنے کا نقشہ

گرہ	سوریہ	چندرمہ	بوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر	راہ	کیت
مترو دوست	چندرما بوم برہسپت	سوریہ بدھ	سوریہ بدھ	سوریہ شکر راہ	سوریہ بدھ بوم	بدھ شنیچر راہ	بدھ شنیچر راہ	بدھ شکر راہ	شکر شنیچر بدھ
شترو دشمن	شکر راہ شنیچر	× راہ	بدھ راہ	چندرمہ	بدھ شکر	سوریہ چندرمہ	سوریہ چندرما بوم	سوریہ چندرما بوم	سوریہ چندرما بوم
سم	بدھ	بوم برہسپت شکر شنیچر	شکر شنیچر	بوم برہسپت شنیچر	شنیچر راہ	بوم برہسپت	برہسپت	برہسپت	برہسپت
پاپی شبھ	پاپی	شبھ	پاپی	شبھ*	شبھ	شبھ	پاپی	پاپی	پاپی
پرش استری	پرش	استری	پرش	نپنسک	پرش	استری	نپنسک	پرش	استری
مزاج	گرم	بلغمی	گرم	وات پت کف	بلغمی	بلغمی	بادی	بادی	بادی

دیکھنے کا طریقہ: سوریہ جب میش راشی میں ہو تو اُچ طول میں ہو تو نیچ پر تو ۱۰ انش تک سِمہ راشی میں سوریہ ہو تو اُچ لیکن ۱۰ انش سے ۲۰ انش تک سِمہ راشی کا سوریہ ہو تو مول ترکون اور ۲۰ انش سے آگے سوکھیتری ایسے ہی اور گرہوں کا بھی چار چکر سے سمجھئے گرہوں کے شترو مترو دیکھنے کا طریقہ بھی ایسے ہی ہے سوریہ کا چندرما بوم برہسپت متر شکر شنیچر شترو اور بدھ سم ہے سوریہ پاپی گرہ ہے مزاج اس کا گرم ہے وغیرہ * چندرما شبھ گرہ ہونے پر بھی جب چھین ہوگا تو پاپی گرہ ایسے ہی اگر بدھ پاپی گرہوں کے ساتھ جنم کنڈلی میں ہو

ونشوتری دشا چکر

مقررہ وقت	۶ ورش	۱۰ ورش	۷ ورش	۱۸ ورش	۱۶ ورش	۱۹ ورش	۱۷ ورش	۷ ورش	۲۰ ورش
گرہ	سوریہ	چندرمہ	بوم	راہ	برہسپت	شنیچر	بدھ	کیت	شکر
نکھتر	کرچ	ردہن	مرگشور	ادرا	پنردس	پیش	اسلیش	مگ	پورفا
	اترفا	ہست	چترا	سوات	دشاک	انراد	زشٹ	مول	پورشا
	اترشا	شرون	دنشٹ	شتبشک	پوربابد	اترابابد	ریوت	اشن	برن

دیکھنے کا طریقہ: یوگنی دشا کی طرح "ونشوتری دشا" بھی دیکھی جاتی ہے جیسے کرچ نکھتر والے کو پہلے ۶

۴ ورش کی سوریہ دشا ۱۲ ورش تک شکر دشا ۴

کِس بھاؤ میں کیا دیکھا جائے؟

بھاؤ	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸	۹	۱۰	۱۱	۱۲
نام	مورتی	کوش	دھنوی	واہن	منتر	شترو	مارگ	آیو	من	ویوہار	پراپتی	ایاپتی
کیا دیکھنا چاہیے	تن	دھن	پراکرم	سواری	ودیا	روگ	یاترا	مرتیو	انتہ کرن	کاروبار	لابھ	خرچ
			براتا	ماتا	سنتان	ماما	پتی پتنی		بھاگیہ	پتا		

بالکوں کے دانت نکلنے کی خاصیّت

اگر بچے کی پیدائش کے ایک ماہ بعد دانت نکل جائیں تو بچہ مر جائے، دوسرے ماہ میں چھوٹے بھائی کو ہانی تیسرے ماہ میں بھائی کو ہانی چوتھے ماہ میں ماتا کو ناش ۵ ویں ماہ میں بڑے بھائی کو کشٹ چھٹے ماہ میں ماتا پتا کو قسم سکھ ۷ ویں میں ماتا پتا کے لئے سکھ ۸ ویں میں شریر سواستھ ۹ ویں ماہ میں دھن پراپتی - ۱۰ ویں ۱۱ ویں اور ۱۲ ویں ماہ میں سکھ ملیگا

م سماپت ہوگی

جاتی ـــ لگن ـــ چکر

دیو جاتی	منش جاتی	راکھشس جاتی
ازاد۔ مرگشور۔ شرون۔ ریوت سواتی۔ ہست۔ تیش۔ اشن	پوروا۔ پورباپد۔ اترشا۔ اتربا۔ اترفا۔ روہن۔ برن	مگ۔ اسلیش۔ دھنشٹ۔ کرچ۔ شٹ مول۔ ابتینک۔ چتر۔ وشاک

جانک ملاپ کیلئے جاتی ملاپ کا دیکھنا بھی ضروری ہے معلوم ہو کہ جاتی نکھتر کے مطابق ہوتی ہے جیسے ازاد نکھتر والے کو دیو جاتی اور مگ نکھتر والے کو راکھشس جاتی ہوگی لڑکے لڑکی کی جاتی ایک ہی ہو تو اچھا۔ اگر ایک کی جاتی دیو اور دوسرے کی منش ہو تو درمیانی۔ لڑکی کی جاتی راکھشس ہو۔ لڑکے کی جاتی منش ہو۔ ممنوع ہے۔

ناڑی چکر} مول۔ اشت۔ ہست۔ اترفا۔ شرون اور اشن (٢) اترباد۔ دھنشٹ۔ پورشا اترشا۔ چتر۔ پورفا۔ تیش۔ مرگشور۔ برن (٣) ریوت۔ شرون۔ اترشا۔ وشاک۔ سواتی۔ مگ۔ اسلیش۔ روہن۔ کرچ ؛ ایک لڑکے اور لڑکی کا نکھتر دونوں نمبر (١) میں ہو تو ایک ناڑی اگر نمبر (٢) میں ہو تو دو ناڑی اور اگر نمبر (٣) میں ہو تو تینتر ناڑی۔

گرہوں کا ملانا} دونوں کی جنم کنڈلیوں میں اگر کرور گرہ (سوریہ، بودھ، شنیچر، راہ، کیت) لگن میں چوتھے گھر میں یا ۷ ویں۔ ۱۰ ویں ۸ ویں استھان میں ہو تو ایک ایک گرہ کا ایک ایک بل سمجھا جاتا ہے، اسی طرح اس چکر میں بھی دیکھنا برہسپت شکر کو سمبوگ ہوا ایک بل ہے۔ عورت کے کرور گرہ کے ساتھ چندرما ایک بل ہے آدمی کو باپ گرہ کے ساتھ ایک بل ہے صرف آدمی کے لئے شکر سے اگر چوتھے اور ۸ ویں گھر میں کرور گرہ ہو تو ایک بل وچارنا۔ راکھشس جاتی بھی ایک بل ہے منگل اور برہسپتی بھی ایک بل ہے۔ جب ان کا سمبوگ ہو ؛

بھارتی سمیہ کیساتھ پچھمی دیشوں کے سمیہ کے انتر کا نقشہ

مندرجہ ذیل نقشہ سے آپ کو معلوم ہوگا کہ جس وقت بھارت میں ۱۲ بجے ہونگے اُس وقت لندن میں ½۶ بجے ہوں گے۔ کیونکہ نقشہ الف میں لندن شہر کے نیچے ۵ گھنٹہ ۳۰ منٹ تفریق کرنا درج ہے۔ اسی طرح بھارت کے ۱۲ بجے دن کو جاپان میں دن کے ۳ بجکر ۳۰ منٹ ہوں گے کیونکہ نقشہ الف میں جاپان کے نیچے ۳ گھنٹہ ۳۰ منٹ جمع کرنا درج ہے ایسے ہی اور شہروں کا بھی وچار کیجئے۔ بھارتیہ وقت بنا کر پھر اپنے اپنے شہر کا سٹنڈرڈ انتر ضرور بڑھائیں یا گھٹائیں ؛

نقشہ (الف)

شہر	جرمنی برلن	روم اٹلی	چین ہانگ کانگ	برما رنگون	ملایا سنگاپور	مصر قاہرہ	پچھمی پاکستان کراچی	فرانس پیرس	جاپان ٹوکیو	امریکہ نیویارک	روس ماسکو	برطانیہ لندن
گھنٹہ منٹ	٤ ٣٠ تفریق	٤ ٣٠ تفریق	٢ ٣٠ جمع	١ ٠ جمع	٢ ٠ جمع	٣ ٣٠ تفریق	٠ ٣٠ تفریق	٤ ٣٠ تفریق	٣ ٣٠ جمع	١٠ ٣٠ تفریق	٣٠ تفریق	٣٠ تفریق

سٹنڈرڈ انتر نقشہ (ب)

شہر	جرمنی برلن	روم اٹلی	چین ہانگ کانگ	برما رنگون	ملایا سنگاپور	مصر قاہرہ	پچھمی پاکستان کراچی	فرانس پیرس	جاپان ٹوکیو	امریکہ نیویارک	روس ماسکو	برطانیہ لندن
منٹ سکنڈ	٦ ٢٠ تفریق	١٠ ٨ تفریق	٢٣ ١٢ تفریق	٥ ٨ تفریق	٣٤ ٣٦ تفریق	٥ ٠ جمع	٣١ ٤٤ تفریق	٥٠ ٤٠ تفریق	١٩ ١ جمع	٠ ٤ تفریق	٢٩ ٣٤ تفریق	٠ ٢٠ ٠

نوٹ

مندرجہ بالا نقشہ الف کے مطابق بھارتیہ ٢٣ وقت بنا کر نقشہ ب سے منٹوں اور سکنڈوں کا انتر بھی گھٹائیں جیسا کہ لندن میں صبح کے ½۶ بجے ہوں گے۔ اُس وقت بھارت میں ۱۲ بجے ہوں گے۔ ۱۲ بجے دن سے ۲۰ سکنڈ گھٹائیں باقی ۱۱ بجے ۵۹ منٹ ۴۰ سکنڈ رہے تب ۱۱ بجے ۵۹ منٹ کا بتھا ددھی

گرہوں کی نظر کا نقشہ

درشٹی	سورج	چندرما	منگل	بدھ	برہسپت	شکر	شنی
پوری	٧	٧	٤ ٨	٧	٥ ٩	٧	٢ ١٠
پونی	٤ ٨	٤ ٨	٥ ٩	٤ ٨	٣ ١٠	٤ ٨	٧
آدھی	٥ ٩	٥ ٩	٣ ١٠	٥ ٩	٧	٥ ٩	٤ ٨
چوتھائی	٣ ١٠	٢ ١٠	٧	٣ ١٠	٤ ٨	٣ ١٠	٥ ٩

دیکھنے کا طریقہ

سوریہ جنم کنڈلی کے جس گھر میں بیٹھا ہو وہاں سے ۷ ویں گھر کو پورن درشٹی سے چوتھے اور ۸ ویں کو پونی درشٹی سے ۵ ویں ۹ ویں گھر کو آدھی درشٹی سے تیسرے اور ۱۰ ویں گھر کو چوتھائی درشٹی سے دیکھتا ہے

شری سوامی آفتاب رام جی کا رہاسہ

انتردھیان دوس ماگھ کرشنہ پکھ پنچمی ہے بہ اُتسو ستھو میں اُن کے بھگت جن مناتے ہیں ؛

[illegible] بنائیں ؛

بہی کھاتہ و نیا دکان کھولنا

اسراد، روہن تیش، اتر، مرگشور، ہست، چتر، ریوت یہ نکھتر شبھ پھل دایک ہیں۔ چورم۔ چوداہ۔ ماوس۔ ماسانت سنکرانتی کو چھوڑ کر تتھیاں اور منگلوار کا دن بہی کھاتہ۔ نیا دکان اور نیا کاروبار کھولنے کے لئے نشید ہیں۔

چارج لین دین

اشن، مرگشور، چتر، ہست، تیش، اسراد۔ ریوت نکھتر بدھوار گوروار اور شکروار شبھ پھل دایک ہیں چورم، چوداہ، ماوس، ماسانت اور سنکرانتی تتھی نشید ہیں باقی تتھیاں فایدہ مند ہیں

خرید و فروخت

ریوت۔ تین اتر، مرگشور، اشن، ہست، سوات، اسراد، تیش، شروان۔ پور یہ نکھتر اور منگلوار کو چھوڑ کر سب فروخت کے لئے اوتم ہیں، چورم، نوم، چوداہ ماسانت اور سنکرانتی نشید ہیں۔

روپیہ قرض پر دینا اٹھوالینا

ماوس۔ ماسانت اور سنکرانتی کو دیا ہوا دھن واپس نہیں آتا ہے منگلوار کو قرضہ ادا کرنا اچھا ہوتا ہے۔ بدھ کو قرضہ نہیں دینا چاہیے۔ سواتی پنروس روہن تین اتر۔ وشاکھ تیش شروان دھنشٹ شتبھک آدر نکھتر میں قرضہ لینا دینا شبھ پھل دایک ہے۔

نوکری ترقی وغیرہ کیلئے درخواست اور اپیل کرنا

منگلوار۔ سنیچروار کو چھوڑ کر باقی وار ہیں چورم۔ نوم۔ چوداہ۔ ماوس۔ ماسانت اور سنکرانتی چھوڑ کر باقی تتھیاں اشن۔ روہن تیش ہست۔ چتر مرگشور۔ اسراد۔ ریوتی سوات۔ مول تین اتر تین پور شبھ ہیں

ہل چلانا

چورم۔ نوم۔ چوداہ۔ ماوس۔ ماسانت۔ سنکرانتی منگلوار۔ سنیچروار اور اتوار کو چھوڑ کر اشنی، روہنی، مرگشور، پنروس۔ تیش۔ تین اتر۔ ہست۔ اسراد۔ سوات۔ وشاکھ، مول شروان دھنشٹ شتبھک اور ریوت نکھتر شبھ دایک ہیں

بیج بونا

چورم۔ نوم۔ چوداہ۔ ماوس سنکرانتی اور منگلوار کو چھوڑ کر باقی تتھیاں اور وار اشن، مرگشور تیش۔ تین اتر۔ ہست۔ چتر۔ سوات۔ اسراد۔ مول۔ زنشٹ ریوتی اوتم نکھتر ہیں ÷

فصل کاٹنا

چورم اور سنکرانتی تتھیوں کو چھوڑ کر سوموار۔ بدھ وار۔ گوروار اور شکروار۔ بھرن۔ کرتج مرگشور تیش اور اسلیش۔ تین اتر اور تین پور۔ اسراد۔ شروان۔ زنشٹ۔ مول ہست ✻

دوائی کھانے کا مہورت

چورم کی تتھی کو چھوڑ کر باقی تتھیاں سوموار، گوروار، اشن، مرگشور، پنروس، تیش، اسلیش۔ مگھ۔ تین اتر۔ تین پور۔ شروان۔ دنشٹ شتبھک اور ریوت نکھتر دوائی استعمال کرنیکے لئے فایدہ مند رہیں گے ÷ ✻ سوات شبھ پھل دایک ہیں۔

نیا اناج کھانیکا مہورت

چورم نوم تتھی چھوڑ کر سوموار۔ بدھ وار۔ گوروار۔ شکروار۔ اشن مرگشور پنروس تیش۔ چتر۔ اسراد ہست۔ دنشٹ شتبھک۔ اور ریوت نکھتر اوتم ہیں

گائے پرسوتی

ہمنت میں سنیچروار، ششر میں سوموار، وسنت میں گوروار۔ گرمی میں اتوار، ورشا میں منگلوار، شرت میں بدھ وار اور سارے موسموں میں شکروار پر جب گائے پرسوت ہوگی تب گھر کا سوامی سب پریوار کے ساتھ تکلیف میں ایک سال رہے گا

جھولا میں رکھنے کا مہورت

۲۲، ۱۲، ۱۶، ۱۸، ۱۰ ان دنوں میں تتھا سوموار، بدھ وار، گوروار، شکروار اور اشن۔ روہن۔ مرگشور تیش۔ تین اتر ہست۔ چتر۔ اسراد۔ ریوت ان نکھتروں پر جھولا میں سلانا اچھا اور شبھ پھل دایک ہے۔

وستر سونا وغیرہ پہننے کا مہورت

مردوں کے لئے پنروس تیش، تین اتر اور عورتوں کے لئے اشن۔ روہن ہست چتر۔ سوات۔ وشاک۔ اسراد۔ زنشٹ۔ ریوت یہ نکھتر اتوار۔ بدھ وار۔ گوروار۔ شکروار، ان واروں میں چورم، نوم، چوداہ یہ دن چھوڑ کر وستر سونا وغیرہ دھارن کرنے کے لئے اچھا ہے سونا لگانا منگلوار کے دن بھی اچھا ہے ÷

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥

کام سدھ ہوگا یا نہیں؟

دیکھنے کا طریقہ۔ سوموار۔ بدھوار ویر وار (برہسپت وار) کو وام سور چلنے کا وقت اگر پرشن ہو تو کامیابی ہوگی۔ منگل۔ شنیچر اور شکر کو اگر دائیں سور چلتے وقت پرشن ہو تو کامیابی ؛

کیا یہ بات سچ ہے یا نہیں؟

دیکھنے کا طریقہ۔ پرشن کے وقت کی وار، نکھشتر اور یوگ کے ہندسوں کو جوڑ کر تتھی کے ہندسوں سے ضرب دو۔ چار پر تقسیم کرو اگر باقی ایک یا ۳ بچے تو بات سچ ہے۔ نہیں تو جھوٹ

ودیش سے چھٹی آئیگی یا نہیں

دیکھنے کا طریقہ۔ پرشن لگن جو راشی کا ہو اور اس کی دوسری تیسری جگہ اچھے گرہ ہوں یا ان کی درشٹی ہو تو چھٹی جلدی آئیگی لیکن ستھر ہو تو دیر سے چھٹی آئے گی۔ اگر لگن دوسوبھاؤ ہو تو چھٹی ملنی مشکل ہے۔ پرشن لگن میں بدھ اور چندرما ہو اور شبھ گرہ کی درشٹی ہو تو چھٹی آئے گی۔ اس کے خلاف ہو تو چھٹی نہیں آئے گی ؛

اس چیز سے لابھ ہوگا یا نہیں؟

دیکھنے کا طریقہ۔ پرشٹ کال کی صرف چلتی گھڑیوں کو ۳ سے ضرب دیکر اس چیز کے حروف کی گنتی ملاکر ۵ اور ملاکر ۲ پر تقسیم کریں باقی طاق بچے تو لابھ۔ جفت بچے تو نقصان ؛

روپیہ وصول ہوگا یا نہیں؟

دیکھنے کا طریقہ۔ لین دین کرنے والے کے نام کے حروف کے ہندسوں کو ۳ سے ضرب دیکر اپنے نام کے حروف ان میں جوڑ دو۔ پھر اسی کو ۳ پر تقسیم کریں اگر ۱ بچے تو روپیہ ملیگا ۲ بچے تو نہیں ۳ بچے تو دیر کے بعد ملے گا ؛

شادی ہوگی یا نہیں؟

دیکھنے کا طریقہ۔ اگر لگن سے دوسرے، تیسرے، چھٹے، ۷ویں، ۱۰ویں، ۱۱ویں بھاؤ میں چندرما کو برہسپتی دیکھے تو شادی ہوگی اگر چندرما کے ساتھ پاپ گرہ ہو یا ان کی نظر ہو تو شادی نہیں ہوگی اگر لگن سے ۳، ۵، ۶، ۷، ۱۱ویں بھاؤ میں چندرما کو سوریہ، بدھ، برہسپتی میں سے کسی کی نظر ہو یا ۲، ۷، ۴ راشیوں میں سے کسی ایک ۳،

درشٹی چکر

دیکھنے کا طریقہ۔ ورش کنڈلی میں سوریہ چندرما وغیرہ گرہ جس گھر میں ٹھہرے ہوں وہاں سے ۵ویں، ۹ویں گھر کو پرتکھشیہ متر درشٹی سے دیکھتا ہے متر درشٹی کے پڑنے سے گرہ بلی ہوجاتا ہے جب اس گرہ کی دشا آتی ہے تو وہ گرہ ہر پرکار سے لابھ ایک ہوتا ہے گپت متر درشٹی بھی شبھ پھل ایک رہتی ہے پرتکھشیہ شترو درشٹی سے گرہ نربل ہوجاتا ہے اشبھ گرہ ہونے پر

درشٹی	سوریہ	چندرما	بوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر
پرتکھشیہ متر درشٹی	۵	۵	۵	۵	۵	۵	۵
	۹	۹	۹	۹	۹	۹	۹
گپت متر درشٹی	۳	۳	۳	۳	۳	۳	۳
	۱۱	۱۱	۱۱	۱۱	۱۱	۱۱	۱۱
پرتکھشیہ شترو درشٹی	۱	۱	۱	۱	۱	۱	۱
	۷	۷	۷	۷	۷	۷	۷
گپت شترو درشٹی	۴	۴	۴	۴	۴	۴	۴
	۱۰	۱۰	۱۰	۱۰	۱۰	۱۰	۱۰

بڑ بھی اشبھ پھل دیتا ہے۔ گپت شترو درشٹی سے بھی گرہ (اشبھ) بگڑ جاتا ہے۔

نکھشتر چکر

دشا	منگلا	پنگلا	دھنیا	برامری	بدریکا	ادلکا	سدا	اسنکٹا
گرہ	چندرما	سوریہ	بدھ	بوم	برہسپت	شنیچر	شکر	راہو
ورش	۱	۲	۳	۴	۵	۶	۷	۸
نکھشتر سلسلہ	ادر	پنروس	تیشن	اشن	برن	کرتج	رودھن	مرگشور
	چتر	سوات	وشاک	اسلیش	مگ	پورفا	اترفا	ہست
	شرون	دنشٹ	شتبھک	پوربا	زنشٹ	مول	پورفا	اترفا
				ازاد	اتربا	ریوت		

لے جس دشا کے نیچے آپ کا جنم نکھشتر لکھا ہو وہ آپ کی پہلی دشا ہوگی جیسے ادر نکھشتر والے کو ایک ورش کے لئے منگلا دشا اس کے پیچھے دو ورش کے لئے سوریہ دشا ایسے ہی ۳۶ ورش تک راہو دشا ختم ہوگی پھر دوسری بار چندرما دشا آرمبھ ہوگی ؛

گرہ کا ایک راشی میں ٹھہرنے اور پھل دینے کا وقت

گرہ	سوریہ	چندرما	بوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر	راہ	کیت
راشی میں ٹھہرنے کا مقررہ وقت	۱ ماہ	۲¼ دن	۱½ ماہ	۱ ماہ	۱۳ ماہ	۱ ماہ	۲½ ورش	۱۸ ماہ	۱۸ ماہ
پھل دینے کا وقت	شروع میں	انت میں	آرمبھ میں	ہمیشہ	درمیان میں	درمیان میں	انت میں	انت میں	انت میں
اگلے راشی میں جانے سے پہلے پھل کا وقت	۵ دن	۳ گھڑی	۸ ماہ	۷ دن	۲ ماہ	۷ دن	۶ ماہ	۳ ماہ	۳ ماہ

۲ میں ٹھہرنے کا مقررہ وقت دکھایا گیا ہے۔ اس میں کمی بیشی ہو جاتی ہے ؛

دیکھنے کا طریقہ:۔ سوریہ ایک مہینہ میں ایک راشی میں ٹھہرتا ہے اور شروع میں پھل دیتا ہے سوریہ اگلی راشی میں جانے سے ۵ دن پہلے اپنا پھل پرگٹ کرتا ہے جو راشی ۴

[illegible]

۲، ۳ راشی میں چندرما ہو یا شکلہ ہو تو ضرور شادی ہوگی ؟

سوپن	پھل	سوپن	پھل	سوپن	پھل	سوپن	پھل
اناج دیکھنا	دھن ملے	برہمن دیکھنا	تمنا پوری	حاکم دیکھنا	آدر ملے	پرندہ دیکھنا	خوشخبری ملے
آپ مرنا	آیو زیادہ	پھل دیکھنا	لڑکا ہوگا	حجام دیکھنا	آدر ملے	پھول دیکھنا	دھن ملے
اندھیرا دیکھنا	شریر کشٹ	برہمن گھر آئے	اور دھن مال زیادہ	حجامت کرانا	کم عمری	پھلدار درخت	دھن ملے
آم دیکھنا	اچھیا پورن	بال گرتے دیکھنا	سخت تکلیف	حقہ پینا	دھن کی کمی	پانی پینا	روزگار ترقی ملے
آسمان میں اڑنا	ترقی ملے	جنگ کرنا	اچھیا پورن	حکیم دیکھنا	جسمانی تکلیف	پولیس دیکھنا	خطرہ
آسمان سے گرنا	شریر کشٹ	جانور پکڑنا	نیا کام شروع	بھینس دیکھنا	تکلیف ملے	پوری کچوری	دھن ملے
آنکھ تکلیف	مصیبت آئے	جوا کھیلنا	نقصان	برات دیکھنا	تکلیف آئے	پڑھنا	ودیا ملے
آسن ملے	دھن ملے	جہاز پر چڑھنا	دھن ملے	باغ دیکھنا	سکھ شانتی	پل پر چڑھنا	نیک کام کرنا
انگوٹھی ملے	استری سکھ	جانور خون بھرا دیکھنا	عہدہ ملے	بارش "	اناج سستا ہو	پان کھانا	دھن ملے
تیرتھ دیکھنا	دھرم اُنتی	جگر سدرش دیکھنا	تمنا پوری	بادشاہ "	دھن ملے	شیر کاٹے	ترقی ہوگی
تارا گرتے "	رنج و غم	بندر دیکھنا	بیماری	بادام "	سکھ آرام	سورج گرہن	تکلیف
تالاب دیکھنا	سکھ آرام	بیمار دیکھنا	تکلیف آئے	پہاڑ پر چڑھنا	دھن ملے	کنول پھول	دھن ملے
تیل "	تکلیف ہو	بچہ روتا "	تکلیف آئے	پہاڑ سے گرنا	بیماری آئے	کپاس دیکھنا	رنج و غم
تانبا "	پریشانی	بستر جلے	دھن ملے	پانی کا گھڑا بھرنا	جائداد ملے	کوئلہ "	سخت تکلیف
تلوار ہاتھ میں لینا	استری سکھ	بچھو دیکھنا	دھن ملے	خربوزے کا کھیت	پتر سکھ	ترکاری سبز	سکھ آرام
انار دیکھنا	دھن ملے	بیل مارے	دربار عزت	خط پڑھنا	عہدہ ملے	توپ دیکھنا	شترو بھگے
اونٹ "	نقصان	بندر کاٹے	دربار میں عزت	دودھ دیکھنا	دھن ملے	تخت پر بیٹھنا	کامیابی
انگور دیکھنا	مصیبت آئے	ہاتھی دیکھنا	کشٹ ملے	دہی "	ترقی ہو	تیر چلانا	تمنا پوری
انگوٹھے گرنا	کشٹ ملے	بھیڑ "	کشٹ ملے	دہی کھانا	عہدہ ملے	تربوز دیکھنا	تکلیف ہو
اچھا گھر دیکھنا	خوشخبری ملے	حوض سے پانی پینا	دولت ملے	دریا دیکھنا	سکھ آرام	شیر دیکھنا	کامیابی

سوپن پھل

سُپنہ جو گہری نیند کے وقت دکھائی دے اُسکا پھل اوشیہ کچھ نہ کچھ ہوتا ہے ادھک کھا کر یا روگی اوستھا میں سُپنہ دیکھا جائے تو اس کا پھل کچھ نہیں ہوتا رات کے پہلے حصہ میں دیکھا ہوا سُپنہ ۱ ورش بعد اور رات کے دوسرے حصہ میں ۸ مہینہ بعد رات کے تیسرے پہر میں ۳ مہینہ بعد اور چوتھے پہر میں دیکھا سپنہ ایک ماس بعد پھل دیتا ہے بُرا سُپنہ دیکھنے پر اگر رات کچھ باقی رہے تو پھر سو جانا چاہیے اور اگر اچھا سُپنہ دیکھا ہو تو پھر جاگرن کرنا چاہیے بُرے سوپن کی شانتی کیلئے وشنو سہسر نام سے [illegible] کا دشانس پھل پرگٹ ہونے کی تاریخ تک کرنا چاہیے یعنی رات کے دوسرے حصہ میں ۸

سوپن	پھل	سوپن	پھل	سوپن	پھل	سوپن	پھل
لال جھنڈا دیکھنا	سکھ شانتی	چاہ میں گرنا	تکلیف ہو	ماس کھانا	ترقی ہو	مرغا مرغی دیکھنا	دولت ملے
سبز جھنڈا	سفر پیش آوے	گھڑی دیکھنا	امتحان کا فکر	موتی دیکھنا	سکھ شانتی	کالا کپڑا دیکھنا	پریشانی
جنگل دیکھنا	خوشخبری ملے	لڑکی دیکھنا	سکھ شانتی	مونگ ماش	بیماری	کوا دیکھنا	مصیبت آئے
جہاز دیکھنا	تندرستی	لوہار دیکھنا	تکلیف ہو	دیوار سے گرنا	عہدہ گرنا	کتا کاٹے	مصیبت
جواہر دیکھنا	تمنائیں پوری	خشک لکڑی	تکلیف	راستہ پر چلنا	مشکل حل	کیچڑ میں پھنسنا	گرفتار مقدمہ
گندم "	دھن ملے	محل دیکھنا	سکھ شانتی	زمین کھودنا	فکر پریشانی	گائے دیکھنا	دھن ملے
گیدڑ "	کشٹ ملے	مندر "	سکھ شانتی	زخمی ہونا	تکلیف ہوتا	گورو ملے	دھن ملے
گھوڑا سواری	استری سکھ	خرگوش دیکھنا	بیماری آئے	زہر کھانا	مرتیو کا ڈر	گدھا دیکھنا	تکلیف ہو
گھی کھانا دیکھنا	سکھ شانتی	خوش ہونا	تکلیف آئے	سانپ دیکھے	دھن ملے	گڑھے میں گرنا	مرتیو کا خطرہ
سبز گھاس	خوشی	خاک دیکھنا	بیمار ہونا	سفید سانپ	دولت کا لابھ	گدھا سواری	"
گڑ کھانا	خوشی	خوشبودار چیز	دھن ملے	سورج دیکھنا	ترقی ملے	مٹی کا ڈھیر	عیش عشرت
چابی دیکھنا	خزانہ ملے	خچر پر چڑھنا	کشٹ ملے	سمندر "	ترقی و عمر لمبی	میوہ کھانا	سکھ شانتی
چاند "	دولت ملے	خون پینا	دولت ملے	شراب پینا	خوشخبری ملے	مرگھٹ	تکلیف آتا
چندن سفید	دولت ملے	خیمہ دیکھنا	ترقی ہونا	شہد "	رتبہ ملے	مندر مسجد میں جانا	خوشخبری
چاول سفید	خوشی ملے	خر کی سواری	غم و فکر	شمشان بھومی	رنج و فکر	ہاتھی سواری	لابھ ملے
چاندی کا زیور	زر مال ملے	خربوزہ دیکھنا	سکھ ملے	مور دیکھنا	بیماری	رونا	دولت ملے
چاند گرہن	آن بھنگ ہو	خربوزہ کھانا	دھن ملے	مردہ زندہ "	تکلیف	روٹی کھانا	مشکل حل
چراغ روشن	اولاد سکھ	موٹر سواری	سکھ شانتی	مردہ سے گلے لگنا	مرتیو کا خطرہ	دریا دیکھنا	عمر لمبی
چراغ بجھا	تکلیف آتا	مٹھائی کھانا	ترقی ہو	مکان جلنا	دھن ملے	دہی کھانا	عمدہ ترقی
چکی دیکھنا	"	مچھلی دیکھنا	"	چھت سے گرنا	مصیبت	موٹر سواری	دولت ملے

۲ دیکھنے پر ۸ مہینہ تک [illegible]

ورش پھل میں سوریہ وغیرہ گرہوں کا پربھاؤ

	سوریہ	چندرما	بوم	بدھ	برہسپت	شکر	شنیچر راہو کیت	ملحقا
۱	شریر روگی	شریر کشٹ	جوٹ کا خطرہ	پشو کل لابھ	سکھ عزت	دھن لابھ	فکر و غم	دھن لابھ
۲	دھن ہانی	دھن لابھ	بھائیوں سے ہانی	دھن لابھ	کاروبار میں ترقی	پشو لابھ	دشمن سے کشٹ	بیوپار لابھ
۳	سکھ پراپتی	کاروبار اچھا	لمبی یاترا	سکھ	ماتر سکھ	استری سکھ	دشمن مغلوب	بھائی کا سکھ
۴	ماتا کو کشٹ	کاروبار اچھا	ماتا کو کشٹ	یاترا سے لابھ	ودیا لابھ	ماتا پتا سکھ	ماتا پتا کشٹ	ماتا کو کشٹ
۵	دھن ہانی	پتر سکھ	پتر کشٹ	پتر سکھ	پتر ودیہ	پتر سکھ	ہر کام میں ترقی	ودیا لابھ
۶	شریر سکھ	شریر کشٹ	دشمن مغلوب	مقدمہ بازی	سکھ آرام	متر سے دھوکہ	شترو ناش	مقدمہ بازی
۷	استری کشٹ	استری کشٹ	استری کشٹ	استری کشٹ	صحت اچھا	استری سکھ	استری سکھ	استری سکھ
۸	شریر کشٹ	گھر فساد	فضول خرچ	بیماری زیادہ	سکھ	کاروبار اچھا	شریر کشٹ	شریر کشٹ
۹	دھرم ہانی	کامیابی	نیا کام شروع	دھرم زیادہ	عزت مان	بدھی ترقی	بڑی اچھیا	سکھ آرام
۱۰	ترقی ملے	عزت	پتا کشٹ	دربار ترقی	لابھ	سکھ	ماتا پتا کشٹ	مان
۱۱	آمدنی زیادہ	لابھ	کاروبار اچھا	رشتے سے فائدہ	عزت	استری سکھ	لابھ کم	لابھ
۱۲	شریر کشٹ	آنکھ درد	بندھن روگ	دھن یوگ	دھن خرچ	دھن زیادہ	شریر کشٹ	نقصان

دیکھنے کا طریقہ۔ ورش چکر کے پہلے گھر میں سوریہ ہو تو شریر روگی دوسرا سوریہ دھن ہانی اور مقام

वही करें, जिसमें श्रीप्रिया-प्रियतमका मार्ग

अधिक-से-अधिक प्रशस्त हो

भगवानके प्रति आत्मसमर्पण करें

جن مہاپرشوں پر کشمیر کو ناز ہے

سنسار کے دوسرے دیشوں کی طرح بھارت کے ملک کشمیر نے وقت وقت پر ایسے مہاپرشوں کو جنم دیا جنہوں نے اپنے پانڈتیہ اور ادھیاتمک بل سے نہ صرف بھارت میں بلکہ سارے سنسار میں کشمیر کے نام کو چار چاند لگائے ہیں یہاں کچھ ایسے مہاپرشوں کے نام دئے جاتے ہیں (۱) شری وسوگپت شیو آچاریہ (۲) شری سومانند شیو آچاریہ (۳) شری اوپل دیو (دارشنک) (۴) شری ابھنو گپت شیو آچاریہ (۵) شری کھیم راج جی شیو آچاریہ (۶) شری کھیمندر ساہتیہ آچاریہ (۷) شری لوگا آچاریہ ساہتیہ آچاریہ (۸) شری آنند وردھنا ساہتیہ آچاریہ (۹) شری کیہٹ اور ممٹ وارشنک ساہتیہ کار (۱۰) منک ودیا کر آچاریہ (۱۱) شری کلہن اور بلہن اتہاس کار (۱۲) واگ بھٹ ٹانکا چاریہ (۱۳) شری للیشوری رہسیہ وادی (۱۴) شریمتی الکیشوری رہسیہ وادی (۱۵) شری ریشہ پیر رہسیہ وادی سنت (۱۶) شری کرشن کار رہسیہ وادی سنت (۱۷) شری جیون صاحب سنت یوگی (۱۸) شری شمس راز دان سنت (۱۹) شری شری بھٹ نیتی نپون (۲۰) شری شری ور اتہاس کار (۲۱) شری نند رام نیتی کوشل (۲۲) شری لوم کاک رہسیہ وادی (۲۳) شری سوامی رام جی شیو مت انایک (۲۴) شری مہتاب کاک شیو مت انایک (۲۵) شری سوامی ودیادھر شیو مت انایک (۲۶) شری پرمانند سنت کوی (۲۷) شری صاحب کول تانترک (۲۸) شری سوامی گوبند کول شیو آچاریہ (۲۹) شری کرشن راز دان بھکت کوی (۳۰) شری کرشن کاک سنت جوگی (۳۱) شری بال جی سنت جوگی (۳۲) شری ہر بھٹ شاستری ساہتیہ چاریہ (۳۳) شری شیو رتنانند جی ڈنڈی سوامی (۳۴) شری مادھوانند سرسوتی ویدانت چاریہ (۳۵) شری سوامی آتمارام ویدانت چاریہ (۳۶) ماسٹر زندہ کول آچاریہ کوی ÷

وار | بدھوار | منگلوار | ویروار

شرادھ سنکلپ وِدھی

پہلے دھوپ دیپ کریں۔

(۱) شکلام بھردھرم دشنوم ششہ ورنم چتر بھوجم پرستہ دونم دھیائے سرو وگھنوپہ شانتہ یے (۲) ابھہ پریپارتھ سدھیرتم پوجہ تو یاہ سوُرایرائی ائرو وگھنہ چھدے لیسئے۔ شری گنا دپتئے نماہ۔ (۳) گورو برہما۔ گورو ردشنو۔ گورو ساکھیات مہیشوراہ۔ گورریے وجگت سروم تسمیٔ شری گورویے نماہ

اپنے مُنہ اور پیروں کو جل سے چھڑکتے ہوئے پڑھیں۔ ترتھلے۔ سنے یم۔ ترتھم الو سمانانام۔ بھوتی ماناہ ہشوار درو دھرتی پرانگ ہرتسے رکھیا تو برہم نس پاپتے۔

(پوتر دھارن کریں) وُسو پوترم اسی شتہ دھارم۔ وشونام۔ پوترم اسی سہسر دھارم ایکھماہ واہ۔ پرجیا سم ہرجانی۔ رایس پوشینہ بہولا بھونیتی۔

(اپنے کو تلک لگاتے ہوئے پڑھیں) پرملتمنے پرشو تمائے۔ پنچہ بھوتاتم کائے وشواتمنے منتر ناتھائے آتمنے نارایناے آدھار شکتے سمالبھنم گندھو نماہ۔ ارگھو نماہ پشپم نماہ۔

(دیپ کو تلک لگاتے ہوئے پڑھیں) سو پرکاشو مہادیپو۔ سروتس۔ تمرا پہاہ پرسیدھ ممہ گوبندہ۔ دیویم پرکلپتاہ۔

(دھوپ کو تلک پشپ) وتسپتی۔ رسُو۔ دیوا۔ گندا ڈھیو گندہ اُوتما آہوانم۔ سرودیوانام دھوپویم پرتی گرہتام (سُورِیہ کا دھیان کرتے ہوئے ترمال میں تلک پشپ ڈالتے ہوئے پڑھیں) نمو دھرم ندھانائے نماہ سُوکرت سالکھنے۔ نماہ پرتیکھشہ دیولائے شری باسکرائے نمو نماہ (کھاسو لکے ترمال میں جل ڈالتے ہوئے پڑھیں) یتراستی ماتا۔ نہ پتا نہ بندھو بھراتاپی نو۔ یتر سوُہرت جنسیچہ۔ نہ گیا پرتے۔ یتر دنم نہ راتری۔ تترا تمہ دیپم شرنم پر پدی۔ آتمنے نارایناے۔ آدھار شکتے دھُوپ دیپہ سنکلپات بدراستو دھولو نما دیپو نماہ۔

(اب بائیاں یگنیوپویت رکھ کر پڑھیں) نماہ۔ پتر بھیاہ۔ پرتیو بھیو۔ نمو دھرمائے وشنوئے۔ نمو بہائے۔ رُودرائے۔ کانتارپتے نماہ۔ اوم تت ست برہم اپنے تادت تتھوادے مہینہ۔ پکھش۔ تتھی وار کا نام لیکر ترپن کریں۔ پترے۔ پتامہائے۔ پرپتامہائے ماتری۔ پتامہیئے۔ پرپتامہے۔ ماتامہائے۔ پرماتامہائے۔ وردھ پرماتامہائے۔ ماتا مہیئے۔ پرماتامہیئے۔ وردھ پرماتامہیئے سمستہ ماتا پتر بھیاہ۔ دواداش دیوتھباہ پتر بھیاہ دو پاسودھاہ۔ دیباہ سُودھا اوم نمو

ترپن کرتے سمے اپنا گوتر نام کے ساتھ جوڑنا چاہیے۔ چاول وستر وغیرہ سنکلپ کرتے وقت اُسی پتر کا نام گوتر سہت پڑھیں :۔ تت ست برہماد سے تادوت تتھوادے ماس پکھہ۔ تتھی وار انیتا یام پتو شام دربار دوازسے۔ سیالوکسر کی کیا کمی شرادھی انم۔ وسترم۔ پھل مُولہ دکشنا سہتم سنکلپہ یامی۔

دایاں یگنیوپویت رکھ کر شُدھ جل سے ترپن کریں :۔ نمو برہمنے نمو استو اگنیئے نماہ پرتھویئے نماہ اوشدھی بھیاہ۔ نمو واچے۔ نمو واچسپتئے۔ نمو وشنوے برہتے کرنوی یتے بیلے ناسام ہیلے وہ۔ دیوتاہ تانام۔ ساوشتم۔ سابُو سجیم۔ ساموکتام۔ سای پیم اپنوتی یامیلے وم۔ ودوان۔ سوادھیایم ادھی تی۔ اُوم شانتی۔

شرادھ دیکھنے کا طریقہ

جس دن تتھی کے ساتھ دیوا (د) لکھا ہو تو اُس دن کا شرادھ پہلے ہی دن آتا ہے جیسے چورم دپنچم کا شرادھ بالترتیب تری اور چورم کو آئے گا جب اشٹم نوم دہم ایسی تتھی ہو تو اشٹمی کا شرادھ اشٹمی کو۔ نومی کا نوم کو اور دہم کا بھی دہم کو ہی ہوگا۔ جب اشٹم د نوم تتھی ہو تو اشٹمی کا شرادھ سپتمی کو اور نوم کا نوم کو ہی ہوگا۔ جس دن دو تتھیاں ہوں گی اور پتر شرادھ ہو تو پہلی ہی تتھی کو اور اگر دیو ورت یا جنم دن وغیرہ ہو تو پچھلی تتھی کو آئے گا۔

مدھیان دیکھنے کا طریقہ

مدھیان اکثر اُسی وقت دیکھا جاتا ہے جس دن تتھی دیوا ہو جس دن کا مدھیان دیکھنا ہو اُس دن کی تتھی اُس دن سے پہلی کی تتھی کے گھڑی پل جوڑ کر اگر دن مان کی گھڑی ڈپل سے کم ہو تو مدھیان پہلی تتھی کو ہوتا ہے یعنی شرادھ آدی کا ورت پہلے دن ہوگا۔ اگر جوڑ کے گھڑی ڈپل دن مان کی گھڑی ڈپل سے زیادہ ہو تو ورت آدی اسی دن ہوگا۔ پہلے دن نہیں۔